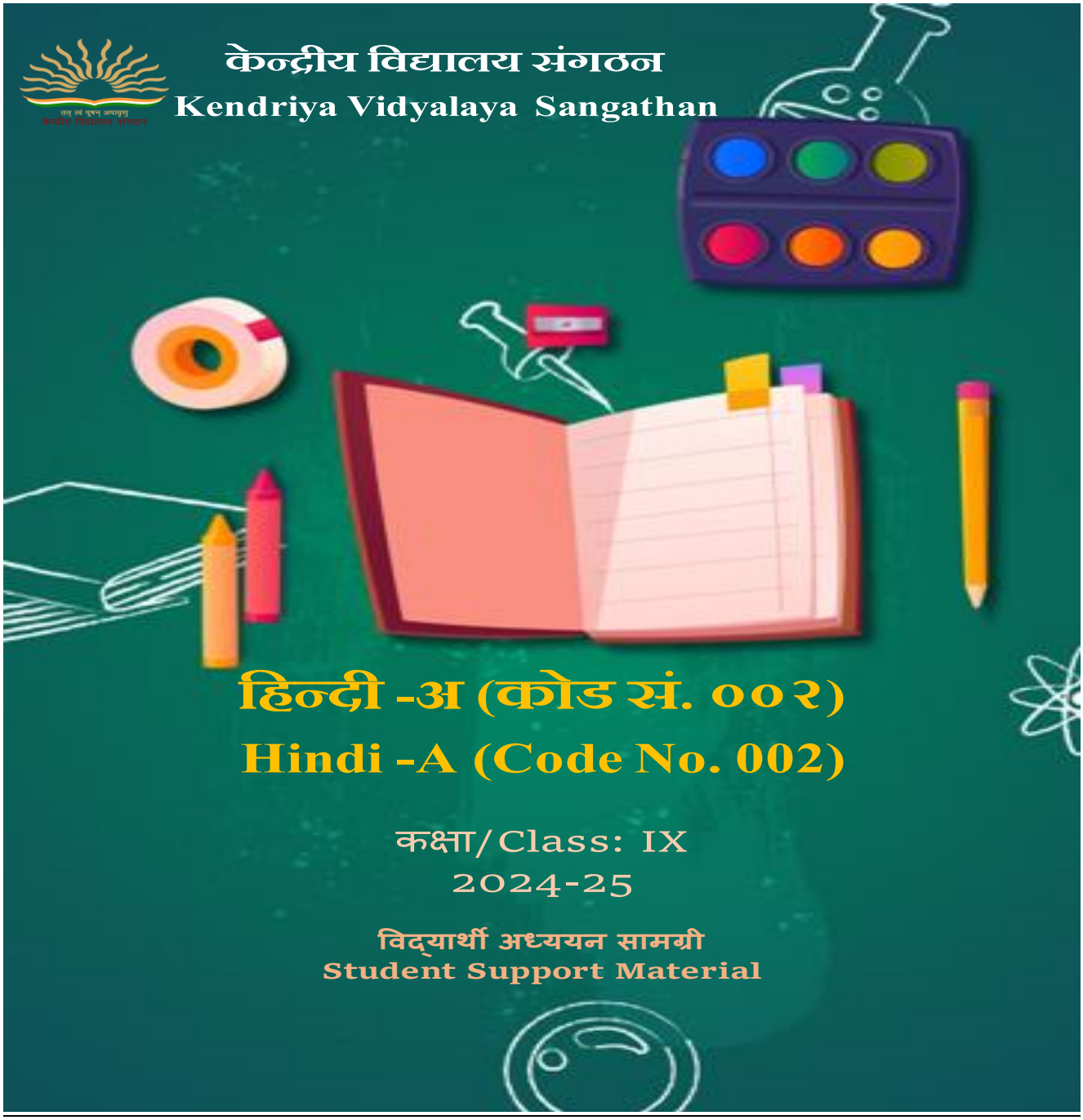
केन्द्रीय विद्यालय संगठन
Kendriya Vidyalaya Sangathan
हिन्दी -अ (कोड सं. ००२)
Hindi -A (Code No. 002)
कक्षा/Class: IX
2024-25
विद्यार्थी अध्ययन सामग्री
Student Support Material

संदेश

विद्यालयी शिक्षा में शैक्षिक उत्कृष्टता प्राप्त करना केन्द्रीय विद्यालय संगठन की सर्वोच्च वरीयता है। हमारे विद्यार्थी, शिक्षक एवं शैक्षिक नेतृत्वकर्ता निरंतर उन्नति हेतु प्रयासरत रहते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ 2020 में योग्यता आधारित अधिगम एवं मूल्यांकन संबन्धित उद्देश्यों को प्राप्त करना तथा सीबीएसई के दिशा निर्देशों का पालन, वर्तमान में इस प्रयास को और भी चुनौतीपूर्ण बनाता है।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पांचों **आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान** द्वारा संकलित यह 'विद्यार्थी सहायक सामाग्री' इसी दिशा में एक आवश्यक कदम है । यह सहायक सामग्री कक्षा के विद्यार्थियों के 12 से 9 लिए सभी महत्वपूर्ण विषयों पर तैयार की गयी है । केन्द्रीय विद्यालय संगठन की 'विद्यार्थी सहायक सामग्री' अपनी गुणवत्ता एवं परीक्षा संबंधी सामाग्रीसंकलन की विशेषज्ञता के लिए जानी जाती है और अन्य शिक्षण - आशा एवं विश्वास है-संस्थान भी इसका उपयोग परीक्षा संबंधी पठन सामग्री की तरह करते रहे हैं । शुभ कि यह सहायक सामग्री विद्यार्थियों की सहयोगी बनकर सतत मार्गदर्शन करते हुए उन्हें सफलता के लक्ष्य तक पहुंचाएगी ।

शुभाकांक्षा सहित ।

निधि पांडे

आयुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन

प्रभारी एवं संयोजक: **श्रीमती विभा रानी, प्राचार्या, के.वि. खानपुर (रूपनगर) (चंडीगढ़ संभाग)**

पुनरीक्षण: **के शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान चंडीगढ़ .सं.वि.**

श्रीमती नविता कुमारी, टी.जी.टी. (हिंदी), के.वि. सेक्टर-47 चंडीगढ़ (चंडीगढ़ संभाग)

विषय सूची / INDEX

क्र.सं.	पाठ्य विवरण	पृष्ठ सं.
1.	पाठ्यक्रम विनिर्देशन	5-7
2.	अपठित बोध (गद्य एवं पद्य)	8-20
3.	व्याकरण भाग	21-35
4.	पाठ्य पुस्तक (क्षितिज-1) पठित गद्यांश	36-47
5.	पाठ्य पुस्तक (क्षितिज-1) पठित काव्यांश	48-60
6.	पाठ्य पुस्तक (क्षितिज-1) गद्य भाग (वर्णनात्मक प्रश्न)	61-74
7.	पाठ्य पुस्तक (क्षितिज-1) पद्य भाग (वर्णनात्मक प्रश्न)	75-86
8.	पाठ्य पुस्तक (कृतिका-1) पूरक भाग (वर्णनात्मक प्रश्न)	87-97
9.	रचनात्मक लेखन : अनुच्छेद लेखन व पत्र लेखन	98-104
10.	सृजनात्मक लेखन : लघुकथा लेखन, ई.मेल लेखन	105-109
11.	सृजनात्मक लेखन : सूचना लेखन, संवाद लेखन	110-113
12.	प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-1 (उत्तरमाला के साथ)	114-125
13.	प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-2 (उत्तरमाला के साथ)	126-139
14.	प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-3 (उत्तरमाला के साथ)	140-147
15.	प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-4 (उत्तरमाला के साथ)	148-156

हिंदी पाठ्यक्रम-अ (कोड सं. 002)

कक्षा 9वीं हिंदी - अ परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2024-25

खंड		भारांक
क	अपठित बोध	14
ख	व्यावहारिक व्याकरण	16
ग	पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक	30
घ	रचनात्मक लेखन	20

- भारांक-{80(वार्षिक बोर्ड परीक्षा)+20 (आंतरिक परीक्षा)

निर्धारित समय- 3 घंटे भारांक-80

वार्षिक बोर्ड परीक्षा हेतु भार विभाजन				
खंड – क (अपठित बोध)				
		विषयवस्तु	उपभार	कुल भार
1	अपठित गद्यांश व काव्यांश पर बोध, चिंतन, विश्लेषण, सराहना आदि पर बहुविकल्पीय, अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न			14
	अ	एक अपठित गद्यांश लगभग 250 शब्दों का इसके आधार पर एक अंकीय तीन बहुविकल्पी प्रश्न (1x3=3), अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न (2×2=4) पूछे जाएँगे	7	
	ब	एक अपठित काव्यांश अधिकतम 120 शब्दों का इसके आधार पर एक अंकीय तीन बहुविकल्पी प्रश्न (1x3=3), अतिलघूत्तरात्मक एवं लघूत्तरात्मक प्रश्न (2×2=4) पूछे जाएँगे	7	
		खंड – ख (व्यावहारिक व्याकरण)		
2	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषयवस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/ संरचना आदि पर अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न | (1x16) कुल 20 प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से केवल 16 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे |			16
	अ	शब्द निर्माण उपसर्ग – 2 अंक, प्रत्यय – 2 अंक, समास – 4 अंक उपसर्ग-प्रत्यय- (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे), समास (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	8	

	ब		अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद – 4 अंक (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
	स		अलंकार – 4 अंक (शब्दालंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष) (5 में से 4 प्रश्न करने होंगे)	4	
3	**खंड – ग (पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पाठ्यपुस्तक)**				30
	अ		**गद्य खंड पाठ्यपुस्तक (क्षितिज (भाग 1)**	11	
		1	क्षितिज (भाग 1)से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषयवस्तु का ज्ञान, बोध, अभिव्यक्ति आदि पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x5)	5	
		2	क्षितिज (भाग 1) से निर्धारित पाठों में से विषयवस्तु का ज्ञान, बोध, अभिव्यक्ति आदि पर तीन प्रश्न पूछे जाएँगे।(विकल्प सहित- 25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3)	6	
	ब		**काव्य खंड पाठ्यपुस्तक (क्षितिज (भाग 1)**	11	
		1	क्षितिज (भाग 1) से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न पूछे जाएँगे (1x5)	5	
		2	क्षितिज (भाग 1) से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु तीन प्रश्न पूछे जाएँगे। (विकल्प सहित-25-30 शब्द-सीमा वाले 4 में से 3 प्रश्न करने होंगे) (2x3)	6	
	स		**पूरक पाठ्यपुस्तक (कृतिका भाग – 1)**	8	
			कृतिका (भाग 1) से निर्धारित पाठों पर आधारित दो प्रश्न पूछे जाएँगे। (4x2) (विकल्प सहित-50-60 शब्द-सीमा वाले 3 में से 2 प्रश्न करने होंगे)	8	
	खंड – घ (रचनात्मक लेखन)				
4	**लेखन**				
	क		विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत-बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन (6 x1 = 6)	6	20
	ख		अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में लगभग 100 शब्दों में किसी एक विषय पर पत्र। (5x1= 5)	5	
	ग		विविध विषयों पर आधारित लगभग 100 शब्दों में ई-मेल लेखन। (5x1= 5) **अथवा**	5	

		दिए गए विषय/शीर्षक आदि के आधार पर लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लेखन। (5x1= 5)		
	घ	दिए गए विषय/परिस्थिति के आधार पर लगभग 80 शब्दों में संवाद लेखन। (4x1=4) **अथवा** व्यावहारिक जीवन से संबंधित विषयों पर आधारित लगभग 80 शब्दों में सूचना लेखन। (4x1=4)	4	
		कुल		**80**
		आंतरिक मूल्यांकन		20
	अ	**सामयिक आकलन**	5	
	ब	**बहुविध आकलन**	5	
	स	**पोर्टफ़ोलियो**	5	
	द	**श्रवण एवं वाचन**	5	
		कुल		**100**

निर्धारित पुस्तकें :

1. **क्षितिज, भाग–1,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
2. **कृतिका, भाग–1,** एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

नोट – निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे–

क्षितिज, भाग – 1	काव्य खंड	• केदारनाथ अग्रवाल - चंद्र गहना से लौटती बेर (पूरा पाठ) • चंद्रकांत देवताले – यमराज की दिशा (पूरा पाठ)
	गद्य खंड	• चपला देवी – नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया (पूरा पाठ) • हजारीप्रसाद द्विवेदी – एक कुत्ता और एक मैना (पूरा पाठ)
कृतिका, भाग – 1	• विद्यासागर नौटियाल – माटी वाली (पूरा पाठ) • शमशेर बहादुर सिंह – किस तरह आखिरकार मैं हिंदी में आया (पूरा पाठ)	

अपठित बोध

अपठित बोध का अर्थ - अपठित शब्द का अर्थ है जो पढ़ा हुआ न हो | अर्थात ऐसा अवतरण जो पाठ्य पुस्तक से नहीं लिया गया है | यह शब्द 'अ' उपसर्ग, 'पठ' धातु (क्रिया) तथा 'इत' प्रत्यय से मिलकर बना है | यहाँ 'अ' का अर्थ है 'नहीं' और 'पठित' का रथ है 'पढ़ा गया' अर्थात पहले नहीं पढ़ा हुआ | 'बोध' शब्द का अर्थ है 'समझ' | आशय यह है कि विद्यार्थियों को वह गद्यांश अथवा पद्यांश पढ़कर समझना है जो उनकी पाठ्य पुस्तक में नहीं है | अपठित गद्यांश अथवा पद्यांश को समझने के लिए विद्यार्थियों को निम्नलिखित बिन्दुओं पर ध्यान देना चाहिए |

अपठित अवतरण का ध्यानपूर्वक मौन वाचन करते हुए उसे समझने का प्रयास करें |

- ❖ महत्त्वपूर्ण पंक्तियों, वाक्यांशों एवं शब्दों को पेंसिल से रेखांकित करें |
- ❖ अवतरण से संबंधित दिए गए प्रश्नों को पढ़कर उत्तर के लिए सम्भावित पंक्तियों को चिह्नांकित करें |
- ❖ जिन प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट न हो, उनके उत्तर जानने के लिए गद्यांश को पुन: ध्यान से पढ़ें |
- ❖ उत्तर हमेशा प्रश्न के अनुसार समुचित शब्दावली में देने का प्रयास करें |
- ❖ उत्तर संक्षिप्त, सरल और प्रभावशाली भाषा में होना चाहिए |
- ❖ सदैव ध्यान रखें कि शीर्षिक मूल कथ्य से संबंधित होना चाहिए |
- ❖ उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास एवं मुहावरों पर ध्यान देना चाहिए |

(इस शैक्षिक सत्र -2024-25 में अपठित गद्यांश की शब्द-संख्या 250 शब्दों तक सीमित कर दी गई है। अपठित गद्यांश व काव्यांश पर बोध, चिंतन, विश्लेषण, सराहना आदि के आधार पर एक अंकीय तीन बहुविकल्पी प्रश्न (1x3=3), अति लघु उत्तरात्मक एवं लघु उत्तरात्मक प्रश्न (2×2=4) पूछे जाएँगे)

अपठित गद्यांश - 1

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये |

हमारे जीवन में उत्साह का विशेष स्थान है। किसी काम को करने के लिए सदा तैयार रहना तथा उस काम को करने में आनंद अनुभव करना उत्साह का मुख्य लक्षण है। उत्साह कई प्रकार का होता है परंतु सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है। मनुष्य जब किसी के कष्ट को दूर करने का संकल्प करता है तब जिस सुख को वह अनुभव करता है, वह सुख विशेष रूप से प्रेरणा देने वाला होता है। जिस भी कार्य को करने से मनुष्य में कष्ट, दुःख या हानि को सहन करने की ताकत आती है, उन सब से उत्पन्न आनंद ही उत्साह कहलाता है। उदाहरण के लिए दान देने वाला व्यक्ति निश्चय ही अपने भीतर एक विशेष साहस रखता है और वह है धन-त्याग का साहस। यही त्याग यदि मनुष्य प्रसन्नता के साथ करता है तो उसे उत्साह से किया गया दान कहा जाएगा। इसी प्रकार युद्ध-क्षेत्र में वीरता दिखाने वाले तथा दया के लिए वीरता दिखाने वाले भी अपने-अपने क्षेत्र में उत्साह का कार्य करने वाले कहलाएंगे।

(i) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है-

(क) साहस का महत्त्व

(ख) उत्साह का महत्त्व

(ग) जीवन का उद्देश्य

(घ) संकल्प और प्रेरणा

(ii) उत्साह का प्रमुख लक्षण है-

(क) किसी काम को करने के लिए प्रसन्न होकर सदैव तत्पर रहना

(ख) दुःसाहस पूर्ण कार्य करना

(ग) प्रसन्नचित्त रहना

(घ) दूसरों की बढ़-चढ़ कर सहायता करना

(iii) दान देने वाले व्यक्ति में किस बात का साहस होता है?

(क) सुख-त्याग का साहस

(ख) झूठ बोलने का साहस

(ग) प्राण त्याग का साहस

(घ) धन-त्याग का साहस

(iv) सच्चा उत्साह किसे कहा गया है?

(v) किसी काम को करने के लिए सदा तैयार रहना तथा उस काम को करने में आनंद अनुभव करना

उत्साह का मुख्य लक्षण क्यों कहा है ?

अपठित गद्यांश - 2

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये |

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संवाद देने वाली है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। पाचन शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती है और अधिक पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। डॉक्टर ड्यूड के अनुसार आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास और नहीं है। कारलाइल के मतानुसार जो मन से हँसता है वह कभी निराश नहीं होता। खुलकर हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा । अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओं, तुमसे कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओं, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उस का दु:ख घटेगा । एक निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी। एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। हँसी सबको भली लगती है। जो मनुष्य हँसते नहीं, उन से ईश्वर बचावे। प्रसन्न लोग कोई बुरी बात नहीं कहते। हँसी बैर और बदनामी की शत्रु है और भलाई की सखी है। जहाँ तक बने, हँसी से आनंद प्राप्त करो।

(i) हँसी अच्छे स्वास्थ्य की संवाद है क्योंकि उससे-

(क) मन में खुशी बनी रहती है।

(ख) मनुष्य चुस्त रहता है।

(ग) मनुष्य हास-परिहास में व्यस्त रहता है।

(घ) एक साथ शरीर और मन दोनों प्रसन्न रहते हैं।

(ii) हँसी एक शक्तिशाली दवा होती है क्योंकि उससे

(क) शरीर में हल्कापन रहता है।

(ख) मन प्रसन्न बना रहता है।

(ग) पाचन शक्ति में वृद्धि के साथ रक्त और स्वेद प्रक्रिया दुरुस्त रहती है।

(घ) शरीर और मन दोनों शांत रहते हैं।

(iii) कारलाइल के अनुसार वह कभी निराश नहीं होता जो

(क) कभी नहीं हँसता।

(ख) हर बात पर हँसता रहता है।

(ग) मन से हँसता है।

(घ) मित्र के साथ ही हँसता-बोलता है।

(iv) हँसी को शक्तिशाली दवा क्यों कहा गया है ?

(v) मित्र, शत्रु, अनजान, निराश एवं बूढ़े आदि सभी मनुष्यों पर हँसी का क्या प्रभाव होता है ?

अपठित गद्यांश - 3

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये -

कभी-कभी सहज से तेज़ गति में परिवर्तित होते क्रोध को समय रहते नियंत्रित नहीं किया गया तो उसके परिणाम अत्यंत घातक और पश्चाताप के भाव जगाने वाले हो सकते हैं।

कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी के मनोविश्लेषक टॉम जी. स्टीवेन्स ने अपनी किताब 'ओवर कम एंगर ऐंड एग्रेशन' में स्पष्ट किया है कि क्रोध पर नियंत्रण का एक प्रमुख तरीका यह है कि स्थिति को अपने नहीं, दूसरों के नजरिये से देखें। दूसरों को उन स्थितियों पर प्रकाश डालने के लिए प्रोत्साहित करें, क्षमा करना सीखें, बीते को बिसारने की आदत विकसित करें और किसी को चोट पहुँचाने के बजाय प्रशंसा से उसका मूल्यांकन करें। याद रखें, क्रोध-नियंत्रण से आप स्वयं को शक्तिशाली बनाते हैं। इससे आपकी खुशहाली और स्मृतियों का विस्तार होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी के वैज्ञानिकों ने अपनी किताब '50 साइनस ऑफ मेंटलइलनेस' में इन कमजोरियों पर प्रकाश डालते हुए गुस्से को काबू में रखने के कारगर सूत्र दिए हैं। क्रोध-नियंत्रण से हम अपना ही नहीं, दूसरों के उजड़ते संसार को फिर से आबाद कर सकते हैं क्योंकि शांत मन सृजन में समर्थ होता है। हमारे सृजनात्मक होने से ही मानवता का हित सध सकता है। तो जब भी क्रोध आए, इन उपायों को आजमाएँ। जीवन में बिखरी हुई चीजों को सँवारने की ओर कदम खुद बढ़ चलेंगे।

i) क्रोध-नियंत्रण से होने वाले लाभों के संबंध में अनुपयुक्त कथन है?

(क) इससे व्यक्ति स्वयं को शक्तिशाली बनाता है।
(ख) इससे व्यक्ति के जीवन में खुशहाली आती है।
(ग) इससे व्यक्ति की विस्मृतियों का विस्तार होता है |
(घ) इससे व्यक्ति की रचनात्मकता में वृद्धि होती है।

ii) किस तरह का क्रोध अंततः पश्चाताप का कारण बनता है?

(क) अत्यंत आवेग में किया गया क्रोध
(ख) सहज भाव से किया गया क्रोध
(ग) प्रायश्चित्त भाव से किया गया क्रोध
(घ) इनमें से कोई नहीं

iii) मनोविश्लेषक स्टीवेन्स के अनुसार क्रोध पर काबू पाने का सबसे उपयुक्त उपाय है?

(क) परिस्थितियों पर दूसरों के नियंत्रण को स्वीकार करना।
(ख) परिस्थितियों पर पूरी तरह नियंत्रण स्थापित करना।
(ग) परिस्थितियों को अपने नजरिये से और अच्छे से समझना।
(घ) परिस्थितियों को दूसरों के नजरिये से जानने का प्रयास करना।

iv) क्रोध आने पर क्या करना चाहिए?

v) आवेग में किए गए क्रोध से क्या -क्या हानियाँ होती हैं ?

अपठित गद्यांश - 4

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये |

मनुष्य ने अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति का दोहन कर प्राकृतिक संतुलन ही नहीं, बल्कि स्त्रियों के साथ अन्याय कर, स्त्री-पुरुष के लिंगानुपात को घटाने का अमानवीय कार्य भी किया है। लिंगानुपात में आई भारी गिरावट का मुख्य कारण कन्या भ्रूण हत्या है। गर्भस्थ शिशु के लिंग परीक्षण के पश्चात् कन्या भ्रूण होने की स्थिति में उसे माँ के गर्भ में ही मार दिया जाता है, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि लड़कियाँ हमेशा उपभोक्ता होती हैं और

लड़के उत्पादक होते हैं। अभिभावक समझते हैं कि लड़का उनके लिए जीवन भर कमाएगा और उनका ध्यान रखेगा, जबकि लड़की की शादी होगी और वह ससुराल चली जाएगी।

विदेशी आक्रमणों और समाज में पर्दा-प्रथा, सती-प्रथा जैसी कुप्रथाओं के कारण महिलाओं को शिक्षा से वंचित किया जाने लगा तथा धार्मिक और सामाजिक रूप से पुरुषों को अधिक महत्त्व दिया जाने लगा एवं महिलाओं को घर तक सीमित कर दिया गया है, जिससे संतान के रूप में नर शिशु की कामना करने की गलत परंपरा समाज में विकसित हो गई। इसका अन्य महत्त्वपूर्ण कारण दहेज प्रथा भी है। पहले के समय में माता-पिता अपनी पुत्रियों की शादी में जरूरी घरेलू चीजें दिया करते थे। कई परिवार कुछ सोना और चाँदी भी देते थे। यह उसके भविष्य को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से किया जाता था, परंतु धीरे-धीरे यह एक रिवाज बन गया है। अब दूल्हे का परिवार जो माँगता है, उसे दुल्हन के परिवार को देना पड़ता है, चाहे उनको उसके लिए किसी से कर्जा लेना पड़ जाए या अपना घर गिरवी रखना पड़ जाए। लेकिन उन्हें लड़के वालों की माँग पूरी करनी पड़ती है।किसी भी देश की प्रगति तब तक संभव नहीं है, जब तक वहाँ की महिलाओं को प्रगति के पर्याप्त अवसर न मिलें। जिस देश में महिलाओं का अभाव हो, उसके विकास की कल्पना कैसे की जा सकती है? कन्या भ्रूण हत्या को समाप्त करने में महिलाओं की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण हो सकती है। अतः इसके लिए महिला शिक्षा पर विशेष ध्यान देना होगा, क्योंकि शिक्षित महिला उस तरह का औजार है, जो भारतीय समाज पर और अपने परिवार पर अपने हुनर तथा ज्ञान से सकारात्मक प्रभाव डालती है।

(i) भारतीय समाज में लिंगानुपात में हुए परिवर्तन का कारण है-

(क) विदेशी आक्रमण

(ख) कन्या भ्रूण हत्या

(ग) सामाजिक कुप्रथाएँ

(घ) उपर्युक्त सभी

ii) (क) निम्नलिखित कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए।

संतान के रूप में नर शिशु की कामना करने की गलत परंपरा के कारणों में निहित है/हैं

1. महिलाओं को घर तक सीमित रखना।
2. दहेज प्रथा का प्रचलन होना।
3. विदेशी आक्रमणों का होना।
4. प्रकृति का दोहन करना।

कूट

(क) केवल 1 सही है

(ख) 1 और 2 सही हैं

(ग) 2 और 3 सही है

(घ) 3 और 4 सही हैं

(iii) कथन (A) समाज में महिलाओं की दयनीय स्थिति हो गई।

कारण (R) महिलाओं को मानवीय अधिकारों से वंचित कर दिया गया।

(क) कथन A गलत है, किंतु कारण R सही है।

(ख) कथन A और कारण R दोनों गलत हैं।

(ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R कथन A की सही व्याख्या है।

(घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R कथन A की सही व्याख्या नहीं है

iv) देश की प्रगति का संबंध किससे बताया गया है? और क्यों ?

v) विदेशी आक्रमणों से महिलाओं की स्थिति पर क्या प्रभाव पड़ा ?

अपठित गद्यांश - 5

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये |

गीता के उपदेश की लोग प्रायः चर्चा करते हैं कि कर्म करें, फल की इच्छा ना करें। यह कहना तो सरल है पर पालन करना उतना सरल नहीं है। परंतु इतना कठिन भी नहीं है क्योंकि कर्म के मार्ग पर आनंदपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अंतिम फल तक न भी पहुंचे तो भी उसकी दशा कर्म न करने वाले की अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी, क्योंकि एक तो कर्म करते हुए उसका जो जीवन बीता वह संतोष या आनंद में बीता। उसके उपरांत फल की प्राप्ति न होने पर भी उसे यह पछतावा ना रहा कि मैंने प्रयत्न नहीं किया। फल पहले से कोई बना - बनाया पदार्थ नहीं होता। कर्म के अनुसार अनुकूल प्रयत्न किया जाना चाहिए। किसी मनुष्य के घर का कोई प्राणी बीमार है तो वह वैद्यों के यहां से जब तक औषधि ला- लाकर रोगी को देता जाता है तब तक उसके चित्त में संतोष रहता है। प्रत्येक नए उपचार के साथ जो आनंद का उन्मेष होता रहता है , वह उसे कदापि न प्राप्त होता, यदि वह रोता हुआ बैठा रहता। प्रयत्न की अवस्था में उसके जीवन का जितना अंश संतोष, आशा और उत्साह में बीता, अप्रयत्न की दशा में उतना ही अंश केवल शोक और दुख में कटा। इसके अतिरिक्त रोगी के न अच्छे होने की दशा में भी वह आत्मग्लानि के उस कठोर रुख से बचा रहेगा जो उसे जीवन भर यह सोच कर होता कि मैंने पूरा प्रयत्न नहीं किया | कर्म में आनंद अनुभव करने वालों का ही कर्मवीर कहा जाता है । धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फलस्वरुप लगते हैं। अत्याचार का दमन और शमन करते हुए कर्म करने से चित्त में जो तुष्टि होती है वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है|

i) कर्म करने वाले को फल ना मिलने पर भी पछतावा क्यों नहीं होता?

(क) उसे प्रयत्न करने का दुख होता है।
(ख) उसे प्रयत्न करने का पछतावा होता है।
(ग) उसे प्रयत्न करने का संतोष होता है।
(घ) उसे प्रयत्न करने का मलाल होता है।

ii) घर में रोगी का उदाहरण क्यों दिया गया है?

(क) कर्म करने से प्राप्त संतोष मिलने के संदर्भ में
(ख) नफ़रत के संदर्भ में
(ग) भाषा के संदर्भ में
(घ) विविधता के संदर्भ में

iii) कर्मवीर किसे कहा गया है?

(क) जो काम का श्रीगणेश करता है।
(ख) जो काम करने में आनंद पाता है।
(ग) जो काम करवाने में आनंद आता है।
(घ) जो काम समाप्त करने का संकल्प लेता है।

iv) कर्म करने से प्राप्त संतोष को किस का सुख माना गया है?और क्यों ?

v) गीता के किस उपदेश की ओर संकेत किया गया है?

अपठित गद्यांश - 6

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये |

वैज्ञानिकों का मानना है कि दुनियाभर में बढ़ते पर्यावरण संकट को कम करने में जैविक खेती एक उपचारक भूमिका निभा सकती है। गौरतलब है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में प्राकृतिक खेती बड़े पैमाने पर अपनाई जा रही है। धीरे-धीरे दक्षिण भारत, मध्य भारत और उत्तर भारत में भी यह किसानों में लोकप्रिय हो रही है। अब

किसानों ने जैविक खेती को एक सशक्त विकल्प के रूप में अपना लिया है। गौरतलब है कि जैविक या प्राकृतिक खेती की तरफ़ भारतीय किसानों का रुझान लगातार बढ़ रहा है। धीरे - धीरे जैविक खेती का प्रचलन बढ़ रहा है। जैविक बीज, जैविक खाद, पानी, किसानी के यंत्रों आदि की आसानी से उपलब्धता जैविक खेती की लोकप्रियता को और अधिक बढ़ा सकती है।प्राकृतिक खेती को लेकर अनुसंधान भी बहुत हो रहे हैं। किसान नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। इससे कृषि वैज्ञानिक भी प्राकृतिक खेती को लेकर अधिक उत्साहित है। कृषि वैज्ञानिकों का मानना है कि जैविक या प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने से पर्यावरण, खाद्यान्न, भूमि, इंसान की सेहत, पानी की शुद्धता को और बेहतर बनाने में मदद मिलती है। पर इसके बावजूद आज भी देश के अन्य हिस्सों में रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से होने वाली बीमारियों और समस्याओं की जानकारी न होने की वजह से किसान इनका प्रयोग काफी ज्यादा कर रहे हैं । वहीं दूसरी तरफ सिक्किम में प्राकृतिक खेती से पर्यावरण को जितनी मदद मिली है उससे साफ़ हो गया है कि प्राकृतिक खेती को अपनाकर कई समस्याओं का समाधान हो सकता है।

(i) आज जैविक खेती की माँग क्यों बढ़ती जा रही है?

(क) सस्ती होने के कारण

(ख) अधिक उत्पादन के कारण

(ग) स्वच्छ पर्यावरण के कारण

(घ) सरकारी मदद मिलने के कारण

(ii) किस राज्य में जैविक खेती के प्रति अधिक उत्साह है?

(क) उत्तर भारत में जैविक खेती के लिए प्रेरणा की जरूरत है।

(ख) पूर्वोत्तर राज्यों में जैविक खेती के प्रति अधिक उत्साह है।

(ग) लोगों में प्राकृतिक खेती के बारे में जानकारी का अभाव है।

(घ) प्राकृतिक खेती के लिए विश्वविद्यालय से शिक्षित होना जरूरी है।

(iii) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए-

कथन (A): जैविक खेती को किसानों की पहली पसंद बनाना चाहिए।

कारण (R): जैविक बीज, खाद, कृषि के यंत्र आदि सुविधाएँ उपलब्ध करवानी चाहिए।

विकल्प:

(क) कचन (A) गलत है, किन्तु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

(ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

(iv) जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए और क्या प्रयास किए जाने चाहिए?

(v) कुछ क्षेत्रों में आज भी किसान जैविक खेती के स्थान कीटनाशकों और रासायनिक खादों का अधिक प्रयोग क्यों कर रहे हैं?

उत्तरमाला (अपठित गद्यांश)

अपठित गद्यांश 1

उत्तर-(1) (ख) (ii) (क) (iii) (घ) (iv) जो मनुष्य को कार्य करने की प्रेरणा देता है | उसे सच्चा उत्साह कहा गया है | (V) जो भी कार्य प्रसन्नता से किया जाता है उसी काम को करने में व्यक्ति में उत्साह आता है अन्यथा निराशा का भाव पैदा करता है |

अपठित गद्यांश - 2

उत्तर-(1) (घ) (ii) (ग) (iii) (ग) (iv) क्योंकि इससे तन मन स्वस्थ रहता है और हमारा व्यवहार भी अच्छा रहता है |

(V) मित्र, शत्रु, अनजान, निराश एवं बूढ़े आदि सभी मनुष्यों पर हंसी का प्रभाव शुभ और स्वास्थ्यवर्धक होता है |

अपठित गद्यांश - 3

उत्तर-(1) (ग) (ii) (क) (iii) (घ) (iv) क्रोध आने पर हमें संयमित रहने का प्रयत्न करना चाहिए| (v) मनुष्य के स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचता है,आवेग में आकर गलत निर्णय ले लिए जाते हैं |

अपठित गद्यांश - 4

उत्तर-(1) (ख)(ii) (ख)(iii) (ग)(iv) देश की प्रगति का संबंध महिलाओं को प्रगति के प्राप्त अवसर से है अर्थात् जिस देश में महिलाओं को सम्मान, अधिकार व उन्नति के अवसर मिलते हैं, वही देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होता है।

(v) विदेशी आक्रमणों से महिलाओं की स्थिति पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। महिलाओं को शिक्षा से वंचित किया जाने लगा तथा उन्हें घर तक सीमित कर दिया गया। धार्मिक और सामाजिक रूप से पुरुषों को अधिक महत्त्व दिया जाने लगा।

अपठित गद्यांश - 5

उत्तर-(1) (ग)(ii) (क)(iii) (ख)(iv) कर्म करने से प्राप्त संतोष को कर्मवीर का सुख माना गया है क्योंकि कर्मवीर फल की चिंता नहीं करते उनको कर्म करने में ही आनंद मिलता है |

(V) गीता के उपदेश के अनुसार हमें कर्म करना चाहिए फल की चिंता ना करें |

अपठित गद्यांश - 6

उत्तर-(1) (ग)(ii) (ख)(iii) (घ) (iv) किसानों को जागरूक करना चाहिए , जैविक क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए | (V) रासायनिक खादों और कीटनाशकों के इस्तेमाल से होने वाली बीमारियों और समस्याओं की जानकारी न होने की वजह से किसान इनका प्रयोग काफी ज्यादा करने लगे हैं |

अपठित काव्यांश - 1

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प / उत्तर लिखिए |

सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही ।।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम
जो नत हुआ, वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झरकर कुसुम
जो पंथ भूल रुका नहीं,
जो हार देख झुका नहीं,
जिसने मरण को भी लिया हो जीत, है जीवन वही।।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही ।।
ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियों मिलें,
काँटे चुभें ,कलियाँ खिले,
टूटे नहीं इनसान, बस संदेश यौवन का यही।।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही ।।

अपने हृदय का सत्य अपने आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर अपने आप हमको पोंछना।
आकाश सुख देगा नहीं, धरती पसीजी है कहीं!
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही।।
सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही ।।

(1) इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनिए-

कथन

(i) प्रतिकूलता के विरुद्ध जूझते हुए बढ़ना ही जीवन की सच्चाई है।
(ii) परिस्थितियों से समझौता करके जोखिमों से बचना ही उचित है।
(iii) लक्ष्य-संधान हेतु मार्ग में भटक जाने का भय त्याग देना चाहिए।
(iv) जीवन में 'अपने खाले, खुद सहलाने' का दर्शन अपनाना चाहिए।

विकल्प

(क) कथन ii सही है।
(ख) कथन i व iii सही हैं।
(ग) कथन i, iii व iv सही है।
(घ) कथन i, ii, iii व iv सही हैं।

(2) युवावस्था हमें सिखाती है कि - कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए-

कथन

(i) स्वयं को चैतन्य, गतिशील, आत्मआलोचक व आशावादी बनाए रखें।
(ii) सजग रहे,जीवन में कभी कठिन परिस्थितियाँ उत्पन्न ही न होने दें।
(iii) सुख-दुख,उतार-चढ़ाव को भाग्यवादी बनकर स्वीकार करना सीखें।
(iv) प्रतिकूल परिस्थितियों के आगे घुटने न टेके, बल्कि दो-दो हाथ करें।

विकल्प :

(क) कथन। व सही हैं।
(ख) कथन । व iv सही हैं।
(ग) कथन ॥ व iii सही हैं।
(घ) कथन iii व iv सही है।

(3) मरण अर्थात मृत्यु को जीतने का आशय है-

(क) साधुता व साधना से अमरत्व प्राप्त करना।
(ख) योगाभ्यास व जिजीविषा से दीर्घायु हो जाना।
(ग) अर्थ, बल व दृढ़ इच्छाशक्ति से जीवन को कष्टमुक्त करना।
(घ) जीवन व जीवन के बाद भी आदर्श रूप में स्मरण किया जाना।

(4) 'आकाश सुख देगा नहीं, धरती पसीजी है कहीं' का अर्थ है कि-

(5) अपने आप से लड़ने का अर्थ है-

अपठित काव्यांश - 2

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प / उत्तर लिखिए |

रेशमी कलम से भाग्य लेख लिखने वालों,
तुम भी अभाव से कभी ग्रस्त हो रोए हो ।
बीमार किसी बच्चे की दवा जुटाने में,

तुम भी क्या रात भर पेट बांधकर सोए हो ?
असहाय किसानों की किस्मत को खेतों में,
क्या अनायास जल में बह जाते देखा है ?
क्या खाएंगे? यह सोच निराशा से पागल,
विचारों को नीरव रह जाते देखा है?
पर तुम नगरों के लाल अमीरी के पुतले,
क्यों व्यथा भाग्य-हीनों की मन में लाओगे ?
जलता हो सारा देश, किंतु होकर अधीर,
तुम दौड़-दौड़ कर क्यों यह आग बुझाओगे ?

1. रेशमी कलम से भाग्य लिखनेवाले हैं-

(क) धनिक एवं सत्ताधारी लोग
(ख) सामान्य जनता
(ग) परमेश्वर
(घ) मज़दूर वर्ग

2. पेट बांधकर सोना से तात्पर्य है-

(क) पेट को बांधकर सो जाना ।
(ख) खाली एवं भूखे पेट सो जाना ।
(ग) पेट में दर्द होना ।
(घ) पेट-दर्द की दवा खाना ।

3. नीरव शब्द का अर्थ है-

(क) शांत
(ख) गरीब
(ग) भूखा
(घ) रोना

4. किसानों को असहाय कहा गया है क्योंकि.....

5. किसान लोग क्या सोचकर निराशा से पागल हो जाते हैं?

अपठित काव्यांश - 3

निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प / उत्तर लिखिए |

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुन्दर है,
सूर्य-चन्द्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है,
नदियाँ प्रेम प्रवाह, फूल तारे मंडल हैं.
बंदीजन खग-वृंद शेषफन सिंहासन है,
करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेष की,
हे मातृभूमि !तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की।
जिसकी रज में लोट-लोट कर बड़े हुए हैं
घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं,
परमहंस सम बाल्यकाल में सब सुख पाए,
जिसके कारण धूल भरे हीरे कहलाए,
हम खेले कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में।
हे मातृभूमि तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में?

(1) कवि किसके बारे में वर्णन कर रहा है?

(क) मातृभूमि

(ख) ईश्वर

(ग) देवभूमि

(घ) नीलांबर को

(2) 'परमहंस सम बाल्यकाल' पंक्ति में अलंकार है-

(क) यमक

(ख) उपमा

(ग) उत्प्रेक्षा

(घ) रुपक

(3) 'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द है:

(क) नीलांबर

(ख) रत्नाकर

(ग) बंदीजन

(घ) सिंहासन

(4) कवि ने पृथ्वी के परिधान व स्वरूप के बारे में क्या बताया है?

(5) धूल भरे हीरे किसे कहा गया है और क्यों ?

अपठित काव्यांश - 4

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

वैराग्य छोड़ बाँहों की विभा सँभालो
चट्टानों की छाती से दूध निकालो।
है रुकी जहाँ भी धार शिलाएँ तोड़ो,
पीयूष चंद्रमाओं को पकड़ निचोड़ो
चढ़ तुंग शैल शिखरों पर सोम पियो रे।
योगियों नहीं, विजयी के सदृश जियो रे।
छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए
दो बार नहीं यमराज कंठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे।
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे।
स्वातंत्य जाति की लगन व्यक्ति की धुन है,
बाहरी वस्तु यह नहीं, भीतरी गुण है।
नत हुए बिना जो अशनि-घात सहती है,
स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है।
वीरत्व छोड़ पर का मत चरण गहो रे।

(1) 'युवकों को आदर्श जीवन जीना चाहिए' प्रस्तुत कथन को पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए|

1. युवकों के मन में जोश भरा होना चाहिए।
2. युवकों में देशभक्ति की भावना जागृत होनी चाहिए।
3. युवकों को अपनी युवावस्था का सदुपयोग करना चाहिए।
4. युवाओं को वीर होना चाहिए।

(क) 1 और 2 सही है

(ख) 2 और 3 सही हैं

(ग) 2,3 और 4 सही हैं

(घ) 1,2,3 और 4 सही हैं

2.कवि के अनुसार कौन-सी जाति स्वाधीनतापूर्वक जीवित रह पाती है?

(क) जो जाति झुकना जानती है

(ख) जो तलवारों की चोट का सामना करने पर भी हार नहीं मानती

(ग) जो तलवारों की चोट का सामना करने पर हार मान लेती है

(घ) इनमें से कोई नहीं

3. कथन (A) भारत के युवकों को साहस भरा और सम्मानपूर्वक जीवन जीना चाहिए।
कारण (R) युवाओं को प्रत्येक संकट का सामना करना चाहिए।

(क) कथन A गलत है, किंतु कारण R सही है।

(ख) कथन A और कारण R दोनों गलत हैं।

(ग) कथन A और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण R कथन A की सही व्याख्या करता है।

(घ) कथन A और कारण R दोनों सही हैं, परंतु कारण R कथन A की सही व्याख्या नहीं करता है।

4 . कवि के अनुसार कौन-सी जाति स्वाधीनतापूर्वक जीवित रह पाती है?

5. काव्यांश के आधार पर बताइए कि कैसी परिस्थितियों में मनुष्य को मृत्यु की चिंता नहीं करनी चाहिए?

अपठित काव्यांश - 5

निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

हम देख चुकी हैं सब कुछ, पर अब करके कुछ दिखला देंगी,
निज धर्म-कर्म पर दृढ़ होकर, कुछ दुनिया को सिखला देंगी|
है क्या कर्तव्य हमारा अब, पहचान लिया हमने उसको,
अरमान यही अब दिल में है, लंदन का तख़्त हिला देंगी|
समझो न हमें कन्याएं हैं, हम दुष्टनाशिनी दुर्गा हैं,
कर सिंहनाद आज़ादी का,दुष्टों का दिल दहला देंगी|
राष्ट्रीय ध्वजा लेकर कर में, गाएंगी राष्ट्रगीत प्यारे,
दौड़ाकर बिजली भारत में, मुर्दे भी तुरत जिला देंगी|
बेड़ियां गुलामी की काटें, आज़ाद करेंगी भारत को,
उजड़े उपवन में भारत के, अब प्रेम-प्रसून खिला देंगी|

1. बालिकाओं में इतना जोश किसके प्रति है?

(क) तरक्की के प्रति

(ख) देश की आजादी के प्रति

(ग) लड़ाई करने के प्रति

(घ) खेलने के प्रति

2. उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक बताइए-

(क) बहादुर महिलाएं

(ख) वीर बालिकाएं

(ग) बेबस बालिकाएं

घ) कमजोर बालिकाएं

3. 'आजादी' शब्द का विलोम बताइए-

(क) स्वावलंबन

(ख) अभिमानी

(ग) स्वाभिमानी

(घ) गुलामी

4. बालिकाओं ने अपनी कल्पना दुर्गा से क्यों की है?

5. बालिकाओं ने अपना क्या कर्तव्य बताया है?

अपठित काव्यांश - 6

निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

कई दिनों से आते - जाते मैं देख रहा था उसे
जैसे वो कुछ कहना चाहता था
कुछ बताना चाहता था
लेकिन कोई पूछता तब तो बताता
कोई सुनता तब तो सुनाता
सब निकल जाते थे उससे सांस लेते हुए
उसकी छाया में सुकून के पल बिताते हुए
उसके पत्तों को नोंचते हुए
उसकी डालियों को खींचते हुए
छाया, सांस, फल,पत्ते और हवा
बदले में क्या देते हो?
कुल्हाड़ी के निशान,डालियों को चोट
पत्तियों से खींचतान
हम तो गिलहरियों और गौरैयों तक को आश्रय देते हैं
तुम सबसे केवल लेते हो
सोचो तो क्या देते हो ?
एक दिन हमें रास्ते से ही हटा देते हो
विकास के नाम पर?

1. कई दिनों से कवि किसे देख रहा था?

(क) दोस्तों को

(ख) घर को

(ग) पेड़ को

(घ) गिलहरियों को

2. विकास के नाम पर मनुष्य पेड़ों के साथ क्या करता है?

(क) पेड़ों में पानी देता है

(ख) उनकी रखवाली करता है

(ग) उन्हें काट देता है

(घ) विकल्प 'क' और 'ख' दोनों

3. पेड़ों के किस गुण की बात की गई है?

(क) दानवीरता

(ख) परोपकार

(ग) सहनशीलता

(घ) सघनता

4. 'जैसे वह कुछ कहना चाहता था'- पंक्ति के माध्यम से आशय स्पष्ट करें कि कौन, किसे और क्या कहना चाहता है?

5. मनुष्य ने पेड़ों के साथ क्या किया?

उत्तरमाला

1. (1) ग (2)ख (3) घ (4) जुझारु बनकर स्वयं ही जीवन के दुख दूर किए जा सकते हैं।
(5) अपनी दुर्बलताओं की अनदेखी न करके उन्हें दृढ़ता से दूर करना।

2. (1) क (2)ख (3) क (4) उनकी खेती किस्मत पर निर्भर होती है। (5) खाने-पीने के लिए कुछ न मिलने से

3. (1) (क) (2) (ख) (3) (ख) (4) नीलांबर परिधान,सूर्य-चन्द्र युग मुकुट (5) मातृभूमि की अमूल्य संतान को ,यानि आम देशवासी क्योंकि देश की असली पूँजी वहीं है

4). (1) (घ) (2) (ख) (3) (घ) (4) संसार में केवल वहीं जाति स्वाधीनतापूर्वक जीवित रह पाती है, जो तलवारों की चोट का सामना दृढ़ता से करती है कभी हार नहीं मानती अर्थात् झुकना नहीं जानती।

(5) काव्यांश में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि जब अपनी आन अर्थात् अपना आत्मसम्मान दाँव पर लगा हो, तब मनुष्य को मृत्यु की भी चिंता नहीं करनी चाहिए।

5) 1(ख) देश की आजादी के प्रति 2(ख) वीर बालिकाएं 3(घ) गुलामी 4 दुर्गा शक्ति का प्रतीक हैं एवं दुश्मनों का अंत करती हैं | 5. देश को अंग्रेजों की बेड़ियों से आज़ाद कराना

6). 1(ग) पेड़ को 2(ग) उन्हें काट देता है 3(ख) परोपकार 4. पेड़ मनुष्य से कहना चाहता है कि मनुष्य में मानवता नहीं बची इसलिए उसे दूसरों के दुःख एवं कष्ट से कोई फर्क नहीं पड़ता | 5. पेड़ों के हर अंग को निर्ममता से नष्ट किया |

व्याकरण भाग

उपसर्ग और प्रत्यय

प्रत्येक भाषा में नए इसे शब्द निर्माण की प्रक्रिया | नए शब्द बनाए जाने की प्रक्रिया निरंतर चलती रहती है- कहते हैं | मूल शब्द के आरंभ या अंत में कुछ शब्दांश जोड़कर नए शब्द बनाए जाते हैं |

इसे ही व्याकरण में शब्द निर्माण कहा जाता है |ये तीन प्रकार के होते हैं

(उपसर्ग) अर्थवान एवं स्वतंत्र मूल शब्द के पूर्व में शब्दांश जोड़कर |

अर्थवान एवं स्वतंत्र एवं मूल शब्द के बाद में शब्दांश जोड़कर (प्रत्यय)|

(समास) पृथक अर्थवान स्वतंत्र शब्दों के मेल से - दो पृथक

उपसर्ग आ - जैसे | उपसर्ग कहलाते हैं , शब्द के आरंभ में जुड़कर नया शब्द बनाते हैं वे शब्दांश जो मूल - अजय = जय + अ , आगमन = गमन + |

इसमें श 'आ'ब्दांश है और गमन मूल शब्द|अ शब्दांश और जय मूल शब्द , |

शब्दांश जुड़कर नवीन विशेषता उत्पन्न करते हैं और अर्थ परिवर्तित करते हैं प्रयुक्त होने वाले हिंदी भाषा में उपसर्ग मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं

.1संस्कृत उपसर्ग .2 (तत्सम)हिंदी उपसर्ग (तद्भव)

विदेशी 3भाषाओँ से आये हुए मुख्यतः उर्दू (फारसी एवं अंग्रेजी- अरबी)

संस्कृत उपसर्ग इन की कुल संख्या -22 है |

आ	आहार, आगमन, आकार
अप	अपयश, अपवाद , अपमान
अव	अवसर अवशेष , अवगुण
अति	अतिक्रमण, अतिशय , अत्याचार
अधि	अधिगमन, अधिनायक , अधिकार
अनु	अनुशासन, अनुभव , अनुकरण
अभि	अभिनय, अभियोग , अभिमान
उप	उपहार, उपकार , उपसंहार
उत्	उत्कर्ष, उत्पात ,उत्सव
उद्	उद्गम, उद्यान ,उत्थान
दुर्	दुर्जन, दुर्गुण , दुर्बल
दुस्	दुस्साहस, दुस्साध्य, दुष्प्रभाव
निर्	निर्देश, निर्दोष, निर्धन
निस्	निष्पाप, निस्संदेह , निस्सार
सम्	समक्ष, सम्पूर्ण,सम्मलेन
प्र	प्रबल, प्रदर्शन, प्रगति,
परा	पराधीन, पराजय, पराक्रम
परि	परिक्रमा, परिवर्तन,परिचय
वि	विदेश, विज्ञान, विकास
सु	सुकर्म ,सुमार्ग, सुगम
कु	कुपुत्र कु, कुमार्ग,रूप
नि	नियुक्त, निमंत्रण,निबंध

हिंदी उपसर्ग (तद्भव)

ये मूलतः संस्कृत से ही विकसित हुए हैं इनकी संख्या 11 हैं |

अ	अचल, अमर, अटल,
अध	अधपका, अधखिला, अधजला
अन	अनमोल, अनपढ़ , अनजान,
उन	उनतीस उनसठ, ,,उनतालीस
औ अव	औघट, अवतरण,अवगुण,
क कु /	कपूत कुसमय, कुचाल , , कुपात्
चौ	चौराहा, चौमासा,,चौपाई
स / सु	सपूत, सुजान, सुडौल ,सपरिवार,
भर	भरपेट, भरपूर, भरमार,
बिन	बिनमांगा , बिनकहे ,नब्याहबि
दु	दुबला, दुसाध्य, दुलार,

आगत उपसर्ग के उपसर्ग (उर्दू)फारसी - अरबी -

जैसे -

बा	बाकायदा, बाअदब , बाइज्जत
ब	बखूबी, बदौलत , बगैर
बे	बेरहम ,बेअदब बेफिक्र
बद	बदनाम,बदबू , बदसूरत
ला	लाइलाज, लापता, लापरवाह ,
खुश	खुशब,खुशनसीब ,खुशखबरी
गैर	गैरकानून ,गैरहाजिर, गैरजिम्मेदार
हम	हमउम्र, हमराज ,हमराही,
कम	कमज़ोर,कमउम्र ,कमअक्ल
दर	दरबार , दरमियान ,दरअसल

अंग्रेजी उपसर्ग

डिप्टी	डिप्टी डायरेक्टर
हेड(मुख्य)	हेड मास्टर, हेड क्लर्क,
वाइस	वाइस प्रिंसिपल, वाइस कैप्टन ,
जनरल	जनरल मैनेजर, रजनरल स्टो ,
हाफ	हाफपैंट, हाफ प्लेट,
सब	सबइंस्पेक्टर

निर्देश कुछ अव्यय - **1**, सर्वनाम एवं संज्ञा पद भी उपसर्ग की तरह प्रयुक्त होते हैं |

जैसे अन्तःपुर - अंतः , अधोगति - अधः -

इसी प्रकार पुरा, धर्म आदि , महा , स्वयं ,भी उपसर्ग हैं |

पुरातत्व | धर्मपुत्र आदि उदाहरण हैं , महात्मा , स्वयंसेवा ,

निर्देश कुछ शब्दों में एक - **2**से अधिक उपसर्गों का प्रयोग एक साथ देखने को मिलता है - जैसे |

रक्षित + सु + अ = असुरक्षित

निराकरण नि =र् करण + आ +

पर्यावरण .... + परि =आ वरण +..

अप्रत्यक्ष ... =अ + ... प्रति अ +..... अविकारी ..... =अ वि +....

....+कार +ई .....समाचार चार +.....+..... =

स्मरण रहे एक उपसर्ग एक से अधिक अर्थों में भी प्रयुक्त किया जता है |

जैसे के अर्थ में 'सामने' या 'विरूद्ध' , 'हर एक' उपसर्ग का प्रयोग 'प्रति' -होता है |

बहुविकल्पीय प्रश्न

(1) शब्द में उपसर्ग है `पराधीन'

(1) पर्) (3) परा (2) धीन (4) अधीन

(2) शब्द में उपसर्ग है`निर्गुण'

(1) नि (4) गुण (3) निर् (2)ण

(2) अभि है सा शब्द नही बना उपसर्ग से कौन

(1) अभिप्राय (4) अभिमान (3) अभिन्न (2) अभियान

(3) 'प्राचार्य शब्द में मूल शब्द है

(1) प्रा (4) आचार्य (3) चार्य (2)प्र

(4)' बदकिस्मत-शब्द में मूल शब्द है `

(4) मत (3) किस्मत (2) बद (1) इनमें से कोई नहीं

प्रत्यय

प्रत्यय उस शब्दांश को कहते है, जो किसी शब्द के अन्त में जुड़कर नए शब्दों का निर्माण करते हैं |
दूसरे अर्थ में शब्दों के बाद जो अक्षर या अक्षर समूह लगाया जाता है -, उसे प्रत्यय कहते हैं ।
जैसे -'भला' शब्द में 'आई' प्रत्यय लगाकर 'भलाई' शब्द बनता है।
प्रत्यय दो शब्दों से बना है अय।+प्रति -'प्रति' का अर्थ 'साथ में, 'पर बाद में' है और 'अय' का अर्थ 'चलनेवाला' है। अतएव, 'प्रत्यय' का अर्थ है 'शब्दों के साथ, पर बाद में चलनेवाला या लगनेवाला। प्रत्यय उपसर्गों की तरह अविकारी शब्दांश हैं , जो शब्दों के बाद जोड़े जाते हैं ।

प्रत्यय के भेद

मूलतः प्रत्यय के दो प्रकार हैं -
(1) कृत् प्रत्यय (2) तद्धित प्रत्यय
(1) <u>कृत् प्रत्यय-:</u> क्रिया या धातु के अन्त में प्रयुक्त होने वाले प्रत्ययों को 'कृत्' प्रत्यय कहते हैं और उनके मेल से बने शब्द को 'कृदन्त' कहते हैं ।
दूसरे शब्दों में- वे प्रत्यय जो क्रिया के मूल रूप यानी धातु)root word) में जोड़े जाते हैं, कृत् प्रत्यय कहलाते हैं ।
लेखक= अक + लिख् -अ। यहाँ अक कृत् प्रत्यय है तथा लेखक कृदंत शब्द है।
ये प्रत्यय क्रिया या धातु को नया अर्थ देते कृत् प्रत्यय के योग से संज्ञा और विशेषण बनते हैं। हिंदी में क्रिया के नाम के अंत का 'ना' (कृत् प्रत्यय हटा देने पर जो अंश बच जाता है, वही धातु है। जैसे - कहना से कह्, चलना से चल् धातु में ही प्रत्यय लगते हैं ।
कुछ उदाहरण इस प्रकार है

कृत्प्रत्यय-	क्रिया	शब्द
वाला	गाना	.....
हार	होना	.....
इया	छलना	छलिया

कृत्प्रत्यय-	धातु	शब्द
अक	कृ	कारक
अन	नी	.....नयन .....
ति	शक्	शक्ति

(ग़)

कृत्प्रत्यय-	क्रिया या धातु	शब्द (संज्ञा)
तव्य (संस्कृत)	कृ	कर्तव्य
यत्	दा	देय
वैया (हिंदी)	खेनाखे-	खेवैया
अना (संस्कृत)	विद्	वेदना
आ (संस्कृत)	इश् (इच्छ्)	इच्छा
अन	मोह, झाड़, पठ, भक्ष	मोहन, झाड़न, पठन, भक्षण
आई	सुन, लड़, चढ़	सुनाई, ...,.....
आन	थक, चढ़, पठ	थकान, ..., पठान
आव	बह, चढ़, खिंच, बच	बहाव, चढ़ाव, ...,.....
आवट	सज, लिख, मिल	सजावट, ..., मिलावट
आहट	चिल्ला, गुर्रा, घबरा	चिल्लाहट, ..., घबराहट
आवा	छल, दिख, चढ़	छलावा, ..., चढ़ावा
ई	हँस, बोल, घुड़, रेत, फाँस	हँसी, ..., घुड़की, ..., फाँसी
आ	झूल, ठेल, घेर, भूल	झूला, ..., घेरा, ...
ऊ	झाड़, आड़, उतार	झाड़ू, ...,.....
न	बंध, बेल, झाड़	बंधन, ..., झाड़न
नी	चट, धौंक, मथ	चटनी, धौंकनी,.....
औटी	कस	कसौटी
इया	बढ़, घट, जड़	....., ..., ...
अक	पाठ, धाव, सहाय, पाल	पाठक,.....,.....,.....
ऐया	चढ़, रख, लूट, खेव	चढ़ैया, ...,.....,.....

(घ)

कृत्- प्रत्यय	धातु	विशेषण

कृत्- प्रत्यय	धातु	विशेषण
क्त	भू	भूत
क्त	मद्	मत्त
क्त (न)	खिद्	खिन्न
क्त (ण)	जृ	जीर्ण
मान	विद्	विद्यमान
अनीय (संस्कृत)	दृश्	दर्शनीय
य (संस्कृत)	दा	देय
य (संस्कृत)	पूज्	पूज्य
आऊ (दीहिं)	चल, बिक, टिक	चलाऊ, बिकाऊ, टिकाऊ
आका (हिंदी)	लड़, धम, कड़	लड़ाका, धमाका, कड़ाका
आड़ी (हिंदी)	खेल, कब, आगे, पीछे	खिलाड़ी, कबाड़ी, अगाड़ी, पिछाड़ी
आकू	पढ़, लड़	पढ़ाकू, लड़ाकू
आलू / आलु	झगड़ा, दया, कृपा	झगड़ालू, दयालु, कृपालु
एरा	लूट, काम	लुटेरा, कमेरा
इयल	सड़, अड़, मर	सड़ियल, अड़ियल, मरियल
ऊ	डाका, खा, चाल	डाकू, खाऊ, चालू

2) तद्धित प्रत्यय :- जो प्रत्यय क्रिया के धातु-रूपों को छोड़कर अन्य शब्दों - जैसे- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण आदि के साथ लगकर नए शब्द बनाते हैं , वे **तद्धित** प्रत्यय कहलाते हैं | जैसे - बंगाल + ई = बंगाली | यहाँ 'ई' तद्धित प्रत्यय है , क्योंकि यह बंगाल नामक संज्ञा के साथ मिलकर नया शब्द बना रहा है |

तद्धित प्रत्यय के उदाहरण

भूख +आ = भूखा
बुरा+आई = बुराई
घर +आना =घराना
मीठा +आस =मिठास
कड़वा +आहट =कड़वाहट
समाज +इक =सामाजिक
धन +ई =धनी

चमक +ईला =चमकीला

लिपि +क =लिपिक

कथा +कार =कथाकार

गाड़ी+वान =गाड़ीवान

जादू +गर =जादूगर

दुकान +दार=दुकानदार

चाय +वाला =चायवाला

तोप +खाना =तोपखाना

लाल +इमा =लालिमा

स्मरण +नीय =स्मरणीय

<u>बहुविकल्पीय प्रश्न</u>

प्रश्न `वैज्ञानिक' (1शब्द में प्रत्यय है -

(क)) विज्ञान (ख)निक (ग) इक (घ) ई

प्रश्न `पुष्पित' (2 में मूल शब्द है-

(क) पुष्प) ख) इत)ग) त (घ) पुष्पि

प्रश्न (3 नमकीन शब्द में प्रत्यय है -

(क) नमक)ख कीन (ग) ईन (घ) नी

प्रश्न (4 मनुष्यत्व शब्द में प्रत्यय है -

(क) मन (ख) यत्व) ग) त्व (घ)मनुष्य

प्रश्न (5भुलक्कड शब्द में प्रत्यय क्या है -

(क) भूल)ख) अक्कड़ (ग) ककड (घ) ड

****

समास

समास शब्द संस्कृत धातु 'अस' में 'सम' उपसर्ग जोड़कर निर्मित हुआ है। 'अस' धातु का अर्थ है- 'संक्षेप करना '।

इस तरह , समास शब्द का अर्थ है - संक्षेपीकरण अर्थात जब संक्षेप के लिए दो या दो से अधिक शब्द मिलाकर एक नया शब्द बनाया जाता है तब उस योग को "समास" कहते हैं |

इस क्रम में शब्दों के विभक्ति चिह्न , योजक आदि का लोप हो जाता है।

जैसे - गंगा का जल का समास होगा गंगाजल।

समास होने पर गंगा और जल मिलकर एक पद बन गए और बीच की विभक्ति का लोप हो गया।

समास की परिभाषा

दो या दो से अधिक शब्दों से मिलकर बने हुए एक नवीन एवं सार्थक शब्द को समास कहते हैं।

उदाहरण - गंगा का जल -- गंगाजल

राजा का पुत्र -- राजपुत्र

दिन और रात -- दिन-रात

समास रचना में दो पद होते हैं । इनमें से पहले पद को 'पूर्वपद' और दूसरे या बाद वाले पद के 'उत्तरपद' कहते है।

जैसे-गंगाजल। इसमें गंगा पूर्वपद और जल उत्तरपद है।

सामासिक शब्द

समस्त पद

समास के नियमों से निर्मित शब्द सामासिक शब्द कहलाता है। इसे समस्त पद भी कहते हैं। यह पूर्वपद और उत्तरपद का मेल होता है। समास होने के बाद विभक्तियों के चिह्न लुप्त हो जाते हैं।

जैसे - राजपुत्र–राजा का पुत्र , राहखर्च - राह के लिए खर्च।

समास-विग्रह

जब समस्त पद के सभी पदों को अलग-अलग किया जाता है,तब उस क्रिया को 'समास- विग्रह' कहते हैं अर्थात सामासिक शब्दों के बीच के संबंध को स्पष्ट करना समास-विग्रह कहलाता है। जैसे- देशभक्त = देश का भक्त| माता-पिता = माता और पिता |

समास की विशेषताएँ

1. समास में दो पदों का योग होता है।
2. दो पद मिलकर एक नए पद का रूप धारण कर लेते हैं।
3. दो पदों के बीच की विभक्ति का लोप हो जाता है।
4. दो पदों में कभी पहला पद अर्थात पूर्व पद प्रधान और कभी दूसरा पद अर्थात उत्तर पद प्रधान होता है। कभी दोनों पद प्रधान होते हैं ।

समास के भेद

समास के कुल छह भेद होते हैं ।

1. अव्ययीभाव समास |
2. तत्पुरुष समास |
3. कर्मधारय समास |
4. द्विगु समास |
5. द्वंद्व समास |
6. बहुब्रीहि समास |

1. अव्ययीभाव समास

जिस समास का पहला पद(पूर्वपद) अव्यय हो उसे अव्ययीभाव समास कहते हैं। इसका पहला पद (पूर्वपद) प्रधान होता है और दूसरा पद (उत्तरपद) गौण होता है। इसके प्रांरभ में अव्यय होने के कारण ही इसे अव्ययीभाव कहते हैं। पूर्वपद के अव्यय होने से समस्त पद भी अव्यय हो जाता है।

उदाहरण ---

1. यथाशक्ति - शक्ति के अनुसार
2. आजीवन -- जीवनभर
3. यथाशीघ्र - जितना शीघ्र हो सके

2.तत्पुरुष समास

जिस समास का उत्तर पद प्रधान हो और पूर्व पद गौण हो उसे तत्पुरुष समास कहते हैं। इस समास में दोनों शब्दों के बीच आने वाले परसर्गो (कारको)- (को),(से या के द्वारा),(के लिए), (से जुदाई),(का,के,की),(में,पर) का लोप हो जाता है। जैसे - तुलसीदासकृत = तुलसी द्वारा कृत (रचित)

ज्ञातव्य- विग्रह में जो कारक प्रकट हो उसी कारक वाला वह समास होता है।

विभक्तियों के नाम के अनुसार तत्पुरुष समास के छह भेद हैं-

1. कर्म तत्पुरुष (ग्रन्थकार -- ग्रन्थ को लिखने वाला)
2. करण तत्पुरुष (अकालपीड़ित - अकाल से पीड़ित, तुलसीदासकृत = तुलसी द्वारा कृत)
3. संप्रदान तत्पुरुष (राहखर्च -- राह के लिए खर्च ,डाकगाड़ी-- डाक के लिए गाड़ी)
4. अपादान तत्पुरुष (देशनिकाला - देश से निकाला)

5. संबंध तत्पुरुष (गंगाजल - गंगा का जल,चायबागान - चाय के बागान, राजपुत्री - राजा की पुत्री)
6. अधिकरण तत्पुरुष (नगरवास - नगर में वास, आपबीती - आप पर बीती)

4. <u>द्विगु समास</u>

5. द्विगुसमास :- जिस समास में पूर्वपद संख्यावाचक विशेषण हो,वह द्विगु समास कहलाता है। समस्तपद द्वारा किसी समूह या समाहार(संग्रह) का बोध होता है| जैसे -

समस्तपद	**समास विग्रह**
1. दोपहर	दो पहरों का समूह
2. चौराहा	चार राहों का समूह
3. त्रिफला	तीन फलों का समूह

4. <u>द्वंद्व समास</u>

द्वंद्व समास:- जिस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं तथा विग्रह करने पर दोनों पदों के बीच 'और' योजक शब्द लगे उसे द्वन्द्व समास कहते हैं ।

जैसे --

समस्त पद	**समास विग्रह**
1. माता-पिता	माता और पिता
2. अन्न-जल	अन्न और जल
3. राधा-कृष्ण	राधा और कृष्ण
4. गंगा-यमुना	गंगा और यमुना
5. आचार-विचार	आचार और विचार

5. <u>कर्मधारय समास</u>

कर्मधारय समास:- कर्मधारय समास में उत्तर पद प्रधान होता है। इसमें विशेषण-विशेष्य या उपमेय-उपमान का सम्बन्ध होता है अर्थात दोनों में से एक शब्द की उपमा दूसरे से की जाती है या तुलना की जाती है।

जैसे -

समस्तपद	**समासविग्रह**
1. पीतांबर	पीत(पीला) है जो अंबर(वस्त्र)
2. नीलकंठ	नीला है जो कंठ
3. सदधर्म	सत है जो धर्म
4. मुनिश्रेष्ठ	मुनियों में श्रेष्ठ है जो
5. पुरुषोत्तम	पुरुषों में उत्तम है जो
6. चंद्रमुख	चन्द्रमा के समान मुख

6. <u>बहुव्रीहि समास</u>

जिस समास में न पूर्वपद प्रधान होता है,न उत्तर पद; बल्कि समस्त पद किसी अन्य पद का विशेषण होता है,वह बहुव्रीहि समास होता है।

जैसे :- 'पीतांबर' समस्त पद का विग्रह पीत+अंबर = पीला है कपड़ा जिसका(कृष्ण)।यहाँ न 'पीत' प्रधान है,न 'अंबर'; बल्कि यहाँ पीतांबर का अर्थ है–पीत है वस्त्र जिसके अर्थात कृष्ण। बहुव्रीहि समास द्वारा रचित शब्द विशेषण का कार्य करता है। उदाहरण ---

समस्तपद	**विग्रह**
1. त्रिलोचन	तीन हैं लोचन जिसके (शिवजी)
2. चतुर्भुज	चार हैं भुजाएँ जिनकी (विष्णुजी)

3. पीतांबर	पीत हैं वस्त्र जिनके (कृष्ण)
4. नीलकंठ	नीला है कंठ जिन का (शिवजी)
5. महात्मा	महान है आत्मा जिसकी
6. दशानन	दस है मुख जिसके (रावण)
7. त्रिवेणी	तीन नदियों का संगम स्थल (प्रयागराज)

<u>द्विगु समास और बहुव्रीहि समास में अंतर</u> :-

द्विगु समास में समस्त पद का पहला पद संख्यावाचक विशेषण होता है और दूसरा पद उसका विशेष्य ,परन्तु बहुव्रीहि समास में समस्त पद ही विशेषण का काम करता है। कुछ ऐसे उदाहरण हैं जिन्हें दोनों समास के अंतर्गत रखा जा सकता है। जैसे - महात्मा आदि। यह इनके विग्रह पर निर्भर करता है कि ये द्विगु या बहुव्रीहि में से किस समास के उदाहरण माने जाएँगे।

<u>कर्मधारय समास और बहुव्रीहि समास में अंतर:-</u>

समास के कुछ उदाहरण हैं जो कर्मधारय तथा बहुव्रीहि समास दोनों में समान रूप से पाए जाते हैं। कर्मधारय समास में एक पद विशेषण या उपमान और दूसरा पद विशेष्य या उपमेय होताहै। जैसे - पीतांबर में पीत(विशेषण) और अंबर(विशेष्य) तथा कमल नयन में कमल (विशेषण) और नयन (विशेष्य) ।

परन्तु बहुव्रीहि समास में समस्त पद ही संज्ञा के विशेषण का कार्य करता है। इससे दोनों पदों के अर्थो से अलग विशेष अर्थ प्रकट होता है।

जैसे --

कमलनयन	कमल के समान नयन (कर्मधारय)
	कमल के समान नेत्र हैं जिनके अर्थात विष्णुजी (बहुव्रीहि)
नीलकंठ	नीला है जो कंठ (कर्मधारय)
	नीला है कंठ जिनका अर्थात शिवजी (बहुव्रीहि)

पंडित जी ने **<u>पीतांबर</u>** पहन कर **<u>पीतांबर</u>** की पूजा की |

निर्देश: निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए-

i- 'यथाशक्ति ' शब्द में कौन-सा समास है?

(क) अव्ययीभाव

(ख) तत्पुरुष

(ग) बहुब्रीहि

(घ) कर्मधारय

ii- 'द्विगु' समास वाला शब्द कौन-सा है?

(क) शताब्दी

(ख) गंगातट

(ग) देवात्मा

(घ) दसकंधर

iii- 'तुलसीकृत ' शब्द का समास विग्रह बताइए |

(क) तुलसी के लिए कृत

(ख) तुलसी को कृत

(ग) तुलसी द्वारा कृत

(घ) तुलसी पर कृत

iv- कॉलम I को कॉलम II के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए |

कॉलम I		कॉलम II
समस्त पद	विग्रह	भेद का नाम
1.सेनापति	सेना का पति	(i) द्वंद्व समास
2.यथाशक्ति	शक्ति के अनुसार	(ii) संबंध तत्पुरुष समास
3.सीताराम	सीता और राम	(iii) अव्ययीभाव समास

विकल्प

क) 1-(iii) , 2-(i), 3-(ii)

ख) 1 -(i), 2-(ii) , 3-(iii)

ग) 1-(ii), 2- (iii), 3-(i)

घ) 1-(ii) ,2-(i) ,3-(iii)

v- किस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं?

(क) द्वंद्व

(ख) तत्पुरुष

(ग) बहुव्रीहि

(घ) कर्मधारय

उत्तर- i. (क) अव्ययीभाव ii. (क) शताब्दी iii. (ग) तुलसी द्वारा कृत iv. (ग) 1-(ii), 2- (iii), 3-(i) v. (क) द्वंद्व

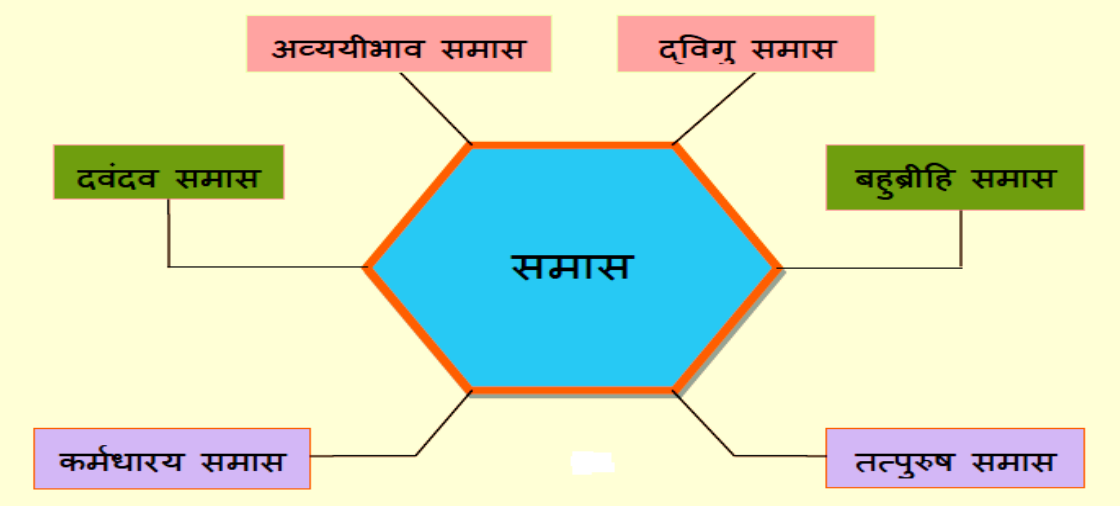

अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद

वाक्य :- सार्थक शब्दों के व्यवस्थित समूह को वाक्य कहते हैं ।

वाक्य में निम्नलिखित बातें होती हैं : -

1. वाक्य की रचना पदों एवं पदबंधो के योग से होती है।
2. वाक्य अपने में पूर्ण तथा स्वतंत्र होता है।
3. वाक्य किसी न किसी भाव या विचार को पूर्णतया प्रकट कर पाने में सक्षम होता है

वाक्य के भेद : - वाक्य के दो भेद हैं ।

1. रचना की दृष्टि से|
2. अर्थ की दृष्टि से|

अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद की परिभाषा : - वाक्य से किस प्रकार के अर्थ का ज्ञान हो रहा है ,उसके आधार पर जब वाक्यों को वर्गीकृत किया जाता है तो उसे अर्थ के आधार पर वाक्य - भेद कहते हैं । इसके अंतर्गत वाक्य को आठ भागों में विभाजित किया गया ।

1. विधानवाचक वाक्य/सकारात्मक वाक्य
2. निषेधवाचक वाक्य या नकारात्मक वाक्य
3. प्रश्नवाचक वाक्य
4. संकेतवाचक वाक्य
5. संदेहवाचक वाक्य
6. इच्छावाचक वाक्य
7. आज्ञावाचक वाक्य/विधिवाचक वाक्य
8. विस्मयादिवाचक वाक्य/ उद्‌गारवाचक वाक्य

1) **विधानवाचक या सकारात्मक वाक्य** : - जिस वाक्य से काम के होने की निश्चित सूचना मिलती है, उसे विधानवाचक वाक्य कहते हैं ।इस प्रकार के वाक्यों में कही गई बात को ज्यों का त्यों ही स्वीकार कर लिया जाता है , चाहे वह सत्य हो या असत्य हो ।इसे सकारात्मक वाक्य के नाम से भी जाना जाता है ; जैसे -

(क) मोहन प्रतिदिन विद्‌यालय जाता है ।

(ख) दो दिन से लगातार वर्षा हो रही है ।

(ग) सूर्य पूर्व में उदय होता है ।

2) **निषेधात्मक वाक्य या नकारात्मक वाक्य** - जिस वाक्य से काम न करने या न होने का भाव प्रकट होता है, उसे निषेधात्मक वाक्य कहते हैं । इन वाक्य में 'नहीं, 'मत' 'न' लगा रहता है । इन वाक्यों को निषेधात्मक या नकारात्मक वाक्य भी कहते हैं;जैसे -

(क) विनीत विद्‌यालय नहीं जाता है ।

(ख) उसे मत रोको ।

(ग) मैं झूठ नहीं बोल रहा हूँ ।

3) **प्रश्नवाचक वाक्य** -जिन वाक्यों में प्रश्न पूछने /करने का बोध हो, उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं । इनमें क्या ,कब ,कहां , कौन , क्यों, किसका ,किसकी , किसके , किनका आदि प्रश्न वाचक शब्दों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है । इस प्रकार के वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिह्न (?)का प्रयोग अवश्य होता है; जैसे -

(क) क्या राम अपने मित्र के साथ चला गया ?

(ख) तुम कब लौटोगे ?

(ग) राम आज कहाँ जाएगा ?

(घ) आप अपनी बात सक्षम अधिकारी को क्यों नहीं बताते?

(ग) परीक्षा में तुम्हें कितने अंक मिले?

4) **संकेतवाचक वाक्य** : जिन वाक्यों में एक क्रिया का पूर्ण होना दूसरी क्रिया पर निर्भर करता हो अथवा किसी न किसी शर्त पर आधारित वाक्य विधान हो , उन्हें संकेतवाचक वाक्य कहते हैं । जैसे -

(क) यदि उसने अपना ध्यान रखा होता तो बीमार न होता ।

(ख) माँ भी आ जाती तो अच्छा होता ।

(ग) यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती ।

(घ) कमल लखनऊ जाता तो आम लाता ।

5) **संदेहवाचक वाक्य** -जिन वाक्य में संदेह प्रकट किया जाए अथवा संभावना प्रकट की जाए, उन्हें संदेहवाचक वाक्य कहते हैं । शायद , संभवत: शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है ;जैसे -

(क) शायद कल वह अपने घर लौट जाए हो सकता है

(ख) वह आज परीक्षा देने जाए ।

(ग) शायद कल वह यहां ना आए ।

(घ) संभवत: इस साल अच्छी वर्षा हो ।

6) **इच्छावाचक वाक्य** -जिन वाक्यों से कहने वाले की इच्छा ,आशा , शुभकामना ,आशीर्वाद आदि के भाव प्रकट हों, उन्हें इच्छावाचक वाक्य कहते हैं । जैसे -

(क) तुम्हारा कल्याण हो । (आशीर्वाद)

(ख) आपकी यात्रा मंगलमय हो । (शुभकामना)

(ग) चलो, घूमने चलें । (इच्छा)

(घ) ईश्वर करे, तुम सफल हो । (कामना)

(ङ) काश मैं भी दिल्ली जा पाता । (आशा)

7) **आज्ञावाचक वाक्य/ विधिवाचक वाक्य** -जिस वाक्य से आज्ञा या अनुमति देने अथवा लेने का भाव प्राप्त होता है, उसे आज्ञावाचक या विधिवाचक वाक्य कहते हैं; जैसे -

(क) आप चुपचाप बैठे रहिए । (आदेश)

(ख) कृपया पत्रोत्तर दें । (अनुरोध)

(ग) तुम थोड़ी देर बाहर बैठो । (आदेश)

(घ) आपसे प्रार्थना है कि आप हमारे घर अवश्य आएँ ।(प्रार्थना)

8) **विस्मयादिवाचक /उद्‌गारवाचक वाक्य** - जिन वाक्यों से हर्ष, विस्मय , शोक , घृणा आदि मनोभाव प्राप्त हो ,उन्हें विस्मयादिवाचक वाक्य या उद्‌गारवाचक वाक्य कहते हैं ।

(क) वाह! कितना सुंदर दृश्य है ।

(ख) ओह! आज फिर देर हो गई।

(ग) शाबाश! ऐसे ही उन्नति करते रहो।

(घ) हाय! यह क्या कर दिया ।

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर :-

प्रश्न 1) दिए गए वाक्यों के सही प्रकार के लिए विकल्प चुनिए -

(क) किसी से व्यर्थ की बात मत करो ।

(i) विधानवाचक (ii) प्रश्नवाचक (iii) इच्छावाचक (iv) निषेधवाचक

(ख) हो सकता है आज वह मेरे साथ चिड़ियाघर जाए ।

(i) इच्छावाचक (ii) संदेहवाचक (iii) विस्मयादिवाचक (iv) संकेत वाचक

(ग) वाह ! क्या मैच खेला ।

(i) प्रश्नवाचक (ii) विस्मादिवाचक (iii) इच्छावाचक (iv) निषेधवाचक

(घ) पिता जी आ जाते तो अच्छा होता ।

(i) इच्छावाचक (ii) विधानवाचक (iii) संकेतवाचक (iv) संदेहवाचक

प्रश्न 2) निम्नलिखित में कौन-सा संदेहवाचक वाक्य है ?

(i) संभवतःअब उसके स्वास्थ्य में सुधार हो जाए ।

(ii) तुरंत अपने घर जाओ ।

(iii) वह अपना कार्य सुचारू ढंग से कर रहा है।

(iv) तुम मुझसे मिलने कब आओगे?

प्रश्न 3) संकेतवाचक वाक्य के लिए कौन -सा कथन सही है?

(i) इस वाक्य में किसी कार्य के निषेध का बोध ।

(ii) जिस वाक्य में प्रश्न करने का बोध हो ।

(iii) जिस वाक्य में एक क्रिया का पूरा होना दूसरी क्रिया पर निर्भर हो ।

(iv) जिस वाक्य में संभावना का बोध हो ।

प्रश्न 4) स्तंभ अ में लिखे वाक्यों को स्तंभ ब में दिए गए वाक्य प्रकारों से सही मिलान कीजिए-

स्तंभ अ	**स्तंभ ब**
(i) छात्र पुस्तक पढ़ रहे हैं ।	(क) निषेधवाचक
(ii) शायद राम कल यहां आए ।	(ख) विधानवाचक
(iii) आप कल कहाँ जाएंगे ?	(ग) इच्छावाचक
(iv) ईश्वर करे, तुम सफल हो ।	(घ) प्रश्नवाचक
(v) मैं कल घर नहीं गया था ।	(ङ) संदेह वाचक

प्रश्न 5) संकेतवाचक वाक्य' का उदहारण है-

(i) यदि तुम मेहनत करते तो पास हो जाते ।

(ii) अब तक फ़सल नहीं कटी है।

(iii) देश की राजधानी है।

(iv) आप बाहर बैठिये।

उत्तरमाला:-

प्र 1) क. (iv) निषेधवाचक ख. (ii) संदेहवाचक ग. (ii) विस्मयादिवाचक घ. (i) इच्छावाचक

प्र 2) (i) संभवतःअब उसके स्वास्थ्य में सुधार हो जाए ।

प्र 3) (iii)) जिस वाक्य में एक क्रिया का पूरा होना दूसरी क्रिया पर निर्भर हो।

प्र 4)

i	-	(ख)	विधानवाचक
ii	-	(ङ)	संदेहवाचक
iii	-	(घ)	प्रश्नवाचक
iv	-	(ग)	इच्छावाचक
v	-	(क)	निषेधवाचक

प्र 5 (i) यदि तुम मेहनत करते तो पास हो जाते । (संकेतवाचक)

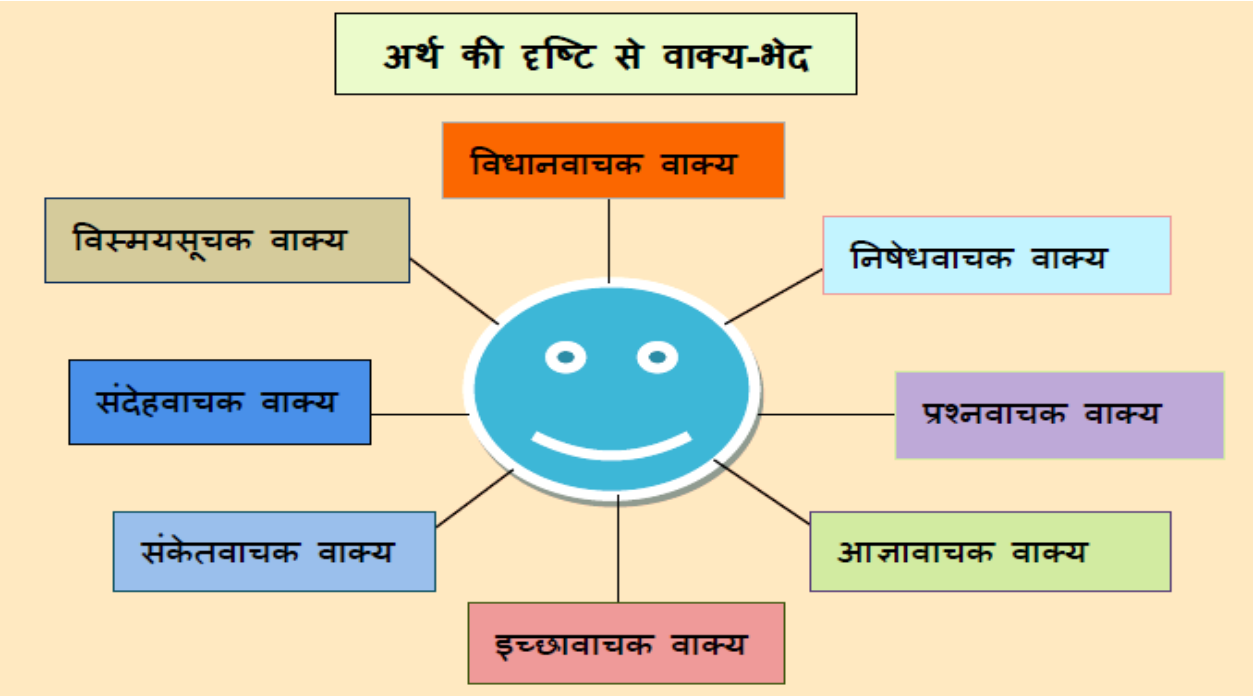

अलंकार

'अलंकार ' शब्द 'अलम' और 'कार' से मिलकर बना है' । अलम का अर्थ - भूषण, आभूषण ,सजावट अर्थात जो सजावट करे, वह अलंकार है । जिस प्रकार स्त्रियाँ अपने सौंदर्य की वृद्धि के लिए विभिन्न आभूषनों का प्रयोग करती हैं , उसी प्रकार काव्य को अधिक सुंदर बनाने के लिए कवि अलंकारों का प्रयोग करते हैं ।

अलंकार का अर्थ है - आभूषण या श्रृंगार ।इसलिए काव्य के आभूषण अर्थात सौंदर्य में वृद्धि करने वाले गुण अलंकार कहलाते हैं । अलंकार अपने आप में सौंदर्य नहीं होते, वे काव्य के सौंदर्य को बढ़ाने वाले सहायक तत्व होते हैं । अलंकारों के प्रयोग से काव्य मनोहरी बन जाता है । अलंकार वाणी के श्रृंगार हैं। इनके प्रयोग से काव्य प्रभावी, स्पष्ट तथा चमत्कारपूर्ण बन जाता है ।

विद्वानों के अनुसार "अलंकार वह - युक्ति अथवा क्रिया है ,जिसके द्वारा काव्य के शब्द एवं अर्थ में सौंदर्य पूर्ण चमत्कार उत्पन्न होता है ।जैसे- बालकु बोलि बधौ नहिं तोही ।केवल मुनि जड़ जानहि मोही ।

अलंकार के भेद -

अलंकार के मुख्य रूप से दो भेद हैं - (1) शब्दालंकार (2) अर्थालंकार

1) **शब्दालंकार** - जहां शब्दों के विशिष्ट प्रयोग से काव्य का सौंदर्य बढ़ जाता है ,वहां शब्द अलंकार होता है ।

(क) रहिमन पानी रखिए ,बिन पानी सब सून ।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चुन ॥

(ख) तरनि तनुजा तट - तमाल तरुवर बहु छाए ।

शब्दालंकार के प्रकार - शब्दालंकार के मुख्य रूप से तीन प्रकार हैं -

1) अनुप्रास अलंकार |
2) यमक अलंकार |
3) श्लेष अलंकार |

1) अनुप्रास अलंकार - काव्य में जहां एक ही वर्ण बार-बार दोहराया जाए अर्थात वर्णों की आवृत्ति हो, वहां अनुप्रास अलंकार होता है ।

उदाहरण -

(क) कल कानन कुंडल मोर पंखा , उर पे बनमाल विराजत है ।
(ख) भुजबल भूमि भूप बिनु किन्हीं।विपुल बार महि देवन्ह दीन्हीं ॥

2) **यमक अलंकार** - काव्य में जहां कोई शब्द एक से अधिक बार आए लेकिन उसके अर्थ भिन्न-भिन्न हो, वहां यमक अलंकार होता है ।

उदाहरण - (क) काली घटा का घमंड घटा ।
(घटा का अर्थ - बादलों से उमड़ने वाली घटा/ बादल, कम होना ।)

(ख) तीन बेर खाती थीं वे तीन बेर खाती हैं ।
(यहाँ 'बेर' के दो अर्थ हैं - स्वादिष्ट फल और बेला/ समय)

3) श्लेष अलंकार - काव्य में जहां कोई शब्द एक ही बार आए लेकिन उसके अर्थ भिन्न-भिन्न हो, वहां श्लेष अलंकार होता है ।

(क) मधुबन की छाती को देखो, सूखी इसकी कितनी कलियां ।
(कलियाँ - खिलने से पूर्व फूल की दशा, यौवन से पूर्व की दशा)

(ख) जो रहीम गति दीप की, कुल कपूत गति सोए|
बारे उजियारो करै, बढ़ै अंधेरो होय ।
('बारे' बचपन में, जलाने पर। 'बढ़ै' - बढ़ने से, बुझने पर)

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर :-

निर्देश : - निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : -

1. 'विमल वाणी ने वीणा ली।' इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है ?

(क) रूपक अलंकार (ख) अनुप्रास अलंकार

(ग) उपमा अलंकार (घ) श्लेष अलंकार

2. काव्य में जहां कोई शब्द एक से अधिक बार आए लेकिन अर्थ भिन्न-भिन्न हो, वहां कौन सा अलंकार होता है?

(क) रूपक अलंकार (ख) अनुप्रास अलंकार

(ग) यमक अलंकार (घ) उपमा अलंकार

3. "नर की और नल नीर की, गति एके कर जोय ।

जे तो नीचो ह्वे, ते ते ऊँचो होय ॥" इन पंक्तियों में कौन सा अलंकार है: -

(क) यमक अलंकार (ख) उपमा अलंकार

(ग) श्लेष अलंकार (घ) रूपक अलंकार

4. सुमेलित कीजिए: -

(i) कालिंदी कूल कदंब की डारन	(क) यमक
(ii) जेते तुम तारे तेते नभ में न तारे हैं ।	(ख) अनुप्रास
(iii) मंगन को देखि पट देत बार बार है।	(ग) श्लेष

5. जब काव्य में किसी शब्द विशेष के कारण चमत्कार उत्पन्न होता है अथवा सौंदर्य वृद्धि होती है , तो उसे क्या कहते हैं?

(क) शब्दालंकार (ख) अर्थालंकार

उत्तरमाला : -

1) ख. अनुप्रास 2) ग. यमक 3) ग. श्लेष

4) (i) ख - अनुप्रास (ii) क - यमक (iii) ग - श्लेष

5) क. शब्दालंकार ।

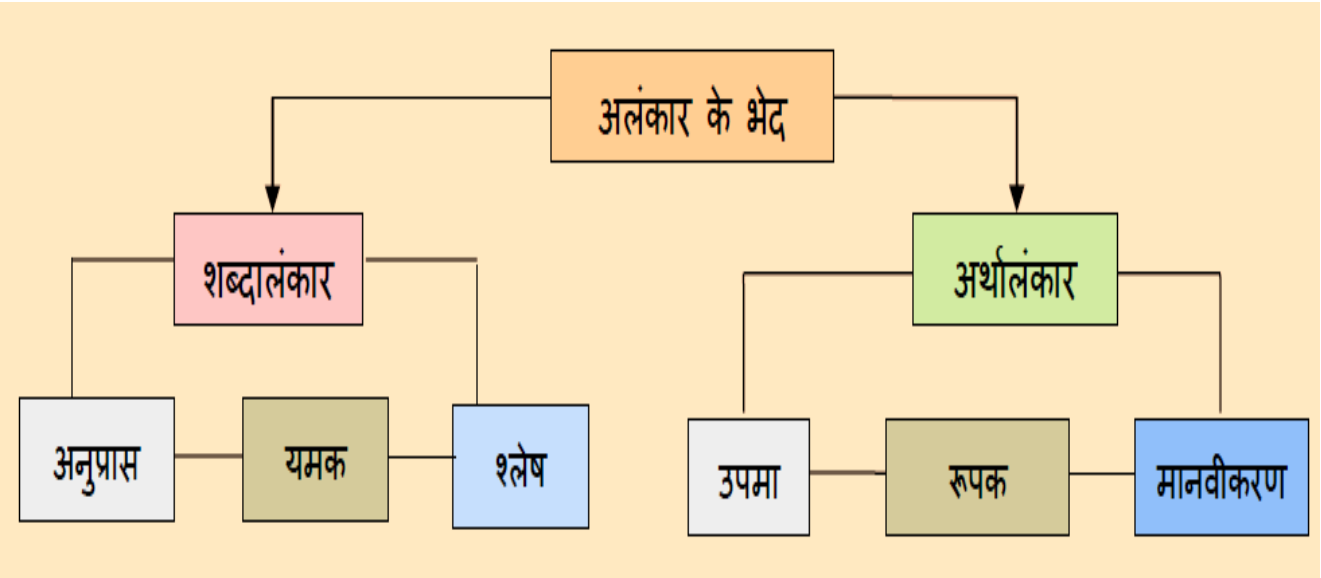

पाठ्य पुस्तक (क्षितिज-1)

गद्य खंड

पठित गद्यांश

पाठ- दो बैलों की कथा

(1)

प्रश्न- निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिये

सहसा एक दढ़ियल आदमी, जिसकी आँखे लाल थी और मुद्रा अत्यंत कठोर ,आया और दोनों मित्रों के कूल्हों में ऊँगली गोदकर मुंशीजी से बाते करने लगा | उसका चेहरा देखकर अंतर्ज्ञान से दोनों मित्रों के दिल काँप उठे | वह कौन है और उन्हें क्यों टटोल रहा है , इस विषय में उन्हें कोई संदेह न हुआ | दोनों ने एक - दूसरे को भीत नेत्रों से देखा और सिर झुका लिया | हीरा ने कहा - गया के घर से नाहक भागे | अब जान न बचेगी | मोती ने अश्रद्धा के भाव से उत्तर दिया - कहते हैं, भगवान् सबके ऊपर दया करते हैं | उन्हें हमारे ऊपर दया क्यों नहीं आती ? भगवान् के लिए हमारा मरना - जीना दोनों बराबर है | चलो, अच्छा ही है , कुछ दिन उसके पास तो रहेंगे | एक बार भगवान् ने उस लड़की के रूप में हमें बचाया था | क्या अब न बचायेंगे ? यह आदमी छुरी चलाएगा देख लेना | तो क्या चिंता है ? मांस, खाल, सींग, हड्डी सब किसी न किसी काम आ जायेंगे| नीलाम हो जाने के बाद दोनों मित्र उस दढ़ियल के साथ चले | दोनों की बोटी - बोटी काँप रही थी | बेचारे पाँव तक न उठा सकते थे, पर भय के मारे गिरते- पड़ते भागे जाते थे क्योंकि वह जरा भी चाल धीमी हो जाने पर जोर से डंडा जमा देता था |

1.प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

(क) सांवले सपनो की याद

(ख) बैलों की कथा

(ग) दो बैलों की कथा

(घ) ल्हासा की ओर

2."दो बैलों की कथा" किस लड़ाई की ओर संकेत करती है?

(क) भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की ओर

(ख) पानीपत की लड़ाई की ओर

(ग) प्रथम विश्व युद्ध की ओर

(घ) द्वितीय विश्व युद्ध की ओर

3.एक बार भगवान ने उस लड़की के रूप में हमें बचाया था | वाक्य किस लड़की के लिए प्रयोग किया गया है?

(क) भैरों की बेटी

(ख) किसान की बेटी

(ग) गया की बेटी

(घ) नौकर की बेटी

4 इस गद्यांश में किन पात्रों के मध्य संबंध बहुत मजबूत थे ?

(क) हीरा और झूरी के मध्य

(ख) मोती और झूरी के मध्य

(ग) हीरा और मोती के मध्य

(घ) गया और हीरा के मध्य

5. भय का क्या अर्थ होगा?

(क) स्वार्थ

(ख) प्रेम

(ग) डर

(घ) मोह

(2)

प्रश्न- निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिये-

राह में गाय-बैलों का एक रेवड़ हरे-हरे हार में चरता नज़र आया | सभी जानवर प्रसन्न थे, चिकने, चपल | कोई उछलता था, कोई आनंद से बैठा पागुर करता था | कितना सुखी जीवन था इनका, पर कितने स्वार्थी हैं ये सब| किसी को चिंता ही नहीं कि उनके दो भाई बधिक के हाथ पड़े कैसे दुखी हैं | सहसा दोनों को ऐसा मालूम हुआ कि यह परिचित राह है | हाँ, इसी रास्ते से गया उन्हें ले गया था | वही खेत, वही बाग़, वही गाँव मिलने लगे | प्रतिक्षण उनकी चाल तेज होने लगी | सारी थकान, सारी दुर्बलता गायब हो गई | आह? यह लो! अपना ही हार आ गया | इसी कुँए पर हम पुर चलाने आया करते थे, यही कुआँ है | मोती ने कहा - हमारा घर नगीच आ गया | हीरा बोला भगवान की दया है | मैं तो अब घर भागता हूँ | यह जाने देगा? इसे मैं मार गिराता हूँ | नहीं-नहीं दौड़कर थान पर चलो | वहाँ से हम आगे न जाएँगे |

1. बैलों की दुर्बलता गायब होने का क्या रहस्य था?

(क) उन्हें अपने परिचित रास्ते का आभास होने लगा था

(ख) वे अपने खेत, बाग़, गाँव, हार पहचान गए थे

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) बैलों की व्यथा धूमिल हो गई थी |

2. प्रस्तुत गद्यांश के कहानीकार का नाम लिखिए-

(क) मुंशी प्रेमचंद

(ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) निराला

(घ) महादेवी वर्मा

3. पशुओं के दोनों समूहों में क्या अंतर था?

(क) दोनों स्वतन्त्र थे

(ख) दोनों परतंत्र थे

(ग) एक स्वतंत्र और एक परतंत्र था

(घ) इनमे से कोई नहीं

4. हीरा-मोती को प्रसन्न पशुओं का झुंड स्वार्थी क्यों लगा?

(क) स्वतंत्र पशु अपनी मस्ती में खोये थे

(ख) स्वंतत्र पशुओं ने हीरा-मोती की तरफ ध्यान ही नहीं दिया

(ग) हीरा-मोती अन्य पशुओं का सहारा चाहते थे

(घ) उपर्युक्त सभी

5. बधिक का क्या अर्थ है?

(क) हत्यारा

(ख) पालक

(ग) पशु-प्रेमी

(घ) चरवाहा

पाठ- ल्हासा की ओर

(3)

प्रश्न- निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिये

हम समुद्र तल से 17-18 हजार फीट ऊँचे खड़े थे | हमारी दक्खिन तरफ पूरब से पश्चिम की ओर हिमालय के हजारों श्वेत शिखर चले गए थे | भीटे की ओर दीखने वाले पहाड़ बिलकुल नंगे थे, न वहाँ बरफ की सफेदी थी, न किसी तरह की हरियाली | उत्तर की तरफ बहुत कम बरफ वाली चोटियाँ दिखाई पड़ती थी | सर्वोच्च स्थान पर डांडे के देवता का स्थान था, जो पत्थरों के ढेर, जानवरों के सींगों और रंग - बिरंगे कपड़ों की झंडियों से सजाया गया था | अब हमें बराबर उतराई पर चलना था | चढ़ाई तो कुछ दूर थोड़ी मुश्किल थी, लेकिन उतराई तो बिलकुल नहीं | शायद दो - एक और सवार साथी हमारे साथ चल रहे थे | मेरा घोड़ा कुछ धीमे चलने लगा | मैंने समझा कि चढ़ाई की थकावट के कारण ऐसा कर रहा है, और उसे मारना नहीं चाहता था | धीरे वह बहुत पिछड़ गया |

1. प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

(क) ल्हासा की ओर

(ख) दो बैलों की कथा

(ग) तिब्बत की ओर

(घ) हिमालय की ओर

2. प्रस्तुत गद्यांश के कहानीकार का नाम लिखिए-

(क) मुंशी प्रेमचंद

(ख) राहुल सांकृत्यायन

(ग) जयशंकर प्रसाद

(घ) महादेवी वर्मा

3. गद्यांश में वर्णित क्षेत्र किस प्रकार का है **?**

(क) हरा -भरा

(ख) रेगिस्तानी

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) पठारी

4. डांडे के देवता का स्थान कहाँ था?

(क) पर्वत के नीचे

(ख) पर्वत के ऊपर

(ग) सर्वोच्च स्थान पर

(घ) तलहटी में

5. लेखक घोड़े को क्यों नहीं मारना चाहता था?

(क) लेखक को लगा कि घोड़ा चढ़ाई के कारण थक गया है

(ख) ज्यादा बरफ वाली चोटियाँ होने से थक गया है

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

(4)

प्रश्न- निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिये-

वह नेपाल से तिब्बत जाने का मुख्य रास्ता है | फरी कलिङ्पोङ् का रास्ता जब नहीं खुला था , तो नेपाल ही नहीं हिंदुस्तान की भी चीजें इसी रास्ते तिब्बत जाया करती | यह व्यापारिक ही नहीं सैनिक रास्ता भी था ,

इसलिए जगह-जगह फ़ौजी चौकियाँ और किले बने हुए हैं , जिनमें कभी चीनी पलटन रहा करती थी | आजकल बहुत से फ़ौजी मकान गिर चुके हैं | दुर्ग के किसी भाग में, जहाँ किसानों ने बसेरा बना लिया है , वहाँ घर कुछ आबाद दिखाई पड़ते हैं | ऐसा ही परित्यक्त एक चीनी किला था | हम वहाँ चाय पीने के लिए ठहरे | तिब्बत में यात्रियों के लिए बहुत सी तकलीफें भी हैं और कुछ आराम की बातें भी | वहाँ जाति- पाँति , छुआ-छूत का सवाल ही नहीं है, और न औरतें पर्दा ही करती है |

1. प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

(क) ल्हासा की ओर

(ख) दो बैलों की कथा

(ग) तिब्बत की ओर

(घ) हिमालय की ओर

2. "वहाँ जाति - पाँति, छुआछूत का सवाल नहीं है" वाक्य तिब्बत की किस विशेषता को दर्शाता है?

(क) तिब्बत में यात्रियों की तकलीफें

(ख) तिब्बत में यात्रियों को आराम

(ग) वहाँ का सामाजिक परिवेश

(घ) ख तथा ग दोनों सही है

3. नेपाल-तिब्बत मार्ग पर फौजी चौकियाँ और किले क्यों बने थे?

(क) क्योंकि यह पहले सैनिक मार्ग था

(ख) क्योंकि यह पैदल मार्ग था

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) इनमे से कोई नहीं

4. आजकल यह किले किसके काम आते हैं?

(क) सैनिकों के

(ख) किसानों के

(ग) आम लोगों के

(घ) इनमे से कोई नहीं

5. नेपाल- तिब्बत मार्ग के बाद भारत से तिब्बत जाने के लिए और कौन सा मार्ग खुला?

(क) फरी कलिङ्पोङ्

(ख) फरी लिंग्पोंग

(ग) कलिङ्पोङ्

(घ) चिन्ग्पोंग

पाठ- उपभोक्तावाद की संस्कृति

(5)

प्रश्न- निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए

धीरे - धीरे सब कुछ बदल रहा है | एक नयी जीवन शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है | उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन दर्शन - उपभोक्तावाद का दर्शन | उत्पादन बढ़ाने पर जोर है चारों ओर | यह उत्पादन आपके लिए है , आपके भोग के लिए है , आपके सुख के लिए है |सुख की व्याख्या बदल गयी है | उपभोग भोग ही सुख है | एक सूक्ष्म बदलाव आया है नई स्थिति में | उत्पाद तो आपके लिए है , पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने - अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं | विलासिता की सामग्रियों से बाज़ार भरा पड़ा है , जो आपको लुभाने की जी तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती हैं | दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिये | टूथ - पेस्ट चाहिए ? यह

दांतों को मोती जैसा चमकीला बनाता है , यह मुँह की दुर्गन्ध हटाता है | यह मसूड़ों को मजबूत करता है और पूर्ण सुरक्षा देता है |

1. प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

(क) ल्हासा की ओर

(ख) दो बैलों की कथा

(ग) तिब्बत की ओर

(घ) उपभोक्तावाद की संस्कृति

2. प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए-

(क) मुंशी प्रेमचंद

(ख) राहुल सांकृत्यायन

(ग) जयशंकर प्रसाद

(घ) श्यामाचरण दुबे

3. 'आपका चरित्र भी बदल रहा है' इस पंक्ति से अभिप्राय है -

(क) हमारे जीवन मूल्य बदल रहे हैं

(ख) दिखावे की संस्कृति की ओर बढ़ रहे है

(ग) धन को अधिक महत्व देने लगे हैं

(घ) उपर्युक्त सभी

4. आजकल किसका वर्चस्व स्थापित होता जा रहा है?

(क) उपभोक्तावादी जीवनशैली का

(ख) उत्पाद का

(ग) उपभोग का

(घ) फैशन का

5. आजकल सुख किसे मानते हैं?

(क) उपभोग- भोग

(ख) उत्पादन को

(ग) उत्पाद को

(घ) सभी को

(6)

प्रश्न- निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिये

संभ्रांत महिलाओं की ड्रेसिंग टेबिल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है | पेरिस से परफ्यूम मंगाइए , इतना ही और खर्च हो जाएगा | ये प्रतिष्ठा चिह्न हैं , समाज में आपकी हैसियत जताते हैं | पुरुष भी इस दौड़ में पीछे नहीं हैं | पहले उनका काम साबुन और तेल से चल जाता था |आफ्टर शेव और कोलोन बाद में आये | अब तो इस सूची में दर्जन- दो दर्जन चीज़ें और जुड़ गई हैं | छोड़िए इस सामग्री को | वस्तु और परिधान की दुनिया में आइये| जगह - जगह बुटीक खुल गए हैं , नए -नए डिजाइन के परिधान बाज़ार में आ गए हैं | ये ट्रेंडी हैं और महंगे भी | पिछले वर्ष के फैशन इस वर्ष ? शर्म की बात है | घड़ी पहले समय दिखाती थी| उससे यदि यही काम लेना हो तो चार- पांच सौ में मिल जाएगी | हैसियत जताने के लिए आप पचास - साठ हजार से लाख- डेढ़ लाख की घड़ी भी ले सकते हैं |

1. प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

(क) ल्हासा की ओर

(ख) दो बैलों की कथा

(ग) तिब्बत की ओर

(घ) उपभोक्तावाद की संस्कृति

2. प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए

(क) मुंशी प्रेमचंद

(ख) राहुल सांकृत्यायन

(ग) जयशंकर प्रसाद

(घ) श्यामाचरण दुबे

3. संभ्रांत महिलाओं से क्या आशय है?

(क) संपन्न परिवारों की महिलाएं

(ख) गरीब महिलाएं

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

4. इस गद्यांश का केन्द्रीय भाव है-

(क) दिखावे की संस्कृति से बच कर रहना

(ख) दिखावा करने की शिक्षा देना

(ग) महंगी चीजों को खरीदने की प्रेरणा देना

(घ) इनमें से कोई नहीं

5. लोग पेरिस से परफ्यूम क्यों मंगाते हैं?

(क) शान दिखाने के लिए

(ख) दिखावा करने के लिए

(ग) उपर्युक्त (क) और (ख) दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

पाठ- साँवले सपनों की याद

(7)

प्रश्न: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए।

सुनहरे परिंदों के खूबसूरत पंखों पर सवार साँवले सपनों का एक हुजूम मौत की खामोश वादी की तरफ़ अग्रसर है। कोई रोक-टोक सके, कहाँ संभव है। इस हुजूम में आगे-आगे चल रहे हैं, सालिम अली। अपने कंधों पर सैलानियों की तरह अपने अंतहीन सफ़र का बोझ उठाए। लेकिन यह सफर पिछले तमाम सफरों से भिन्न है। भीड़-भाड़ की जिंदगी और तनाव के माहौल से सालिम अली का यह आखिरी पलायन है। अब तो वह उस वनपक्षी की तरह प्रकृति में विलीन हो रहे हैं, जो ज़िंदगी का आखिरी गीत गाने के बाद मौत की गोद में जा बसा हो। कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा! मुझे नहीं लगता, कोई इस सोए हुए पक्षी को जगाना चाहेगा। वर्षों पूर्व, खुद सालिम अली ने कहा था कि लोग पक्षियों को आदमी की नजर से देखना चाहते हैं। यह उनकी भूल है, ठीक उसी तरह, जैसे जंगलों और पहाड़ों, झरनों और आबशारों को वह प्रकृति की नजर से नहीं, आदमी की नजर से देखने को उत्सुक रहते हैं। भला कोई आदमी अपने कानों से पक्षियों की आवाज का मधुर संगीत सुनकर अपने भीतर रोमांच का सोता फूटता महसूस कर सकता है?

1. अंतहीन सफर का क्या आशय है-

(क) बहुत लम्बी यात्रा

(ख) मृत्यु के उपरांत अंतिम यात्रा

(ग) जंगलों में भटक जाना

(घ) हुजूम में आगे चलना

2. सालिम अली का यह आखिरी पलायन कैसे था ?

(क) अपना काम छोड़ रहे थे

(ख) अपना दफ्तर छोड़ रहे थे

(ग) विदेश जाकर बस रहे थे

(घ) मौत के आगोश में चले गए

3. सालिम अली किस वन पक्षी की तरह थे ?

(क)जो बंधनों में रह कर गीत गाता है

(ख) जो पानी में गोते लगता है

(ग) जो मुक्त प्रकृति में गीत गाता है

(घ) जो आकाश में ऊँचा उड़ता है

4. अंतहीन में प्रत्यय है -

(क) न

(ख) हीन

(ग) अंत

(घ) ईन

5. वर्षों पूर्व, सालिम अली ने लोगों के बारे में क्या कहा था?

(क) लोग पक्षियों से प्रेम करते हैं |

(ख) लोग पक्षियों को पूजते हैं |

(ग) लोग पक्षियों को आदमी की नजर से देखना चाहते हैं।

(घ) लोग पक्षियों को खत्म करना चाहते हैं |

(8)

प्रश्न: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए।

मिथकों की दुनिया में इस सवाल का जवाब तलाश करने से पहले एक नज़र कमज़ोर काया वाले उस व्यक्ति पर डाली जाए जिसे हम सालिम अली के नाम से जानते हैं। उम्र को शती तक पहुंचने में थोड़े ही दिन तो बच रहे थे। संभव है, लंबी यात्राओं की थकान ने उनके शरीर को कमजोर कर दिया हो, और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी उनकी मौत का कारण बनी हो। लेकिन अंतिम समय तक मौत उनकी आंखों से वह रोशनी छीनने में सफल नहीं हुई जो पक्षियों की तलाश और उनकी हिफाजत के प्रति समर्पित थी। सालिम अली की आंखों पर चढ़ी दूरबीन उनकी मौत के बाद ही तो उतरी थी। उन जैसा ' बर्ड वाचर' शायद ही कोई हुआ हो। लेकिन एकांत क्षणों में सालिम अली बिना दूरबीन के भी देखे गए हैं। दूर क्षितिज तक फैली जमीन और झुके आसमान को छूने वाली उनकी नजरों में कुछ-कुछ वैसा ही जादू था, जो प्रकृति को अपने घेरे में बांध लेता है। सालिम अली उन लोगों में थे जो प्रकृति के प्रभाव में आने की बजाए प्रकृति को अपने प्रभाव में लाने के कायल होते हैं। उनके लिए प्रकृति में हर तरफ़ एक हंसती - खेलती रहस्य भरी दुनिया पसरी थी। यह दुनिया उन्होंने बड़ी मेहनत से अपने लिए गढ़ी थी। इसके गढ़ने में उनकी जीवनसाथी तहमीना ने काफी मदद पहुंचाई थी। तहमीना स्कूल के दिनों में उनकी सहपाठी रही थीं।

1. सालिम अली की मृत्यु किस बीमारी से हुई?

(क) टी. बी.

(ख) कैंसर

(ग) मलेरिया

(घ) मधुमेह

2. अपने अंतिम समय तक सालिम अली किसके प्रति समर्पित थे?

(क) पक्षियों की तलाश और उनकी हिफाजत के प्रति

(ख) जंगलों के संरक्षण के प्रति

(ग) जल संरक्षण के प्रति

(घ) जंगली जीवों के संरक्षण के प्रति

3. उन जैसा ' बर्ड वाचर' शायद ही कोई हुआ हो। यह कथन किससे सम्बन्धित है?

(क) वर्तमान प्रधानमंत्री

(ख) लेखक

(ग) सालिम अली

(घ) तहमीना

4. सालिम अली के लिए प्रकृति में हर तरफ किस तरह की दुनिया पसरी थी?

(क) एकांत क्षणों से परिपूर्ण

(ख) कलरव करते पक्षियों से भरी हुई

(ग) एक हंसती - खेलती रहस्य भरी

(घ) खुले आसमान के नीचे फैली हुई

5. उम्र को शती तक पहुंचने में थोड़े ही दिन तो बच रहे थे इस कथन से अभिप्राय है -

(क) वे पचास वर्ष के होने वाले थे

(ख) वे सौ वर्ष के होने वाले थे

(ग) वे साठ वर्ष के होने वाले थे

(घ) इनमें से कोई नहीं

पाठ- प्रेमचंद के फटे जूते

(9)

प्रश्न: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए।

प्रेमचंद का एक चित्र मेरे सामने है, पत्नी के साथ फोटो खिंचा रहे हैं। सिर पर किसी मोटे कपड़े की टोपी, कुरता और धोती पहने हैं। कनपटी चिपकी है, गालों की हड्डियाँ उभर आई हैं, पर घनी मूँछें चेहरे को भरा - भरा बतलाती हैं। पांवों में केनवस के जूते हैं, जिनके बंद बेतरतीब बंधे हैं। लापरवाही से उपयोग करने पर बंद के सिरों पर की लोहे की पतरी निकल जाती है और छेदों में बंद डालने में परेशानी होती है। तब बंद कैसे भी कस लिए जाते हैं। दाहिने पाँव का जूता ठीक है, मगर बाएँ जूते में बड़ा छेद हो गया है जिसमें से अंगुली बाहर निकल आई है। मेरी दृष्टि इस जूते पर अटक गई है। सोचता हूं - फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है, तो पहनने की कैसी होगी? नहीं, इस आदमी की अलग- अलग पोशाकें नहीं होंगी - इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है। यह जैसा है, वैसा ही फोटो में खिंच जाता है।

1. प्रेमचंद किसके साथ फोटो खिंचा रहे हैं?

(क) लेखक के साथ

(ख) अपने मित्र के साथ

(ग) अपनी पत्नी के साथ

(घ) अपने सहपाठी के साथ

2. ' प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ के लेखक का क्या नाम है?

(क) जाबिर हुसैन

(ख) प्रेमचंद

(ग) सालिम अली

(घ) हरिशंकर परसाई

3. लेखक की दृष्टि किस पर अटक गई?

(क) प्रेमचंद की पोशाक पर

(ख) प्रेमचंद के जूते पर

(ग) प्रेमचंद की मुस्कान पर

(घ) प्रेमचंद की कमीज़ पर

4. जूता किसका प्रतीक है ?

(क) धन संपत्ति का

(ख) दिखावे का

(ग) उपर्युक्त दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

5. 'बेतरतीब' शब्द में उपसर्ग है -

(क) बेत

(ख) बे

(ग) बेतर

(घ) इनमें से कोई नहीं

(10)

प्रश्न: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए।

तुम फोटो का महत्व नहीं समझते। समझते होते, तो किसी से फोटो खिंचाने के लिए जूते मांग लेते। लोग तो मांगे के कोट से वर- दिखाई करते हैं। और माँगे की मोटर से बारात निकालते हैं। फोटो खिंचाने के लिए तो बीवी तक माँग ली जाती है, तुमसे जूते ही माँगते नहीं बने! तुम फोटो का महत्व नहीं जानते। लोग तो इत्र चुपड़कर फोटो खिंचाते हैं जिससे फोटो में खुशबू आ जाए! गंदे-से-गंदे आदमी की फोटो भी खुशबू देती है! टोपी आठ आने में मिल जाती है और जूते उस जमाने में भी पाँच रुपए से कम में क्या मिलते होंगे। जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं। तुम भी जूते और टोपी के अनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे। यह विडंबना मुझे इतनी तीव्रता से पहले कभी नहीं चुभी, जितनी आज चुभ रही है,जब मैं तुम्हारा फटा जूता देख रहा हूं। तुम महान कथाकार, उपन्यास-सम्राट,युग-प्रवर्तक, जाने क्या-क्या कहलाते थे, मगर फोटो में भी तुम्हारा जूता फटा हुआ है!

1. फोटो का महत्व कौन नहीं समझता?

(क) लेखक

(ख) फोटोग्राफर

(ग) प्रेमचंद

(घ) उपर्युक्त सभी

2. फोटो खिंचाने के लिए लोग क्या-क्या मांग लेते हैं?

(क) इत्र मांग लेते हैं

(ख) बीवी मांग लेते हैं

(ग) मोटर मांग लेते हैं

(घ) 'क' और 'ख' दोनों

3. टोपी किसका प्रतीक है ?

(क) मान - सम्मान का

(ख) धन- दौलत का

(ग) दिखावे का

(घ) इनमें से कोई नहीं

4. लेखक ने प्रेमचंद के जीवन की किस विडंबना की ओर संकेत किया है ?

(क) जूते के मुकाबले टोपी को अधिक महत्व देना

(ख) टोपी के मुकाबले जूते को अधिक महत्व देना

(ग) मान -सम्मान की तुलना में धन को अधिक महत्व देना

(घ) इनमें से कोई नहीं

5. 'अनुपातिक' में प्रत्यय है-

(क) तक

(ख) तिक

(ग) क

(घ) इक

(11)

पाठ-मेरे बचपन के दिन

प्रश्न: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए।

वहाँ छात्रावास के हर एक कमरे में हम चार छात्राएं रहती थीं। उनमें पहले ही साथिन सुभद्रा कुमारी मिलीं। सातवें दर्जे में वे मुझसे दो साल सीनियर थीं। वे कविता लिखती थीं और मैं भी बचपन से तुक मिलाती आई थी। बचपन में माँ लिखती थी, पद भी गाती थीं। मीरा के पद विशेष रूप से गाती थीं। सवेरे ' जागिए कृपानिधान पंछी बन बोले' यही सुना जाता था। प्रभाती गाती थीं। शाम को मीरा का कोई पद गाती थीं। सुन-सुनकर मैंने भी ब्रज भाषा में लिखना आरंभ किया। यहाँ आकर देखा कि सुभद्रा कुमारी जी बड़ी थीं, प्रतिष्ठित हो चुकी थीं। उनसे छिप-छिपा कर लिखती थी मैं। एक दिन उन्होंने कहा, 'महादेवी, तुम कविता लिखती हो?' तो मैं डर के मारे कहा, 'नहीं।' अंत में उन्होंने मेरी डेस्क की किताबों की तलाशी ली और बहुत-सा निकल पड़ा उसमें से। तब जैसे किसी अपराधी को पकड़ते हैं, ऐसे उन्होंने एक हाथ में कागज़ लिए और एक हाथ से मुझको पकड़ा और पूरे हॉस्टल में दिखा आईं कि ये कविता लिखती है। फिर हम दोनों की मित्रता हो गई। क्रॉस्थवेट में एक पेड़ की डाल नीची थी। उस डाल पर हम लोग बैठ जाते थे। जब और लड़कियां खेलती थी तब हम तो लोग तुक मिलाते थे। उस समय एक पत्रिका निकलती थी- ' स्त्री दर्पण' - उसी में भेज देते थे। अपनी तुकबंदी छप भी जाती थी।

1. लेखिका को छात्रावास में पहली साथिन कौन मिली?

(क) मन्नू भंडारी

(ख) कृष्णा सोबती

(ग) सुभद्रा कुमारी चौहान

(घ) मालती जोशी

2. माँ की प्रभातियां सुनकर लेखिका ने किस भाषा में लिखना आरंभ किया ?

(क) उर्दू भाषा

(ख) ब्रज भाषा

(ग) अवधी भाषा

(घ) खड़ी बोली

3. सुभद्रा कुमारी जी ने लेखिका को अपराधी की तरह क्यों पकड़ा ?

(क) क्योंकि लेखिका ने चोरी की थी

(ख) क्योंकि लेखिका ने उनकी किताबें नहीं लौटाई थीं

(ग) क्योंकि लेखिका ने उन्हें झूठ कहा कि वह कविता नहीं लिखती

(घ) इनमें से कोई नहीं

4. महादेवी वर्मा अपनी कविता लिखने की बात क्यों छुपाती है ?

(क) संकोच के कारण

(ख) खराब लिखने के कारण

(ग) ब्रज भाषा में लिखने के कारण

(घ) उपर्युक्त सभी

5. लेखिका अपनी तुकबंदी किस पत्रिका में भेजती थीं?

(क) मंजूषा

(ख) स्त्री - दर्पण

(ग) हंस

(घ) नयी कविता

12)

प्रश्न: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए।

बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र-सा आकर्षण होता है। कभी-कभी लगता है, जैसे सपने में सब देखा होगा। परिस्थितियाँ बहुत बदल जाती हैं। अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई। मेरे परिवार में प्राय: दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं। सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे। फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा पूजा की। हमारी कुलदेवी दुर्गा थीं। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता था। परिवार में बाबा फारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेज़ी पढ़ी थी। हिंदी का कोई वातावरण नहीं था। मेरी माता जबलपुर से आईं तब वे अपने साथ हिंदी लाईं। वे पूजा-पाठ भी बहुत करती थीं। पहले-पहल उन्होंने मुझको 'पंचतंत्र' पढ़ना सिखाया। बाबा कहते थे, इसको हम विदुषी बनाएंगे। मेरे संबंध में उनका विचार बहुत ऊंचा रहा। इसलिए ' पंचतंत्र' भी पढ़ा मैंने, संस्कृत भी पढ़ी। ये अवश्य चाहते थे कि मैं उर्दू-फारसी सीख लूँ, लेकिन वह मेरे वश की नहीं थी। मैंने जब एक दिन मौलवी साहब को देखा तो बस, दूसरे दिन मैं चारपाई के नीचे जा छिपी।

1. प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?

(क) मेरे बचपन के दिन

(ख) सांवले सपनों की याद

(ग) प्रेमचंद के फटे जूते

(घ) उपभोक्तावाद की संस्कृति

2. लेखिका के उत्पन्न होने पर उनकी इतनी खातिर क्यों हुई?

(क) क्योंकि वह बहुत स्वस्थ थी

(ख) क्योंकि वह बहुत सुंदर थी

(ग) क्योंकि उनके परिवार में दो सौ साल से कोई लड़की नहीं थी

(घ) क्योंकि वह देवी की आराधना करते थे

3. लेखिका में हिन्दी के संस्कार किससे आए ?

(क) बाबा से

(ख) मौलवी से

(ग) पिता जी से

(घ) माता जी से

4. ' पंचतंत्र ' में कौन सा समास है?

(क) तत्पुरुष समास

(ख) द्विगु समास

(ग) द्वंद्व समास

(घ) कर्मधारय समास

5. लेखिका मौलवी साहब के आने पर क्या करती?

(क) उनका स्वागत करती

(ख) मन लगाकर पढ़ती

(ग) चारपाई के नीचे छिप जाती

(घ) उन्हें घर के भीतर आने से रोकती

(13)

उत्तरमाला (पठित गद्यांश)

(1) 1. ग- दो बैलों की कथा 2. क- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की ओर 3. क- भैरों की बेटी 4. ग- हीरा और मोती के मध्य 5. ग- डर

(2) 1. ग- उपर्युक्त दोनों 2. क- मुंशी प्रेमचंद 3. ग- एक स्वतंत्र और एक परतंत्र था 4. घ- उपर्युक्त सभी 5. क- हत्यारा

(3) 1. क- ल्हासा की ओर 2. ख - राहुल सांकृत्यायन 3. ख 4. ग- सर्वोच्च स्थान पर 5. क- लेखक को लगा कि घोड़ा चढ़ाई की कारण थक गया है

(4) 1. क- ल्हासा की ओर 2.घ- ग सही है 3. क - क्योंकि यह पहले सैनिक मार्ग था 4. ख- किसानों के 5. क- फरी कलिङ्पोङ्

(5) 1. घ-- उपभोक्तावाद की संस्कृति 2. घ - श्यामाचरण दुबे 3. घ -उपर्युक्त सभी 4. क- उपभोक्तावादी जीवनशैली का 5. क- उपभोग- भोग को

(6) 1. घ उपभोक्तावाद की संस्कृति 2. घ - श्यामाचरण दुबे 3.क - संपन्न परिवारों की महिलाएं 4. क- दिखावे को संस्कृति से बच कर रहना 5. ग- उपर्युक्त (क) और (ख) दोनों

(7) 1. (ख) मृत्यु के उपरांत अंतिम यात्रा, 2. (घ) मौत के आगोश में चले गए, 3.(ग) जो मुक्त प्रकृति में गीत गाता है, 4.(ख) हीन, 5. (ग) लोग पक्षियों को आदमी की नजर से देखना चाहते हैं

(8) 1.(ख) कैंसर , 2.(क) पक्षियों की तलाश और उनकी हिफाजत के प्रति, 3.(ग) सालिम अली, 4.(ग) एक हंसती - खेलती रहस्य भरी, 5. (ख) वे सौ वर्ष के होने वाले थे

(9) 1.(ग) अपनी पत्नी के साथ, 2.(घ) हरिशंकर परसाई, 3.(ख) प्रेमचंद के जूते पर, 4.(ग) उपर्युक्त दोनों , 5. (ख) बे

(10) 1.(ग) प्रेमचंद, 2.(ख) बीवी मांग लेते हैं 3.(क) मान- सम्मान का 4. (क) जूते के मुकाबले टोपी को अधिक महत्व देना 5.(घ) इक

(11) 1.(ग) सुभद्रा कुमारी चौहान, 2.(ख) ब्रज भाषा, 3.(ग) क्योंकि लेखिका ने उन्हें झूठ कहा कि वह कविता नहीं लिखती, 4. (क) संकोच के कारण , 5.(ख) स्त्री - दर्पण

(12) 1.(क) मेरे बचपन के दिन, 2.(ग) क्योंकि उनके परिवार में दो सौ साल से कोई लड़की नहीं थी, 3.(घ) माता जी से , 4.(ख) द्विगु समास, 5.(ग) चारपाई के नीचे छिप जाती

पाठ्य पुस्तक (क्षितिज-1)

पद्य खंड

पठित काव्यांश

पाठ- साखियाँ और सबद

(1)

प्रश्न. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए ।

हिंदू मूआ राम कहि, मुसलमान खुदाइ।
कहै कबीर सो जीवता, जो दुहुँ के निकटि न जाइ ।।
ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होइ।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदा सोई।।

1. कबीर ने किसे मरा हुआ कहा है?

(क) संकीर्ण विचारों वाले को
(ख) खुले विचारों वाले को
(ग) जो कभी पूजा नहीं करता
(घ) जो किसी का भला नहीं करता

2. साधु किसकी निंदा करते हैं?

(क) गलत काम करने वालों की
(ख) कभी पूजा न करने वालों की
(ग) ऊँचे कुल में जन्म लेने वाले
(घ) सभी सही हैं

3. कबीर ने जीवित किसे कहा है?

(क) जो धर्म के असली मर्म को समझता है |
(ख) जो हिन्दू मुसलमानों में भेदभाव नहीं करता एवं धर्म के असली मर्म को समझता है।
(ग) जो हिंदू-मुसलमान को एक नहीं मानता।
(घ) जो धर्म-विशेष के साथ जुड़कर रहता है।

4. कवि ने किस उदाहरण से अपनी बात की पुष्टि की है?

(क) चाँदी के कलश से
(ख) स्वर्ण कलश से
(ग) ताँबे के कलश से
(घ) अच्छे कर्मों से

5. व्यक्ति की पहचान किससे होती है?

(क) साधू से
(ख) अच्छे कर्म से
(ग) कुल से
(घ) मित्रों से

(2)

प्रश्न. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए।

मोकों कहाँ ढूँढे बंदे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना में मसजिद, ना काबे कैलास में।

ना तो कौने क्रिया-कर्म में, नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलिहौं, पल भर की तालास में।
कहैं कबीर सुनो भई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में ।।

1. मनुष्य ईश्वर को कहाँ ढूँढ़ता है?

(क) मंदिर
(ख) मस्जिद
(ग) काबा-कैलाश
(घ) सभी सही

2. "क्रियाकर्म" से कवि का क्या अभिप्राय है?

(क) पूजा-पाठ
(ख) धार्मिक कर्मकांड
(ग) ईश्वर प्राप्ति
(घ) (i) और (ii) सही

3. कबीर ने किसका विरोध किया है?

(क) बाह्य आडम्बरों का
(ख) ईश्वर का
(ग) विकल्प (क) और (ख) दोनों सही
(घ) इनमें से कोई नहीं

4. मनुष्य अपनी अज्ञानतावश क्या करता है?

(क) ईश्वर को खोजता है
(ख) वैराग्य धारण कर लेता है
(ग) विकल्प (क) और (ख)
(घ) इनमें से कोई नहीं

5. देवल शब्द का क्या अर्थ है?

(क) काशी
(ख) मस्जिद
(ग) कर्बला
(घ) देवालय

पाठ-वाख

(3)

प्रश्न. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए -

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।
सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह
जेब टटोली, कौड़ी न पाई।
माझी को दूँ, क्या उतराई-

1. कवयित्री अपना रास्ता कैसे भूल गई?

(क) प्रभु भक्ति में
(ख) सांसारिक उलझनों में
(ग) ज्ञान प्राप्ति में
(घ) हठयोग में

2. सुषुम सेतु किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) सुषुम्ना नाड़ी के लिए

(ख) ईश्वर के लिए

(ग) भव सागर के लिए

(घ) उपकरण के लिए

3. 'गई न सीधी राह से' का क्या तात्पर्य है?

(क) सत्कर्म न करना

(ख) बंधनों में लिप्त रहना

(ग) भक्ति मार्ग पर न चलना

(घ) सभी सही है।

4. माझी और उतराई क्या है?

(क) मोक्ष और कर्म

(ख) ईश्वर और सत्कर्म

(ग) हठयोग, साधना

(घ) पैसा और साधन

5. मनुष्य भयभीत क्यों हो जाता है?

(क) अच्छे कर्मों के कारण

(ख) हठ योग के कारण

(ग) अपने बुरे कर्मों के कारण

(घ) भक्ति मार्ग के करण

(4)

प्रश्न. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए।

थल-थल में बसता है शिव ही,
भेद न कर क्या हिंदू-मुसलमां ।
ज्ञानी है तो स्वयं को जान,
वही है साहिब से पहचान।

1. कवयित्री ने किसे सर्व व्यापक कहा है?

(क) थल-थल को

(ख) स्वयं को

(ग) संसार को

(घ) ईश्वर को

2. कवयित्री के अनुसार किसमें भेदभाव नहीं होना चाहिए?

(क) बड़े-छोटे में

(ख) गरीब-अमीर में

(ग) मनुष्य-मनुष्य में

(घ) हिंदू-मुसलमान में

3. कवयित्री प्रभु को किस नाम से पुकारती है?

(क) ब्रह्मा

(ख) विष्णु

(ग) शिव

(घ) कृष्ण

4. कवयित्री के अनुसार शिव कहाँ बसता है?

(क) पहाड़ों पर

(ख) गुफाओं में

(ग) धरती पर

(घ) कण-कण में

5. कवयित्री के अनुसार ईश्वर को प्राप्त करने का मार्ग कौन सा है?

(क) आत्मज्ञान

(ख) पुस्तकें पढ़ना

(ग) व्रत-उपवास करना

(घ) पूजा करना

(5)

पाठ- सवैये (रसखान)

प्रश्न. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए -

कानन दै अँगुरी रहिबो जबहीं मुरली धुनि मंद बजैहै।
मोहनी तानन सों रसखानि अटा चढ़ि गोधन गैहै तौ गैहै।।
टेरि कहाँ सिगरे ब्रजलोगनि काल्हि कोऊ कितनो समुझैहै।
माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै, न जैहै, न जैहै।।

1. गोपियाँ मुरली की किस बात से आकर्षित हैं?

(क) मधुर स्वर से

(ख) ऊँचे स्वर से

(ग) उसके रूप पर

(घ) सभी सही हैं।

2. गोपियों को किसकी कोई परवाह नहीं?

(क) माता-पिता की

(ख) समाज की

(ग) कृष्ण की

(घ) अपनी सखियों की

3. कृष्ण अपनी किन विशेषताओं के कारण गोपियों को प्रिय लगते हैं?

(क) मोहक रूप

(ख) बाँसुरी वादन

(ग) मधुर मुस्कान

(घ) उपर्युक्त सभी सही है।

4. 'माई री' का प्रयोग क्यों किया गया है?

(क) खुशी प्रकट करने के लिए

(ख) दुख एवं आश्चर्य प्रकट करने के लिए

(ग) रोने के लिए

(घ) हँसने के लिए

5. गोपी बाँसुरी की तान क्यों नहीं सुनना चाहती?

(क) बाँसुरी की तान से गोपी विचलित हो जाती है।

(ख) बाँसुरी की तान का उस पर जादुई प्रभाव पड़ता है।
(ग) बाँसुरी की तान को सुनकर वह अपने मन पर नियंत्रण नहीं रख पाती
(घ) उपर्युक्त सभी सही है।

(6)

प्रश्न. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए-

मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन ।
जौ पसु हौं तो कहा बस मेरो चरौं नित नंद की धेनु मँझारन ।।
पाहन हौं तो वही गिरि को जो कियो हरिछत्र पुरंदर धारन।
जौ खग हौं तो बसेरो करौं मिलि कालिंदी कूल कदंब की डारन ।

1. रसखान मनुष्य का जन्म पाकर कहाँ रहना चाहते हैं?
(क) माता-पिता के साथ
(ख) गोपियों के साथ
(ग) ग्वालों के साथ
(घ) मथुरा में

2. रसखान पशु रूप में नंदबाबा की गायों के साथ क्यों रहना चाहते हैं?
(क) वे गोपियों के साथ घूमना चाहते हैं।
(ख) उन्हें गायों से प्रेम है।
(ग) वे कृष्ण का सान्निध्य पाना चाहते हैं।
(घ) वे वन में घूमना चाहते हैं।

3. रसखान पत्थर रूप में किसका अंश बनना चाहते हैं?
(क) गोवर्धन पर्वत का
(ख) कैलाश पर्वत का
(ग) मानसरोवर पर्वत का
(घ) हिमालय का

4. कवि किस नदी के किनारे किस वृक्ष पर रहना चाहते हैं?
(क) यमुना नदी के किनारे कदंब के वृक्ष पर
(ख) गंगा नदी के किनारे बड़ के वृक्ष पर
(ग) गंगा नदी के किनारे बरगद के वृक्ष पर
(घ) यमुना नदी के किनारे बरगद के वृक्ष पर

5. यह काव्यांश किस भाषा में लिखा गया है?
(क) सामान्य सरल भाषा में
(ख) ब्रज भाषा में
(ग) मैथिली भाषा में
(घ) पूर्वी भाषा में

पाठ- कैदी और कोकिला

(7)

प्रश्न. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए -

क्या?- देख न सकती ज़ंजीरों का गहना?
हथकड़ियाँ क्यों ? यह ब्रिटिश राज का गहना,
कोल्हू का चर्रक चूँ? - जीवन की तान,
गिट्टी पर अंगुलियों ने लिखे गान !
हूँ मोट खींचता लगा पेट पर जूआ,
खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कुआं
दिन में करुणा क्यों जगे, रुलानेवाली,
इसलिए रात में गजब ढा रही आली ?
इस शांत समय में, अंधकार को बेध,
रो रही क्यों हो ? कोकिल बोलो तो !
चुपचाप, मधुर विद्रोह-बीज इस भाँति बो रही क्यों हो ?
कोकिल बोलो तो !

1. कवि ने हथकड़ियों को क्या कहा?

(क) गहना (ख) रस्सी
(ग) जंजीर (घ) चैन

2. जेल में स्वतंत्रता सेनानियों किस तरह की यातनाएं दी जाती है ?

(क) कोल्हू पर काम कराया जाता था।
(ख) बाज़ार का काम कराया जाता था।
(ग) खेत पर काम कराया जाता था।
(घ) गाड़ी ढोने का कार्य कराया जाता था।

3. रात में कौन आवाज़ कर रही है?

(क) तोता (ख) कोयल
(ग) चिड़िया (घ) उल्लू

4. कोयल इनमें से कौन सा कार्य करके कवि को जगाने का प्रयास कर रही है?

(क) इस शांत समय में विद्रोह के बीज बोकर
(ख) साधारण गीत गाकर
(ग) ब्रिटिश राज की अकड़ का कुआं खाली करके
(घ) इनमें से कोई नहीं

5. स्वतंत्रता सेनानियों पर कौन दया नहीं करता?

(क) राजपूत सरकार
(ख) मराठा सरकार
(ग) मुगल सरकार
(घ) अंग्रेज़ सरकार

(8)प्रश्न. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए-

तुझे मिली हरियाली डाली,
मुझे नसीब कोठरी काली !
तेरा नभ-भर में संचार
मेरा दस फुट का संसार।

तेरे गीत कहावें वाह,
रोना भी है मुझे गुनाह।
देख विषमता तेरी-मेरी,
बजा रही तिस पर रणभेरी।
इस हुंकृति पर,
अपनी कृति से और कहो क्या कर दूँ?
कोकिल बोलो तो!
मोहन के व्रत पर,
प्राणों का आसव किसमें भर दूँ।

1. कविता के अनुसार कोयल को जीवन में क्या प्राप्त हुआ है ?

(क) घोंसला (ख) हरियाली
(ग) घर (घ) काली कोठरी

2. कवि की किस्मत में क्या है?

(क) घर (ख) स्वतंत्रता
(ग) जेल की काली कोठरी (घ) स्वछंद जीवन

3. कवि काली कोठरी में क्यों रह रहा है?

(क) लुटेरा हैं (ख) स्वतंत्रता सेनानी है।
(ग) मजदूर हैं। (घ) चोर है।

4. हुकृंति शब्द का क्या अर्थ है?

(क) हुंकार
(ख) स्वतंत्रता
(ग) ईष्या
(घ) स्वच्छंद

5. 'मोहन के व्रत पर' इस पंक्ति में मोहन शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

(क) कोयल
(ख) कवि
(ग) श्री कृष्ण
(घ) गांधी जी ।

पाठग्राम श्री -

(9)

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

फैली खेतों में दूर तलक
मखमल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली!
तिनकों के हरे-हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भूतल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फ़लक!
रोमांचित-सी लगी वसुधा आई जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की किंकिणियाँ हैं शोभाशाली!
उड़ती भीनी तैलाक्त गंध
फूली सरसों पीली-पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली

1. मखमल जैसी हरियाली कहाँ फैली हुई है?

(क) खेतों में

(ख) गाँव में

(ग) घरों में

(घ) मैदानों में

2. हरित रुधिर कहाँ झलक रहा है ?

(क) हरे- हरे खेतों में

(ख) हिलते हुए खेतों में

(ग) हिलती हुई हरी-हरी घासों में

(घ) हरे-हरे पत्तों में

3. कविता का स्वर कैसा है?

(क) प्रकृति प्रेम

(ख) देश प्रेम

(ग) ओज और भक्ति

(घ) इनमें से कोई नहीं

4. धरती कब रोमांचित कर देने वाली सी लगती है?

(क) जब धरती हरी- भरी होती है

(ख) जब गेहूँ और जौ में बालियाँ लग जाती है

(ग) जब नभ घिरा हुआ सा दिखता है

(घ) जब सूर्य की किरणें धरती पर पड़ती है

5. लो हरित धरा से झाँक रही नीलम की कली, तीसी नीली पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

(क) यमक अलंकार

(ख) मानवीकरण अलंकार

(ग) उपमा अलंकार

(घ) रूपक अलंकार

(10)

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

हँसमुख हरियाली हिम-आतप
सुख से अलसाए-से सोये,
भीगी अंधियाली में निशि की
तारक स्वप्नों में-से-खोये,
मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम
जिस पर नीलम नभ आच्छादन,
निरुपम हिमांत में स्निग्ध शांत
निज शोभा से हरता जन मन!

1. कवि ने प्रस्तुत पद्यांश में किसका वर्णन किया है ?

(क) गाँव में फैली हरियाली से उपजे सौंदर्य का

(ख) प्रकृति के सौंदर्य का

(ग) वर्षा ऋतु का

(घ) इनमें से कोई नहीं

2. हिम -आतप का यहाँ क्या अर्थ है ?

(क) बर्फ पर पड़ी धूप

(ख) पर्वत पर फैली धूप

(ग) सर्दियों की धूप

(घ) ओले

3. 'मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम' पंक्ति से क्या आशय है ?

(क) डिब्बे में रखे पन्ने की शोभा के समान हरियाली से युक्त गाँव की सुंदरता

(ख) हरे रंग का गाँव

(ग) मरकत से समृद्ध कोई गाँव

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. मरकत से भरे खुले डिब्बे को किसने ढक रखा है ?

(क) आसमान से गिरती बर्फ़ ने

(ख) वर्षा की बड़ी -बड़ी बूँदों ने

(ग) नीले रंग के आसमान ने

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

5. कवि ने हरियाली को हँसमुख क्यों कहा है ?

(क) उसे देखकर लगता है कि वह हँस रही हो

(ख) उसे देखकर लोगों के चेहरों पर भी प्रसनता आ जाती है

(ग) (क) और (ख) दोनों

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

पाठ- मेघ आए
(11)

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली,
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के संवर के

1. काव्यांश में मेघ के आने का चित्रण किस रूप में किया गया है ?

(क) ग्रामीण स्त्रियों के रूप में

(ख) बूढ़े पीपल के पेड़ों के रूप में

(ग) चंचल हवाओं के रूप में

(घ) गाँव के मेहमान के रूप में

2. मेघ रूपी मेहमान के आने की सूचना गाँव वालों को किससे मिल रही है ?

(क) नदी किनारे लगे पेड़ों से

(ख) हवा चलने से

(ग) पेडों के झुकने से

(घ) नदियों में पानी बढ़ने से

3. काव्यांश के आधार पर बताइए कि दरवाजें व् खिड़कियाँ मेघ के आने से क्यों खुलने लगी थी ?

(क) मेघ रूपी मेहमान को देखने के लिए

(ख) धूल रूपी ग्रामीण स्त्रियों को देखने के लिए
(ग) बूढ़े पीपल के स्वागत के लिए
(घ) हवाओं के तीव्र गति से चलने के कारण

4. मेघ रूपी मेहमान का स्वागत पीपल का पेड़ किस प्रकार करता है ?

(क) अपनी डालियों को ऊपर उठाकर
(ख) गाँव के बुजर्ग व्यक्ति की तरह
(ग) गाँव की स्त्रियों की तरह
(घ) अपनी डालियों को नीचे झुकाकर

5. 'आगे- आगे नाचती -गाती बयार चली' पंक्ति में बयार शब्द का तात्पर्य है -

(क) पेड़
(ख) हवा
(ग) धूल
(घ) लता

(12)

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

'बरस बाद सुधि लीन्हीं'–
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की,
हरसाया ताल लाया पानी परात भर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।
क्षितिज अटारी गहराई दामिनि दमकी,
'क्षमा करा गाँठ खुल गई अब भरम की',
बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के।

1. मेघ रूपी पाहुन के गाँव में आने पर किसने आगे बढ़कर सत्कार किया ?

(क) लता ने
(ख) तालाब ने
(ग) बूढ़े पीपल ने
(घ) घटा ने

2. अकुलाई लता ने किवाड़ की आड़ से क्या कहा ?

(क) हमारे घर में आपका स्वागत है
(ख) आपने वर्ष भर बाद सुध लिया
(ग) आपके पैर धो देती हूँ
(घ) इनमें से कोई नहीं

3. मेहमान के आने पर मग्न तालाब ने क्या किया ?

(क) सामने आकर प्रणाम किया
(ख) शर्म के मारे दूर भाग गया
(ग) किवाड़ के पीछे छिप गया
(घ) परात में पानी भर लाया

4. बाँध टूटा झर- झर मिलन के अश्रु ढरके -यह पंक्ति किससे संबंधित है?

(क) लता और मेघ से

(ख) बादल और बिजली से

(ग) बरगद और तालाब से

(घ) तालाब और लता से

5. मेघ आए बड़े बन ठन के संवर के - इस पंक्ति में कौन सा अलंकार है

(क) यमक अलंकार

(ख) उपमा अलंकार

(ग) मानवीकरण अलंकार

(घ) रूपक अलंकार

पाठ- बच्चे काम पर जा रहे हैं

(13)

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह-सुबह बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे ?

1. कोहरे से ढकी सड़कों पर सुबह- सुबह बच्चे कहाँ जा रहे हैं ?

(क) स्कूल जा रहे हैं

(ख) काम पर जा रहे हैं

(ग) पार्क जा रहें हैं

(घ) बाज़ार जा रहें हैं

2. कवि के अनुसार "बच्चे काम पर जा रहे हैं " -इस पंक्ति को सवाल की तरह क्यों लिखना चाहिए?

(क) देश व समाज की प्रगति को दिखाने के लिए

(ख) समाज व देश को झकझोरने के लिए

(ग) नए देश का निर्माण करने के लिए

(घ) पुरानी परम्पराओं को समाप्त करने के लिए

3. कवि के अनुसार, हमारे समय की भयानक पंक्ति क्या है?

(क) सड़कों का कोहरे से ढकना

(ख) बच्चों का स्कूल जाना

(ग) बच्चों का काम पर जाना

(घ) बच्चों के काम पर जाने को सवाल की तरह लिखना

4. काव्यांश में कवि ने किस समस्या पर हमारा ध्यान केन्द्रित किया है?

(क) बाल मजदूरी की समस्या पर

(ख) बाल विवाह की समस्या पर

(ग) बच्चों के शिक्षा संबंधी समस्या पर

(घ) उपर्युक्त सभी

5. काव्यांश के आधार पर बताइए कि बच्चों का विकास किसके द्वारा सम्भव है ?

(क) मज़दूरी करने से
(ख) शिक्षा एवं खेलकूद से
(ग) केवल खाने की वस्तुएं उपलब्ध कराने से
(घ) उपर्युक्त में से कोई नही

(14)

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए |

क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें
क्या दीमकों ने खा लिया है
सारी रंग-बिरंगी किताबों को
क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने
क्या किसी भूकंप में ढह गई हैं
सारे मदरसों की इमारतें
क्या सारे मैदान, सारे बग़ीचे और घरों के आँगन
ख़त्म हो गए हैं एकाएक

1. अपने भरण -पोषण के लिए काम करना, तो अच्छी बात है परन्तु बच्चों का काम पर जाना कवि को चिंता का विषय क्यों लग रहा है ?

(क) बच्चों को खेलकूद तथा पढ़ने के अवसर ना देना
(ख) वे जिम्मेदारियों के बोझ से दब गए हैं
(ग) वे बीमार होते जा रहे हैं
(घ) देश में गरीबी फैलती जा रही है

2. मदरसों की इमारतें ढहने से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(क) मदरसों की इमारतें टूट गई हैं
(ख) मदरसे ध्वस्त हो गए हैं
(ग) विद्यालय नष्ट हो गए हैं
(घ) मदरसों को तोड़ दिया गया है

3. "क्या अंतरिक्ष में गिर गई हैं सारी गेंदें" पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

(क) सभी गेंद खराब हो गई हैं
(ख) बच्चों की सुख सुविधाएं नष्ट हो गई हैं
(ग) बच्चों को खेलकूद तथा पढ़ने के अवसर ना देना
(घ) गेंद का मूल्य बढ़ गया है

4. बच्चों को किस प्रकार की सुख सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए ?

(क) उचित शिक्षा की
(ख) मनोरंजन की
(ग) खेलने -कूदने की
(घ) उपर्युक्त सभी

5. प्रस्तुत काव्यांश के अनुसार कवि को किस बात की चिंता है?

(क) देश की आर्थिक स्थिति की
(ख) अमीर परिवार के बच्चों की
(ग) देश के भविष्य की
(घ) उपर्युक्त सभी

उत्तरमाला (पठित काव्यांश)

1)(क) संकीर्ण विचारों वाले को 2. (क) गलत काम करने वालों की 3. (ख) जो हिन्दू मुसलमानों में भेदभाव नहीं करता एवं धर्म के असली मर्म को समझता है। 4. (ख) स्वर्ण कलश से 5. (ख) कर्म से

2) 1. (घ) सभी सही 2. (घ) (i) और(ii) सही 3. (क) बाह्य आडम्बरों का 4 (क) ईश्वर को खोजता है 5.(घ) देवालय

3) 1. (ख) सांसारिक उलझनों में 2. (क) सुषुम्ना नाड़ी के लिए 3. (घ) सभी सही है।
4. (ख) ईश्वर और सत्कर्म 5. (ग) अपने बुरे कर्मों के कारण

4) 1. (क) ईश्वर को 2. (घ) हिंदू मुसलमान में 3. (ग) शिव
4. (घ) कण-कण मे 5. (क) आत्मज्ञान

5) 1. (क) मधुर स्वर से 2. (ख) समाज की 3. (घ) उपर्युक्त सभी सही है।
4. (ख) दुख एवं आश्चर्य प्रकट करने के लिए 5. (घ) उपर्युक्त सभी सही है।

6)1. (ग) ग्वालों के साथ 2. (ग) वे कृष्ण का सान्निध्य पाना चाहते हैं। 3. (क) गोवर्धन पर्वत का
4. (क) यमुना नदी के किनारे कदंब के वृक्ष पर 5. (ख) ब्रज भाषा मे

7) 1. (क) गहना। 2.(क) कोल्हू पर काम कराया जाता था। 3. (ख) कोयल
4.(क) इस शांत समय में विद्रोह के बीज बोकर 5.(घ) अंग्रेज़ सरकार

8) 1. (ख) हरियाली 2. (ग) जेल की काली कोठरी 3. (ख) स्वतंत्रता सेनानी है। 4. (क) हुंकार
5. (घ) गांधी जी

9) (I) क) खेतों में (2) ग) हिलती हुई हरी-हरी घासों में (3) क) प्रकृति प्रेम
(4) घ) जब सूर्य की किरणें धरती पर पड़ती है 5) ख) मानवीकरण अलंकार

10 (I) (क) गाँव में फैली हरियाली से उपजे सौंदर्य का (2) (ख) सर्दियों की धूप
(3) (क) डिब्बे में रखे पन्ने की शोभा के समान हरियाली से युक्त गाँव की सुंदरता
(4) (ग) नीले रंग के आसमान ने (5) (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

11)(1) (घ) गाँव के मेहमान के रूप में (2) (ख) हवा चलने से (3) (ख) धूल रूपी ग्रामीण स्त्रियों को देखने के लिए (4)(ख) गाँव के बुजर्ग व्यक्ति की तरह (5) (ख) हवा

12) (I) (ग) बूढ़े पीपल ने (2)(ख) आपने वर्ष भर बाद सुध लिया (3) (घ) परात में पानी भर लाया
(4) (क) लता और मेघ से (5) (ग) मानवीकरण अलंकार

13) (1) (क) काम पर जा रहे है (2) (ख) समाज व् देश को झकझोरने के लिए
(3)(ग)बच्चों का काम पर जाना (4) (क) बाल मज़दूरी की समस्या पर (5) (ख) शिक्षा से

14 (I) (क) बच्चों को खेलकूद तथा पढ़ने के अवसर ना देना (2)(ग) विद्यालय नष्ट हो गए हैं
(3) (ग) बच्चों को खेलकूद तथा पढ़ने के अवसर ना देना (4) (घ) उपर्युक्त सभी
(5) (ग) देश के भविष्य की

क्षितिज (गद्य खंड)

(वर्णनात्मक प्रश्न)

पाठ-1 : दो बैलों की कथा

प्रश्न 1) कांजीहौस में कैद पशुओं की हाज़िरी क्यों ली जाती होगी?

उत्तर- कांजीहौस एक प्रकार से पशुओं की जेल थी। उसमें ऐसे आवारा पशु कैद होते थे जो दूसरों के खेतों में घुसकर फसलें नष्ट करते थे। अत: कांजीहौस के मालिक का यह दायित्व होता था कि वह उन्हें जेल में सुरक्षित रखे तथा भागने न दे। इस कारण हर रोज उनकी हाजिरी लेनी पड़ती होगी।

प्रश्न 2) छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?

उत्तर- छोटी बच्ची की माँ मर चुकी थी।सौतेली माँ उसे मारती रहती थी।इधर बैलों की भी यही स्थिति थी।गया उन्हें दिनभर खेत में जोतता, मारता-पीटता और शाम को सूखा भूसा डाल देता।छोटी बच्ची महसूस कर रही थी कि उसकी स्थिति और बैलों की स्थिति एक जैसी है।उनके साथ अन्याय होता देख उसे बैलों के प्रति प्रेम उमड़ आया।

प्रश्न 3) कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से जीवन मूल्य उभर कर आए हैं?

उत्तर- इस कहानी के माध्यम से निम्नलिखित मूल्य उभर कर सामने आए है- संवेदनशीलता ,मित्रता , विपत्ति के समय एक दूसरे की मदद करना ,स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए संघर्ष करना एवं इसे पाने के लिए मनुष्य को बड़े-से-बड़ा कष्ट उठाने को तैयार रहना ,मुसीबतों के समय हौंसला बनाए रखना, स्त्रियों का सम्मान करना ,अत्याचार का डट कर सामना करना ।

प्रश्न 4) प्रस्तुत कहानी में प्रेमचंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

उत्तर- गधा सबसे बुद्धिहीन प्राणी माना जाता है।यदि किसी को मूर्ख कहना चाहते हैं तो हम उसे गधा कह देते हैं।गधा 'मूर्ख' के अर्थ में रुढ़ हो गया है परंतु लेखक ने इसे सही नहीं माना क्योंकि गधा अपने सीधेपन और सहनशीलता से किसी को हानि नहीं पहुँचाता है।गाय, कुत्ता और बैल जैसे जानवर कभी-कभी क्रोध कर देते हैं पर गधा ऐसा नहीं करता है।गुणों के विषय में वह ऋषियों-मुनियों से कम नहीं है।

प्रश्न 5) किन घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

उत्तर-इस कहानी में अनेक घटनाएँ ऐसी हैं जिनसे पता चलता है कि मोती और हीरा में गहरी दोस्ती थी।

पहली घटना -दोनों एक-साथ गाड़ी में जोते जाते थे तो यह कोशिश करतेथे कि गाड़ी का अधिक भार दूसरे साथी के कंधे पर न आकर उसके अपने कंधे पर आए।

दूसरी घटना- गया ने हीरा के नाक पर डंडा मारा तो मोती से सहा न गया। वह हल, रस्सी, जुआ, जोत सब लेकर भाग पड़ा।उस से हीरा का कष्ट देखा न गया।

तीसरी घटना- जब मटर के खेत में मटर खाकर दोनों मस्त हो रहे थे तो वे सींग मिलाकर एक-दूसरे को ठेलने लगे। अचानक मोती को लगा कि हीरा क्रोध में आ गया है तो वह पीछे हट गया। उसने दोस्ती को दुश्मनी में बदलने से रोक लिया।

चौथी घटना- जब उनके सामने विशालकाय साँड आ खड़ा हुआ तो उन्होंने योजनापूर्वक एक-दूसरे का साथ देते हुए उसका मुकाबला किया।साँड एक पर चोट करता तो दूसरा उसकी देह में अपने नुकीले सींग चुभा देता।आखिरकार साँड बेदम होकर गिर पड़ा।

पाँचवीं घटना- मोती मटर के खेत में मटर खाते-खाते पकड़ा गया।हीरा उसे अकेला विपत्ति में देखकर वापस आ गया।वह भी मोती के साथ पकड़ा गया।

<u>छठी घटना</u>- काँजीहौस में हीरा ने दीवार तोड़ डाली।उसे रस्सियों से बाँध दिया गया।इस पर मोती ने उसका साथ दिया।पहले तो उसने बाड़े की दीवार तोड़ कर हीरा का अधूरा काम पूरा किया, फिर उसका साथ देने के लिए उसी के साथ बँध गया।

प्रश्न 6) लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है, यह भूल जाते हो।'-हीरा के इस कथन के माध्यम से स्त्री के प्रति प्रेमचंद के दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-'लेकिन औरत जात पर सींग चलाना मना है।कि प्रेमचंद हीरा के इस कथन के माध्यम से पता चलता है ' नारी जाति का अतसम्मान करते थे।नारी विभिन्न रिश्ते बनाकर समाज में अपनी भूमिका का निर्वहन करती है।वह त्याग, दया, ममता, सहनशीलता का जीता जागता उदाहरण है।विपरीत परिस्थितियों में यदि नारी में क्रोध जैसे भाव आ भी जाते हैं तो इससे उसकी गरिमा कम नहीं हो जाती है और न उसके सम्मान में कमी आ जाती है।लेखक महिलाओं के प्रति अत्यधिक सम्मान रखता है।उसने यह भी कहना चाहा है कि जब पशु भी नारी जाति का सम्मान करते हैं तो मनुष्य को नारी जाति का सम्मान हर स्थिति में करना चाहिए।

प्रश्न 7) किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी संबंधों को कहानी में किस तरह व्यक्त किया गया है?

उत्तर- किसान जीवन में पशुओं और मनुष्यों के आपसी संबंध बहुत गहरे तथा आत्मीय रहे हैं। किसान पशुओं को घर के सदस्य की भाँति प्रेम करते रहे हैं और पशु अपने स्वामी के लिए जी-जान देने को तैयार रहे हैं।झूरी हीरा और मोती को बच्चों की तरह स्नेह करता था।तभी तो उसने उनके सुंदर-सुंदर नाम रखे- हीरा-मोती।वह उन्हें अपनी आँखों से दूर नहीं करना चाहता था।जब हीरा-मोती उसकी ससुराल से लौटकर वापस उसके थाने पर आ खड़े हुए तो उसका हृदय आनंद से भर गया।गाँव-भर के बच्चों ने भी बैलों की स्वामिभक्ति देखकर उनका अभिनंदन किया।इससे पता चलता है कि किसान अपने पशुओं से मानवीय व्यवहार करते हैं।

प्रश्न 8)इतना तो हो ही गया कि नौ- दस प्राणियों की जान बच गई।वे सब तो आशीर्वाद देंगें'-मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

उत्तर- इतना तो हो ही गया है कि नौ-दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगे। मोती के इस कथन से पता चलता है कि वह परोपकारी स्वभाव वाला प्राणी है।परोपकार की ऐसी भावना वह मन में ही नहीं रखता है बल्कि इसे व्यावहारिक रूप में दर्शाता भी है।वह बाड़े की कच्ची दीवार को तोड़कर नौ-दस प्राणियों को भगाता है ताकि उनकी जान बच जाए।मोती सच्चा मित्र भी है ।वह कांजीहौस में हीरा को अकेला छोड़कर नहीं जाता है। वह आशावादी भी है। उसे विश्वास है कि ईश्वर उनकी जान अवश्य बचाएँगे।

प्रश्न 9)आशय स्पष्ट कीजिए-

(क)अवश्य ही उनमें कोई ऐसी गुप्त शक्ति थी, जिससे जीवों में श्रेष्ठता का दावा करने वाला मनुष्य वंचित है।

(ख) उस एक रोटी से उनकी भूख तो क्या शांत होती; पर दोनों के हृदय को मानो भोजन मिल गया।

उत्तर- **(क)** हीरा और मोती बिना कोई वचन कहे एक-दूसरे के मन की बात समझ जाते थे। प्रायः वे एक-दूसरे से स्नेह की बातें करते थे। यद्यपि मनुष्य स्वयं को सब प्राणियों से श्रेष्ठ मानता है किंतु उसमें भी यह शक्ति नहीं होती।

(ख) हीरा और मोती गया के घर बँधे हुए थे। गया ने उनके साथ अपमान पूर्ण व्यवहार किया था। इसलिए वे क्षुब्ध थे। परंतु तभी एक नन्हीं लड़की ने आकर उन्हें एक रोटी ला दी। उस रोटी से उनका पेट तो नहीं भर सकता थार उनका हृदय जरूर तृप्त हो गया ।उन्होंने बालिका के प्रेम का अनुभव कर लिया और परंतु उसे खाक, प्रसन्न हो उठे।

प्रश्न 10) हीरा और मोती ने शोषण के खिलाफ आवाज़ उठाई लेकिन उसके लिए प्रताड़ना भी सही। हीरा-मोती की इस प्रतिक्रिया पर तर्क सहित अपने विचार प्रकट करें।

उत्तर- हीरा और मोती शोषण के विरुद्ध हैं । वह शोषण के विरुद्ध आवाज़ उठाते रहे हैं ।उन्होंने झूरी के साले गया का विरोध किया तो सूखी रोटियाँ खाई तथा डंडे खाए। फिर कॉजीहौस में अन्याय का विरोध किया तो बंधन में पड़े। उन्हें भूखे रहना पड़ा।

उनकी इस प्रतिक्रिया पर मेरा विचार है कि हीरा और मोती का यह कदम बिल्कुल ठीक था। यदि वे कोई प्रतिक्रिया न करते तो उनका खूब शोषण होता। उन्हें गिड़गिड़ा कर,मन मारकर अपने मालिक की गुलामी करनी पड़ती। वे अपने दर्द को व्यक्त भी न कर पाते। परंतु अपना विद्रोह प्रकट कर के उन्होंने मालिक को सावधान कर दिया कि उनका अधिक शोषण नहीं किया जा सकता। मार खाने के बदले उन्होंने मालिक के मन में भय तो उत्पन्न कर ही दिया।

प्रश्न 11) क्या आप को लगता है कि यह कहानी आजादी की लड़ाई की ओर भी संकेत करती है?

उत्तर- हाँ, हीरा-मोती ने अपनी परतंत्रता से मुक्ति पाने के लिए जिस तरह से नाना प्रकार की कठिनाइयाँ सहीं और मृत्यु के करीब जाकर भी बच निकले। वे अंततः अपने घर वापस आ गए, इससे यही संकेत मिलता है कि यह कहानी आजादी की लड़ाई की ओर भी संकेत करती है। हीरा-मोती गया के घर से पहली बार रस्सी तुड़ाकर आ जाते हैं ।वे दोबारा गया के घर जाते हैं, तो उन्हें अपमानित और प्रताड़ित होना पड़ता है और भूखा भी रहना पड़ता है। वहाँ से भागने पर उन्हें साँड रूपी मुसीबत का सामना करना पड़ता है। अंत में कांजीहौस में बंद होना तथा कसाई के हाथों बिकना तथा इसके उपरांत भी बचकर झूरी के पास आ जाना आदि आजादी की लड़ाई की ओर संकेत करती है।

प्रश्न12) हीरा और मोती अपने मालिक झूरी के साथ किस तरह का भाव रखते थे ?

उत्तर- हीरा और मोती अपने मालिक झूरी के साथ अत्यंत गहरा प्रेम एवं आत्मीय व्यवहार रखते थे। वे अपने मालिक से प्रेम करते हुए उसकी हर बात मानते थे। वे झूरी से अलग नहीं रहना चाहते थे। उनकी इच्छा थी उनका मालिक चाहे जितना काम करा ले पर वह उन्हें अपने से अलग न करे। झूरी ने जब गया के साथ उन्हें भेजा तो वे रस्सी-पगहे तुड़ाकर गया के घर से भागकर आ गए। इस समय उनकी आँखों में विद्रोहमयी स्नेह झलक रहा था। हीरा-मोती को भागने का अवसर मिलने पर भी वे अंत में भागकर झूरी के पास आ जाते थे जो उनके असीम लगाव का प्रमाण था।

प्रश्न 13) हीरा-मोती दो बार झूरी के घर से वापस आए। दोनों बार झूरी की पत्नी की प्रतिक्रिया अलग-अलग क्यों थी? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- झूरी ने अपने बैलों हीरा और मोती को गया के घर काम के लिए भेजा। हीरा-मोती झूरी से बहुत लगाव रखते थे। वे झूरी को छोड़कर गया के घर नहीं जाना चाहते थे।गया के साथ वे जैसे-तैसे चले गए पर बेगानापन महसूस होने के कारण वे रात में ही रस्सी-पगहे तुड़ाकर चले आए। यह देख झूरी की पत्नी ने उन्हें नमकहराम कहा और उन्हें खली,चूनी-चोकर आदि देना बंद करके सूखा भूसा सामने डाल दिया। दूसरी बार हीरा-मोती कांजीहौस से नीलाम होकर किसी तरह घर पहुँचते हैं तो उनकी दशा देखकर झूरी की पत्नी के मन में उनके प्रति बदलाव आ जाता है। उसने बैलों द्वारा सहे कष्ट का अनुमान लगा लिया और उनके माथे को चूम लिया। ऐसी प्रतिक्रिया बैलों के द्वारा अपनी स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष के कारण थी।

प्रश्न14) 'संगठन में शक्ति है'- हीरा-मोती ने इसका नमूना किस तरह प्रस्तुत किया?

उत्तर- यह सर्वविदित है कि संगठन में शक्ति होती है। इसका एक नमूना हीरा-मोती ने अपने से बलशाली साँड को पराजित करके प्रस्तुत किया। गया के घर से भागे हीरा-मोती के सामने रास्ते में विशालकाय,मद-मस्त साँड आ गया। -मोती ने सोच-विचार के बाद अपने से बलशाली शत्रु का मुकाबला करने की योजना बनाई| मल्लयुद्ध में माहिर साँड को संगठित शत्रुओं से लड़ने का अनुभन था। हीरा-मोती ने संगठित होकर साँड से युद्ध किया। एक ने आगे से वार किया तो दूसरे ने पीछे से। साँड जब हीरा को मारने दौड़ता तो मोती उस पर सींग से वार कर देता। वह जब मोती पर वार करता तो हीरा उसके बगल में सींग घुसा देता। इससे साँड जख्मी होकर बेदम हो गया और गिर गया।

प्रश्न 15) अफ्रीका और अमरीका में भारतीयों की दुर्दशा का क्या कारण है?

उत्तर- अफ्रीका और अमरीका में भारतीयों की दुर्दशा का कारण उनका सीधापन और उनकी सहनशीलता है। वे अपनी सहनशीलता के कारण शोषण और अन्याय के खिलाफ आवाज़ नहीं उठाते हैं और गम खाकर रह जाते हैं।

प्रश्न 16) हीरा-मोती एक-दूसरे के प्रति प्रेम और मित्रता कैसे प्रकट करते थे?

उत्तर- हीरा और मोती एक-दूसरे को चाट-चूटकर और सूँघकर अपना प्रेम प्रकट करते थे। वे अपनी दोस्ती प्रकट करने के लिए कभी-कभी सींग भी मिला लेते थे। उनके ऐसा करने में विग्रह का भाव नहीं बल्कि मनोविनोद और आत्मीयता का भाव रहता था।

प्रश्न 17) झूरी के पास वापस आए बैलों को देखकर बच्चों ने अपनी खुशी किस तरह व्यक्त की?

उत्तर-झूरी के पास लौटे हीरा-मोती को देखकर बच्चों ने ताली बजाकर उनका स्वागत अभिनंदन किया। वे इन्हें वीरता का प्रशस्ति देना चाहते थे।बच्चे खुशीपत्र--खुशी में भागकर अपने घरों से चूनी,गुड़,चोकर आदि लाकर उनको खिलाने लगे। वे बहुत खुश दिख रहे थे।

प्रश्न 18) दूसरी बार घर आए हीरा-मोती को देखकर मालकिन की प्रतिक्रिया पहली बार से किस तरह भिन्न थी?

उत्तर-हीरा-मोती जब पहली बार गया के घर से लौटकर आए थे तो मालकिन ने उन्हें नमक हराम कहा और उनका खली-चूनाआदि बंद करवा दिया,भूसा,,पर दूसरी बार हीरा-मोती के घर आने पर मालकिन हर्षित हुई और बैलों के माथे चूम लिए थे।

पाठ- 2: ल्हासा की ओर

प्रश्न 1) थोङ्ला के पहले के आखिरी गाँव पहुंचने पर भिखमंगे के वेश में होने के बावजूद लेखक को ठहरने के लिए उचित स्थान मिला जबकि दूसरी यात्रा के समय भद्रवेश भी उन्हें उचित स्थान नहीं दिला सका। क्यों?

उत्तर- भिखमंगे के वेश में भी लेखक थोङ्ला के पहले के आखिरी गाँव में पहुँचने पर इसलिए ठहरने का अच्छा स्थान पा गया क्योंकि उसके साथ सुमति थे। उस गाँव में सुमति के जानने वाले थे। दूसरी यात्रा के समय सभ्य लोगों की वेशभूषा में था परंतु वह रुकने की जगह इसलिए नहीं पा सका क्योंकि उस गाँव के लोगों के लिए वह अजनबी था। इसके अलावा शाम के समय छंङ् पीकर मदहोश हुए लोगों ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया।

प्रश्न 2) उस समय के तिब्बत में हथियार का कानून न रहने के कारण यात्रियों को किस प्रकार का भय बना रहता था?

उत्तर) उस समय तिब्बत में हथियार का कानून न होने के कारण यात्रियों को हमेशा अपनी जान और माल का खतरा रहता था। वहाँ के लोग आत्मरक्षा के लिए खुलेआम हथियार लेकर घूमते रहते थे। वहाँ अनेक निर्जन स्थान थे, जहाँ डाकुओं को किसी का भय नहीं रहता था। ऐसे स्थानों पर पुलिस का भी प्रबंध नहीं होता था। ऐसे में डाकू यात्रियों की पहले हत्या करते थे, फिर उनसे माल लूटते थे।

प्रश्न 3) लेखक लङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से किस कारण पिछड़ गया?

उत्तर- लेखक लङ्कोर के मार्ग में अपने साथियों से इसलिए पिछड़ गया क्योंकि-

-उसका घोड़ा बहुत धीरे चल रहा था।

-वह रास्ता भटक कर गलत रास्ते पर चला गया फिर वापस आया।

प्रश्न 4) लेखक ने शेकर विहार में सुमति को उनके यजमानों के पास जाने से रोका, परंतु दूसरी बार रोकने का प्रयास क्यों नहीं किया?

उत्तर- शेकर विहार में सुमति के बहुत से यजमान रहते थे, जिनके पास जाकर सुमति गंडा बाँटते थे। बोधगया से लाए गए इन गंडों को बाँटने में अधिक समय लगता था, इसलिए लेखक ने सुमति को यजमानों के पास जाने से रोका। दूसरी बार लेखक को शेकर विहार के एक मंदिर में बुद्धवचन अनुवाद की 103 पोथियाँ मिल गई थीं। इन भारी-भरकम पोथियों के अध्ययन से ज्ञानार्जन के लिए समय की आवश्यकता थी। लेखक उस समय इनके अध्ययन में रम चुका था, इसलिए उसने दूसरी बार सुमति को रोकने का प्रयास नहीं किया।

प्रश्न 5) अपनी तिब्बत यात्रा के दौरान लेखक को किन कठिनाइयों का सामना कर ना पड़ा?

उत्तर- तिब्बत यात्रा के दौरान निम्नलिखित कठिनाइयों का सामना करना पड़ा-

- उसे भिखमंगों के वेश में यात्रा करनी पड़ी।
- उसे धूप में जलते हुए तथा सर्दी सहते हुए यात्रा करनी पड़ी। भरिया न मिलने पर उसे अपना सामान पीठ पर लादना पड़ा।
- उसे धीमा चलने वाला घोड़ा मिला जिस कारण वह विलंब से पहुँचा।
- उसे सुमति के गुस्से का शिकार होना पड़ा। उसे डाँड़े पर अपनी जान हथेली पर रखकर यात्रा करनी पड़ी।

प्रश्न 6) प्रस्तुत यात्रा-वृत्तांत के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बती समाज कैसा था?

उत्तर-प्रस्तुत यात्रा-वृत्तांत के आधार पर उस समय के तिब्बती समाज के बारे में पता चलता है कि उस समय का तिब्बती समाज बहुत खुला था,जिसमें जाति-पाँति, छूआछूत, ऊँच-नीच जैसी बातें न थीं। महिलाएँ पर्दा नहीं करती थीं। वे अपरिचितों को भी चाय बनाकर दे दिया करती थीं।

जान-पहचान के बिना लोग रात बिताने के लिए आश्रय नहीं देते थे। समाज में मदिरा-पान (छंङ्) का रिवाज था। लोग धार्मिक प्रवृत्ति के तथा अंधविश्वासी थे जो गंडे के नाम पर साधारण कपड़ों के टुकड़ों पर भी विश्वास कर लेते थे।

प्रश्न 7) सुमति के यजमान और अन्य परिचित लोग लगभग हर गाँव में मिले। इस आधार पर आप सुमति के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का चित्रण कर सकते हैं?

उत्तर- सुमति के यजमान और उनके परिचित हर गाँव में लेखक को मिले। इससे सुमति के व्यक्तित्व की अनेक विशेषताएँ प्रकट होती हैं| जैसे-

- सुमति मिलनसार एवं हँसमुख व्यक्ति थे, जो लोगों से समय-समय पर मिलते रहते थे।
- सुमति उन लोगों के बीच धर्मगुरु के समान थे, जो उन्हें बोधगया से लाए गंडे दिया करते थे।
- सुमति समय के पाबंद थे। वे समय पर लेखक के न पहुँचने पर नाराज हो जाते थे |
- सुमति लालची स्वभाव के व्यक्ति थे। वे यजमानों में बोधगया से लाये गए गंडे बांटते तथा उन गंडों के समाप्त हो जाने पर साधारण कपड़े का गंडा उन्हें देकर धन प्राप्त करते थे।
- सुमति बौद्ध धर्म में आस्था रखते थे तथा तिब्बत का अच्छा भौगोलिक ज्ञान रखते थे।
- वे आतिथ्य सत्कार में कुशल थे। उन्होंने लेखक को इंतजार करते हुए चाय को तीन बार गर्म किया।

प्रश्न 8) हालाँकि उस वक्त मेरा भेष ऐसा नहीं था कि उन्हें कुछ भी ख्याल करना चाहिए था।'-उक्त कथन के अनुसार हमारे आचार-व्यवहार के तरीके वेशभूषा के आधार पर तय होते हैं। आपकी समझ से यह उचित है अथवा अनुचित,विचार व्यक्त करें।

उत्तर- यह सही है कि वेशभूषा हमारे आचार-विचार के तय करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिस व्यक्ति की वेशभूषा अच्छी होती है वह आदर का पात्र बन जाता है। इसके विपरीत खराब वेशभूषा हमें उपेक्षा का पात्र बना देती है। मेरे विचार से वेशभूषा के आधार पर हमारे आचार-विचार और व्यवहार का आँकलन नहीं किया जाता है। हमारे देश के ऋषि-मुनि और महापुरुषों ने सादा जीवन उच्च विचार को महत्त्व देते हुए अत्यंत साधारण वेशभूषा में रहकर उच्चकोटि का कार्य किया है। अच्छे पहनावे से ही कोई व्यक्ति महान नहीं बन जाता है।

पाठ 3: उपभोक्तावाद की संस्कृति

प्रश्न 1) लेखक के अनुसार आज के समय 'सुख' किसे मान लिया गया है ?

उत्तर- लेखक के अनुसार आज के समय में उपभोग का भोग करने को ही सुख मान लिया गया है अर्थात् अनावश्यक या दिखावटी चीजों का का भोग करना ही जीवन का सुख समझ लिया गया है। जैसे फैंसी राखीयाँ ,महंगी घड़ियाँ ,मोबाईल,बड़ी बड़ी कारें आलीशान घर आदि |

प्रश्न 2) आज की उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे दैनिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रही है ?

उत्तर- आज की उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे दैनिक जीवन को पूरी तरह प्रभावित कर रही है। इसके कारण हमारा सामाजिक नींव खतरे में है। मनुष्य की इच्छाएँ बढ़ती जा रही है, मनुष्य आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। सामाजिक दृष्टिकोण से यह एक बड़ा खतरा है।

प्रश्न 3) गाँधी जी ने उपभोक्ता संस्कृति को हमारे समाज के लिए चुनौती क्यों कहा है ?

उत्तर - गाँधी जी सामाजिक मर्यादाओं और नैतिकता के पक्षधर थे। गाँधी जी चाहते थे कि लोग सदाचारी,संयमी और नैतिक बनें,ताकि लोगों में परस्पर प्रेम,भाईचारा और अन्य सामाजिक सरोकार बढ़े। लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति इन सबके विपरीत चलती है। वह भोग को बढ़ावा देती है जिसके कारण नैतिकता तथा मर्यादा का ह्रास होता है। गाँधी जी चाहते थे कि हम भारतीय अपनी बुनियाद और अपनी संस्कृति पर कायम रहें। उपभोक्ता वादी संस्कृति से हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास हो रहा है।उपभोक्ता संस्कृति से प्रभावित होकर मनुष्य स्वार्थ-केन्द्रित होता जा रहा है। भविष्य के लिए यह एक बड़ी चुनौती है क्योंकि यह बदलाव हमें सामाजिक पतन की ओर अग्रसर कर रहा है।

प्रश्न4) **आशय स्पष्ट कीजिए -**

(क) जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है और आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

(ख) प्रतिष्ठा के अनेक रूप होते हैं, चाहे वे हास्यास्पद ही क्यों न हो।

उत्तर: (क) उपभोक्तावादी संस्कृति का प्रभाव अत्यंत कठिन तथा सूक्ष्म हैं। इसके प्रभाव में आकर हमारा चरित्र बदलता जा रहा है। हम उत्पादों का उपभोग करते-करते न केवल उनके गुलाम होते जा रहे हैं बल्कि अपने जीवन के लक्ष्य को भी उपभोग करना मान बैठे हैं।अधिक से अधिक चीजों को खरीदने की बढ़ती लालसा के कारण गलत सही तरीके से धन कमाने की लालसा ने अपराधों को बढ़ाया है |सही बोला जाय तो - हम उत्पादों का उपभोग नहीं कर रहे हैं, बल्कि उत्पाद हमारे जीवन का भोग कर रहे हैं।

(ख) सामाजिक प्रतिष्ठा विभिन्न प्रकार की होती है जिनके कई रूप तो बिलकुल विचित्र हैं। हास्यास्पद का अर्थ है- हँसने योग्य।अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए ऐसे - ऐसे कार्य और व्यवस्था करते हैं कि अनायास हँसी फूट पड़ती है। जैसे अमरीका में अपने अंतिम संस्कार और अंतिम विश्राम-स्थल के लिए अच्छा प्रबंध करना ऐसी झूठी प्रतिष्ठा है जिसे सुनकर हँसी आती है।

प्रश्न 5) **कोई वस्तु हमारे लिए उपयोगी हो या न हो,लेकिन टी.वी. पर विज्ञापन देखकर हम उसे खरीदने के लिए अवश्य लालायित होते हैं। क्यों** ?

उत्तर- टी .वी .पर दिखाए जाने वाले विज्ञापन बहुत सम्मोहक एवं प्रभावशाली होते हैं। वे हमारी आँखों और कानों को विभिन्न दृश्यों और ध्वनियों के सहारे प्रभावित करते हैं। वे हमारे मन में वस्तुओं के प्रति भ्रामक आकर्षण पैदा करते हैं। 'खाए जाओ ','क्या करें ,कंट्रोल ही नहीं होता','दिमाग की बत्ती जला देती है' जैसे आकर्षण हमारी लार टपका देते हैं। इसके प्रभाव में आने वाला हर व्यक्ति इन के वश में हो जाता है और इस तरह अनुपयोगी वस्तुएँ भी हमें लालायित कर देती हैं।

प्रश्न 6) **आपके अनुसार वस्तुओं को खरीदने का आधार वस्तु की गुणवत्ता होनी चाहिए या उसका विज्ञापन** ? **तर्क देकर स्पष्ट करें।**

उत्तर - वस्तुओं को खरीदने का एक ही आधार होना चाहिए - वस्तु की गुणवत्ता। विज्ञापन हमें गुणवत्ता वाली वस्तुओं का परिचय करा सकते हैं।अधिकतर विज्ञापन हमारे मन में वस्तुओं के प्रतिभ्रामक आकर्षण पैदा करते हैं। वे आकर्षक दृश्य दिखाकर गुणहीन वस्तुओं का प्रचार करते हैं।

प्रश्न 7) **पाठ के आधार पर आज के उपभोक्तावादी युग में पनप रही "दिखावे की संस्कृति" पर विचार व्यक्त कीजिए।**

उत्तर- यह बात बिल्कुल सच है कि आज दिखावे की संस्कृति पनप रही है। आज लोग अपने को आधुनिक से अत्याधुनिक और कुछ हटकर दिखाने के चक्कर में कीमती से कीमती सौंदर्य-प्रसाधन, म्यूजिक-सिस्टम, मोबाईलफोन, घड़ी और कपड़े खरीदते हैं। समाज में आजकल इन चीज़ों से लोगों की हैसियत आँकी जाती है। यहाँ तक कि लोग मरने के बाद अपनी कब्र के लिए लाखों रूपए खर्च करने लगे हैं ताकि वे दुनिया में अपनी हैसियत के लिए पहचाने जा सकें। "दिखावे की संस्कृति" के बहुत से दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं। इस से हमारा चरित्र स्वत: बदलता जा रहा है। नै तिकता समाप्त हो रही है | हमारी अपनी सांस्कृतिक पहचान,परम्पराएँ, आस्थाएँ घटती जा रही है। हमारे सामाजिक सम्बन्ध संकुचित होने लगे हैं । मन में अशांति एवं आक्रोश बढ़ रहे हैं। नैतिक मर्यादाएँ घट रही हैं। व्यक्तिवाद, स्वार्थ, भोगवाद आदि कुप्रवृत्तियाँ बढ़ रही हैं।

प्रश्न 8) **आज की उपभोक्ता संस्कृति हमारे रीति -रिवाजों और त्योहारों को किस प्रकार प्रभावित कर रही है** ? **अपने अनुभव के आधार पर एक अनुच्छेद लिखिए।**

उत्तर - उपभोक्तावादी संस्कृति से हमारे रीति-रिवाज़ और त्योहार भी बहुत हद तक प्रभावित हुए हैं। पहले त्योहार दुश्मनी को भुलाकर एक दूसरे से मिलने ,जीवन में आनंद ,हंसी - खुशी को बढ़ाने वाले एवं सामाजिक समरसता आदि को बढ़ाते थे आज त्योहार, रीति-रिवाजों का दायरा सीमित होता जा रहा है ।त्योहारों के नाम पर नए-नए विज्ञापन भी बनाए जा रहे हैं; जैसे- त्योहारों के लिए खास घड़ी का विज्ञापन दिखाया जा रहा है, मिठाई की जगह चॉकलेट ने ले ली है। आज रीति-रिवाज़ का मतलब एक-दूसरे से अच्छा लगना हो गया है। इस प्रतिस्पर्धा में रीति-रिवाज़ों का सही अर्थ कहीं लुप्त हो गया है।

पाठ - 4 : साँवले सपनों की याद

प्रश्न 1. **किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी प्रेमी बना दिया**?

उत्तर-एक बार बचपन में सालिम अली की एयरगन से एक गौरैया घायल होकर गिर पड़ी और दर्द से तड़पने लगी । इस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया। वे गौरैया की देखभाल, सुरक्षा और खोजबीन में जुट गए। उसके बाद उनकी रुचि पूरे पक्षी-संसार की ओर मुड़ गई। वे पक्षी-प्रेमी बन गए।

प्रश्न 2. **सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरण से संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा कि जिससे उनकी आँखें नम हो गई थीं**?

उत्तर-सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के सामने साइलेंट वैली के न रहने पर रेगिस्तानी हवा के गरम झोकों और उसके दुष्प्रभावों का उल्लेख किया। यदि प्रस्तावित जलविद्युत परियोजना से केरल की साइलेंट वैली को न बचाया गया तो उसके नष्ट होने का खतरा उत्पन्न हो जाएगा। प्रकृति के प्रति ऐसा प्रेम और चिंता देख उनकी आँखें नम हो गईं।

प्रश्न 3. **लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि "मेरी छत पर बैठने वाली गौरैया लॉरेंस के बारे में ढेर सारी बातें जानती है**?"

उत्तर- लॉरेंस की पत्नी फ्रीडा जानती थी कि लॉरेंस को गौरैया से बहुत प्रेम था। वे अपना काफी समय गौरैया के साथ बिताते थे। गौरैया भी उनके साथ अंतरंग साथी जैसा व्यवहार करती थी। उनके इसी पक्षी-प्रेम को उद्घाटित करने के लिए उन्होंने यह वाक्य कहा।

प्रश्न 4. **आशय स्पष्ट कीजिए-**

(क) वो लॉरेंस की तरह, नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गए थे।

(ख) कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा!

(ग) सालिम अली प्रकृति की दुनिया में एक टापू बनने की बजाए अथाह सागर बनकर उभरे थे।

उत्तर-(क) लॉरेंस बनावट से दूर रहकर प्राकृतिक जीवन जीते थे। वे प्रकृति से प्रेम करते हुए उसकी रक्षा के लिए चिंतित रहते थे। इसी तरह सालिम अली ने भी प्रकृति की सुरक्षा, देखभाल के लिए प्रयासकरते हुए सीधा एवं सरल जीवन जीते थे।

(ख) मृत्यु ऐसा सत्य है जिसके प्रभाव स्वरूप मनुष्य सांसारिकता से दूर होकर चिर निद्रा और विश्राम प्राप्त कर लेता है। उसका हँसना-गाना, चलना-फिरना सब बंद हो जाता है। मौत की गोद में विश्राम कर रहे सालिम अली की भी यही स्थिति थी।क्योंकि उनकी मौत हो गई थी इसलिए अब उन्हें किसी तरह से पहले जैसी अवस्था में नहीं लाया जा सकता था।

(ग) टापू समुद्र में उभरा हुआ छोटा भू-भाग होता है जबकि सागर अत्यंत विशाल और विस्तृत होता है। सालिम अली भी प्रकृति और पक्षियों के बारे में थोड़ी-सी जानकारी से संतुष्ट होने वाले नहीं थे। वे इनके बारे में असीमित ज्ञान प्राप्त करके अथाह सागर-सा बन जाना चाहते थे।

प्रश्न 5. **इस पाठ के आधार पर लेखक की भाषा-शैली की चार विशेषताएँ बताइए।**

उत्तर- 'साँवले सपनों की याद' नामक पाठ की भाषा-शैली संबंधी विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

1) चित्रात्मकता - इनकी शैली चित्रात्मक है। पाठ को पढ़ते हुए इसकी घटनाओं का चित्र उभर कर हमारे सामने आता है।

(2) मिश्रित भाषा - लेखक ने भाषा में हिंदी के साथ-साथ कहीं-कहीं उर्दू तथा कहीं-कहीं अंग्रेज़ी के शब्दों का प्रयोग भी किया है।

(3) सरल व सहज भाषा - इनकी भाषा अत्यंत सरल तथा सहज है।

(4) भावानुरूप भाषा- अपने मनोभावों को प्रस्तुत करने के लिए लेखक ने अभिव्यक्ति शैली का सहारा लिया है।

प्रश्न 6. **इस पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।**

उत्तर- लेखक ने सालिम अली का जो चित्र खींचा है, वह इस प्रकार है-

सालिम अली प्रसिद्ध पक्षी-विज्ञानी होने के साथ-साथ प्रकृति-प्रेमी थे। एक बार बचपन में उनकी एअरगन से घायल होकर नीले कंठवाली गौरैया गिरी थी। उसकी हिफाजत और उससे संबंधित जानकारी पाने के लिए उन्होंने जो प्रयास किया, उससे पक्षियों के बारे में उठी जिज्ञासा ने उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया। वे दूर-दराज घूम-घूमकर पक्षियों के बारे में जानकारी एकत्र रहे हैं और उनकी सुरक्षा के लिए चिंतित रहे। वे केरल की साइलेंट वैली को रेगिस्तानी हवा के झोकों से बचाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से भी मिले। वे प्रकृति की दुनिया के अथाह सागर बन गए थे।

प्रश्न 7.'**साँवले सपनों की याद**' **शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए ।**

उत्तर- 'साँवले सपनों की याद' एक रहस्यात्मक शीर्षक है। इसे पढ़कर पाठक जिज्ञासा से आतुर हो जाता है कि कैसे सपने**?** किसके सपने**?** कौन-से सपने**?** ये सपने साँवले क्यों हैं**?** कौन इन सपनों की याद में आतुर है**?** आदि।

'साँवले सपने' मनमोहक इच्छाओं के प्रतीक हैं। ये सपने प्रसिद्ध पक्षी-प्रेमी सालिम अली से संबंधित हैं। सालिम अली जीवन-भर सुनहरे पक्षियों की दुनिया में खोए रहे। वे उनकी सुरक्षा और खोज के सपनों में खोए रहे। ये सपने हर किसी को नहीं आते। हर कोई पक्षी-प्रेम में इतना नहीं डूब सकता। इसलिए आज जब सालिम अली नहीं रहे तो लेखक को उन साँवले सपनों की याद आती है जो सालिम अली की आँखों में बसते थे। यह शीर्षक सार्थक तो है किंतु गहरा रहस्यात्मक है। चंदन की तरह घिस-घिसकर इसके अर्थ तथा प्रभाव तक पहुँचा जा सकता है।

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न 8. **प्रस्तुत पाठ सालिम अली की पर्यावरण के प्रति चिंता को भी व्यक्त करता है। पर्यावरण को बचाने के लिए आप कैसे योगदान दे सकते हैं**?

उत्तर-'साँवले सपनों की याद' सालिम अली ने पर्यावरण के प्रति अपनी चिंता प्रकट की है। उन्होंने केरल की साइलेंट वादी को जलविद्युत परियोजना के कारण रेगिस्तानी हवा के झोंको से बचाने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उसे बचाने का अनुरोध किया। इस तरह अपने पर्यावरण को बचाने के लिए हम भी विभिन्न रूपों में अपना योगदान दे सकते हैं; जैसे-

- अपने आस-पास पड़ी खाली भूमि पर अधिकाधिक पेड़-पौधे लगाएँ।
- पेड़-पौधों को कटने से बचाने के लिए लोगों में जागरूकता पैदा करें।
- लोगों को पेड़-पौधों की महत्ता बताएँ।।
- हम जल स्रोतों को न दूषित करें और न लोगों को दूषित करने दें।
- फैक्ट्रियों से निकले अपशिष्ट पदार्थों एवं विषैले जल को जलस्रोतों में न मिलने दें।
- प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का प्रयोग कम से कम करें।
- इधर-उधर कूड़ा-करकट न फेंकें तथा ऐसा करने से दूसरों को भी मना करें।
- विभिन्न रूपों में बार-बार प्रयोग की जा सकने वाली वस्तुओं का प्रयोग करें।
- सूखी पत्तियों और कूड़े को जलाने से बचें तथा दूसरों को भी इस बारे में जागरूक करें।

प्रश्न 9. '**अब हिमालय और लद्दाख की बरफ़ीली जमीनों पर रहने वाले पक्षियों की वकालत कौन करेगा**'? **ऐसा लेखक ने क्यों कहा होगा**? '**सावले सपनों की याद**' **पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर- सालिम अली की मृत्यु पर लेखक के मस्तिष्क में उनसे जुड़ी हर यादें चलचित्र की भाँति घूम गईं। लेखक ने महसूस किया कि सालिम अली आजीवन पक्षियों की तलाश में पहाड़ जैसे दुर्गम स्थानों पर घूमते रहे। वे आँखों पर दूरबीन लगाए नदी के किनारों पर जंगलों में और पहाड़ जैसे दुर्गम स्थानों पर भी पक्षियों की खोज करते रहे और उनकी सुरक्षा के प्रति प्रयत्नशील रहे। वे पक्षियों को बचाने का उपाय करते रहे। इसके विपरीत आज मनुष्य पक्षियों की उपस्थिति में अपना स्वार्थ देखता है। सालिम अली के पक्षी-प्रेम को याद कर लेखक ने ऐसा कहा होगा।

प्रश्न 10. '**साँवले-सपनों की याद**' **पाठ के आधार पर बताइए कि सालिम अली को नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप क्यों कहा गया है**?

उत्तर-सालिम अली महान पक्षी-प्रेमी थे। इसके अलावा वे प्रकृति से असीम लगाव रखते थे। वे प्रकृति के इतना निकट आ गए थे कि ऐसा लगता था कि उनका जीवन प्रकृतिमय हो गया था। पक्षी-प्रेम के कारण वे पक्षियों की खोज करते हुए प्रकृति के और निकट आ गए। नदी-पहाड़, झरने विशाल मैदान और अन्य दुर्गम स्थानों से उनका गहरा नाता जुड़ गया था। जिंदगी में अद्भुत सफलता पाने के बाद भी वे प्रकृति से जुड़े रहे। इस तरह उनका जीवन नैसर्गिक जिंदगी का प्रतिरूप बन गया था।

प्रश्न11. '**साँवले सपनों की याद**' **पाठ के आधार पर सालिम अली के व्यक्तित्व की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।**

उत्तर- सालिम अली दुबली-पतली काया वाले व्यक्ति थे, जिनकी आयु लगभग एक सौ वर्ष होने को थी। पक्षियों की खोज में की गई लंबी-लंबी यात्राओं की थकान से उनका शरीर कमजोर हो गया था। वे अपनी आँखों पर प्रायः दूरबीन चढ़ाए रखते थे। पक्षियों की खोज के लिए वे दूर-दूर तक तथा दुर्गम स्थानों की यात्राएँ करते थे। उनकी एअर गन से घायल होकर गिरी नीले कंठवाली गौरैया ने उनके जीवन की दिशा बदले दी। वे पक्षी प्रेमी होने के अलावा प्रकृति प्रेमी भी थे। वे प्रकृतिमय जीवन जीते थे और उसकी सुरक्षा के लिए प्रयासरत रहते थे। वे नदी पहाड़-झरनों आदि को प्रकृति की दृष्टि से देखते थे।

प्रश्न 12. '**साँवले सपनों की याद**' **पाठ के आधार पर बताइए कि सामान्य लोग पर्यावरण की रक्षा में अपना योगदान किस तरह दे सकते हैं**?

उत्तर- 'साँवले सपनों की याद' पाठ से ज्ञात होता है कि सालिम अली प्रकृति और उससे जुड़े विभिन्न अंगों-नदी, पहाड़, झरने, आबशारों आदि को प्रकृति की निगाह से देखते थे और उन्हें बचाने के लिए प्रयत्नशील रहते थे।

उन्होंने केरल साइलेंट वैली को बचाने का अनुरोध किया। इसी तरह सामान्य लोग भी अपने पर्यावरण की रक्षा के लिए विभिन्न रूपों में अपना योगदान दे सकते हैं; जैसे-

- अधिकाधिक पेड़ लगाकर धरती की हरियाली बढ़ाकर।
- पेड़ों को कटने से बचाकर।
- प्लास्टिक से बनी वस्तुओं का प्रयोग न करके।
- अपने आसपास साफ़-सफ़ाई करके।
- जल-स्रोतों को दूषित होने से बचाकर।
- वन्य जीवों तथा पक्षियों की रक्षा करके मनुष्य पर्यावरण की सुरक्षा कर सकता है।

पाठ-5: प्रेमचंद के फटे जूते

प्रश्न 1. **हरिशंकर परसाई ने प्रेमचंद का जो शब्दचित्र हमारे सामने प्रस्तुत किया है उससे प्रेमचंद के चरित्र की कौन सी विशेषताएँ उभरकर आती हैं**?

उत्तर- 'प्रेमचंद के फटे जूते' नामक व्यंग्य को पढ़कर प्रेमचंद के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताएँ उभरकर सामने आती हैं-

- ❖ संघर्षशील लेखक- प्रेमचंद आजीवन संघर्ष करते रहे। उन्होंने मार्ग में आने वाली चट्टानों को ठोकरें मारीं। अगल-बगल के रास्ते नहीं खोजे। समझौते नहीं किए। लेखक के शब्दों में "तुम किसी सख्त चीज़ को ठोकर मारते रहे हो। ठोकर मार-मारकर अपना जूता फाड़ लिया।"
- ❖ अपराजेय व्यक्तित्व- प्रेमचंद का व्यक्तित्व अपराजेय था। उन्होंने कष्ट सहकर भी कभी हार नहीं मानी। यदि वे मनचाहा परिवर्तन नहीं कर पाए, तो कम-से-कम कमजोरियों पर हँसे तो सही। उन्होंने निराश-हताश जीने की बजाय मुसकान बनाए रखी। उनकी नज़रों में तीखा व्यंग्य और आत्मविश्वास था। लेखक के शब्दों में-"यह कैसा आदमी है, जो खुद तो फटे जूते पहने फोटो खिंचा रहा है, पर किसी पर हँस भी रहा है।"
- ❖ कष्टग्रस्त जीवन- प्रेमचंद जीवन-भर आर्थिक संकट झेलते रहे। उन्होंने गरीबी को सहर्ष स्वीकार किया। वे बहुत सीधे-सादे वस्त्र पहनते थे। उनके पास पहनने को ठीक-से जूते भी नहीं थे। फिर भी वे हीनता से पीड़ित नहीं थे। उन्होंने फोटो खिंचवाने में भी अपनी सहजता बनाए रखी।
- ❖ सहजता- प्रेमचंद अंदर-बाहर से एक थे। लेखक के शब्दों में-"इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी-इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है।"
- ❖ मर्यादित जीवन- प्रेमचंद ने जीवन-भर मानवीय मर्यादाओं को निभाया। उन्होंने अपने नेम-धरम को, अर्थात् लेखकीय गरिमा को बनाए रखा। वे व्यक्ति के रूप में तथा लेखक के रूप में श्रेष्ठ आचरण करते रहे।

प्रश्न 2. **नीचे दी गई पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए-**

(क) जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं।

(ख) तुम परदे का महत्त्व ही नहीं जानते, हम परदे पर कुरबान हो रहे हैं।

(ग) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ़ हाथ की नहीं, पाँव की अँगुली से इशारा करते हो?

उत्तर- (क) जीवन में यह विडंबना है कि जिसका स्थान पाँव में हैं, अर्थात् नीचे है, उसे अधिक महत्त्वपूर्ण माना जाता रहा है। जिसका स्थान ऊँचा है, जो सिर पर बिठाने योग्य है, उसे कम सम्मान मिलता रहा है। आजकल तो जूतोंका अर्थात् धनवानों का मान-सम्मान और भी अधिक बढ़ गया है। एक धनवान पर पच्चीसों गुणी लोग न्योछावर होते हैं। गुणी लोग भी धनवानों की जी-हुजूरी करते नजर आते हैं।

उत्तर- (ख) प्रेमचंद ने कभी पर्दे को अर्थात् लुकाव-छिपाव को महत्त्व नहीं दिया। उन्होंने वास्तविकता को कभी टॅकने का प्रयत्न नहीं किया। वे इसी में संतुष्ट थे कि उनके पास छिपाने-योग्य कुछ नहीं था। वे अंदर-बाहर से एक थे। यहाँ तक कि उनका पहनावा भी अलग-अलग न था।लेखक अपनी तथा अपने युग की मनोभावना पर व्यंग्य करता है कि हम पर्दा रखने को बड़ा गुण मानते हैं। जो व्यक्ति अपने कष्टों को छिपाकर समाज के सामने सुखी होने का ढोंग करता है, हम उसी को महान मानते हैं। जो अपने दोषों को छिपाकर स्वयं को महान सिद्ध करता है, हम उसी को श्रेष्ठ मानते हैं।

उत्तर- (ग) लेखक कहता है-प्रेमचंद ने समाज में जिसे भी घृणा-योग्य समझा, उसकी ओर हाथ की अँगुली से नहीं, बल्कि अपने पाँव की अँगुली से इशारा किया। अर्थात् उसे अपनी ठोकरों पर रखा, अपने जूते की नोक पर रखा, उसके विरुद्ध संघर्ष किए रखा।

प्रश्न 3. **पाठ में एक जगह पर लेखक सोचता है कि 'फ़ोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी?' लेकिन अगले ही पल वह विचार बदलता है कि नहीं, इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी।' आपके अनुसार इस संदर्भ में प्रेमचंद के बारे में लेखक के विचार बदलने की क्या वजहें हो सकती हैं?**

उत्तर- मेरे विचार से प्रेमचंद के बारे में लेखक का विचार यह रहा होगा कि समाज की परंपरा-सी है कि वह अच्छे अवसरों पर पहनने के लिए अपने वे कपड़े अलग रखता है, जिन्हें वह अच्छा समझता है। प्रेमचंद के कपड़े ऐसे न थे जो फ़ोटो खिंचाने लायक होते।

ऐसे में घर पहनने वाले कपड़े और भी खराब होते। लेखक को तुरंत ही ध्यान आता है कि प्रेमचंद सादगी पसंद और आडंबर तथा दिखावे से दूर रहने वाले व्यक्ति हैं। उनका रहन-सहन दूसरों से अलग है, इसलिए उसने टिप्पणी बदल दी।

प्रश्न 4. **आपने यह व्यंग्य पढ़ा। इसे पढ़कर आपको लेखक की कौन-सी बातें आकर्षित करती हैं?**

उत्तर- मुझे इस व्यंग्य की सबसे आकर्षक बात लगती है-विस्तारण शैली। लेखक एक संदर्भ से दूसरे संदर्भ की ओर बढ़ता चला जाता है। वह बूंद में समुद्र खोजने का प्रयत्न करता है। जैसे बीज में से क्रमश: अंकुर का, फिर पल्लव का, फिर पौधे और तने का; तथा अंत में फूल-फल का विकास होता चला जाता है, उसी प्रकार इस निबंध में प्रेमचंद के फटे जूते से बात शुरू होती है। वह बात खुलते-खुलते प्रेमचंद के पूरे व्यक्तित्व को उद्घाटित कर देती है। बात से बात निकालने की यह व्यंग्य शैली बहुत आकर्षक बन पड़ी है।

प्रश्न 5. **पाठ में 'टीले' शब्द का प्रयोग किन संदर्भो को इंगित करने के लिए किया गया होगा?**

उत्तर- टीला शब्द 'राह' में आनेवाली बाधा का प्रतीक है। जिस तरह चलते-चलते रास्ते में टीला आ जाने पर व्यक्ति को उसे पार करने के लिए विशेष परिश्रम करते हुए सावधानी से आगे बढ़ना पड़ता है, उसी प्रकार सामाजिक विषमता, छुआछूत, गरीबी, निरक्षरता अंधविश्वास और कुरीतियाँ आदि भी मनुष्य की उन्नति में बाधक बनती है। इन्हीं बुराइयों के संदर्भ में 'टीले' शब्द का प्रयोग हुआ है|

प्रश्न 6. **आपकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है?**

उत्तर- वेशभूषा के प्रति लोगों की सोच में बहुत बदलाव आया है। लोग वेशभूषा को सामाजिक प्रतिष्ठा का सूचक मानने लगे हैं। लोग उस व्यक्ति को ज्यादा मान-सम्मान और आदर देने लगे हैं जिसकी वेशभूषा अच्छी होती है। वेशभूषा से ही व्यक्ति का दूसरों पर पहला प्रभाव पड़ता है जबकि हमारे विचारों का प्रभाव तो बाद में पड़ता है। आज किसी अच्छी-सी पार्टी में कोई धोती कुरता पहनकर जाए तो उसे पिछड़ा समझा जाता है। इसी प्रकार कार्यालयों के कर्मचारी गण हमारी वेशभूषा के अनुरूप व्यवहार करते हैं। यही कारण है कि लोगों विशेषकर युवाओं में आधुनिक बनने की होड़ लगी है।

अन्य पाठेतर प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. **प्रेमचंद ने अपने फटे जूते को ढंकने का प्रयास क्यों नहीं किया होगा?**

उत्तर- प्रेमचंद दिखावा एवं आडंबर से दूर रहने वाले व्यक्ति थे। उन्हें सादगीपूर्ण जीवन पसंद था। वे जैसा वास्तव में थे, वैसा ही दिखना चाहते थे, इसलिए प्रेमचंद ने अपने फटे जूते को छिपाने का प्रयास नहीं किया गया।

प्रश्न 2. **प्रेमचंद के चेहरे पर कैसी मुसकान थी और क्यों**?

उत्तर- प्रेमचंद के चेहरे पर अधूरी मुसकान थी। इसका कारण यह था कि प्रेमचंद महान साहित्यकार होकर भी अभावग्रस्त जिंदगी जी रहे थे। अभावों से उनकी मुसकान खो सी गई थी। फ़ोटोग्राफ़र के कहने पर भी वे ठीक से जल्दी से मुसकरा न पाए और मुसकान अधूरी रह गई।

प्रश्न 3. '**मगर यह कितनी बड़ी ट्रेजडी है**', **लेखिका ने ऐसा किस संदर्भ में कहा है**?

उत्तर- लेखक ने देखा कि 'युग प्रवर्तक', 'उपन्यास सम्राट' जैसे भारी भरकम विशेषणों से विभूषित साहित्यकार के पास फ़ोटो खिंचाने के लिए भी अच्छे जूते नहीं होने को बड़ी 'ट्रेजडी' कहा है। उसने महान साहित्यकार की अभावग्रस्तता के संदर्भ में ऐसा कहा है।

प्रश्न 4. '**जूता हमेशा कीमती रहा है**'- **ऐसा कहकर लेखक ने समाज की किस विसंगति पर प्रकाश डाला है**?

उत्तर- जूता 'धन और बल' का प्रतीक है। जूता समाज में सदा से ही आदर पाता आया है। अर्थात् गुणवान व्यक्तियों को भी धनवानों के सामने कमतर आंका गया है। धनवानों ने ज्ञानी व्यक्तियों को भी झुकने पर विवश किया है। यह समाज की विसंगति ही है।

प्रश्न 5. **लेखक अपने जूते को अच्छा नहीं मानता**, **पर उसका जूता अच्छा दिखता है**, **क्यों**?

उत्तर- लेखक का जूता ऊपर से अच्छा दिखता है पर अँगूठे के नीचे तला फट गया है। उसका अँगूठा जमीन से रगड़ खाता है। और पैनी मिट्टी से रगड़कर लहूलुहान हो जाता है। ऐसे तो एक दिन पंजा ही छिल जाएगा इसलिए वह अपने जूते को अच्छा नहीं मानता है।

प्रश्न 6. **प्रेमचंद का जूता फटने के प्रति लेखक ने क्या-क्या आशंका प्रकट की है**?

उत्तर- प्रेमचंद का जूता फटने के प्रति लेखक ने दो आशंकाएँ प्रकट की हैं-

• बनिए के तगादे से बचने के लिए मील-दो मील का चक्कर प्रतिदिन लगाकर घर पहुँचना यानि गरीबी के कारण ।

• सदियों से परत दर परत जमी किसी चीज़ पर ठोकर मार-मारकर जूता फाड़ लेना यानि कुरीतियों ,अत्याचारों के खिलाफ लगातार संघर्ष करना ।

प्रश्न 7. **लेखक द्वारा कुंभनदास का उदाहरण किस संदर्भ में दिया गया है**?

उत्तर- लेखक का मानना है कि चक्कर लगाने से जूता फटता नहीं, घिस जाता है। इसकी पुष्टि के लिए ही उन्होंने कुंभ दास का उदाहरण दिया है। कुंभनदास का जूता भी फतेहपुर सीकरी आते-जाते घिस गया था।

प्रश्न 8. **लेखक ने सदियों से परत-दर-परत' कहकर किस ओर इशारा किया है**?

उत्तर- लेखक ने 'सदियों से जमी परत पर परत' कहकर समाज में फैली उन कुरीतियों, रूढ़ियों और बुराइयों की ओर संकेत किया है जो समाज में पुराने समय से चली आ रही हैं और लोग बिना सोचे-समझे इन्हें अपनाए हुए हैं। इनकी जड़े समाज में इतनी गहराई से जम चुकी हैं कि ये सरलता से दूर नहीं की जा सकती।

मूल्यपरक प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1. '**प्रेमचंद के फटे जूते**' **पाठ के आधार पर प्रेमचंद की वेशभूषा एवं उनकी स्वाभाविक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।**

उत्तर- 'प्रेमचंद के फटे जूते' पाठ से पता चलता है कि उच्च कोटि के साहित्यकार होने के बाद भी प्रेमचंद साधारण-सा जीवन बिता रहे थे। वे मोटे कपड़े का कुरता-धोती और टोपी पहनते थे। उनके जूतों के बंद बेतरतीब बँधे रहते थे। महान होने के बाद भी प्रेमचंद को दिखावा एवं आडंबर से परहेज था। वे जिस हाल में थे, उसी में खुश थे और उसी रूप में दिखने में उन्हें कोई शर्म नहीं आती थी। वे अपनी कमियों और

कमजोरियों को छिपाना नहीं जानते थे।पैसों के लिए अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया तथा आम लोगों को अंग्रेजों के अत्याचारों के खिलाफ जागरूक करने के लिए खुद घाटा सहकर भी पत्र पत्रिकाओं

प्रश्न 2. **लेखक ने प्रेमचंद को जनता के लेखक' कहकर उनकी किस विशेषता को बताना चाहा है**?

उत्तर- प्रेमचंद अपने युग के महान कथाकार और उपन्यासकार थे। उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी न होने से उन्होंने खुद गरीबी एवं दुख को अत्यंत निकट से देखा था। इसके अलावा प्रेमचंद पराधीन भारत में भारतीय किसानों और मजदूरों के प्रति अंग्रेजों द्वारा किए गए अत्याचार को देखा था।

वे समाज में व्याप्त रूढ़ियों, कुरीतियों और धार्मिक बुराइयों में फंसे लोगों को देख रहे थे। इन्हीं बातों को उन्होंने अपनी कृतियों का विषय बनाया है। पूस की रात' में हलकू की समस्या, 'गोदान' .. में होरी की दुर्दशा, 'मंत्र' में डाक्टर चट्ढा की खेलप्रियता से सुजानभगत के बेटे की मृत्यु आदि का सजीव चित्रण करके जन सामान्य के दुखों को मुखरित किया है। लेखक ने 'जनता का लेखक' कहकर यह स्पष्ट किया है कि उन्होंने अपनी रचनाओं में हवाई बातें नहीं की बल्कि पहली बार उन्होंने जनसाधारण के सुख- दुख को उजागर किया है।

प्रश्न 3. **लेखक ने प्रेमचंद की दशा का वर्णन करते-करते अपने बारे में भी कुछ कहकर लेखकों की स्थिति पर प्रकाश डाला है। 'प्रेमचंद' और लेखक 'परसाई' में आपको क्या-क्या समानता-विषमता दिखाई देती है**? **लिखिए।**

उत्तर- लेखक परसाई द्वारा लिखित पाठ 'प्रेमचंद के फटे जूते' में प्रेमचंद जैसे महान साहित्यकार, जिसे 'युग प्रवर्तक', 'महान कथाकार', 'उपन्यास सम्राट' आदि के रूप में जाना जाता है, की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी न थी। उनकी फटे जूते से अँगुली बाहर निकल आई थी। कुछ ऐसी ही स्थिति परसाई जैसे अन्य स्वाभिमानी लेखकों की भी थी उन्होंने भी अपना जीवन गरीबी में काटा और अपनी शर्तों पर ही लिखा |लेखक और प्रेमचंद में अंतर यह था कि प्रेमचंद जी कुछ भी छुपाते नहीं थे जबकि परसाई जी अपनी गरीबी को छुपाने का प्रयास करते थे|

पाठ 6 - मेरे बचपन के दिन

प्रश्न **1.** 'मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है।' इस कथन के आलोक में आप यह पता लगाएँ कि -

(क) उस समय लड़कियों की दशा कैसी थी **?**

(ख) लड़कियों के जन्म के संबंध में आज कैसी परिस्थितियाँ हैं **?**

उत्तर-(क) उस समय लड़कियों की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। उस समय का समाज पुरुष प्रधान था। पुरुषों को समाज में ऊँचा दर्जा प्राप्त था। पुरुषों के सामने नारी को अत्यंत हीन दृष्टि से देखा जाता था। इसका एक कारण समाज में व्याप्त दहेज-प्रथा भी थी। इसी कारण से लड़कियों के जन्म के समय या तो उसे मार दिया जाता था या तो उन्हें बंद कमरे की चार दीवारी के अंदर कैद करके रखा जाता था। शिक्षा को पाने का अधिकार भी केवल लड़कों को ही था। कुछ उच्च वर्गों की लड़कियाँ ही शिक्षित थी परन्तु उसकी संख्या भी गिनी चुनी थी। ऐसी लड़कियों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

(ख) आज लड़कियों के जन्म के संबंध में स्थितियाँ थोड़ी बदली हैं। आज शिक्षा के माध्यम से लोग सजग हो रहें हैं। लड़का-लड़की का अंतर धीरे-धीरे कम हो रहा है। आज लड़कियों को लड़कों की तरह पढ़ाया-लिखाया भी जा रहा है। परंतु यह भी सच है कि लड़कियों के साथ भेदभाव पूरी-तरह समाप्त नहीं हुआ है। आज भी कहीं - कहीं भ्रूण-हत्याएँ हो रही हैं तथा अन्य आपराधिक घटनाएं हो रही हैं,इसलिए सरकार कड़े कानून भी बना रहीं है।

प्रश्न 2. **लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई** ?

उत्तर-लेखिका को बचपन में उर्दू पढ़ाने के लिए मौलवी रखा गया परन्तु उनकी इसमें रूचि नहीं थी **|** जब भी मौलवी साहब उसे उर्दू-फारसी सिखाने आते तो वह चारपाई के नीचे छिप जाती थी**|** इन्हीं कारणों से वे उर्दू-फारसी नहीं सीख पाईं ।

प्रश्न 3. **लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है** ?

उत्तर-लेखिका की माता अच्छे संस्कार वाली महिला थीं। वे धार्मिक स्वभाव की महिला थीं। वे पूजा-पाठ किया करती थीं। वे ईश्वर में आस्था रखती थीं। सवेरे "कृपानिधान पंछी बन बोले" पद और प्रभाती गाती थीं। शाम को मीरा के पद गाती थीं। वे लिखा भी करती थीं। लेखिका ने अपनी माँ के हिंदी-प्रेम और लेखन गायन के शौक का वर्णन किया है। उन्हें हिंदी तथा संस्कृत का अच्छा ज्ञान था। इसलिए इन दोनों भाषाओं का प्रभाव महादेवी पर भी पड़ा।

प्रश्न 4. **जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसे क्यों कहा है** ?

उत्तर- पहले हिंदु- मुस्लिम को लेकर इतना भेदभाव नहीं था। हिंदु और मुस्लिम दोनों एक ही देश में प्रेम पूर्वक रहते थे। स्वतंत्रता के पश्चात् हिंदु और मुस्लिम संबन्धों में बदलाव आ गया है। आपसी फूट के कारण देश दो हिस्सों में बँट गया – पाकिस्तान मुस्लिम प्रधान देश के रुप में प्रतिष्ठित है तथा हिंदुस्तान मेंसभी धर्मों के लोग आज भी मिलजुल कर रहते हैं । हाँ कुछ हालातो के कारण भाईचारा पहले की अपेक्षा थोड़ा काम होता प्रतीत होता है |

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न 5. **ज़ेबुन्निसा महादेवी वर्मा के लिए बहुत काम करती थी। ज़ेबुन्निसा के स्थान पर यदि आप होतीं / होते तो महादेवी से आपकी क्या अपेक्षा होती** ?

उत्तर - अगर मैं ज़ेबुन्निसा की जगह पर होता/होती तो मैं भी उनसे प्रेम और आदर की अपेक्षा रखता/रखती। उनसे पढाई में सहयोग प्राप्त करना और कविता-काव्य लिखने का प्रोत्साहन पाना चाहता/चाहती।

प्रश्न 6. **महादेवी वर्मा को काव्य प्रतियोगिता में चाँदी का कटोरा मिला था। अनुमान लगाइए कि आपको इस तरह का कोई पुरस्कार मिला हो और वह देशहित में या किसी आपदा निवारण के काम में देना पड़े तो आप कैसा अनुभव करेंगे / करेंगी** |

उत्तर- हमारा भी देश के प्रति कर्तव्य है। अगर मुझे भी देशहित या आपदा निवारण के सहयोग में अपने पुरस्कार को त्याग करना पड़े तो इसमें मुझे प्रसन्नता होगी। आखिर मेरा कुछ तो देश या लोगों के काम आ पाया। देश प्रेम के आगे पुरस्कार का कोई मूल्य नहीं है।

प्रश्न 7. **लेखिका ने छात्रावास के जिस बहुभाषी परिवेश की चर्चा की है| उसे अपनी मातृभाषा में लिखिए।**

उत्तर-लेखिका "महादेवी वर्मा" के छात्रावास का परिवेश बहुभाषी था। कोई हिंदी बोलता था तो किसी की भाषा उर्दू थी। वहाँ कुछ मराठी लड़किया भी थीं**,** जो आपस में मराठी बोलती थीं। अवध की लड़कियाँ आपस में अवधी बोलती थीं। बुंदेलखंड की लड़कियाँ बुंदेली में बात करती थीं। अलग-अलग प्रांत के होने के बावजूद भी वे आपस में हिंदी में ही बातें करती थीं। छात्रावास में उन्हें हिंदी तथा उर्दू दोनों की शिक्षा दी जाती थी।

क्षितिज (काव्य खंड)
(वर्णनात्मक प्रश्न)

पाठ -1: साखियाँ (कबीर)

प्रश्न 1. 'मानसरोवर' से कवि का क्या आशय है?

उत्तर- मानसरोवर के दो अर्थ हैं -

* एक पवित्र सरोवर जिसमें हंस विहार करते हैं।
* पवित्र मन या मानस।

प्रश्न 2. कवि ने सच्चे प्रेमी की क्या कसौटी बताई है?

उत्तर कवि के अनुसार सच्चे प्रेमी की कसौटी यह है कि उससे मिलने पर मन की सारी मलिनता नष्ट हो जाती- है। सारे पाप धुल जाते हैं।

प्रश्न 3. तीसरे दोहे में कवि ने किस प्रकार के ज्ञान को महत्त्व दिया है?

उत्तर- इस दोहे में अनुभव से प्राप्त आध्यात्मिक ज्ञान को महत्व दिया गया है।

प्रश्न 4. इस संसार में सच्चा संत कौन कहलाता है? अथवा

'संत सुजान' से क्या आशय है?

उत्तरकबीर के अनुसार -, सच्चा संत वह है जो सांप्रदायिक भेदभाव, तर्कविरोध के झगड़े में न -वितर्क और वैर- पड़कर निश्छल भाव से प्रभु की भक्ति में लीन रहता है।

प्रश्न 5. अंतिम दो दोहों के माध्यम से कबीर ने किस तरह की संकीर्णताओं की ओर संकेत किया है?

उत्तर: म दो दोहों में कबीर ने निम्नलिखितअंति- संकीर्णताओं की ओर संकेत किया है-

(क) अपने मत को श्रेष्ट मानने और दूसरे के धर्म की निंदा करना ।

(ख) उच्च कुल के अहंकार में जीना ।

प्रश्न 6. किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिए। अथवा

ऊँचे कुल और अच्छे कर्मों में से आप किसे अधिक महत्त्व देंगे और क्यों? कबीर की साखियों के आधार पर उत्तर दीजिए।

उत्तर: किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों से होती है - न कि ऊँचे कुल से। आज तक हजारों राजा पैदा हुए और मर गए। परंतु लोग जिन्हें जानते हैं, वे हैं राम, कृष्ण, बुद्ध, महावीर आदि। इन्हें इसलिए जाना गया क्योंकि ये केवल कुल से ऊँचे नहीं थे, बल्कि इन्होंने ऊँचे कर्म किए। ठीक इसी तरह कबीर, सूर, तुलसी बहुत सामान्य घरों से थे। इन्हें बचपन में ठोकरें भी खानी पड़ीं। परंतु फिर भी वे अपने श्रेष्ठ कर्मों के आधार पर संसार भर में प्रसिद्ध-हो गए। इसलिए हम कह सकते हैं कि महत्त्व ऊँचे कर्मों का होता है, कुल का नहीं।

प्रश्न 7. काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

हस्ती चढ़िए ज्ञान कौ, सहज दुलीचा डारि।

स्वान रूप संसार है, भूकन दे झख मारि।।

उत्तर : चित्र उपस्थित किया है। सहजइसमें कवि ने एक सशक्तमस्ती से हाथी पर चढ़े हुए जा रहे हैं और संसारभर के कुत्ते भौंक रहे हैं परंतु वे हाथी का कुछ बिगाड़ नहीं पा रहे। यह चित्र निंदकों पर व्यंग्य है और - साधकों के लिए प्रेरणा है* सांगरूपक अलकार का कुशलतापूर्वक प्रयोग किया गया है - ज्ञान रूपी हाथी, सहज साधना रूपी दुलीचा, निदक संसार रूपी श्वान, निंदा रूपी भौंकना।

* 'झख मारि' मुहावरे का सुंदर प्रयोग है।
* 'स्वान रूप संसार है' एक सशक्त उपमा है।

सबद कबीर - (पद)

प्रश्न 8. मनुष्य ईश्वर को कहाँकहाँ ढूँढ़ता फिरता है-?

उत्तर - को मंदिर मनुष्य ईश्वर ,मस्जिद, काबा, कैलाश, योग, वैराग्य तथा विविध पूजा पद्धत्तियों में ढूँढ़ता फिरता है। कोई अपने देवता के मंदिर में जाता है कोई मस्जिदमें जाता है। कोई उसे अपने तीर्थ स्थलों में साधना पद्धति को खोजता है। कोई योग साधना या संन्यास में परमात्मा को खोजता है। कोई अन्य किसी अपनाकर ईश्वर को खोजता है।

प्रश्न 9. कबीर ने ईश्वर प्राप्ति के लिए किन प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है?

उत्तर-कबीर ने ईश्वर - के प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है। उनके अनुसार ईश्वर न मंदिर में है , न मस्जिद में, न काबा में है, न कैलाश आदि तीर्थ यात्रा में; वह न कर्मकांड करने में मिलता है, न योग साधना से, न वैरागी बनने से। ये सब ऊपरी दिखावे हैं, ढोंग हैं। इनमें मन लगाना व्यर्थ है।

प्रश्न 10. कबीर ने ईश्वर को 'सब स्वाँसों की स्वाँस में' क्यों कहा है?

उत्तर- कबीर के अनुसार ईश्वर घाट - घाट में समाया हुआ है। वह हर प्राणी के मन में विराजमान है।

प्रश्न 11. कबीर ने ज्ञान के आगमन की तुलना सामान्य हवा से न कर आँधी से क्यों की?

उत्तर - कबीर के अनुसार, जब प्रभु ज्ञान का आवेश होता है तो उसका प्रभाव चमत्कारी होता है। उससे पूरी जीवन शैली बदल जाती है। सांसारिक बंधन पूरी तरह कट जाते हैं। यह परिवर्तन धीरेधीरे नहीं होता-, बल्कि एकाएक और पूरे वेग से होता है। इसलिए उसकी तुलना सामान्य हवा से न करके आँधी से की गई है।

प्रश्न 12. ज्ञान की आँधी का भक्त के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

अथवा

ज्ञान की आँधी आने पर व्यक्ति के व्यवहार में क्याक्या परिवर्तन देखने को मिलते हैं-?

उत्तरज्ञान की आँधी के आने से भक्त के मन के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। उसके मन के भ्रम दूर हो जाते - हैं। माया, मोह, स्वार्थ, धन, तृष्णा, कुबुद्धि आदि विकार समाप्त हो जाते हैं। इसके बाद उसके शुद्ध मन में भक्ति और प्रेम की वर्षा होती है जिससे जीवन में आनद ही आनंद छा जाता है।

प्रश्न 13. भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) हिति चित्त की द्वै थूनी गिरानी, मोह बलिंडा तूटा।

उत्तर चिंतन समाप्त हो गया तथा सांसारिक-इसका भाव यह है कि ईश्वरीय ज्ञान के आने से स्वार्थ -मोह नष्ट हो गया।

(ख) आँधी पीछे जो जल बूठा प्रेम हरि जन भींनाँ।

उत्तरप्रेम के आनंद की वर्षा हुई। उस आनद में -इसका भाव यह है कि ईश्वरीय ज्ञान हो जाने के बाद प्रभु - भक्त का हृदय पूरी तरह सराबोर हो गया।

वाख ललद्यद

प्रश्न 1. 'रस्सी' यहाँ किसके लिए प्रयुक्त हुआ है और वह कैसी है?

उत्तर -'रस्सी' शब्द जीवन जीने के साधनों के लिए प्रयुक्त हुआ है। वह स्वभाव में कच्ची अर्थात् नश्वर है।

प्रश्न 2. कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं?

उत्तर - है। मृत्यु निकट आ रही है कवयित्री का जीवन बीता जा रहा है। उम्र बढ़ती जा रही, किंतु प्रभु से मिलन नहीं हो पा रहा। अतः उसे लगता है कि उसकी सारी साधना व्यर्थ हुई जा रही है। साधना का परिणाम नहीं निकल रहा।

प्रश्न 3 . बंद द्वार की साँकल खोलने के लिए ललद्यद ने क्या उपाय सुझाया है?

अथवा

ललद्यद के अनुसार, बंद द्वार की साँकल कैसे खुलती है?

उत्तर - ललद्यद ने सुझाव दिया है कि भोग और त्याग के बीच संतुलन बनाए रखो। न तो भोगों में लिप्त रहो, न ही शरीर को सुखाओ; बल्कि मध्यम मार्ग अपनाओ। तभी प्रभुमिलन का द्वार खुलेगा।-

प्रश्न 4 . ईश्वर प्राप्ति के लिए बहुत से साधक हठयोग जैसी कठिन साधना भी करते हैं, लेकिन उससे भी लक्ष्य प्राप्ति नहीं होती। यह भाव किन पंक्तियों में व्यक्त हुआ है?

उत्तर-उपर्युक्त भाव निम्न पंक्तियों में प्रकट हुआ है -

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।

सुषुमसेतु पर खड़ी थी-, बीत गया दिन आह!

जेब टटोली, कौड़ी न पाई। माझी को दूँ, क्या उतराई?

रचना और अभिव्यक्ति

प्रश्न 5 . हमारे संतों, भक्तों और महापुरुषों ने बारबार चेताया है कि मनुष्यों में परस्पर किसी भी प्रकार का - कोई भेदभाव नहीं होता, लेकिन आज भी हमारे समाज में भेदभाव दिखाई देता है-

(क) र समाज को क्या हानि हो रही हैआपकी दृष्टि में इस कारण देश औ?

(ख) आपसी भेदभाव को मिटाने के लिए अपने सुझाव दीजिए।

उत्तरआपसी भेदभाव के कारण देश और समाज को बहुत बड़ी हानि हो रही है। पहली हानि यह है कि (क) - कारण अनेक समाज आपस में बँट गया है। कुछ लोग बिना कारण हमारे मित्र और कुछ शत्रु हो गए हैं। इस मुसलमान का झगड़ा इसी भेदभाव की उपज है। इसी-झगड़े खड़े हो जाते हैं। हिंदूविष के कारण भारत और पाकिस्तान दो देश बने। फिर भी उनमें आपसी शत्रुता बनी रहती है। विभाजन के बाद भी चार युद्ध हो चुके हैं। अरबों रुपए नष्ट हो चुके हैं। लाखों लोग मारे जा चुके हैं। यह देश और समाज की बहुत बड़ी हानि है। आपसी लड़ाई झगड़े के कारण भय, संदेह और अविश्वास बना रहता है। जीवनभर अनावश्यक खतरा मंडराता रहता है।

(खआपसी भेदभाव को मिटाने का सबसे अच्छा उपाय यह है कि उन बातों की चर्चा न करें जिससे यह हमारे घावों को हरा कर देता है। ऐसे इतिहास को न ही पढ़ाया जाए तो भेदभाव बढ़े। कई बार इतिहास ही अच्छा है। दूसरे, अलगदूसरे के -अलग जातियों के लोग अपने नामों के पीछे जाति का नाम न लगाएँ। एक- नामों को, उनकी भाषा को, उनके महापुरुषों को, उनके उत्सवों को, उनके रहनपान को -सहन और खान- घर भोजन पर दूसरों को भी निमंत्रित करें। अपनाएँ। अपनेधर्म से ऊपर देश हित को रखना आदि उपायों से आपसी भेदभाव दूर हो सकता है।

रसखान सवैये -

प्रश्न .1ब्रजभूमि के प्रति कवि का प्रेम किनकिन रूपों में अभिव्यक्त हुआ है-?

अथवा

कवि रसखान ने ब्रजभूमि के प्रति अपने प्रेम को किस प्रकार प्रकट किया है?

उत्तर: कवि को ब्रजभूमि से गहरा प्रेम है। वह इस जन्म में -ही नहीं, अगले जन्म में भी ब्रजभूमि का वासी बने रहना चाहता है। ईश्वर अगले जन्म में उसे ग्वाला बनाएँ, गाय बनाएँ, पक्षी बनाएँ या पत्थर बनाएँवह हर हाल - है। वह ब्रजभूमि के वन में ब्रजभूमि में रहना चाहता, बाग, सरोवर और करीलकुंजों पर अपना सर्वस्व न्योछावर - करने को भी तैयार है।

प्रश्न .2कवि का ब्रज के वन, बाग और तालाब को निहारने के पीछे क्या कारण हैं?

उत्तर: कवि ब्रजभूमि के वन, बाग और सरोवर इसलिए निहारना चाहता है क्योंकि इनके साथ कृष्ण की यादें जुड़ी हुई हैं। कभी कृष्ण इन्हीं में विहार किया करते थे। इसलिए कवि उन्हें देखकर धन्य हो जाता है।

प्रश्न3. एक लकुटी और कामरिया पर कवि सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है 3?

अथवा

कवि कृष्ण की लाठी और कंबल के बदले क्या त्यागने को तैयार हैं?

अथवा

रसखान किस पर कैसे न्योछावर हो जाने को तैयार है ?

उत्तर - कवि के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण हैंएक चीज उसके लिए महत्त्वपूर्ण है। यही -कृष्ण। इसलिए कृष्ण की एक- कारण है कि वह कृष्ण की लाठी और कंबल के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार है।

प्रश्न .4सखी ने गोपी से कृष्ण का कैसा रूप धारण करने का आग्रह किया था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

उत्तरसखी ने गोपी से आग्रह किया था कि वह कृष्ण के समान सिर पर मोरपंखों का मुकुट धारण करे। गले में - ग विचरण करे।गुंजों की माला पहने। तन पर पीले वस्त्र पहने। हाथों में लाठी थामे और पशुओं के सं

प्रश्न .5आपके विचार से कवि पशु, पक्षी और पहाड़ के रूप में भी कृष्ण का सान्निध्य क्यों प्राप्त करना चाहता है ?

अथवा

कवि रसखान हर जन्म में, हर रूप में कहाँ जन्म पाना चाहता है और क्यों?

उत्तर - मेरे विचार से रसखान कृष्ण के अनन्य भक्त हैं। वे किसी भी सूरत में कृष्ण का सान्निध्य अर्थात उनकी निकटता चाहते हैं। इससे उनकी भक्ति भावना तृप्त होती है। इसलिए उन्हें पशु, पक्षी या पहाड़ बन जाना भी मंजूर है।

प्रश्न .6चौथे सवैये के अनुसार गोपियाँ अपने आप को क्यों विवश पाती हैं?

अथवा

गोपी कृष्ण की किन विशेषताओं से प्रभावित होती है ?

उत्तरइस सवैये के अनु -सार, गोपियाँ कृष्ण की मुरली की मधुर तान तथा मनोहर मुसकान के कारण अपने- ।आपको विवश पाती हैं। वे आपा खो बैठती हैं और कृष्ण के वश में हो जाती हैं

प्रश्न .7भाव स्पष्ट कीजिए-

कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं। (क)

उत्तररसखान ब्रजभूमि से इतना प्रे -म करते हैं कि वे वहाँ के काँटेदार करील के कुंजों के लिए करोड़ों महलों के सुखों को भी न्योछावर करने को तैयार हैं। आशय यह है कि वे महलों की सुखसुविधा त्यागकर भी उस - ब्रजभूमि पर रहना पसंद करते हैं।

माइ री वा मुख की मुसकानि सम्हारी न जैहै (ख), न जैहै, न जै है।

उत्तरमोहिनी मुसकान पर इतनी मुग्ध है कि उससे कृष्ण की मोहकता झेली नहीं -एक गोपी कृष्ण की मधुर - जाती। वह पूरी तरह उस पर समर्पित हो गई है।

प्रश्न .8'कालिंदी कूल कदंब की डारन' में कौनसा अलंकार है-?

उत्तर इसमें -'क' वर्ण की आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है।

प्रश्न 9. काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी।

उत्तर इसमें यमक अलकार का सौंदर्य है। -'मुरली मुरलीधर' में सभंग यमक है। 'अधरान' धरी 'अधरा न' में भी यमक है।

कैदी और कोकिला माखनलाल चतुर्वेदी -

प्रश्न .1कोयल की कूक सुनकर कवि की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तरनिरंतर कोयल की कूक सुनकर कवि को लगा कि वह मानो उसे कुछ कहना चाहती है। या तो वह उसे -देना चाहती है या उसकी यातनाओं के दर्द को बाँटना चाहती है। उसे लगता है कि ते रहने की प्रेरणालड़ कोकिल कवि के कष्टों को देखकर आँसू बहा रही है और चुपचाप अँधेरे को बेधकर विद्रोह की चेतना जगा रही है। इसलिए अंत में कवि उसके इशारों पर आत्मबलिदान करने को तैयार हो जाता है।-

प्रश्न .2कवि ने कोकिल के बोलने के किन कारणों की संभावना बताई?

उत्तर कवि ने कोकिल के बोलने के पीछे अनेक संभावनाएँ व्यक्त की -हैं। उनके अनुसार-

कोकिल कवि की यातनाओं से सहानुभूति प्रकट करने आई है। *

या कवि के आँसू पोंछने आई है। *

।या परतंत्रता के अँधेरे को छाँटने आई है *

या कैदियों के मन में स्वतंत्रता की ज्वाला जगाने आई है। *

या कवि के हृदय में विद्रोह के बीज बोने आई है। *

या संकट के सागर को सामने देखकर स्वयं बलिदान होने आई है।

प्रश्न .3किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है और क्यों?

उत्तर: तम अर्थात अंधेरा जो कि निराशा का प्रतीक है |अंग्रेजों का शासन भारतीयों की जिंदगियों को अंधकारमय कर रहा था क्योंकि ब्रिटिश शासक बेकसूर भारतीयों पर घोर अत्याचार कर रहे थे । वे स्वतंत्रता सेनानियों को कारागृह में तरहतरह की यातनाएँ द-े रहे थे । उन्हें कोल्हू के बैल की तरह जोता जा रहा था । इसीलिए ब्रिटिश शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है।

प्रश्न .4कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यंत्रणाओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

'कैदी और कोकिला' कविता के अनुसार लिखिए कि तत्कालीन शासक लोग स्वतंत्रता सेनानियों के साथ कैसा व्यवहार करते थे?

अथवा

'कैदी और कोकिला' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि पराधीन भारत की जेलों में स्वतंत्रता सेनानियों को किस प्रकार की यातनाएँ दी जाती थीं?

उत्तर -: दी जाती थीं। राजनैतिक बंदियों को भी चोरों पराधीन भारत में कैदियों को अमानवीय यातनाएँ, लुटेरों और राहजनों के साथ रखा जाता था। उन्हें रहने के लिए अँधेरी कोठरी दी जाती थी। उन्हें हथकड़ी से बाँधकर रखा जाता था। भोजन भी इतना कम दिया जाता था कि जिससे पेट नहीं भरता था। उनसे पशुओं की तरह काम लिया जाता था। उनसे कोल्हू चलवाया जाता था।

प्रश्न .5भाव स्पष्ट कीजिए-

-मृदुल वैभव की रखवाली सी, कोकिल बोलो तो!

उत्तर कवि के -अनुसार, वैसे तो संसार में कष्टकष्ट हैं। यदि कहीं कुछ मृदुलता और सरसता बची है तो वह -ही-करने वाली है। वह उससे पूछता है कि कोयल के मधुर स्वर में बची है। अतः कोयल मृदुलता की रखवाली आखिर वह जेल में अपना मधुर स्वर गुँजाकर उसे क्या कहना चाहती है।

हूँ मोटखींचता लगा पेट पर जूआ, खाली करता हूँ ब्रिटिश अकड़ का कूँआ।

उत्तर -इसमें जेल की असहनीय यातनाएँ झेलता हूआ कवि स्वाभिमानपूर्वक कहता है कि वह अपने पेट पर कोल्हू का जूआ बाँधकर चल रहा है। आशय यह है कि उससे पशुओं जैसा सख्त काम लिया जा रहा है। फिर

भी वह हार नहीं मान रहा। इससे ब्रिटिश सरकार की अकड़ ढीली पड़ रही है। अंग्रेज़ों को बोध हो गया है कि अब अत्याचार करने से भी वे सफल नहीं हो सकते।

प्रश्न .6अर्द्धरात्रि में कोयल की चीख से कवि को क्या अंदेशा है?

अथवा

बंदी कवि को 'कोकिल' की बोली आधी रात में चीख जैसी क्यों प्रतीत होती है?

उत्तरकवि को अंदेशा है कि कोयल कैदियों पर ढाए जाने वाले घोर अत्याचारों को देखकर द्रवित हो उठी है। - मुख से चीख निकल पड़ी है। इसलिए दुख के मारे आधी रात में ही उसके

प्रश्न .7कवि को कोयल से ईर्ष्या क्यों हो रही है?

उत्तर- कवि को कोयल से इसलिए ईर्ष्या हो रही है क्योंकि कोयल स्वतंत्र है, जबकि कवि बंदी है। कोयल हरियाली का आनंद ले रही है, जबकि कवि दस फुट की अँधेरी कोठरी में जीने के लिए विवश है। कोयल के गान की सभी सराहना करते हैं, जबकि कवि के लिए रोना भी गुनाह हो गया है।

प्रश्न .8कवि के स्मृति पटल-पर कोयल के गीतों की कौन सी मधुर स्मृतियाँ अंकित हैं, जिन्हें वह अब नष्ट करने पर तुली है?

उत्तर– कवि के स्मृति - तियाँ अंकित हैंपटल पर कोयल के गीतों की निम्नलिखित मधुर स्मृ

जब ओस से सनी घास पर सूरज की किरणें पड़ती थीं, तब कोयल गान सुनाती थी।

* जब विंध्याचल पर्वत से गिरने वाले झरनों पर कोयल गान सुनाती थी।

-जब विंध्याचल पर्वत की बहुत ऊँची चोटियों पर कोयल गान सुनाती थी।

पाने वाली हवा के बीच कोयल गान सुनाती थी।जब सारे संसार को अपने तेज झोंकों से कै

क्योकि अब कोयल इन सारी मधुर स्मृतियों को नष्ट करने पर इसलिए तुली है क्योंकि वह अंग्रेज सरकार द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों पर किए गए अत्याचारों से क्षुब्ध है।

प्रश्न .9हथकड़ियों को गहना क्यों कहा गया है?

उत्तर :उस आभूषण को कहते हैं गहना- जो धारणकर्ता का गौरव और सौंदर्य बढ़ाए। पंमाखनलाल चतुर्वेदी जैसे . क्रांतिकारी, जिन्होंने स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए स्वयं प्रेरणा से संघर्ष का मार्ग अपनाया था, जेल को अपना प्रिय आवास तथा हथकड़ियों को गहना समझते थे। उन्हें किसी गलत कार्य के लिए हथकड़ी नहीं पहननी पड़ी। उन्होंने स्वतंत्रता प्राप्ति के महान उद्देश्य के लिए हथकड़ियाँ स्वीकार कीं, अतः उनसे उनका गौरव बढ़ा। समाज ने उन्हें उन हथकड़ियों के लिए प्रतिष्ठा दी। इसलिए उन्होंने हथकड़ियों को गहना कहा।

प्रश्न .10काव्य-जिएसौंदर्य स्पष्ट की-

क)किस दावानल की ज्वालाएँ हैं दीखीं?

उत्तर-इस काव्य - पंक्ति में जेल की यातनाओं को दावानलकी ज्वालाएँ कहा गया है। ब्रिटिश जेलों की असहनीय यातनाओं के लिए यह उपमान सटीक बन पड़ा है।

* इसमें कोयल की कूक को चीख मानकर कवि उससे प्रश्न कर रहा है। कोयल का मानवीकरण प्रभावी बन पड़ा है।

दावानल की ज्वालाएँ में रूपकातिशयोक्ति तथा अनुप्रास अलंकार है। *

प्रश्न ख) : किस शैली का प्रयोग प्रभावी बन पड़ा है।

तेरे गीत कहावें वाह, रोना भी है मुझे गुनाहमेरी- देख विषमता तेरी !, बजा रही तिस पर रणभेरी !

उत्तर इसमें कोयल की मधुर तान और जेल में बंद कवि की यातनाओं का तुलनात्मक वर्णन बहुत मार्मिक बन पड़ा है। कोयल सब जगह प्रशंसा पाती है, जबकि कवि के लिए रोना भी संभव नहीं है।

कोयल का मानवीकरण बहुत सुंदर बन पड़ा है। कवि को प्रतीत होता है कि कोयल रणभेरी बजाने वाली और अपनी कूक द्वारा संघर्ष की प्रेरणा दे रही है। स्वतंत्रता सेनानी है

* भाषा अत्यंत सरल, प्रवाहमयी, संगीतात्मक तथा तुकांत है।

*'तेरीमेरी-' में अनुप्रास और स्वरमैत्री का संगम है।

ग्राम श्री सुमित्रानंदन पंत -

प्रश्न .1कवि ने गाँव को क्यों कहा है 'मन-हरता जन'

उत्तर: कवि ने खेतों को हरता जन इसलिए कहा है क्योंकि गाँव की शोभा अनुपम व् निराली है खेतों में दूर -दूर तक मखमली हरियाली फैली हुई है। उस पर सूरज की धूप चमक रही है। इस शोभा के कारण पूरी वसुधा प्रसन्न दिखाई देती है। इसके कारण गेहूँ ,तरह के फूल-सरसों की फसलें उग आई हैं। तरह ,सनई ,अरहर ,जौ , रंगीन आलूफूल रहे हैं। गंगा -मिर्च आदि खूब फल ,टमाटर ,सेम ,लौकी ,धनिया ,पालक ,मूली ,बैंगन ,गोभी , वेश में कर रहे हैं। ये सब दृश्य शहरी पर के किनारे तरबूजों की खेती फैलने लगी है। पक्षी आनंद विहार च हर जनअनुपस्थित होते हैं अतः उचित कहा गया है कि गाँव सचमु के मन को हरते हैं यानी प्रसन्न करते हैं।

प्रश्न .2कविता में किस मौसम के सौंदर्य का वर्णन है?

उत्तरकविता में वसंत ऋतु के सौंदर्य का वर्णन है। प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने वसंत ऋतु के सौंदर्य की -। इ व्याख्या करते हुए कहा है कि यह पतझड़ का मौसम होता हैसमें सभी पेड़ पौधों अपने पत्तों का त्याग कर देते हैं। इस ऋतु में नए फूल पत्ते आने लग जाते हैं तथा पेड़ों पर फल उगने लगते हैं और इस मौसम में ही सब्जियां एवं फसलें भी फलने फूलने लगती है।

प्रश्न .3गाँव को खुला मरकत के डिब्बे सा क्यों कहा गया है

उत्तर - खेतों में हरियाली छाई हुई है। प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहते हैं , गांव को मरकत डिब्बे सा खुला इसलिए कहा है क्योंकि गाँव में चारों तरफ हरियाली छाई हुई है । नई फसलें आपस में टकरा कर लहरा रही है और फूलों तथा पेड़ों पर रंग बिरंगी तितलियां और भवरे मंडरा रहे हैं । इस दृश्य को देखकर ऐसा लग रहा है मानो सभी पेड़ पौधे एवं फूल अपनी सुगंध अपनी चारों तरफ बिखेर रहे हो। सूर्य की किरणें इस हरियाली में चमक एवं सौंदर्य उत्पन्न कर रही हैं । इसी हरियाली के दर्शन को गाँव को कहा गया 'मरकत डिब्बे सा खुला' है।

प्रश्न .4अरहर और सनई के खेत कवि को कैसे दिखाई देते हैं?

उत्तरजब हवा चलती है तो इनमें से मधुर आवाज़ ,अरहर और सनई फलीदार फसलें हैं। इनकी फसलें पकने पर-आती है। यह मधुर आवाज़ किसी स्त्री की कमर में बँधी करधनी से आती हुई प्रतीत होती है। इन्हीं मधुर र औआवाजों के कारण कवि को अरहर सनई के खेत धरती की करधनी जैसे दिखाई देते हैं।

प्रश्न .5भाव स्पष्ट कीजिए-

.1बालू के साँपों से अंकित गंगा की सतरंगी रेती।

.2हँसमुख हरियाली हिमसे सोए।-आतप सुख से अलसाए-

उत्तर प्रस्तुत पंक्तियों में कवि के द्वारा गंगा नदी के किनारे फैली रेत को सतरंगी .1-बताया गया है। कवि इस सुंदर चित्र का वर्णन करते हुए कहते हैं कि गंगा की लहरें जब आपस में टकराकर खेलती हैं तो उसमें से बहने वाली रेती उसके किनारे आकर टेढ़ीमेढ़ी रेखा बना लेती है जो सूर्य की किरणों से चमकने लग जाती है -।और साँपों के चलने सी प्रतीत होती है

.2हरियाली सूर्य के प्रकाश की किरणों में जगमगाती एवं खिलखिलाती हुई हँसमुख सी चारों तरफ फैली नजर आ रही है।सर्दी की धूप भी चारों तरफ बिखरी सी नजर आ रही है। इन्हें देखकर ऐसा प्रतीत होता है जैसे दोनों आलस्य से भरपूर गहरी निंद्रा में सुख से सोई हुई हो।

प्रश्न .6 निम्न पंक्तियों में कौन?सा अलंकार है-

तिनकों के हरे-हरे तन पर हिल हरित रुधिर है रहा झलक

उत्तर-हरे-हरे 1- में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।

.2 हरे वर्ण की आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है। 'ह' में 'हरित-हरे हिल-

हरित रुधिर रुधिर का रंग हरा बताने के' .3कारण विरोधाभास अलंकार है।

4 .'तिनकों के हरे--भरे तन पर में रूपक एवं मानवीकरण अलंकार है।

प्रश्न .7इस कविता में जिस गाँव का चित्रण हुआ है वह भारत के किस भू?भाग पर स्थित है-

उत्तर इस कविता में उत्तरी भारत की गंगा नदी के तट पर बसे गाँव का चित्रण हुआ है।-

रचना और अभिव्यक्ति -

प्रश्न .8भाव और भाषा की दृष्टि से आपको यह कविता कैसी लगीउसका वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। ?

उत्तरप्रस्तुत कविता भाव और भाषा दोनों की ही दृष्टि से अपनी ओर अत्यंत आकर्षित करने वाली और सहज - तिकविता है। प्रस्तुत कविता में कवि के द्वारा प्रकृ का अत्यंत सौंदर्य पूर्ण एवं रोचक वर्णन किया गया है। कवि के द्वारा प्रकृति का मानवीकरण अत्यंत सहज भाव से किया गया है तथा कविता की भाषा भी अत्यंत सरलहै। अलंकारों का प्रयोग से कविता के सौंदर्य में अत्यधिक मधुर तथा अपनी और आकर्षित करने वाली , ।बढोतरी हुई है

प्रश्न .9आप जहाँ रहते हैं उस इलाके के किसी मौसम विशेष के सौंदर्य को कविता या गद्य में वर्णित कीजिए।

उत्तरः विद्यार्थी स्वयं अपने क्षेत्र की विशेषताओं के आधार पर स्वयं कविता या गद्य के निर्माण का प्रयास करें। नीचे एक कविता उदाहरण स्वरूप आपकी सहायता हेतु प्रस्तुत है -

क्षेत्र अथवा स्थान - दिल्ली (कविता) -

मेरे दिल्ली शहर की वर्षा
तेज गर्मी से राहत दिलाने वाली वर्षा
खुशियों से भीगाने वाली वर्षा
मेरे दिल्ली शहर की वर्षा ।
चाय की चुस्की और गरमा गरम पकौड़ियों वाली वर्षा
मरीन ड्राइव पर सागर की अठखेलियों वाली वर्षा
मेरे दिल्ली शहर की वर्षा
कीचड़ से लथपथवाली वर्षा
सडकों पर ट्रैफिक जाम कराने वाली वर्षा
मेरे दिल्ली शहर की वर्षा ।
आपाधापी और रेलमपेलम वाली वर्षा
मजदूरों से रोटी रोजी ,छीनने वाली वर्षा
मेरे दिल्ली शहर की वर्षा ।
आफिस स्कूलों से छुट्टियाँ दिलाने वाली वर्षा
मन को अंदर तक छू जाने वाली वर्षा
मेरे दिल्ली शहर की वर्षा, मेरे दिल्ली शहर की वर्षा ।

मेघ आए सर्वेश्वर दयाल सक्सेना -

प्रश्न .1बादलों के आने पर प्रकृति में जिन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया हैउन्हें लिखि ,ए।

उत्तरने पर प्रकृति में निम्नलिखित गतिशील क्रियाएँ हुईबादलों के आ --

1.बयार नाचतीगाती चलने लगी।-
2.पेड़ झुकने लगेमानो वे गरदन उचकाकर बादलों को निहार रहे हों। ,
3.आँधी चलने लगीतथा धूल उठने लगी।
4.नदी मानो बाँकी नज़र उठाकर ठिठक गई और पीपल के पेड़ झुकने लगे।
5.लताएँ पेड़ों की शाखाओं में छिप गईं।

6. बूढ़े पीपल ने झुककर सादर नमस्कार किया |

प्रश्न .2दिए गये शब्दों के प्रतीक बताइए - धूलताल ,लता ,नदी ,पेड़ ,तालघर

उत्तर-दिए गए शब्दों के प्रतीक इस प्रकार हैं -

1. धूलमेघ रूपी मेहमान के आगमन से उत्साहित ग्र-ामीणअल्हड़ बालिकाओं का प्रतीक है।
2. पेड़गाँव के आम व्यक्ति का प्रतीक है जो मेहमान को देखने के लिए उत्सुक है। -
3. नदी- गाँव की औरतों का प्रतीक है जो घूंघट की ओट से, तिरछी नज़र से मेघ को देखती हैं ।
4. लता नवविवाहिता अर्थात नायिका का प्रतीक है जो अपने मायके में -रहकर मेघयानि पति का इंतजार कर रही है।
5. तालघर के नवयुवक का प्रतीक है जो मेहमान के पैर धोने के लिए पानी लाता है। -

प्रश्न .3लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों?

उत्तर लता ने बादल रुपी मेहमान को किवाड़ की ओट में छिपकर देखा क्योंकि वह मानिनी -स्त्री है। वह अपने प्रियतम के कई दिनों के बाद आने पर उनसे रूठी हुई है और उन्हें देखे बिना रह भी नहीं पाती है।

प्रश्न .4भाव स्पष्ट कीजिए-

1. **क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की।**
2. **बाँकी चितवन उठाघूँघट सरके। ,नदी ठिठकी ,**

उत्तरभाव यह है कि एक साल बीतने को हो रह .1 -ा था पर नवविवाहिता लता का पति मेघ उससे मिलने नहीं आया था। इससे लता के मन में जो भ्रम बन गया था ।वह मेघ के आने से टूट गया और वह क्षमा माँगने लगी।

उत्तर देखने की चेष्टा करती है तो मेघ के आने का प्रभाव सभी पर पड़ा है। नदी ठिठककर कर जब ऊपर .2 - घूँघट सरक ज उसकाता है और वह तिरछी नज़र से आए हुए आंगतुक को देखने लगती है।

प्रश्न .5मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

उत्तरमेघ के आने से बयार चलने लगी। पेड़ झुकने लगे। आँधी और धूल चलने लगी।नदी बाँकी होकर बहने - लगी। बूढे पीपल झुकने लगे। लताएँ पेड़ की ओट में छिपने लगीं। तालाब जल से भर उठे। आकाश में मेघ छा गए। अंत में धूआधार वर्षा हुई।मेहमान के आने पर गाँव की कन्याएँ और युवतियाँ प्रसन्न हो (दामाद) दरवाजे खोल-उठीं। लोग अपने खिड़की-खोलकर उन्हें निहारने लगे। आतेजाते लोग उन्हें गरदन उठाकर देखने - लगे।नवयुवतियों ने घूँघट सरकाकर उन्हें निहारा। बूढ़ी स्त्रियाँ विनम्रतापूर्वक उनका स्वागत करने लगीं। अतिथि की प्रिया मान करने लगी। फिर अचानक वह क्षमा माँगने लगी। दोनों की आँखों से प्रेमाश्रु बह चले।

प्रश्न .6मेघों के लिए 'बनसँवर के ,ठने के-' आने की बात क्यों कही गई है?

उत्तर मेघों के लिए -'बनसॅवर के ,ठन के-' आने की बात इसलिए कही गई है क्योंकि वर्षा के बादल कालेभूरे - रंग के होते हैं। नीले आकाश में उनका रंग मनोहारी लगता है। इसके अलावा गाँवों में बादलों का बहुत महत्त्व है तथा उनका इंतजार किया जाता है।इसीप्रकार गांव में एक वर्ष पश्चात आने वाले दामाद (मेहमान) का भी सत्कार किया जाता है और वह भी सज- संवरकर गांव पहुंचता है।

प्रश्न .7कविता में आए मानवीकरण तथा रूपक अलंकार के उदाहरण खोजकर लिखिए।

उत्तर-मानवीकरण -

1.मेघ आए बड़े बनठन के संवर के।-

2.आगे गाती बयार-आगे नाचती-चली।

3.पेड़ झुक झाँकने लगेगरदन उचकाए। ,

4.धूल भागी घाघरा उठाए।

5.बाँकी चितवन उठानदी ठिटकी। ,

6.बूढे पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की।

7.बरस बाद सुधि लीन्हीं बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की।

8.हरसायो ताल लाया पानी परात भर के।

रूपक-

1. क्षितिज अटारी गहराई।

प्रश्न .8 कविता में जिन रीति ,त्रण हुआ हैरिवाजों का मार्मिक चि- उनका वर्णन कीजिए।

उत्तर कविता में अनेक रीति रिवाजों का मार्मिक चित्रण हुआ है जैसे -

1.मेहमान के आने की सूचना पाकर सारा गाँव का उल्लासित हो जाना।

2. उत्साहित एवं जिज्ञासु होकर मेहमान को देखना।

3.घर के बुजुर्ग द्वारा मेहमान का आदर सत्कार करना।

4.मेहमान के पैर धोने के लिए थाल में पानी भर लाना।

5.नवविवाहिता स्त्री द्वारा घूँघट की ओट से मेहमान को देखना।

6.मायके वालों की उपस्थिति में नवविवाहिता नायिका द्वारा अपने पति से बात न करना।

प्रश्न .9कविता में कवि ने आकाश में बादल और गांव में मेहमान के आने का जो रोचक वर्णन किया (दामाद) है उसे लिखिए ।

उत्तरमेघ और दामाद के आगमन को समान बताया गया है। जब गांव में मेघ आते हैं तो सारे लोग कविता में दरवाजे मेघों के दर्शन के लिए खोल देते हैं- खुशियाँ मनाते हैं। प्रकृति के सारे अंग भी जैसे उनके स्वागत के तैयार में बैठ जाते हैं जैसे आंधी का उठना , धूल का अपना घाघरा उठा कर आगे-आगे भागना, नदी का बाँकी नजर से देखना आदि। ठीक उसी प्रकार गांव में दमाद के आने पर भी उल्लास और उमंग का माहौल छा जाता है। प्रिया ओट से दामाद को तिरछी नजरों से देखती हैं। गांव के बड़े -बुजुर्ग दामाद का स्वागत सम्मान के साथ करते हैं।

प्रश्न .10काव्य-सौंदर्य लिखिए-

पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के।

मेघ आए बड़े बनठन के संवर के।-

उत्तर - भाव सौंदर्य इन पंक्तियों में शहर में रहने वाले दामाद का गाँव में सज सँवरकर आने का सुंदर चित्रणहै शिल्प सौंदर्य पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के' में उत्प्रेक्षा अलंकार ,'बड़े बनठनके-' में अनुप्रास तथा 'मेघ आए बड़े बनठन के सँवर के-' में मानवीकरण अलंकार है। भाषा साहित्यिक खड़ी बोली है। रचना तुकांत युक्त है। दृश्य बिंब साकार हो उठा है। माधुर्य गुण की उपस्थिति है।

रचना और अभिव्यक्ति -

प्रश्न .11वर्षा के आने पर अपने आसपास के वातावरण में हुए परिवर्तनों को ध्यान से देख कर एक अनुच्छेद लिखिए ।

उत्तरः वर्षा के आने पर आकाश बादलों से घिर जाता है। धूप अपना बस्ता समेटकर जाने कहाँ छिप जाती है। चारों ओर छायादार रोशनी दिखने लगती है। घरों में हलचल बढ़ जाती है। स्त्रियाँ आँगन में रखा अपना सामान समेटने लगती हैं। सड़कों पर आनाजाना कम हो जाता है। काले- और रंगबिरंगे छाते दिखने लगते हैं। पशुपक्षी - आनंद किसी ओट की खोज में भटकने लगते हैं। मार्गों पर जल भर आता है। बच्चे बड़े उल्लास से वर्षा का लेते हैं। इस प्रकार वर्षाकाल मनमोहक हो उठता है।

प्रश्न .12कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है पता लगाइए ?

उतरः पीपल वृक्ष की आयु सभी वृक्षों की तुलना में अत्यधिक होती हैं। पीपल वृक्ष की पूजा की जाती है। इसी कारण गांव में पीपल वृक्ष का होना अनिवार्य माना जाता है इसलिए पुराना और पूजनीय होने के कारण पीपल को बड़ा बुजुर्ग कहा गया है।

प्रश्न .13कविता में मेघ को को विशेष (दामाद) के रूप में चित्रित किया गया है। हमारे यहां अतिथि "पाहुन" ,के क्या कारण नजर आते हैंलेकिन आज इस परंपरा में परिवर्तन आया है। आपको इस .महत्व प्राप्त है लिखिए ।

उत्तरः हाँ यह कहना कुछ हद तक सही है की जहां पहले दामाद केवल एक घर का न होकर पूरे गाँव का होता था सभी गाँव वाले किसी भी घर में दामाद आने पर उल्लसित हो अथिति के स्वागत में एकत्रित हो जाते थे पर आज के इस बदलते माहौल में अतिथि देवो भव की परंपरा में काफी बदलाव देखने को मिलते हैं। इसके कई कारण हैं जैसे संयुक्त परिवारों का टूटनापा ,शहरीकरण ,श्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ते झुकाव, महंगाई और व्यस्तता। जिसके फलस्वरूप आज का मनुष्य केवल अपने बारे में ही सोचता है। उसके पास दूसरों को देने के लिए समय तथा इच्छा का अभाव हो चला है और परिणाम स्वरुप यह परंपरा धीरेधीरे गायब होती जा रही - है।

बच्चे काम पर जा रहे हैं राजेश जोशी -

प्रश्न .1कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़ने तथा विचार करने से आपके मनमस्तिष्क में जो चित्र उभारता - कीजिए। है उसे लिखकर व्यक्त

उत्तर-कविता की पहली दो पंक्तियाँ इस प्रकार हैं -

कोहरे से ढंकी सड़क परबच्चे काम पर जा रहे हैं सुबह सुबह ,

इन्हें पढ़कर मेरे मनमस्तिष्क में चिंता और करुणा का भाव उमड़ता है। करुणा का भाव इस कारण उमड़ता है - कि इन बच्चों की पढ़ने एवं खेलनेहै किंतु इन्हें भयंकर कोहरे में भी आराम नहीं है। पेट भरने कूदने की आयु की मजबूरी के कारण ही ये ठंड में सुबह उठे होंगे और न चाहते हुए भी काम पर चल दिए होंगे। चिंता इसलिए उभरी कि इन बच्चों की यणपरंतु कब समाज बालमजदूरी से मुक्ति पाए ? दुर्दशा कब समाप्त होगी होने के कारण चिंता की रेखा गहरी हो ग कोई समाधान नईं ।

प्रश्न .2कवि का मानना है कि बच्चों के काम पर जाने की भयानक बात को विवरण की तरह न लिखकर सवाल के रूप में पूछा जाना चाहिए कि 'काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?'कवि की दृष्टि में उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए?

उत्तरकवि की दृष्टि में बच्चों के काम पर जाने की स्थिति को विवरण या वर्णन की तरह नहीं लिखा जाना - लिए चाहिए क्योंकि ऐसा वर्णन किसी के मन में भावनात्मक लगाव और संवेदनशीलता नहीं पैदा कर सकता है विवश नहीं कर सकता है।इसे प्रश्न के रूप में पूछे जाने पर एक जवाब मिलने की आशा उत्पन्न होती है। इसके लिए समस्या से जुड़ाव , जिज्ञासा एवं व्यथा उत्पन्न होती है जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

प्रश्न 3 .आपने अपने शहर में बच्चों को कब?कहाँ काम करते हुए देखा है-कब और कहाँ-

उत्तर - लों पर काम करते देखा है।मैंने अपने शहर में बच्चों को अनेक स्थ

चाय की दुकान पर

होटलों पर

विभिन्न दुकानों पर

घरों में

निजी कार्यालयों में,

मैंने उन्हें सुबह से देर रात तकहर मौसम में काम करते देखा है ,।

प्रश्न 4 .बच्चों को काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?

उत्तर लिखने की-कूदने और पढ़ने-काम पर जाना एक बड़े हादसे के समान इसलिए है क्योंकि खेलने बच्चों का - कि उम्र में काम करने से बालश्रमिकों का भविष्य नष्ट हो जाता है। इससे एक ओर जहाँ शारीरिक विकास अवरुद्ध होता हैवहीं , उनका मानसिक विकास भी यथोचित ढंग से नहीं हो पाता है। ऐसे बच्चे जीवनभर के लिए अकुशल श्रमिक बनकर रह जाते हैं। इससे उनके द्वारा समाज और देश के विकास में उनके द्वारा जो योगदान दिया जाना था वह नहीं मिलता है जिससे प्रगति की दर मंद पड़ती जाती है।

रचना और अभिव्यक्ति -

प्रश्न .7काम पर जाते किसी बच्चे के स्थान पर अपनेआप को रखकर देखिए। आपको जो महसूस होता है - उसे लिखिए।

उत्तरमुझे यदि इस तरह बाल मजदूरी करनी पड़े तो मैं अपने आपको कमज़ोर समझने लगूँगा। जिस जगह में - काम कर रहा होऊँगा जब मैंवहाँ अपने ही उम्र के बच्चों को मौज मस्ती करते देखूँगा तो मुझे बहुत दुःख होगा। माता-पिता की आर्थिक परेशानियों के प्रति सहानुभूति की जगह मेरे अंदर रोष उतपन्न होगा और मेरा आत्मविश्वास कमज़ोर पड़ने लगेगा। मेरे भीतर कई सवाल उठने लगेंगे। मेरा मन अशांत और दुखी रहेगा।

प्रश्न .8आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिएकरने के मौके मिलने उन्हें क्या ? ?चाहिए

उत्तर मेरे विचार से बच्चों को काम पर इसलिए नहीं भेजना चाहिए क्योंकि यह समय बच्चों का खेल कूद - ज्ञान शारीरिक और मानसिक वृद्धि करने सीखने अर्जित करने का तथा खुल कर जीने का होता है ना कि रोटी कमाने का।-

कृतिका (वर्णनात्मक प्रश्न)

पाठ इस जल प्रलय में :

प्रश्न 1.प्राकृतिक आपदा से आप क्या समझते हैं ? किन्हीं दो आपदाओं के नाम लिखकर उनसे बचने के उपाय लिखिए।

उत्तर प्रकृति की तरफ से अचानक आई -मुसीबत को प्राकृतिक आपदा कहते हैं। जैसे बाढ़ और भूकम्प। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए निम्नलिखित उपाए किए जा सकते हैं-

बाढ़ से निपटने के उपाय) -i) जल संरक्षण के द्वारा जैसे नदियों पर बाँध निर्माणकर वर्षा के जल को फि र से संरक्षित कर , हम वृष्टि जल का सदुपयोग कर सकते हैं तथा अनावृष्टि की स्थिति में भी इस संरक्षित जल का उपयोग किया जा सकता है।

(ii) बाढ़ जैसी आपदा से निपटने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर जल नीतियाँ बनानी चाहिए।

(iii) बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध करवानी चाहिए।

(iv) समयसमय पर शहर- के बड़ेनालियों की सफ़ाई की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए जिससे जल -बड़े नाले-न्न न हो।भराव की समस्या उत्प

(v) बाढ़ की आशंका होने पर नदियों के किनारे बसे लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुँचा देना चाहिए।

भूकम्प से निपटने के उपाय) -i) भूकम्प की संभावना होने पर खुले या सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए।

(ii) भूकम्परोधी इमारतों का निर्माण किया जाना चाहिए।

(iii) सरकार की ओर से पीड़ित लोगों के लिए हर संभव सहायता प्रदान करनी चाहिए।

(iv) वनों की कटाई पर सख्ती से रोक लगाई जानी चाहिए।

प्रश्न 2. बाढ़ के आ जाने परअच्छा है कुछ भी " पाठ के लेखक ने यह क्यों कहा कि "इस जल प्रलय में" "नहीं? अगर लेखक के पास टेप रिकॉर्डर और मूवी कैमरा होता तो क्या अंतर आता ? अपनी प्रतिक्रिया तथा प्रेरणा सरल व स्पष्ट शब्दों में व्यक्त कीजिए।

उत्तर बाढ़ आ जाने पर लेखक रेणु जी उस दुख एवं क -ष्ट को अपने अंतरतम में भोगना चाहते हैं इसलिए उन्होंने कहा कि 'अच्छा है कुछ भी नहीं। यदि लेखक के पास टेप रिकॉर्डर और मूवी कैमरा होता तो उस कष्ट की अनुभूति इतनी तीव्र नहीं होती। वे साधन होने की स्थिति में बाढ़ के दृश्य एवं साक्ष्य लोगों को दिखा सकते थे पर शायद वे इसी में उलझ कर रह जाते और बाढ़ से न तो स्वयं को एवं न ही औरों को एस विभीषिका से बचने के उपाय कर पाते ,साथ ही दुखद अनुभूतियों को सहेजने में भी समझदारी कैसी ?

बाढ़ का दृश्य बहुत भयानक होता है। बाढ़ से घिरे लोगों की तकलीफ़ को दूर करना एवं उन्हें सहायता पहुँचाना हर देशवासी का कर्तव्य है। बाढ़ में फंसे लोगों के कष्ट की अनुभूति उसी व्यक्ति को हो सकती है जो स्वयं उस स्थिति से कभी गुजरा हो अतः हमें बाढ़ पीड़ितों एवं प्राकृतिक आपदाग्रस्त लोगों की भरपूर मदद तनधन -मन-से करनी चाहिए।

प्रश्न 3 आपने भी देखा होगा कि मीडिया द्वारा प्रस्तुत की गई घटनाएँ कई बार समस्याएँ बन जाती हैं, ऐसी किसी घटना का उल्लेख कीजिए। अपने विचार से समाज में मीडिया के योगदान के बारे में बताइए तथा मीडिया केप्रति अपना विचार प्रकट कीजिए।

उत्तर आगरा नगर में मीडिया द्वारा प्रस्तुत -'दयालबाग की अमर विहार कॉलोनी में बिजली चोरों की सूचना पर छापा' की घटना से कुछ मनचले युवकों को कुछ और ही शरारत सूझी। कॉलोनी के अराजक तत्वों ने अपनी मनमानी करने के लिए मिथ्या मंच तैयार किया और चेकिंग को गई टोरंट टीम की (बिजली अधिकारी) योजनाबद्ध रूप से घेरकर पिटाई कर दी। अधिकारियों के दस्तावेज फाड़ दिए गए तथा गाड़ी को भारी क्षति पहुँचाई। चेतावनी दी कि हमारी कॉलोनी में आपका कोई भी व्यक्ति पुनः नहीं आए और हमारा नाम भी कहीं नहीं दिया जाए। इस प्रकार जनता को जागरूक करने वाली घटना की प्रस्तुति ही दूसरी नकारात्मक घटना को अन्जाम दे गई।

वस्तुतः मीडिया समाज का दर्पण बनकर जनता को सुधारात्मक राह दिखाती है। समय पर बिजली का भुगतान हो, विद्युत चोरी की रोकथाम हो तथा सूचनाओं पर कार्यवाही कर अधिकारी अपना कर्तव्य ठीक से निभाएँ।ऐसी स्थिति ही मीडिया का लक्ष्य है परन्तु गुण्डा तत्त्व इन सूचनाओं को तोड़ मरोड़ कर गलत घटनाओं को प्रेरणा बना लेते हैं। वस्तुतः मीडिया को स्वतन्त्रता के साथ प्रशासन का संरक्षण भी मिलना आवश्यक है। यह मीडिया का ही कमाल है कि ऐसी घटनाओं का साक्ष्य प्रस्तुत कर देती है, इसका यह सहयोग समाज में नई विचारधारा व जागरूकता का सशक्त सूत्रधार है

प्रश्न .4 बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दी जाने वाली राहत सहायता में क्यासामग्री एवं किस तरह क्या-के लोगों को शामिल किया जाना चाहिए? एक स्वयं सेवक के रूप में आपकी क्या भूमिका होगी? बताइए।

उत्तर बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दी जाने वाली -राहत सामग्री में भोजन के पैकेट, माचिस, दवाइयाँ, नमक, पीने का पानी (बोतल बंद), कपड़े, कम्बल, टैंट आदि होने चाहिए तथा इसमें स्वस्थ नवयुवकों को स्वयं सेवक के रूप में शामिल करना चाहिए। यदि वे तैरना जानते हों तो और भी अच्छा है।

एक स्वयंसेवक के रूप में हम बाढ़ पीड़ितों को बचाकर सुरक्षित स्थान पर पहुँचाएँगे, उन्हें राहत सामग्री प्रदान करेंगे, धीरज बँधाएँगे तथा बीमारों को अस्पतालों में भी पहुँचाएँगे।

प्रश्न .5'हम जल प्रलय में' पाठ में बाढ़ में आए पानी की तीव्रता का वर्णन कीजिए

उत्तर में जो बाढ़ आई थी उसका वर्णन 1967 पटना में-'रेणु' जी ने इस पाठ में किया है। पटना का पश्चिमी इलाका छाती तक पानी में डूब गया। यहाँ तक कि राजभवन और मुख्यमंत्री निवास भी बाढ़ की चपेट में आ चुके थे। अपने अपने साधनों से लोग बाढ़ की स्थिति देखने को-निकल पड़े। देखने वालों की आँखों में और जुबान पर एक ही जिज्ञासा थी। पानी कहाँ तक आ गया। सभी की आवाज़ थीआ रहा है-, सड़क के एक किनारे एक मोटी डोरी की शक्ल में गेरुआ झाग फेन में उलझा पानी तेजी से सरकता आ रहा था। लोग मना करते हुए कह रहे थेआगे मत जाओ-, जैसे वह आ रहा है, मृत्यु का तरल रूप।

बाढ़ में पानी का बहाव तेज़ होता है और देखते ही देखते तमाम रिहाइशी इलाके जलमग्न हो जाते हैं। लोग ज़रूरत की चीज़ों के लिए मारेमारे फिरते हैं।-

प्रश्न .6'ईह जब दानापुर डूब रहा था तो पटनियाँ बाबू लोग उलटकर देखने भी नहीं गए, अब बूझो।' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए तथा बताइए इस टिप्पणी में मानवीय स्वभाव के किस पक्ष पर चोट की गई है ?

उत्तरजब दानापुर में बाढ़ आई थी तो पटना के रईसों को इसकी परवाह तक नहीं थी। अब देखो कैसे परेशान "-होये शब्द एक अधेड़ उम्र के मुस्टंड ने उलाहने के रूप में कहे।अर्थात जब दानापुर बाढ़ जैसी विपत्ति से जूझ रहा था तो उस समय पटना के लोगों ने उनकी किसी प्रकार की कोई सहायता नहीं की थी अब इनके ऊपर यह विपत्ति पड़ी है अब इन्हें समझ आएगा कि इन्हें विपत्ति के समय दूसरों की सहायता करनी चाहिए | बाढ़ का दृश्य बहुत भयानक होता है। बाढ़ में घिरे लोगों की तकलीफ को दूर करना एवं उनके लिए सहायता सामग्री पहुँचाना प्रत्येक देशवासी का कर्त्तव्य है। बाढ़ में फंसे लोगों के कष्ट की अनुभूति उसी व्यक्ति को हो सकती है जो व्यक्ति उस सिथ्ती से गुजरा हो |

प्रश्न .7 इस जल प्रलय में पाठ में वर्णित बाढ़ विषयक घटनाओं को पढ़कर आप कैसा अनुभव करते हैं? किसी एक प्रसंग का संक्षिप्त उल्लेख करके लोगों की व्यथा पर प्रकाश डालिए|

उत्तर इस जल प्रलय में वर्णित बाढ़ विषयक घटनाओं को पढ़करहमें दुःख अनुभव होता है। आम नागरिक के -करें। जब पटना में बाढ़ नाते हमारा कर्तव्य बनता है कि हम बाढ़ पीड़ितों के बचाव एवं राहत कार्य में सहायता का पानी घुसा तो लोग अपने घरों का सामान ऊँचे स्थानों पर रखने लगे। लेखक को सबसे ज्यादा चिन्ता गैस की थी। यदि गैस खत्म हो गयी तो उसक प्रबन्ध मुश्किल होगा। गनीमत थी कि लेखक के घर में गैस की व्यवस्था पर्याप्त दिनों के लिए थी। लोग अपनेपने घरों की छत पर ईंधनअ-, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, पीने का पानी आदि लेकर चढ़ गए। आवश्यक दवाईयाँ भी साथ रख लीं। लेखक ने कई बार सोने की कोशिश की परन्तु पानी बढ़ने के साथ ही चारों ओर होने वाले शोर ने उसे सोने न दिया। पानी घुसने से अनेक बीमारियाँ फैलने का भय था। पटना के अप्सरा हॉल, पैलेस होटल तथा इंडियन एयर लाइंस के दफ्तर में पानी

घुस गया था। हरियाली का नामोनिशान मिट चुका था तथा रेडियो और जनसम्पर्क की गाड़ियाँ बारबार - चेतावनी दे रही थीं कि लोग सुरक्षित ठिकानों पर चले जाएँ।इस विभीषिका के समय लोगों के पास आवश्यक वस्तुओं का अभाव हो गया था कइयों को जानमाल का भी नुकसान उठाना पड़ा, बीमारियों का सामना करना पड़ा यहाँ तक कि पानी बिजली जैसी सुविधाओं का अभाव भी झेलना पड़ा |

प्रश्न .8भूखे प्यासे बाढ़ग्रस्त लोगों द्वारा-'बलवाही' लोकनृत्य प्रस्तुत करना क्या सिद्ध करता है? उनकी वह स्थिति तथा विचारधारा आपको क्या सोचने को विवश करती है?

उत्तर भाव दिखाना-पुरुष का नारी बनकर हाव -, घरनी का मायके जाना, पुरुष द्वारा उसे लौटाना, ढोलक बजना तथा मन को लुभाने वाले कार्यक्रम की प्रस्तुति उन बाढ़ग्रस्त लोगों के हौंसले, जीवंतता और खतरों में भी मनोरंजन कर सकने की प्रवृत्ति का द्योतक है।

प्रश्न9 आदमी और कुत्ता दोनों को नाव में साथ न बिठाए जाने पर उन दोनों की क्या प्रतिक्रिया हुई। 'इस जल प्रलय में पाठ के आधार पर लिखिए तथा बताइए कि आपको इस घटना से क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर -- 1949 में महानंदा नदी में आई बाढ़ में तमाम गाँव पानी में घिर गए थे। लेखक एक नाव से बाढ़ ग्रस्त लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने निकला। कई बीमारों को नाव पर चढ़ाकर कैंप में ले जाना था। एक बीमार नौजवान के साथ उसका कुता भी कू कूँ करता नाव पर चढ़ आया। डाक्टर साहब ने कुत्ते से भयभीत होकर चिल्लाते हुए कहाकुक्कर नहीं-, इसे भगाओ। बीमार नौजवान छप से पानी में उतर गया, बोलाहमार - हमारा -कुक्कर नहीं जाएगा तो हम भी नहीं जाएगा। फिर कुत्ता छपाक से पानी में कूद गया। मानो कह रहा हो आदमी नहीं जाएगा तो हमहू नहीं जाएगा। इस घटना से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि कई मानव तो पशुओं के प्रति सवेदनहीन होते हैं जबकि कई एक--संवेदन दूसरे के प्रति कितनेशील होते हैं।

प्रश्न 10. मनुष्य व पशु के भावनात्मक सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।

उत्तर प्रस्तुत निबन्ध -'इस जल प्रलय में' लेखक ने एक साधारण घटना द्वारा बड़ी खूबसूरती से पशु व मानव के भावनात्मक प्रेम सम्बन्ध को दर्शाया है कि एक जानवर भी प्रेम की भाषा भलीभाँति जानता है। अपने - मालिक के नाव से उतरते हो कुत्ता भी पानी में कूद जाता है और अपनी मूकभाषा द्वारा जाने से मना कर देता है। प्राणी प्रेम का यह अद्भुत उदाहरण है। वह प्रत्येक स्थिति में अपने मालिक के साथ रहना चाहता है। मूक प्राणी भी भावाभिव्यक्ति में किसी से कम नहीं होते हैं। कुत्ते और आदमी के पारस्परिक प्रेमभाव को लेखक ने - तब अनुभव किया जब वह बाढ़ पीड़ितों को नाव से बचाने हेतु गया था।

प्रश्न 11. प्राकृतिक आपदा आने पर आम नागरिक को क्या भूमिका निभानी चाहिए ?

उत्तरआम नागरिक व मानवता के नाते हमारा कर्त्तव्य बनता है कि हम प्राकृतिक आपदा में फंसे हुए लोगों - की हर संभव सहायता करें। हम दवाइयाँ, सूखी खाद्य सामग्री, कपड़े आदि पहुंचाकर भी आपदाग्रस्त लोगों की सहायता कर सकते हैं। चिकित्सा शिविर लगवाकर हम बाढ़ व भूकम्प से पीड़ित लोगों के लिए अस्थाई निवास भी बनवा सकते हैं। हम भावनात्मक रूप से उनका दुःख बाँटकर उनका मनोबल बढ़ा सकते हैं। हमें अपने साथियों, पड़ोसियों की टोली बनाकर अपने इलाके के घरघर जाकर धन-, वस्त्रादि जमा कर राहत अधिकारियों तक पहुँचाना चाहिए ताकि वे उचित प्रबन्ध कर सही व्यक्तियों तक राहत सामग्री पहुँचा सकें। अपने कार्यालय में भी एक दिन का वेतन आपदा पीड़ितों के लिए समर्पित करने की सहर्ष स्वीकृति देनी चाहिए। मानव ही मानव के काम आए ऐसी भावना प्रसारित होनी चाहिए जो सबके सहयोग से ही संभव है।

प्रश्न .12बाढ़ की खबर सुनते ही शरीर में सिहरन दौड़ जाती है और उसके साथ ही अनेक चिन्ताएँ शुरू हो जाती हैं। पाठ के आधार पर बताएँ कि लेखक को किन किन चिन्ताओं ने घेर लिया-?

उत्तर बाढ़ की खबर सुनते ही चिन्ता के साथ -हड़बड़ी मच गई। लोग अपनेअपने घरों का सामान ऊँचे स्थान - बिक्री सब बंद हो चुकी थी। लेखक को सबसे ज्यादा चिंता गैस के खत्म होने की थी। -पर रखने लगे। खरीद फिलहाल बहुत है तब उसे तसल्ली हुई। -लेखक ने घर वालों से पूछा कि गैस का क्या हाल है। जवाब मिला अपने घर-लोग अपनेों की छतों पर ईंधन, आलू, मोमबत्ती, दियासलाई, सिगरेट, पीने का पानी और कम्पोज़ की गोलियाँ जमाकर बैठ गए। लेखक ने कई बार सोने की कोशिश की पर आँखों में नींद का नामोनिशान नहीं

था। पानी चढ़ते ही चारों ओर शोर ही शोर हो रहा था। पानी सब जगह अपना घर कर चुका था। लेखक को घर में पानी घुसने से बीमारियों व गन्दगी फैलने की चिन्ता हुई। मच्छरों से बचने की चिन्ता अलग से हुई। साथ ही जानवरों से फैलने वाली गन्दगी से बचने की चिन्ता अलग थी। लेखक यह सोचकर परेशान हो गया कि इस दौरान बाकी शहर भी बुरी तरह प्रभावित होगा। राहत दलों का कार्य भी सन्तोष जनक होगा या नहीं। समय पर सारे समाचार भी मिलने मुश्किल होगे क्योंकि स्टूडियों में भी पानी भर जाने की सूचना थी। सारी स्थिति सामान्य होने में बहुत समय लगना भी भारी चिन्ता का कारण था।

पाठ मेरे संग की औरतें :

प्रश्न 1.लेखिका मृदुला गर्ग के बागलकोट में स्कूल खोलने के प्रयास का वर्णन कीजिए तथा बताइए कि आपको इससे क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर कर्नाटक जाने पर लेखिका मृदुला गर्ग ने बागलकोट कस्बे में-कैथोलिक बिशप से एक प्राइमरी स्कूल खोलने की प्रार्थना की परन्तु क्रिश्चयन जनसंख्या कम होने के कारण उन्होंने स्कूल खोलने में असमर्थता दिखाई । लेखिका ने अनेक परिश्रमी और समृद्ध लोगों की मदद से वहाँ अंग्रेज़ी, कन्नड़, हिन्दी तीन भाषाएँ पढ़ाने वाला स्कूल खोलकर उसे कर्नाटक सरकार से मान्यता भी दिलाई। लेखिका के इस कार्य से हमें यह शिक्षा मिलती है कि कठिन परिश्रम व दृढ़ इच्छा शक्ति से कोई भी कार्य सम्पन्न किया जा सकता है।

प्रश्न .2लेखिका मृदुला गर्ग के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर लेखिका मृदुला गर्ग ने -'मेरे संग की औरतें' पाठ में जो विचार व्यक्त किए हैं उनसे उनके चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश पड़ता है। कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

)i) लेखिका अध्ययनशील तथा सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाली महिला थी।

)ii) शिक्षा के प्रति विशेष लगाव रखती थी तथा नाटक में अभिनय करना भी उनकी रुचि थी।

)iii) उन्होंने स्कूल खोलने में भी सफलता पाई थी।

)iv) वे जो ठान लेतीं थीं उसे अवश्य पूरा करके दिखाती थीं।

लेखिका के व्यक्तित्व से हमें यह पता चलता है कि व्यक्ति अपने जीवन में कठोर परिश्रम एवं अनुशासन से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

प्रश्न .3'मेरे संग की औरतें' पाठ में लेखिका ने अपनी नानी और माँ का जो एक चित्र खींचा है, उसका वर्णन कीजिए।

उत्तर - लेखिका की नानी अनपढ़ और परदे में रहने वाली स्त्री थीं। वह शान्त स्वभाव, घरेलू पारम्परिक जीवन जीने वाली साधारण महिला थीं। यद्यपि वह प्रत्यक्ष रूप में आज़ादी के आन्दोलन में भागीदार नहीं हुई परन्तु अपने निजी जीवन में गाँधी जी के स्वदेशी विचारों का भलीभाँति पालन करती रहीं तथा अपनी बेटी का विवाह भी स्वतंत्रता सेनानी से ही करवाया। लेखिका की माँ शान्त स्वभाव, गम्भीर, समझदार, देशप्रेमी-, सत्य बोलने वाली, नाजुक तथा पढ़ीलिखी खूबसूरत महिला थीं।-

प्रश्न .4'शिक्षा पर बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है'- इस दिशा में लेखिका मृदुला गर्ग के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

उत्तरशिक्षा प्राप्त करना हर बच्चे का जन्म सिद्ध अधिकार है लेकिन कर्नाटक के बागलकोट कस्बे में कोई - नहीं था -ढंग का स्कूल उत्तर, अतः बच्चों की शिक्षा प्राप्ति के उद्देश्य को पूरा करने के लिए लेखिका ने बिशप से प्राइमरी स्कूल खोलने के लिए प्रार्थना की। वहाँ क्रिश्चियन जनसंख्या कम होने के कारण लेखिका ने गैर-क्रिश्चियन बच्चों को शिक्षा पाने के लायक सिद्ध करने की ठानी। बिशप से सहायता न मिलने के कारण कन्नड-हिन्दी-लेखिका ने स्वयं अंग्रेज़ी॰ तीन भाषाएँ पढ़ाए जाने वाला प्राइमरी स्कूल खोला व कर्नाटक सरकार से मान्यता भी दिलवाई।

प्रश्न .5हमारे सामने अनेक महिलाएँ रोज दिखाई पड़ती हैं किसीकिसी की बातें हमें बहुत प्रभावित करती हैं-, पाठ के आधार पर बताइए कि लेखिका मृदुला गर्ग अपने साथ की किन औरतों से प्रभावित थी और क्यों?

लेखिका मृदुला गर्ग की परदादी ने पतोहू के लिए पहले बच्चे के रूप में लड़की पैदा होने की मन्नत क्यों माँगी?

उत्तर - मृदुला गर्ग अपनी नानी, परदादी, छोटी बहिन रेणु से प्रभावित थीं। नानी ने बेटी के लिए मनचाहा वर चुना। परदादी ने अपनी पतोहू के लिए लड़की की कामना की। रेणु ने अपने नज़रिए से ज़िन्दगी का आनन्द लिया। लेखिका की परदादी रूढ़िवादी परम्परा से हटकर चलती थीं। लड़के की मन्नत तो सभी माँगते हैं, पर परदादी ने लड़की की मन्नत माँग कर सबको हैरान कर दिया। इस प्रकार उन्होंने अपनी दिलेरी तथा पुत्री और पुत्र में समानता वाले अच्छे विचार का भी परिचय दिया |

प्रश्न .6लेखिका की माँ के व्यक्तित्व की कोई दो विशेषताएँ लिखकर परिवार में उनके प्रति आदरसम्मान का - कारण लिखिए।

उत्तर - लेखिका की माँ के व्यक्तित्व की निम्न विशेषताएँ थीं जिनके कारण परिवार में उनके प्रति आदर- -सम्मान था

)i) वे ईमानदार, निष्पक्ष तथा सच का समर्थन करने वाली महिला थीं व किसी की गोपनीय बात को प्रकट नहीं करती थीं।

)ii) वे अच्छी सलाहकार थीं।

)iii) वे सुन्दर तथा पढ़ीलिखी थीं।-

प्रश्न .7अपराध करने पर दण्ड दिया जाता है मगर फिर भी अपराध रुकने का नाम नहीं लेता। मात्र दण्ड ही किसी अपराध का विकल्प नहीं होता? सिद्ध कीजिए।

अथवा

डराने, धमकाने, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी राह पर लाया जा सकता है। पाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तरसे व समझाकर किसी को सही रास्ते मात्र दण्ड द्वारा हम किसी को नहीं सुधार सकते। भावनात्मक प्रेम - पर लाया जा सकता है। अपराधी को दण्ड देने से पहले उसके सभी पहलुओं पर विचार कर लेना चाहिए साथ प्रेम द्वारा माफ करके हम किसी को सही रास्ते पर ला सकते हैं जैसा कि लेखिका की परदादी ने किया। एक चोर को उन्होंने भावनात्मक रिश्ते द्वारा नेक इंसान बना दिया।

प्रश्न .8कहा जाता है कि महिलाएँ शक्तिशाली होंगी तो समाज भी शक्तिशाली बनेगा। समाज में महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ बनाने के लिए अपनी ओर से सुझाव दीजिए।

उत्तरवार्य है। उसके समाज में महिलाओं की स्थिति को दृढ़ करने के लिए सबसे पहले उनका शिक्षित होना अनि- बाद समाज को जागरुक किया जा सकता है। अपनी आत्मरक्षा के उपाय खुद करनेहैं ऐसी हिम्मत व साहस की भावना भर कर उनका आत्मबल बढ़ाया जा सकता है। लिंगभेद को समाप्त करके भी महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

प्रश्न .9लेखिका की नानी की आज़ादी के आंदोलन में किस प्रकार की भागीदारी रही?

उत्तर- लेखिका की नानी अनपढ़ महिला थीं और परदा करती थीं। वह किसी की भी ज़िन्दगी में हस्तक्षेप नहीं करती थीं। वे समाजवादी और सशक्त व्यक्तित्व की महिला थीं। देश की आज़ादी के लिए उनके मन में प्रबल जुनून था।उन्होंने अपनी बेटी की शादी अंग्रेज़ों की गुलामी करने वाले साहब से न करवाकर किसी स्वतंत्रता सेनानी से करवाने का फैसला लिया। इस प्रकार उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से नहीं, परोक्ष रूप से आज़ादी के आन्दोलन में भागीदारी की।

प्रश्न .10लेखिका की दादी के घर के माहौल का शब्दत्र अंकित कीजिए।चि-

उत्तर लेखिका की दादी के घर का माहौल दूसरे घरों से अलग था। उनके - घर में लड़की- लड़के में कोई भेद नहीं था। स्त्रियों का पूरा आदरसम्मान -सम्मान किया जाता था। लेखिका की माँ का भी घर में बहुत मान- वती होने पर लड़की होने की अपनी कामना सभी के सामने किया जाता था। स्वयं दादी ने अपनी पतोहू के गर्भ

प्रकट कर दी। परिवार में साहित्यिक माहौल भी था। लेखिका की माँ पुस्तकें पढ़ने, साहित्य पढ़ने, संगीत सुनने, चर्चा करने में अपना अधिकतर समय व्यतीत करती थीं।

प्रश्न .11पाठ के आधार पर लिखिए कि जीवन में कैसे इंसानों को अधिक श्रद्धाभाव से देखा जाता है-?

उत्तर समाज में श्रद्धा भाव से उन्हीं इ -ंसानों को देखा जाता है जो निःस्वार्थ भाव से सभी की भलाई के लिए अपना जीवन खपा देते हैं। वे दूसरों की भलाई के लिए अपना तन, मन, धन न्योछावर कर देते हैं। किसी की भी बात को गोपनीय रखना उनके लिए एक कर्त्तव्य की तरह होता है। लेखिका की माँ को भी इसीलिए श्रद्धा व आदर सम्मान के भाव से देखा जाता था।

पाठ रीढ़ की हड्डी :

प्रश्न .1रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद बातकहकर अपने समय की तुलना "..एक हमारा जमाना था" बात पर- कार की तुलना करना कहाँ तक तर्कसंगत हैवर्तमान समय से करते हैं।इस प्र?

उत्तर रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद दोनों - ही समवयस्क अधेड़ पुरुष हैं। अपने पुराने समय को और उसकी प्रत्येक बात को अच्छा मानना उनके लिए स्वाभाविक है। पुरानी बातें वृद्ध लोगों की स्मृति में सदा रहती हैं और प्रायः उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया करती हैं। उनको बारबार याद करना और प्रकट करना उनका - स्वभाव बन जाता है। वर्तमान चाहे कितनी ही प्रगति कर ले और उसमें अनेक सुविधाएँ और अच्छाइयाँ आ जाएँ , किन्तु वृद्धों को पुराने समय की तुलना में वह कभी अच्छा नहीं लगता। वे अपने समय को ही अच्छा मानते हैं तथा वर्तमान में दोष देखकर उसकी तुलना भूतकाल से किया करते हैं। उनका यह प्रयास स्वाभाविक होता है तथा अनायास ही होता रहता है। दोनों कालों की इस तुलना को तर्क संगत तो नहीं माना जा सकता किन्तु, इसको सामान्य मानव स्वभाव अवश्य माना जा सकता है। जैसे युवकों को वर्तमान प्रिय होता है वैसे ही वृद्धों को भूतकाल । जब युवक वृद्ध हो जाते हैं और उनका वर्तमान, भूत में बदल जाता है तब उनको भी अपना ही समय प्रिय लगता है। यद्यपि वर्तमान सदा बुरा और अतीत हमेशा अच्छा नहीं होता, तथापि यह तुलना तर्कसंगत नहीं है।

प्रश्न .2रामस्वरूप का अपनी बेटी को उच्च शिक्षा दिलवाना और विवाह के लिए छिपाना, यह विरोधाभास उनकी किस विवशता को उजागर करता है ?

उत्तर रामस्वरूप उमा के पिता हैं। वह लड़कियों को उच्च शिक्षा दिलाने के विरोधी नहीं हैं। उमा को रामस्वरूप - है। उसको संगीत तक की शिक्षा दिलाई .ए.ने बी, चित्रकला आदि में भी पारंगत बनाया है। परन्तु उमा के विवाह का अवसर आने पर वह उसकी उच्च शिक्षा को छिपाकर उसको केवल मैट्रिक तक पढ़ी हुई बताते हैं। वह अपनी पत्नी प्रेमा को भी सावधान करते हैं 'उन लोगों के सामने जिक्र और ढंग से होगा, मगर तुम तो अभी से सब कुछ उगले देती हो ।'

शादी के लिए उमा को देखने आने वाले पितापुत्र के बा-रे में वह बताते हैं 'खुद पढ़े लिखे हैं, वकील हैं, सभा- बाप सेर तो लड़का सवा सेर ...लिखी न हो।-सोसाइटियों में जाते हैं। मगर लड़की चाहते हैं ऐसी कि ज्यादा पढ़ी । कहता है, शादी का सवाल दूसरा है, तालीम का दूसरा। रामस्वरूप इस तरह के लोगों के सामने विवश हैं। " उनको लड़की की शादी करनी है और लोग लड़की चाहते हैं कम पढ़ीलिखी-, जो बिना कुछ सोचेविचारे उनकी - बात माने, उनका प्रतिवाद और तर्कतो ससुराल में वितर्क करने में भी असमर्थ हो । लड़की उच्च शिक्षित होगी- ससुर और पति की अन्धभक्त बनकर नहीं रहेगी और अपने विवेक के अनु-साससार चलेगी। समाज की यही मानसिकता और दकियानूसी ख्यालात रामस्वरूप को मजबूर करते हैं कि वह अपनी पुत्री की उच्च शिक्षा को शादी के अवसर पर छिपाकर रखें ।

प्रश्न .3अपनी बेटी का हैं, वह उचित क्यों नहीं है ? रिश्ता तय करने के लिए रामस्वरूप उमा से जिस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा कर रहे हैं, वह उचित क्यों नहीं है ?

उत्तर पास है। वह सुन्दर और सुशील है .ए.रामस्वरूप की बेटी उमा बी -, आत्मसम्मान उसे प्रिय है तथा - आने पर लोग इन गुणों को महत्त्व न देकर दिखावा पसन्द करते हैं। सादगी पसन्द है। विवाह का अवसर

समाज की को पाउडर इत्यादि सौन्दर्य प्रसाधनों से और अधिक दमकाये। अपनी आत्मसम्मानप्रियता को - पुत्र का दिल -दबाकर बनावटी विनम्रता दिखाये । अपने दिखावटी आचरण से वह लड़की देखने आने वाले पिता नी तक की योग्यता को छिपाकर एक मैट्रिक पास लड़की जैसा व्यवहार करे। लड़के के पिता के जीते। वह अप द्वारा पूछे गये प्रश्नों के उत्तर में झूठ बोलकर भी उनको प्रसन्न और प्रभावित करेरामस्वरूप की यह अपेक्षा सर्वथा अनुचित है। यह ठीक है कि पुत्री के विवाह के लिए वह मानसिक दवाब में हैं। परन्तु अपनी पुत्री से यह आशा करने की अपेक्षा उनको उसके लिए सुयोग्य तथा उसके गुणों को महत्त्व देने वाले वर की तलाश करनी चाहिए। उनको सामाजिक बुराई तथा दकियानूसी लोगों के विरुद्ध तन कर खड़े होना चाहिए तथा अपनी पुत्री की मदद करनी चाहिए। रामस्वरूप की तुलना में उमा का आचरण अधिक यथार्थपूर्ण है।

प्रश्न .4गोपाल प्रसाद विवाह को 'बिजनेस' मानते हैं और रामस्वरूप अपनी बेटी की उच्च शिक्षा छिपाते हैं। क्या आप मानते हैं कि दोनों ही समानरूप से अपराधी हैं? अपने विचार लिखें ।

उत्तर -गोपाल प्रसाद अपने बेटे शंकर के साथ उसके विवाह के लिए रामस्वरूप की लड़की उमा को देखने आये हैं। रामस्वरूप के साथ कुछ दिखावे वाली मीठी - मीठी बातें करने के बाद वह 'बिजनेस' की बात करना चाहते हैं। 'बिजनेस' से उनका तात्पर्य शंकर के विवाह से है। गोपाल प्रसाद के विचार में शादी एक मानवीय सामाजिक कार्य न होकर एक व्यापार है। बिजनेस शब्द का प्रयोग उनकी इसी मनोवृत्ति को दर्शाता है। वह विवाह को भी लाभ -हानि के तराजू में तोलते हैं। लड़की को किसी बाजार में बिकने वाली वस्तु के समान तरह-'हमारी बेइज्जती नहीं होती जो आप इतनी देर से नापतौल कर रहे हैं-? गलत नहीं है।

गोपाल प्रसाद और शंकर कम पढ़ीलिखी लड़की से शादी करना चाहते हैं। रामस्वरूप भी चाहते हैं कि उमा की - शादी शंकर के साथ हो जाय, क्योंकि शंकर मेडीकल में पढ़ रहा है और उसके पिता एक अच्छे वकील हैं। इस कारण वह उमा को ग्रेजुएट न बताकर मैट्रिक तक पढ़ी हुई बताते हैं। वह उसकी वास्तविक शिक्षा को छिपाते हैं।

इस सम्बन्ध में हमारा मानना है कि वे दोनों ही दोषी हैं। गोपाल प्रसाद का अपराध यह है कि वह स्त्रियों को पुरुषों से नीचा मानते हैं तथा पुरुषों के समान शिक्षा ग्रहण करने, राजनीति करने तथा तर्कतर्क करने को वि- स्त्रियों के लिए उचित नहीं मानते । उनकी दृष्टि में कुछ बातें पुरुषों के लिए तो ठीक हैं परन्तु स्त्रियों के लिए नहीं। वह पढ़ेलिखे होते हुए भी दकियानूसी हैं। रामस्वरूप भी दोषी हैं क्योंकि उनमें सत्य का सामना करने का - द के सामने झुकते हैं तथा चापलूसी भरा आचरण करते हैं। वह अपनी पुत्री की साहस नहीं है। वह गोपाल प्रसा उच्च शिक्षा पर गर्व करने के स्थान पर उसे छिपाते हैं। इससे उनके व्यत्तित्व में दृढ़ता का अभाव लक्षित होता है। हाँ, रामस्वरूप जो करते हैं उसके पीछे सामाजिक दवाब तथा अपनी बेटी की भलाई की भावना है। अतः उनका दोष कुछ कम हो जाता है।

प्रश्न " .5आपके लाड़ले बेटे की रीढ़ की हड्डी भी है या नहींउमा इस कथन के माध्यम से शंकर की किन " कमियों की ओर संकेत करना चाहती है?

उत्तर आपके लाड़ले बेटे के रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं) उमा का यह कथन -?) गोपाल प्रसाद के प्रति है और उनके बेटे शंकर के सम्बन्ध में है। इस कथन के माध्यम से उमा गोपाल प्रसाद को निम्नलिखित बातें बताना चाहती है -

.1उनका बेटा शंकर भले ही बीके बाद मेडीकल की पढ़ाई कर रहा हो .सी.एस., परन्तु उसके विचारों में नवयुवकों जैसी मौलिकता नहीं है।

.2वह डुलमुल रवैयेवाला, विवेकहीन तथा दूसरों के दकियानूसी विचारों का समर्थन करने वाला है।

.3वह किसी बात पर अपनी बुद्धि से सोचकर अपना मत नहीं बनाता, बस, हर बात में हाँ हजूरी करना जानता है।

.4स्त्रियों की शिक्षा तथा समाज में उनके स्थान के विषय में उसके विचारों में पिछड़ापन है तथा वे समयानुकूल नहीं हैं।

.5शंकर का चरित्र भी अच्छा नहीं है। लड़कियों के हॉस्टल के निकट ताकझाँक करने तथा नौकरानी से मुँह - छिपाकर भागने से उसकी चरित्रहीनता प्रकट होती है।

.7शारीरिक दृष्टि से भी वह दुर्बल है तथा उसमें पुरुषोचित शक्ति का अभाव है। वह सीधा तन कर बैठ भी नहीं सकता ।

प्रश्न .6शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़कीसमाज को कैसे व्यक्त-ित्व की जरूरत है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर - शंकर और उमा के व्यक्तित्व विरोधाभासी हैं। शंकर लड़का बी कर .एस.बी.बी.के पश्चात् एम .सी.एस. कर उसके विचारों में प्रगतिशीलता रहा है परन्तु, दृढ़ता और उदारता का अभाव है। पढ़ालिखा होने पर भी वह - शिक्षा के महत्वको नहीं समझता। नारी शिक्षा का वह विरोधी है। महिलाओं को पुरुषों के समान मानने में उसे ऐतराज है। उसके विचारों में मौलिकता का अभाव है। वह दूसरों की हाँ में हाँ मिलाने वाला है। उसका चरित्र भी पतित है। ऐसे नवयुवक समाज का हित नहीं कर सकते। वह शरीर से दुर्बल है। विवाह के पश्चात परिवार को चलाने में भी ऐसे युवक सफल नहीं होते। समाज को ऐसे नवयुवकों की आवश्यकता नहीं है।

उमा युवती है । बीप्रति सचेत है। वह सादगी में विश्वास करती है तथा मर्यादा के-पास है। वह अपनी मान .ए. प्रदर्शनप्रिय नहीं है। अपने रूप को बाहरी सौन्दर्य प्रसाधनों से निखारने में वह विश्वास नहीं करती। वह शान्त और गम्भीर है। दूसरों की अनुचित बातों को एक सीमा तक सहन करती है। सहनशील होने का अर्थ यह नहीं है कि वह अनाचार का प्रतिवाद नहीं कर पाती। वह गोपाल प्रसाद जैसे दम्भी, महिला विरोधी, महिलापुरुष में - भेदभाव करने वाले, अन्धविश्वासी एवं कुतर्की वकील को उसकी औकात बता देती है। उसका दम्भ चूरचूर कर - देती है और उस बड़बोले को मुँह छिपाकर भागने को विवश कर देती है । उमा जैसी नवयुवतियों की आवश्यकता प्रत्येक समाज को होती है, क्योंकि समाज और परिवार के उत्थान तथा विकास की सामर्थ्य उनमें होती है । इस आधार पर हम कह सकतें है कि समाज को उमा जैसे व्यक्तित्व की जरूरत है ।

प्रश्न .7'रीढ़ की हड्डी' शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर रीढ़ की हड्डी प्रत्येक प्राणी के शरीर में स्थित एक प्रमुख हड्डी है। मनुष्य के शरीर में यह पीठ -के मध्य में होती है। उसका मस्तिष्क इसी पर टिका है। इसी के कारण वह सीधा तन कर खड़ा होता है, सोचता- कता । प्रस्तुत एकांकी में रीढ़ की समझता तथा काम करता है। उसके शरीर का ढाँचा इसके बिना नहीं चल स हड्डी का काप्रतीक है। इसके द्वारा चरित्र की दृढ़ता को भी व्यंजित किया गया है। रीढ़ की हड्डी न होने का अर्थ है व्यक्ति में मौलिक विचारों, व्यक्तित्व तथा दृढ़ चरित्र का अभाव है।

प्रस्तुत एकांकी का प्रमुख पात्र शंकर एक ऐसा ही नवयुवक है। वह बीकरने के पश्चात् मेडीकल की .सी.एस. पढ़ाई कर रहा है, परन्तु उसके विचारों में मौलिकता तथा प्रगतिशीलता का नितान्त अभाव है। वह अपने पिता के दकियानूसी विचारों का समर्थक है तथा हाँ में हाँ मिलाने वाला है। वह भी अपने पिता की तरह कम पढ़ी-लिखी लड़की से शादी करना चाहता है। सुशिक्षित लड़की उसके विचार में अच्छी पत्नी नहीं बन सकती। मौलिक चिन्तन के अभाव में वह यह सोच ही नहीं पाता कि अच्छी एवं पूर्ण शिक्षा प्राप्त युवती परिवार तथा समाज को आगे बढ़ाने में समर्थ होती है। विचारों में पिछड़ापन होने के साथ ही उसके चरित्र में भी दृढ़ता नहीं है। वह चरित्रहीनता के कार्य करते हुए पकड़ा जा चुका है। उसके इसी दोषपूर्ण व्यक्तित्व की ओर इंगित करते हुए उमा ने उसके पिता गोपाल प्रसाद से कहा है इस प्रकार इस एकांकी का शीर्षक 'रीढ़ की हड्डी' प्रतीकात्मक होने के साथ सर्वथा उपयुक्त और सार्थक है।

प्रश्न .8कथावस्तु के आधार पर आप किसे एकांकी का प्रमुख पात्र मानते हैं। और क्यों ?

उत्तर -'रीढ़ की हड्डी' शीर्षक एकांकी की कथावस्तु का आधार आधुनिक नारी चेतना है। वह महिलाओं की शिक्षा एवं सशक्तीकरण पर केन्द्रित है। स्त्री को केवल पुरुष की इच्छा की अनुगामिनी तथा आदेशपालिका मानने वाली पुरुष मनोवृत्ति का इसमें खण्डन किया गया है तथा सुशिक्षित नारी का महिमा मण्डन किया गया है। इस उद्देश्य की पूर्ति में उमा ही सहायक है। उमा के चरित्र की निम्नलिखित विशेषताएँ उसको एकांकी का प्रमुख पात्र सिद्ध करती हैं -

.1सुशिक्षित एवं प्रगतिशील विचारों वालीपास है। उसके विचार प्रगतिशील हैं। उसे अपनी शिक्षा पर .ए.उमा बी- हाँ" गर्व है। वह गोपाल प्रसाद से कहती है, मैं कालेज में पढ़ी हूँ। मैंने बीपास किया है। कोई पाप नहीं .ए. किया, कोई चोरी नहीं की।"

.2सादगी पसन्द -वह सादगी पसन्द युवती है। वह बनावटी सौन्दर्य प्रसाधन में नहीं, स्वाभाविक सुन्दरता में विश्वास करती है।

.3स्वाभिमानी -वह स्वाभिमानी युवती है। शादी के लिए लड़की के गुणों की नापतौल तथा गोपाल प्रसाद के - क्या " - । वह कठोर शब्दों में उनको बताती हैप्रश्नों को अनावश्यक तथा नारी की गरिमा के विपरीत मानती है लड़कियों के दिल नहीं होता? क्या उनको चोट नहीं लगती ? क्या वे बेबस भेड़बकरियाँ हैं-, जिन्हें कसाई अच्छी तरह देखभाल कर खरीदते हैं ?

.4अनाचार विरोधीने पर उमा औचित्यहीन सामाजिक मान्यताओं की विरोधी है। वह अपने पिता के कह - अपनी शिक्षा को छिपाकर चरित्रहीन और मौलिक विचारविहीन शंकर से विवाह करना स्वीकार नहीं करती और ऐसी सामाजिक मान्यताओं के विरुद्ध साहस के साथविद्रोह करती है।

.5प्रभावशाली व्यक्तित्व लिखी और -उमा का व्यक्तित्व प्रभावशाली है। उसमें प्राकृतिक सुन्दरता है। वह पढ़ी - समझदार है, उसके विचार मौलिक हैं। वह साहित्य, संगीत और कला में प्रवीण है।

प्रस्तुत एकांकी में रामस्वरूप - **.6** गोपाल प्रसाद, शंकर, उमा, प्रेमा तथा रतन नामक पात्र हैं। इनमें प्रेमा और रतन का विशेष महत्व नहीं है। रामस्वरूप तथा गोपाल प्रसाद लम्बे समय तक सामने रहते हैं तथा अपने विचारों और कार्यों से दर्शकों को प्रभावित करने का प्रयत्न करते हैं परन्तु, असफल रहते हैं। अपनी शिक्षा छिपाकर शंकर से विवाह करने का रामस्वरूप का तर्क अमान्य हो जाता है। गोपाल प्रसाद के अन्धविश्वास पूर्ण एवं स्त्रीवाले विचार दर्शकों में स्वीकृति नहीं पाते। शंकर भी अपने मौलिकताविहीन विचारों एवं पुरुष में भेदभाव- दुष्चरित्र के कारण कहीं नहीं ठहरता । केवल उमा ही एकमात्र ऐसी पात्र है जो मंच पर कम समय तक रहने पर भी अपना प्रभाव छोड़ती है। वह कथावस्तु की केन्द्रबिन्दु है । समस्त कथानक उसके चारों ओर घूमता है। स्त्री शिक्षा के महत्व की स्थापना का उद्देश्य उसी से पूरा होता है तथा वही फल की भोक्ता है।

प्रश्न .9एकांकी के आधार पर रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए ।

उत्तर गोपाल प्रसाद तथा रामस्वरूप दोनों ही -'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के सहायक पात्र हैं। उनकी चारित्रिक विशेषताएँ निम्नलिखित हैं -

गोपाल प्रसाद की चारित्रिक विशेषताएँगोपाल प्रसाद समाज की पुरानी - महत्त्वहीन मान्यताओं का प्रतिनिधिहै। वह सामाजिक अनाचार और पुरुष प्रधानता का प्रतीक पात्र है। उसके चरित्र की कुछ विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

.1धूर्त और चालाकगोपाल प्रसाद खलनायक प्रवृति का है । वह धूर्त और चालाक वकील है। वह शादी को - बिजनेस मानता है। वह उमा को तरहतरह से परखता है कि वह उसके पुत्र शंकर की बहू होने योग्य है या - नहीं। उसकी निगाह पैनी है। उमा के चश्मे, पढ़ाई, संगीत, पेंटिंग, सिलाई, इनाम इत्यादि सभी पर उसकी निगाह रहती है। उसको मैट्रिक से अधिक पढ़ी लड़की बहू के रूप में नहीं चाहिए, क्योंकि वह उसके अनुचित आदेशों को मानने से इनकार कर सकती है। लड़की के पिता की आर्थिक स्थिति को भी ध्यान में रखता है। वह झूठ बोलने में भी कुशल है। एक साल फेल होने के कारण एममें पीछे रह जाने का कारण वह .एस.बी.बी. शंकर की बीमारी बताता है।

.2अधिक बोलने वाला अपना दवाब बनाने के लिए ही वह जोरजोर से तथा दूसरों को कुछ कहने का अवसर - मय को अच्छा बताता है दिये बिना ही लगातार बोलता है। अपनी प्रशंसा करने में वह चूकता नहीं। वह अपने स पान की तारीफ करता है। वह अपने शरीर की शक्ति का भी बखान करता है। वह मैट्रिक तक -तथा अपने खान की योग्यता को आधुनिक बी.ए. पास की तुलना में अच्छा बताता है। शंकर तथा रामस्वरूप तो पूरे समय उसकी हाँ में हाँ ही मिलाते रहते हैं।

.3महिलाशिक्षा का -गोपाल प्रसाद महिलाओं को पुरुषों की तुलना में हेय समझता है। वह स्त्री -में भेदभाव पुरुष- सत्ता का सम-भी विरोधी है। वह पुरुषर्थक पात्र है। वह शिक्षा को लड़कों का अधिकार मानता है। उसका कहना

है -'कुछ बातें दुनियाँ में ऐसी हैं जो सिर्फ मदों के लिए हैं और ऊँची तालीम भी ऐसी चीजों में से एक है। .....मर्दों का काम तो है ही पढ़ना और काबिल होना। अगर औरतें भी वही करने लगीं, अंग्रेजी अखबार पढ़ने लगीं और पॉलिटिक्स बगैरह में बहस करने लगीं तब तों हो चुकी गृहस्थी ।वह स्त्रियों का क्षेत्र घर की " नता है ।चाहरदीवारी तक सीमित मा

.4बातूनी और मजाकियागोपाल प्रसाद बातूनी है। अपनी बात को कहने और उसे सही मानने में वह संकोच - नहीं करता । बातचीत केबीच हँसीमजाक करना भी उसकी आदत है। इसके द्वारा वह अपने कुतकों को दूसरों - की बात कहकर पर स्थापित करने का प्रयास करता है। खूबसूरती पर टैक्स लगाने, वह शंकर और रामस्वरूप को हँसाता है और 'मोर के पंख होते हैं, मोरनी के नहीं, शेर के बाल होते हैं, शेरनी के नहीं।' कहकर अपने गलत विचारों को सही सिद्ध करता है।

रामस्वरूप की चारित्रिक विशेषताएँ अन्त तक रामस्वरूप इस एकांकी का एक सहायक पात्र है। वह आरम्भ से - - हमारे सामने रहता है और कथानक को आगे बढ़ाता है। उसके चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ हैं

.1कन्या का पिता रामस्वरूप का -चरित्र भारतीय कन्या के पिता का चरित्र है। कन्या का पिता होने के नाते वह बाहरी दवाबों और विपरीत परिस्थितियों से पीड़ित है। अपनी पुत्री के विवाह के लिए उसको गोपाल प्रसाद की अनुचित बातों को मानना पड़ता है और अपनी पुत्री की उच्च शिक्षा को छिपाना पड़ता है। एक कन्या के पिता की समस्त दुर्बलताएँ उसमें हैं, परन्तु यह उसकी विवशता भी है।

.2समयानुकूल उच्च विचारऔर काम भी करना चाहता है। वह अपनी रामस्वरूप समय के अनुरूप सोचता है - पुत्री को उच्च उच्च शिक्षा दिलाता है । वह पोंगापंथी का समर्थन नहीं करता। वह प्रेमा से कहताहै कि "गुस्सा तो मुझे बहुत आता है इनके दकियानूसी ख्यालों पर क्या करूँ मजबूरी है .....। मतलब अपना है वरना इन लड़कों और इनके बापों को ऐसी कोरी.....कोरी सुनाता-?

.3समझौतावादी- रामस्वरूप अपनी संतान के हित के लिए अपने सिद्धान्त छोड़कर समझौतावादी रुख अपनाता है। वह गोपाल प्रसाद की हर बात में हाँ हाँ करता है तथा अपनी बेटी से भी आशा करता है कि वह भी दिखावटी आचरण करे। वह प्रेमा से कहता है वह अपनी बेटी की "मा से कह देना कि जरा करीने से आए।उ" उच्च शिक्षा को छिपाता है।

प्रश्न .10इस एकांकी का उद्देश्य क्या है ? लिखिए ।

उत्तर -'रीढ़ की हड्डी' एक व्यंग्य प्रधान सामाजिक एकांकी है। इसमें भारत के मध्यम वर्ग की लड़कियों के विवाह सम्बन्धी समस्या का चित्रण है। लड़कियाँ मातापिता द्वारा तय किये गये विवाह को मूक रहकर - स्वीकार कर लेती हैं। जो बातें विवाह में बाधक होती हैं, उनको छिपाया जाता है। झूठ बोला जाता है और दिखावा किया जाता है। वर पक्ष के सामने कन्या को बाजार में बिकने वाली वस्तु की तरह प्रस्तुत किया जाता है। लड़की दिखानें की यह प्रथा अत्यन्त अपमानजनक तथा अमनोवैज्ञानिक है। इस अवसर पर कई बार लड़कियों को कठिन मानसिक

विषाद से गुजरना पडता है |शंकर चरित्रहीन और आधारविहीन लड़का है। उसका पिता गोपाल प्रसाद सुशिक्षित, सुशील और सच्चरित्र उमा से अपमानजनक प्रश्न पूछता है। वह उसकी परख किसी निर्जीव बिकाऊ माल की तरह करता है । उमा इस विवाह का विरोध करती है "...चाल में तो कुछ खराबी है नहीं। चेहरे पर भी छवि है - रिवाजों के प्रति साहसपूर्वक विद्रोह कर देती है ।- और

इस एकांकी का उद्देश्य महिलाओं को पुरुषों से हेय मानने, उनको उच्च शिक्षा से वंचित रखने, उनको घर की दीवारों के बीच कैद रखकर चरण सेविका बनाने जैसी दकियानूसी प्रथाओं का विरोध करना है। एकांकी संदेश देता है कि महिलापुरुष समान हैं-, उनमें भेदभाव अनुचित है। शिक्षित स्त्री समाज तथा परिवार का रत्न होती है। पुरानी बातों से चिपके रहना और अपने विवेक का प्रयोग किये बिना उनको मानना ठीक नहीं है। विवाह के लिए प्रस्तुत लड़कियों की भी अपनी पसन्दनापसंद-, विचार, दिल और इच्छा होती है। उनकी उपेक्षा करना स्त्री जाति के दमन और शोषण का सूचक है। महिलाओं को संदेश दिया गया है कि स्वयं साहसपूर्वक उठकर खड़े

हुए बिना उनका उद्धार नहीं होगा।, उन्हें उमा के समान ही विद्रोह का मार्ग अपनाना होगा। तभी उनकी मुक्ति संभव है। यह सभी संदेश देना ही एकांकी का उद्देश्य है ।

प्रश्न .11समाज में महिलाओं को उचित गरिमा दिलाने हेतु आप कौन कौन से प्रयास कर सकते हैं-?

उत्तर -भारतीय समाज में महिलाओं की दशा ठीक नहीं है। उन्हें द्वितीय श्रेणी का नागरिक माना जाता है। उनकी उपेक्षा होती है तथा 'स्त्री नैवम् स्वातंत्र्यं अर्हति ।' कहकर उनको पुरुषों पर आश्रित रखा जाता है । समाज में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए हम निम्नलिखित उपाय कर सकते हैं

.1शिक्षाहम महिलाओं को उच्च शिक्षा दिलाने की व्यवस्था कर सकते हैं। विद्यालय खोल सकते हैं। सुविधायें पिता तथा लड़कियों को प्रेरित कर सकते हैं ।- जुटा सकते हैं और माता

.2समान अधिकार कार देताभारतीय संविधान महिलाओं को पुरुषों के समान अधि है, परन्तु लिंग के आधार पर समाज में भेदभाव चल रहा है। इसे हम लोगों को समझाकर अथवा उन्हें दण्डित कराकर दूर कर सकते उन्हें उनके अधिकार दिला सकते हैं ।

.3आत्म निर्भरतासर हमें महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। इसके लिए उन्हें आर्थिक क्षेत्र में समान अव देने होंगे। उनको बताना होगा कि वे अपने प्रयासों से ही समाज में अपना स्थान बना सकती हैं। संसद में महिला आरक्षण बिल इस दिशा में एक अच्छा प्रयास है ।

.4निर्भीकता युगों से भयभीत और आतंकित रखा गया है। उनको भय और आतंक-महिलाओं को युगों से मुक्ति दिलानी होगी । हम इसके लिए महिलाओं को संगठित करेंगे। उनको कानून का ज्ञान करायेंगे तथा संकट के समय आत्मरक्षा के लिए 'जूडो कराटे' जैसे उपाय भी सिखायेंगे ।

प्रश्न ..12'कलसों से नहाता था, लोटों की तरह।' इस कथन द्वारा कौन, क्या कहना चाहता है ?

उत्तर - रतन रामस्वरूप का नौकरवास्तव में काम कम करता है, बोलता अधिक है। रतन की हँसी का मज़ाक उड़ाते हुए रामस्वरूप कहते हैं कि उन्होंने अपनी जवानी में बहुत काम किया। जब वह युवा थे तब खूब कसरत करते थे। कसरत के बाद कलसे से पानी शरीर पर यूँ डालते थे, मानो लोटे से नहा रहे हों। इस कथन के द्वारा एक ओर वे जहाँ अपनी युवावस्था का बखान करना चाहते हैं वहीं रतन को अधिक काम करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं।

प्रश्न .13उमा ने गोपाल प्रसाद के साथ जो व्यवहार किया, आपके विचार से वह कितना उचित है, लिखिए?

उत्तर तीक हैंगोपाल प्रसाद समाज के उन लोगों का प्र, जिनकी सोच समाज के लिए हितकर नहीं है। ऐसे लोग नारी जाति को मात्र उपभोग की वस्तु समझते हैं, वे स्त्रियों की शिक्षा के विरोधी होते हैं। उनके विचार से यदि नारी पढ़- लिख गई तो अपने अधिकारों के प्रति सजग हो जाएगी।

उमा द्वारा गोपाल प्रसाद के साथ किया गया व्यवहार बिल्कुल उचित है। स्त्री और पुरुष समाज के अंग हैं। दोनों बराबर हैं। उमा शिक्षित युवती है जो अपना हित अहित समझती है। नारी के विरुद्ध ऐसी सोच रखने वाले को लताड़कर उमा ने ठीक ही किया।

प्रश्न .14'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के आधार पर शंकर की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।उत्तर -'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का पात्र शंकर, गोपाल प्रसाद का पुत्र है। उसकी शादी उमा नामक बीपास लड़की से होनी है। शंकर .ए. दुर्बल चरित्र वाला आवारा किस्म का युवक है।शंकर का अपना कोई व्यक्तित्व नहीं है। उसके अपने विचार नहीं हैं, वह किसी बात पर टिका नहीं रह सकता है। वह वही करता है जो उसके पिता कहते हैं। वह पढ़ालिखा - लिखी लड़की को महत्व नहीं देता है। आत्मविश्वास की कमी के कारण वह उपहास का पात्र -होकर भी पढ़ी बनकर रह गया है।

****

रचनात्मक लेखन

अनुच्छेद - लेखन

परिभाषा - किसी एक विचार या विषय को अपनी निजी अनुभूति की सहायता से 100-150 शब्दों में गद्यात्मक रूप से अभिव्यक्त करना अनुच्छेद लेखन कहलाता है।

अनुच्छेद निबंध का ही संक्षिप्त रूप होता है । इसलिए इसमें निबंध के सभी तत्व समाहित होते हैं। अनुच्छेद अपने आप में परिपूर्ण होता है। अनुच्छेद में एक ही विचार या विषय की प्रधानता होती है । अनुच्छेद का सारगर्भित होना भी आवश्यक है ।

अनुच्छेद लेखन करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए :

* अनुच्छेद लेखन करते समय विषय का चुनाव सावधानी के साथ किया जाना चाहिए । पहले मन ही मन में किसी विषय की रूपरेखा बना लेनी चाहिए ।
* अनुच्छेद लेखन में एक ही अनुच्छेद होना चाहिए ।
* अनुच्छेद का प्रभावशाली होना अत्यंत आवश्यक है ।
* अनुच्छेद में अनावश्यक विस्तार या व्यर्थ की बातें नहीं लिखी जानी चाहिए ।
*अनुच्छेद विषय के आसपास ही केंद्रित होना चाहिए।
* एक ही बात या विचार को बार-बार नहीं लिखा जाना चाहिए ।
* अनुच्छेद में , दिए गए सभी बिंदु आने चाहिए।
* अनुच्छेद लिखते समय शब्द सीमा का ध्यान रखा जाना चाहिए ।
* वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए होने चाहिए।

कंप्यूटर के लाभ और हानियाँ

संकेत बिंदु : * कंप्यूटर का महत्व * हानियाँ *सुझाव

विज्ञान ने मानव को अनेक वरदान प्रदान किए हैं । उनमें से विज्ञान की एक प्रमुख देन है - कंप्यूटर । आज का युग कंप्यूटर का युग है । कंप्यूटर ने मानव जीवन को अत्यंत सरल बना दिया है । बड़े से बड़े कार्य को कंप्यूटर के द्वारा कुछ ही मिनट में पूरा कर लिया जाता है । कंप्यूटर प्रत्येक वर्ग के जीवन का एक अभिन्न और अनिवार्य अंग बन चुका है ।छोटी-बड़ी सभी कंपनियों, विभागों, बैंकों ,स्कूलों व अस्पतालों आदि का सारा कार्य कंप्यूटरों के द्वारा ही किया जाता है। विद्यार्थियों के लिए भी कंप्यूटर बहुत उपयोगी साधन है। गणित, विज्ञान ,सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी आदि विषयों का अध्ययन विद्यार्थियों द्वारा कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है । कोरोना काल में शिक्षण का सारा कार्य कंप्यूटर के द्वारा ही संपन्न हो पाया था। जहाँ कंप्यूटर के इतने सारे लाभ हैं, वहीं इससे जुड़ी कई हानियाँ भी हैं । कंप्यूटर का प्रयोग कई तरह के अपराधों के लिए भी किया जा रहा है जो कि चिंता का विषय है । कंप्यूटर के कारण ऑनलाइन अपराधों को बढ़ावा मिल रहा है । विद्यार्थियों द्वारा भी अनावश्यक कार्यों के लिए कंप्यूटर का उपयोग किया जाता है जिससे उनका उपयोगी समय व्यर्थ चला जाता है। कंप्यूटर का समझदारी के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए । तभी हम इससे अधिकाधिक लाभ उठा सकते हैं ।

ग्लोबल वार्मिंग(भूमंडलीय उष्मीकरण)

संकेत बिंदु : * अर्थ * कैसे होता है * बुरे प्रभाव * बचाव

आधुनिक समय में विश्व को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है । जैसे प्रदूषण ,भ्रष्टाचार ,हथियारों की होड़ ,बेरोजगारी आदि । इन्हीं में से एक प्रमुख समस्या है -ग्लोबल वार्मिंग या भूमंडलीय उष्मीकरण । संपूर्ण पृथ्वी के तापमान में वृद्धि होना ग्लोबल वार्मिंग कहलाता है । हमारी पृथ्वी का वायुमंडल अनेक गैसों से

मिलकर बना है ,जिसे ओजोन परत कहा जाता है। यह ओजोन परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी तथा अन्य हानिकारक किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है । मानव द्वारा किए जाने वाले प्रदूषण के कारण इस ओजोन परत में छिद्र हो गया है । इसके कारण सूर्य की हानिकारक किरणें सीधे पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश करती जाती हैं जिसके कारण पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है। इसी समस्या को भूमंडलीय उष्मीकरण या ग्लोबल वार्मिंग कहा जाता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण ध्रुवों पर जमी बर्फ धीरे-धीरे पिघलने लग गई है ,जिसके कारण समुद्र का जलस्तर बढ़ गया है जो कि चिंता का विषय बन गया है । इसके कारण पृथ्वी और समुद्रों में रहने वाले जीव-जंतुओं के अस्तित्व पर खतरा छाया हुआ है। साथ ही मनुष्य को भी कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है । यदि समय रहते ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का प्रयास नहीं किया गया तो हमारी यह सुंदर पृथ्वी जीवन जीने के योग्य नहीं रह जाएगी । मानव का अस्तित्व भी धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ता जाएगा । इसलिए ग्लोबल वार्मिंग की इस समस्या को रोका जाना अत्यंत आवश्यक है । इसे रोकने के लिए हमें प्रदूषण पर लगाम लगानी होगी। साथ ही कार्बन डाइऑक्साइड तथा अन्य हानिकारक गैसों के उत्सर्जन में कमी करनी होगी । वृक्षारोपण को बढ़ावा देना होगा जिससे कि प्राकृतिक संतुलन बना रह सके । तभी मानव जीवन सुरक्षित रह पाएगा ।

ई - कचरे की समस्या

संकेत बिंदु : * ई-कचरे का अर्थ * उत्पन्न समस्याएँ * बचाव के उपाय

आधुनिक कंप्यूटर का युग है । कंप्यूटर विभिन्न रूपों में मनुष्य को उसके कार्य में सहायता करता है। इसलिए आज मनुष्य का जीवन कंप्यूटर पर निर्भर हो गया है । विभिन्न यंत्रों जैसे कंप्यूटर, लैपटॉप , मोबाइल फोन आदि के द्वारा मनुष्य अपने विभिन्न कार्य को पूरा करता है । इनसे संबंधित उन्नत व नई तकनीकें और यंत्र बाजार में आते रहते हैं। इसके फलस्वरुप पुराने यंत्रों की मांग कम होती जाती है और वे बेकार पड़ जाते हैं । इसी का नतीजा है कि आज कंप्यूटर ,लैपटॉप ,मोबाइल फोन ,टी.वी ,रेडियो ,प्रिंटर ,आई पॉड्स आदि के रूप में ई- कचरा बढ़ता ही जा रहा है । प्रति वर्ष विश्व में लगभग 50 मिलियन टन का ई-कचरा उत्पन्न होता है । परंतु जिस दर से नित नए यंत्र बन रहे हैं , उस दर से ई-कचरे का निपटारा नहीं हो पा रहा है । ई-कचरे को खुले में जलाने से कई प्रकार की गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो गई हैं क्योंकि इन यंत्रों में आर्सेनिक, कोबाल्ट, लिथियम ,मरकरी आदि हानिकारक तत्व होते हैं जिसके कारण गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ गया है। अब समय आ गया है कि ई- कचरे के उचित निपटारे और पुनःचक्रण पर ध्यान दिया जाए नहीं तो पूरी दुनिया जल्दी ही कचरे का ढेर बन जाएगी ।

हमारा पर्यावरण और पेड़-पौधे

संकेत बिंदु : * पर्यावरण से अभिप्राय * पेड़-पौधों का महत्व * पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

पर्यावरण का सामान्य अर्थ है:-हमारे चारों ओर का वातावरण जो कि प्राकृतिक कारकों से निर्मित होता है। पेड़-पौधे,वनस्पतियां,वन इत्यादि पर्यावरण के प्रमुख कारक है।इनके द्वारा ही मानव जीवन का अस्तित्व है। यह मनुष्य को मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ जीवनदायिनी ऊर्जा प्रदान करते हैं।वैज्ञानिकों ने अनेक प्रकार से उनके महत्व को स्पष्ट किया है।प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा का बड़ा कारण पेड़-पौधे हैं।यह धरती को छाया तो देते हैं ही साथ ही वर्षा करने में भी सहायक होते हैं।प्राणवायु को शुद्ध करते हैं,उनके द्वारा प्राप्त फल-फूल अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक और गुणकारी होते हैं।पेड़-पौधों में पाए जाने वाले औषधीय गुण हमारे जीवन रक्षा में सहायक होते हैं। इस प्रकार पेड़-पौधे और पर्यावरण परस्पर पूरक है। पेड़-पौधों के विनाश से मनुष्य को बाढ़,सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ता है। पर्यावरण के संरक्षण के लिए वृक्षों,पेड़- पौधों की सुरक्षा अति आवश्यक है।प्रत्येक व्यक्ति की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह अपने आसपास वृक्षारोपण करें और उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित करें। वृक्षों के बिना हम और हमारा पर्यावरण दोनों खतरे में पड़

जाएंगे।हमें बहुत सारी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ेगा। अतः हमें ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए।

विद्यार्थी जीवन और अनुशासन

संकेत बिंदु: * अनुशासन का महत्व * अनुशासन का प्रभाव * अनुशासनहीनता से हानि

अनुशासन शब्द का अर्थ है "किसी भी बनाए गए नियमों या कानूनो की अनुपालना करना। अनुशासन जीवन को उपयुक्त बनाता है।अनुशासित व्यक्ति को सुशिक्षित और सभ्य कहा जाता है। विद्यार्थी जीवन में अनुशासन का विशेष महत्व होता है। बालक का मन चंचल और गतिमान होता है,अतः उसे अनुशासन द्वारा नियमित एवं संयमित करना अनिवार्य है।अनुशासन का पाठ पहले पहल परिवार से सीखा जाता है।विद्यार्थी जीवन में तो अनुशासन की चरित्र निर्माण में अहम भूमिका होती है। विद्यार्थी जीवन को सुंदर बनाने के लिए अनुशासन का विशेष महत्व है।अनुशासित विद्यार्थी आत्मविश्वासी, स्वावलंबी तथा संयमी बनते हैं और जीवन का लक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम हो जाते हैं। आज के समाज एवं शिक्षा प्रणाली में अनुशासनहीनता प्रवेश कर चुकी हैं।छात्रों में घमंड, धृष्टता, विलासिता, अनैतिकता, स्वच्छंदता और अश्रद्धा जैसे दुर्गुणों का कारण अनुशासनहीनता ही है। अनुशासन की कमी से छात्र और समाज दोनों का नैतिक पतन हो रहा है जो देश के भविष्य के लिए घातक है। अतः प्रत्येक अभिभावक एवं शिक्षक का कर्तव्य है कि वह अपने बालकों को अनुशासन का पाठ पढ़ाए और संयमित दिनचर्या में रहना सिखाएं तभी समाज का उत्थान और छात्र का कल्याण संभव होगा।

स्वास्थ्य और व्यायाम

संकेत बिंदु: * मानव जीवन में स्वस्थ शरीर का महत्त्व * स्वास्थ्य लाभ के साधन * व्यायाम से लाभ * उपसंहार

मानव तभी सुखी रह सकता है जब उसका शरीर स्वस्थ हो।स्वस्थ शरीर के लिए नियमित रूप से व्यायाम करना अत्यंत आवश्यक है। व्यायाम करने से शारीरिक सुखों के साथ-साथ मनुष्य को मानसिक संतुष्टि भी प्राप्त होती है।किसी ने ठीक ही कहा है पहला सुख निरोगी काया जिसका आशय है कि वही व्यक्ति सुखी है जिसका शरीर पूरी तरह से स्वस्थ तथा निरोगी है। मानव जीवन में शारीरिक स्वास्थ्य का बहुत महत्व है। अस्वस्थ तथा रोगी मनुष्य न तो अपना कुछ हित कर सकता है तथा न ही देश और समाज के लिए कुछ कर पाता है,क्योंकि स्वस्थ शरीर ही हमारे सभी प्रकार की साधनाओं का माध्यम है।अच्छे स्वास्थ्य की प्राप्ति के लिए खेलना- कूदना,दंड-बैठक करना,प्रातः काल का भ्रमण,तैराकी,योगाभ्यास आदि का सहारा लिया जाता है। व्यायाम भी स्वास्थ्य लाभ का एक प्रमुख साधन है। व्यक्ति अपनी रुचि,इच्छा तथा शक्ति के अनुसार किसी को भी चुन सकता है।प्रातः काल उठकर भ्रमण पर जाना बिना मूल्य का अनमोल व्यायाम है।व्यायाम से शरीर सुडौल बनता है, शरीर में रक्त का संचार होता है,मन मस्तिष्क भी स्वस्थ रहता है,तथा व्यक्ति चुस्त,फुर्तीला तथा निरोगी बना रहता है। नित्य व्यायाम करने से भूख समय पर लगती है तथा पाचन शक्ति ठीक रहती है।शरीर के अंग-प्रत्यंग बलिष्ठ हो जाते हैं,शरीर स्फूर्तिमय हो जाता है, आलस्य दूर भागता है तथा शरीर में रक्त संचार तीव्र गति से होता है।अतः हमारा कर्तव्य है कि हम अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे तथा जीवन के व्यस्त क्षणों में से कुछ समय निकाल कर व्यायाम अवश्य करें।इससे हमारा मन और तन संपूर्ण रूप से स्वस्थ रहेगा।निरोगी काया होने से हम सभी सुखों का उपयोग भी कर सकते हैं।

पत्र- लेखन

पत्र- लेखन की परिभाषा- मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह एक - दूसरे के साथ मन के विचारों को प्रकट करता है। पत्र मन के विचारों को व्यक्त करने का उत्तम साधन है। अपने सगे- संबंधियों, मित्रों, पदाधिकारियों, संपादक आदि से जोड़ने की कला पत्र लेखन कहलाती है।

पत्र का महत्त्व - दैनिक व्यवहार में पत्र-लेखन अति महत्त्वपूर्ण है।पत्र मन के भावों के आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम है। दो या दो से अधिक व्यक्तियों के बीच सूचना भेजने एवं प्राप्त करने में पत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पत्र सदैव लिखित रूप में ही होता है।

पत्र के अंग -

आरंभ- (1) संबोधन (2) अभिवादन (3) विषय निरूपण

मध्य- (4)विषय विस्तार (5) निवेदन

समापन-(6) धन्यवाद ज्ञापन (7) प्रेषक का नाम, पता व दिनांक

अच्छे पत्र-लेखन के आवश्यक गुण -

1 .पत्र की भाषा सरल एवं स्पष्ट होनी चाहिए।

2 .पत्र न तो अधिक छोटा हो और न ही उसमें अनावश्यक विस्तार हो।

3.पत्र का आरंभ सही अभिवादन और संबोधन से होना चाहिए।

4.पत्र पाने वाले के पद एवं संबंध का ध्यान रखते हुए शिष्ट भाषा

पत्र के प्रकार -

(1) औपचारिक पत्र - जो पत्र अधिकारियों, कार्यालय के प्रमुखों, संस्था के प्रधानों तथा किसी प्रतिष्ठान के संचालकों को आवश्यकता पड़ने पर लिखे जाते हैं, वे औपचारिक पत्र कहलाते हैं।

इन पत्रों में कार्यालयी, शिकायती, संपादकीय और व्यावसायिक पत्र शामिल होते हैं।

(2) अनौपचारिक पत्र - जो पत्र सगे संबंधियों, रिश्तेदारों, पारिवारिक लोगों एवं मित्रों को यथावसर लिखे जाते हैं, वे अनौपचारिक पत्र कहलाते हैं।

इन पत्रों में व्यक्तिगत (निजी), पारिवारिक और सामाजिक पत्र शामिल होते हैं।

औपचारिक पत्र के उदाहरण-

(1) प्राचार्य महोदय को पाठ्य-पुस्तकों की सहायता के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

श्रीमान प्राचार्य महोदय

पी .एम. श्री केंद्रीय विद्यालय
नई दिल्ली

विषय: पाठ्य -पुस्तकों की सहायता हेतु ।

श्रीमती जी / श्रीमान जी

सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में नौवीं (अ) कक्षा का विद्यार्थी हूँ। मेरे पिताजी सेवानिवृत हो चुके हैं, जिनकी पेंशन पांच हजार रुपए प्रतिमास है। परिवार में इसके अतिरिक्त आय का अन्य कोई साधन नहीं है। मेरे अतिरिक्त मेरा एक छोटा भाई छठी कक्षा में पढ़ता है। अक्तूबर का महीना बीत रहा है और अभी तक मेरे पास पाठ्य-पुस्तकें नहीं हैं। अब तक मैं अपने साथियों से पुस्तकें माँगकर काम चला रहा था, किंतु परीक्षा के दिनों में मेरे साथी चाहकर भी मुझे अपनी पुस्तके नहीं दे पाएंगे।

अतः आपसे प्रार्थना है कि मुझे विद्यालय के पुस्तकालय से सभी पाठ्य-पुस्तकें दिलवाकर अनुगृहीत करें। मैं आपका अति आभारी रहूंगा।

धन्यवाद!

आपका आज्ञाकारी शिष्य,
.....(नाम)
कक्षा-नौवीं (अ)
अनुक्रमांक -4
तिथि:24.06.20XX

2. शिक्षा प्रणाली में सुधार और पाठ्यक्रम में नैतिक शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
.....(शहर)

दिनांक- 25/06/20XX

संपादक महोदय
अमर उजाला
दिल्ली ।

विषय-शिक्षा प्रणाली में सुधार और नैतिक शिक्षा की आवश्यकता के संदर्भ में ।

महोदय,

मैं दिल्ली का निवासी हूं और आपके समाचार-पत्र के माध्यम से आधुनिक शिक्षा प्रणाली की कमियों और नैतिक शिक्षा की आवश्यकता की तरफ सरकार और संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ।हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली को उपयुक्त नहीं कहा जा सकता है। यह प्रणाली छात्रों को विद्यालय लाने में तो सफल रही है पर शिक्षा की गुणवत्ता में भरपूर गिरावट भी लाई है। शिक्षा रटन्त प्रणाली पर टिकी हुई है परिणामस्वरूप बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास नहीं हो रहा है। शिक्षा प्रणाली मैं सुधार कीबहुतआवश्यकता है जिससे छात्र एक योग्य नागरिक बन सकें। अतः आपसे प्रार्थना है कि आप मेरे इस पत्र को अपने समाचार-पत्र में शामिल करें ताकि सरकार, अभिभावक और छात्राओं का ध्यान इस ओर जाए और वे सुधार के लिए उचित कदम उठा सकें ।
धन्यवाद!
भवदीय
क ख ग (जागरुक नागरिक)

3.आप हज़ारीबाग़ के रहने वाले रमेश है। हजारीबाग की सड़कों की दुर्दशा पर खेद (दुःख) और चिंता प्रकट करते हुए नगर पालिका को पत्र लिखिए।

मकान नंबर -3
हजारीबाग दिल्ली ।

दिनांक-25/06/20XX

नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका, दिल्ली ।

विषय- सड़कों की दुर्दशा के संदर्भ में।

महोदय,

मैं हजारीबाग का निवासी हूँ और सड़कों की दुर्दशा पर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। हजारीबाग की सड़कों पर बीच-बीच में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, इससे आए दिन दुर्घटनाएँ घटती रहती है। गड्ढों में जल-जमाव हो जाता है, जिस कारण कई बीमारियों पनप रहीं हैं। अब यह हम सभी के लिए चिंता का विषय हो गया है। आशा करता हूँ कि आप इस पर उचित कार्यवाही करेंगे और । आपकी अति कृपा होगी।

धन्यवाद!

भवदीय

.....(नाम)

अनौपचारिक पत्र के उदाहरण

1. मित्र को पत्र लिखकर बताइए कि 'स्वच्छ भारत सुंदर भारत' हेतु आप अपने क्षेत्र में क्या कार्य कर रहे हैं?

परीक्षा भवन
क ख ग (शहर)
26/06/20XX

प्रिय मित्र

सप्रेम नमस्कार।

आशा करता हूँ कि तुम सकुशल होंगे। मैं तुम्हें इस पत्र में यह बताना चाहता हूँ कि हमारे क्षेत्र में मैं और मेरे मित्र 'स्वच्छ भारत सुंदर भारत' अभियान चला रहे हैं। हमने यह प्रण किया है कि एक वर्ष के भीतर ही अपने क्षेत्र को स्वच्छ और साफ बना देंगे। इस हेतु हम सभी बाग-बगीचों को साफ़ करवाकर उनमें फूलों, फलों एवं छायादार वृक्षों का रोपण करवा रहे हैं। सड़कों की बुरी दशा को सुधारने के लिए नगर निगम के कर्मचारियों को प्रेरित कर रहे हैं। घरों का कूड़ा सड़कों या गलियों में न फैलाया जाए, इस हेतु कार्यरत हैं। साफ़ पेयजल सबको मिले इसके लिए जल बोर्ड के कर्मचारियों से अनुरोध किया है। लोगों को सफ़ाई का महत्त्व बताते हुए कई कार्यशालाओं का आयोजन करते हैं। आशा करता हूँ कि तुम्हें मेरा यह कार्य अच्छा लगेगा और तुम भी प्रेरित होकर अपने क्षेत्र में भी ऐसे कार्य करने का प्रयास करोगे। मैं जल्दी ही तुमसे मिलने आऊँगा।

तुम्हारा मित्र

.....(नाम)

2. चुनाव के दृश्य का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
क ख ग शहर
दिनांक -26/06/20XX

प्रिय मित्र

सप्रेम नमस्कार।

आशा है कि तुम्हारी परीक्षा समाप्त हो गई होगी और तुम अपने माता-पिता के काम में हाथ बंटा रहे होंगे। पिछले सप्ताह हमारे गाँव की पंचायत का चुनाव हुआ था। चुनाव की घोषणा होते ही सारे गाँव में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई। चुनाव से लगभग पंद्रह दिन पूर्व चुनाव प्रचार आरंभ हो गया था। चुनाव में भाग लेने वाले उम्मीदवारों ने अपने-अपने चुनाव निशान के रंग-बिरंगे पत्रक छपवाकर गली-गली में बाँट दिए थे। प्रतिदिन सुबह-शाम लोगों के घरों में जाकर उम्मीदवार और उनके समर्थक अपने पक्ष में मत देने का आग्रह करते थे। पक्ष और विपक्ष के उम्मीदवार अपनी भावी योजनाओं के बारे में बताते थे और लोगों को अधिक-से-अधिक सुविधाएँ प्रदान करने के वायदे करते थे। चुनाव के दिन गाँव में चहल-पहल थी। पंचायत भवन और गाँव के विद्यालय में दो चुनाव केंद्र बनाए गए थे। मतदान सुबह नौ बजे से सांय पांच बजे तक चलता रहा। सरपंच के पद के लिए कांटे का मुकाबला था। शांति बनाए रखने के लिए पुलिस को सतर्क कर दिया गया था। सांय छह बजे परिणाम घोषित हुआ। चौधरी राम सिंह दो सौ मतों से चुनाव जीत गए। विजयी पक्ष ने ढोल बजाकर खुशियां मनाई।अपने माता-पिता को मेरा सादर प्रणाम कहना।परीक्षा का परिणाम आने पर लिखना न भूलना।
तुम्हारा मित्र
.....(नाम)

3. परिश्रम का महत्व बताते हुएअपने मित्र को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
अ ब स शहर
26/06/20XX
प्रिय मित्र
सप्रेम नमस्ते!
आशा है कि तुम स्वस्थ और खुशहाल होंगे। इस पत्र के माध्यम से मैं तुम्हें परिश्रम के महत्व के बारे में कुछ विचार साझा करना चाहता हूँ।
परिश्रम को मैं एक महत्वपूर्ण गुण समझता हूँ जो सफलता की सीढ़ियों को छूने में मदद करता है। जीवन में हर क्षेत्र में परिश्रम का महत्व है। चाहे वह शिक्षा, पेशेवर जीवन, या व्यक्तिगत उन्नति का क्षेत्र हो, परिश्रम से ही सफलता मिलती है।परिश्रम न केवल किसी नौकरी में सफलता प्राप्त करने के लिए बल्कि साथ ही एक सामाजिक और आत्मिक स्तर पर भी हमें आगे बढ़ने में मदद करता है। यह हमें अधिक समर्पित, उत्साही, और सहयोगी बनाता है।
मैं तुम्हे यह सलाह दूंगा कि अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कभी हार नहीं मानना चाहिए बल्कि हमेशा मेहनत और परिश्रम से काम करते रहना चाहिए। आशा है कि तुम भी परिश्रम केमहत्व को समझते होंगे और इसे अपने जीवन में उतारते होंगे। सदा खुश रहो और सफलता प्राप्त करने के लिए परिश्रम करते रहो।
तुम्हारा मित्र
.....(नाम)

सृजनात्मक लेखन

लघु कथा लेखन

लघु कथा साहित्य की संक्षिप्त व विशिष्ट गद्य शैली है। समकालीन लघु कथा शैली का विकास 19वीं शताब्दी में हुआ।

परिभाषा: किसी नैतिक उद्देश्य को ध्यान में रखकर पात्रों के माध्यम से किसी घटना के संक्षिप्त एवं रोचक वर्णन को लघु कथा कहते हैं।

विशेषताएँ:

1. घटना का प्रस्तुतीकरण सीमित शब्दों में होता है।
2. नैतिक संदेश निहित रहता है।
3. पाठक को चिंतन करने के लिए उद्वेलित करती हैं।
4. कहानी का कथानक, पात्र व वातावरण प्रभावशाली होता है।
5. काल्पनिक वर्णन में भी यथार्थ दिखाई पड़ता है।

लघु कथा लेखन के लिए सुझाव:

1. शब्दों की सीमा निर्धारित करें व उस पर कायम रहें।
2. माइंड मैप बनाएं। कथा के विषय को चुनते समय उसके पात्रों, उनके विचार, स्थान व अन्य चीजों को शामिल करें, जिससे लघु कथा रोचक बने।
3. लघु कथाएं पढें, लघु कथाएं पढ़ने से विचारों पर प्रेरणा का बड़ा स्रोत उपलब्ध होता है।

लघु कथा लेखन के लाभ

1. वर्तनी, विराम चिन्ह, व्याकरण व अन्य कई कौशलों का अभ्यास होगा।
2. योजना बनाने के कौशल का विकास होगा।
3. विचारों को संक्षिप्त करना व केवलमहत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल करना सीखेंगे।
4. स्व-संपादन कौशल का विकास होगा।

सावधानियां:

1. शीर्षक उपयुक्त एवं रोचक होना चाहिए।
2. पात्र कम होने चाहिएं।
3. एक मुख्य घटना का ही उल्लेख होना चाहिए। सहपात्र व सहकथा नहीं होनी चाहिए।
4. दी गई रूपरेखा अथवा संकेतों के आधार पर ही कथा का वर्णन होना चाहिए।
5. भाषा सरल व सहज होनी चाहिए।
6. लघु कथा से कोई ना कोई संदेश या उपदेश मिलना चाहिए।

लघुकथा: 1 बुराई का जड़ से खात्मा

एक बार चाणक्य अपने शिष्यों के साथ सम्राट चन्द्रगुप्त से राजकाज सम्बन्धी कार्यों के लिए मिलने जा रहे थे। रास्ते में एक मैदान था जिसमें एक विशेष प्रजाति कुश नामक घास उगी हुई थी।चाणक्य जब उस मैदान से गुजर रहे थे, तब कुश का तीखा और नुकीला सिरा उनके पांव में चुभ गया, उनके मुंह से आह निकल गयी। चाणक्य ने नीचे झुककर उस घास को देखा और फिर अपने शिष्यों से कुदाल मंगवाई और फिर स्वयं अकेले ही अपने हाथों से मैदान की सारी घास को उखाड़ना शुरू कर दिया। जब सारी घास उखड़ गयी तो चाणक्य ने कुश घास की जड़ों को भी निकालकर जला दिया। तत्पश्चात उन्होंने अपने शिष्यों से मठ्ठा मंगवाया और सारी जमीन को उससे सींच दिया ताकि कुश फिर कभी न पनप सके और किसी राहगीर को कष्ट न पहुंचा सके।

शिक्षा: बुराई को हमेशा जड़ से खत्म करना चाहिए।

लघुकथा: 2 सांसारिक बंधन

एक बार की बात है| एक व्यक्ति मथुरा से गोकुल जाने को निकला| इसके लिए उसे यमुना नदी को नाव में बैठकर पार करना था |वह व्यक्ति भांग के नशे में था| वह नौका में बैठा और चप्पू चलाने लगा| उसे लगा थोड़ी देर में वह गोकुल पहुँच जाएगा| उस व्यक्ति ने सारी रात नाव चलायी| सुबह उजाला होने पर देखा तो उसे मथुरा जैसा ही शहर दिखाई पड़ा | उसने किसी से पूछा, 'यह कौनसा शहर है ?' जवाब मिला , 'मथुरा'|
अब उस व्यक्ति का नशा उतरने लगा और उसे अपनी गलती का अहसास हुआ| उसने सारी रात नौका तो चलायी लेकिन नौका जो कि घाट के साथ एक रस्सी से बंधी हुई थी उसे तो खोला ही नहीं| इसी तरह सांसारिक बंधन है, जिन्हें खोलकर ही संसार सागर से पार पाया जा सकता है।

शिक्षा: हमें सांसारिक मोह-माया और बुरी आदतों से सावधान रहना चाहिए, जो हमें सच्चे लक्ष्य से दूर ले जा सकती हैं।

लघुकथा: 3 निंदक और चापलूस

एक सभा में राजा ने सभी विद्वानों से प्रश्न किया, ' दुनिया में सबसे तेज कौन काटता है ?' किसी का जवाब था, 'मच्छर' , किसी ने कहा, ' मधुमक्खी' , किसी ने 'बिच्छू' तो किसी ने 'सांप' का नाम लिया. लेकिन राजा किसी भी जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ। उसने अपने मंत्री की ओर संकेत किया तो मंत्री ने कहा, ' महाराज, दुनिया में दो तरह के व्यक्ति सबसे तेज काटते हैं. एक निंदक और दूसरा चापलूस। निंदक पीछे से काटता है, जिसके काटने से मनुष्य की आत्मा तिलमिला जाती है और चापलूस आगे से काटता है, जिसके काटने से मनुष्य अपने होशो हवास खो बैठता है।

शिक्षा: हमें निंदा और चापलूसी से बचना चाहिए, क्योंकि ये दोनों ही हानिकारक हैं।

लघुकथा:4 चालाक बंदर

किसी नदी के किनारे एक बहुत बड़ा पेड़ था। उस पेड़ पर एक बन्दर रहता था। उस पेड़ पर बहुत ही मीठे फल लगते थे। बन्दर उन्हें भरपेट खाता था और मौज उड़ाता था। उस बन्दर के अकेले में बहुत ही अच्छे दिन बीत रहे थे।एक दिन एक मगरमच्छ नदी में से उस पेड़ के किनारे आ गया। बन्दर के पूछने पर उसने बताया कि वो वहाँ खाने की तलाश में आया है। बन्दर ने उस मगरमच्छ को पेड़ से बहुत सारे मीठे फल तोड़कर खाने के लिए दिए ! इस तरह उन दोनों की दोस्ती हो गई। अब तो मगरमच्छ रोज- रोज वहाँ आता और बन्दर के साथ मिलकर खूब फल खाता। बन्दर भी एक दोस्त पाकर बहुत खुश था। एक दिन बातों-बातों में मगरमच्छ ने बन्दर को अपनी पत्नी के बारे में बताया जो नदी के दूसरी तरफ रहती थी। यह सुनकर बन्दर ने बहुत सारे मीठे फल मगरमच्छ को उसकी पत्नी के खाने के लिए दिए। अब तो मगरमच्छ रोज मन भरकर फल खाता और अपनी पत्नी के लिए साथ लेकर जाता। मगरमच्छ की पत्नी को फल खाना तो बहुत अच्छा लगता था लेकिन उसका रोज-रोज घर देरी से आना पसंद नहीं था। एक दिन मगरमच्छ की पत्नी ने मगरमच्छ से कहा कि अगर वह बन्दर रोज-रोज इतने मीठे फल खाता है तो उसका कलेजा कितना मीठा होगा। मुझे उसका कलेजा खाना है। मगरमच्छ ने उसे बहुत समझाया लेकिन उसकी पत्नी नहीं मानी। अगले दिन मगरमच्छ दावत के बहाने बन्दर को अपनी पीठ पर बैठकर अपने घर ले जाने लगा। नदी के बीच में उसने बन्दर को अपनी पत्नी की कलेजे वाली बात बता दी। यह सुनकर बन्दर ने बताया कि वो तो अपना कलेजा पेड़ पर ही छोड़ आया है। वह उसे पेड़ पर संभाल कर रखता है, इसलिए उन्हें वापिस जाकर कलेजा लाना होगा।मगरमच्छ बन्दर को पेड़ पर वापिस ले गया। जैसे ही वो पेड़ के पास पहुंचे, बन्दर छलांग मारकर पेड़ पर चढ़ गया और हँसकर बोला "घर वापिस चले जाओ मुर्खराजा और अपनी पत्नी से कहना कि तुम इस दुनिया के सबसे बड़े मुर्ख हो। भला कोई अपना कलेजा अपने शरीर से निकालकर अलग रख सकता है क्या। और इस तरह बन्दर ने अपनी चालाकी से अपनी जान बचा ली।

शिक्षा: अपने स्वार्थ के लिए दूसरों को धोखा नहीं देना चाहिए

ई-मेल लेखन

ई-मेल लेखन किसे कहते हैं?

ई-मेल या इलॅक्ट्रॉनिक मेल एक प्रकार का पत्र ही है जिसे डाक द्वारा न भेजकर इंटरनेट के माध्यम से किसी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण द्वारा भेजा जाता है। यह इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आपका स्मार्ट फ़ोन, लैपटॉप या कम्प्यूटर हो सकता है।

जिस प्रकार पत्र को डाक द्वारा सही पते पर पहुँचाने के लिए उसमें पूरा पता लिखा होना ज़रूरी होता है, ठीक उसी तरह ईमेल के लिए भी एक एड्रेस (इलेक्ट्रोनिक पते) की ज़रूरत होती है। इस ईमेल एड्रेस से ही आपका ईमेल सही व्यक्ति तक पहुँच पाता है।

ई-मेल कैसे लिखा जाता है?

ई-मेल लिखने और भेजने के लिए आपको एक ईमेल सर्विस प्रोवाइडर की आवश्यकता होती है जैसे जीमेल, याहू, रेडिफ-मेल या किसी कंपनी की ई-मेल सर्विस। अब ईमेल लिखने के लिए हम ई-मेल क्लाइंट पर लॉगिन करते है और फिर नयी ई-मेल कंपोज़ करते हैं

यहाँ पर आपको निम्नलिखित घटक दिखाई देंगे:

FROM (प्रेषक)

फ्रॉम में आपको अपनी (संदेश भेजनेवाले की) ईमेल ID लिखनी होती है।

TO (प्राप्तकर्ता)

टू में आप उस व्यक्ति या संस्था का ईमेल एड्रेस लिखते हैं जिसके पास आप ई-मेल भेजना चाहते है।

CC

सीसी का मतलब है कॉपी टू या कार्बन कॉपी। इस भाग में आप जिस भी व्यक्ति की ईमेल आईडी लिखेंगे, उसे आपके ई-मेल की एक कॉपी मिल जाएगी। आप यहाँ पर एक से अधिक ई-मेल आईडी भी लिख सकते हैं।

BCC

BCC यानी ब्लाइंड कार्बन कॉपी । बीसीसी करने से ईमेल जिस- जिस व्यक्ति को किया गया है,वह किसी को भी ज्ञात नहीं होता अर्थात गुप्त रहता है।

SUBJECT(विषय)

सब्जेक्ट में आप उस विषय को लिखते है, जिस बारे में आप इस ई-मेल को लिख रहे हैं। विषय स्पष्ट और सटीक होना चाहिए।

TEXT(सूचना या संदेश)

टेक्स्ट एरिया ईमेल का वह भाग है, जहाँ पर आप ईमेल का टेक्स्ट(संदेश) लिखते हैं। यह भाग भी लगभग आपके पत्र- लेखन के मुख्य भाग जैसा ही है पर इसमें हम कम औपचारिकताएँ पूरी करते हुए सीधे ईमेल लिखते हैं।

ई-मेल लेखन के उदाहरण

1) आपके शहर में त्योहारों के समय मिठाइयों में मिलावट का धंधा लगातार बढ़ता ही जा रहा है। अपने राज्य के खाद्य-मंत्री को abcd@gov.in पर एक ईमेल लिखकर इस समस्या के प्रति उनका ध्यान आकृष्ट कीजिए।

From: seema@gmail.com

To: abcd@gov.in

CC …

BCC …

विषय - मिठाइयों में मिलावट की समस्या के सन्दर्भ में।

महोदय

आप भली-भांति जानते है कि त्योहारों का मौसम आ पहुँचा है, जिसमें मिठाइयों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इस समय बाजार में ऐसे खाद्य पदार्थों की माँग बहुत बढ़ जाती है और उनकी पूर्ति करने के लिए मिलावट करने वालों का धंधा भी ज़ोर पकड़ने लगता है, जिससे ग्राहक बहुत परेशान होते हैं। आप सम्बन्धित विभागीय कर्मचारियों को सचेत करते हुए उचित कार्रवाई और दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि जनजीवन विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित हो सके।

सीमा

.....(शहर)

2) आप रोहन है, अपने राज्य के परिवहन सचिव transport@raanchi.gov.in को एक ईमेल लिखिए, जिसमें आपकी बस्ती तक नया बस मार्ग आरंभ कराने का अनुरोध हो।

From: Rohan@yahoo.com

To: transport@raanchi.gov.in

CC …

BCC …

विषय - अपनी कॉलोनी तक नए बस मार्ग हेतु।

महोदय

मैं रांची के विकासनगरी, सी - ब्लॉक का निवासी हूँ। हमारे क्षेत्र में बड़ी जनसंख्या निवास करती है, जिसमें अधिकांश लोग दिल्ली के विभिन्न भागों में कार्यरत हैं। हमारी कॉलोनी से कोई बस नहीं चलती।अतः आपसे अनुरोध है कि विकासनगरी सी-ब्लॉक तक एक नया बस मार्ग (बस रूट) आरंभ करने की कृपा करें। मुझे विश्वास है कि आप इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारी को इसके लिए उचित निर्देश देंगे।

रोहन

..... (शहर)

3) अपने विद्यालय में छात्रों के लिए अधिक खेल-सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध करते हुए प्रधानाचार्य महोदय को davschool@gmail.com पर एक ईमेल लिखिए।

From: renu@outlook.com

To: davschool@gmail.com

CC …

BCC …

विषय - अधिक खेल सामग्री उपलब्ध कराने का अनुरोध।

महोदय,

जैसा कि आपको विदित है कि आगामी मास में जिले स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन होने वाला है, जिसमें हमारा विद्यालय भी भाग ले रहा है। हालांकि उपलब्ध साधनों से हमने अभ्यास किया है किन्तु वह पर्याप्त नहीं है। आपसे यह अनुरोध हैं कि कृपया खिलाड़ियों की खेल सुविधाओं एवं सामग्री में कोई कमी न की जाए तथा खेल गतिविधियों हेतु अधिक फंड निधि की व्यवस्था की जाए ताकि आने वाली प्रतियोगिता में हम बेहतर प्रदर्शन कर सकें और विद्यालय का नाम रौशन कर सकें।आशा हैकि आप हम खिलाड़ियों के इस अनुरोध को स्वीकार करने की कृपा करेंगे।

रेणु

.....कक्षा

4आपको चरित्र प्रमाण-पत्र की आवश्यकता है। चरित्र प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को ईमेल लिखिए।

From: renu@gmail.com

To: abcschool@gmail.com

CC …

BCC …

विषय - चरित्र प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के संबंध में

महोदय,

विनम्र निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की आठवीं'अ' की छात्रा हूँ। मैंने फरवरी 2023 में एक छात्रवृत्ति परीक्षा दी थी, जिसमें मुझे सफल घोषित किया गया है। इसमें अन्य आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ चरित्र प्रमाण-पत्र भी माँगा गया है। मैंने गत वर्ष अपनी कक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। मैं गरीब परिवार से हूँ। पिता जी किसी तरह से मेरी पढ़ाई का खर्च वहन कर रहे हैं। यह छात्रवृत्ति मिलने से मेरी पढ़ाई का खर्च सुगमता से पूरा हो जाएगा।आपसे प्रार्थना है कि मेरे भविष्य को ध्यान में रखते हुए मुझे चरित्रप्रमाण --पत्र प्रदान करने की कृपा करें। मैं आपकी आभारी रहूँगी।

रेणु यादव

.....कक्षा

5) आप शालीमार गार्डन सोसाइटी, गंगानगर में रहते हैं। आपके इलाक़े में एक सीवर टूट गया है जिसके कारण नाले का गंदा पानी सड़क पर आ गया है। सीवर की मरम्मत करवाने हेतु निगम अधिकारी को xyz@gmail.com पर ईमेल लिखिये।

From: yuvraaj@gmail.com

To: xyz@gmail.com

CC …

BCC …

विषय - सीवर मरम्मत के लिए अनुरोध

श्रीमान,

शालीमार गार्डन सोसाइटी के सामने के नाले का सीवर टूट गया है, जिसके कारण नाले का गंदा पानी सड़क पर आ गया है। ज्यादा गंदगी फैल रही है। आस- पास के इलाक़े में काफ़ी बदबू फैल रही है और यातायात भी बाधित हो रहा है। इसलिए मैं अपनी सोसाइटी की ओर से आपसे अनुरोध करता हूँ कि कृपया इस नाले की मरम्मत करवाएँ।मुझे आशा है कि आप इस मरम्मत को जल्द से जल्द पूरा कर लेंगे।

युवराज

.....सोसाइटी

..... (शहर)

सृजनात्मक लेखन

सूचना-लेखन

सूचना का अर्थ है लोगों को किसी विषय में या उससे सम्बंधित जानकारी प्रदान करना अथवा सूचित करना। दूसरे शब्दों में किसी व्यक्ति अथवा संस्थान की ओर से सम्बंधित व्यक्तियों तथा जनसाधारण की सूचनार्थ जारी आदेश ही सूचना है तथा इसका लेखन ही सूचना लेखन है । सूचना कई प्रकार की होती है जैसे सामान्य सूचना,औपचारिक सूचना,सार्वजानिक सूचना,व्यक्तिगत सूचना इत्यादि ।

एक अच्छी सूचना के लिए निम्नलिखित बिन्दुओं का समावेश किया जाना आवश्यक है ।

1. सूचना -लेखन के प्रारंभ में सूचना जारी करनेवाली संस्था/ संगठन आदि के नाम का उल्लेख करें।
2. तत्पश्चात अगली पंक्ति में सूचना शब्द अंकित करें ।
3. इसके बाद दिनांक का उल्लेख करें
4. इसके बाद सूचना का विषय अर्थात शीर्षक लिखें, जो कम से कम शब्दों में हो ।
5. सूचना लेखन में विषय से सम्बंधित मुख्य जानकारी का समावेश होना चाहिए ।
6. सूचना में समय, स्थान,दूरभाष आदि का उल्लेख आवश्यकता के अनुसार अवश्य करें ।
7. सूचना लेखन में विषय से सम्बंधित मुख्य जानकारी का समावेश होना चाहिए ।
8. सूचना लेखन के अंत में बाईं ओर सूचना देने वाले व्यक्ति/अधिकारी का नाम तथा उसके पद का उल्लेख अवश्य करें ।
9. सूचना लेखन की भाषा-शैली रोचक तथा सारगर्भित होनी चाहिए ।

सूचना लेखन के कुछ उदाहरण:

1. आप विवेक पब्लिक स्कूल के हिंदी छात्र परिषद के सचिव हैं । आगामी सांस्कृतिक संध्या के बारे में विद्यालय के सूचनापट के लिए सूचना तैयार कीजिए ।

विवेक पब्लिक स्कूल

सूचना

दिनांक: 12 फरवरी,20XX

<u>सांस्कृतिक संध्या का आयोजन</u>

सभी को सूचित किया जाता है कि हमारे विद्यालय में आगामी रविवार को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा । आप सभी अपने अभिभावकों के साथ सादर आमंत्रित हैं । कार्यक्रम का विवरण निम्नवत है-

स्थान : विद्यालय ऑडिटोरियम

समय : सांय 4 बजे से 7 बजे तक

सचिव : हिंदी छात्र परिषद

2. आप नवज्योति पब्लिक स्कूल के छात्र नीरज हैं। आपकी घड़ी खेलते समय गिर गई, इसकी सूचना देते हुए एक आलेख तैयार कीजिए।

..... पब्लिक स्कूल

सूचना

दिनांक: 12 फरवरी,20XX

<u>घड़ी खो गई है</u>

विद्यालय के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि कल 12 जनवरी को खेल के कालांश में खेलते हुए खेल परिसर में मेरी घड़ी गिर गई है। जिस छात्र या छात्रा को यह घड़ी मिली हो, उसे अधोहस्ताक्षरी को वापिस करने का कष्ट करें। इसके लिए मैं आभारी रहूँगा ।

नीरज

कक्षा दसवीं ब

3. आपका विद्यालय बारहवीं कक्षा के छात्रों को राजस्थान शैक्षणिक भ्रमण पर ले जाना चाहता है । इसके लिए आवश्यक जानकारियाँ देते हुए एक सूचना आलेख तैयार कीजिए ।

केंद्रीय विद्यालय आलमबाग

सूचना

दिनांक: 12 फरवरी,20XX

<u>राजस्थान भ्रमण कार्यक्रम</u>

बारहवीं कक्षा के छात्रों को सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारे विद्यालय द्वारा 23 मार्च 20XX को राजस्थान भ्रमण हेतु वातानुकूलित बस द्वारा एक टूर का आयोजन किया जा रहा है, जो इस प्रकार है -

टूर की अवधि - 15 मार्च से 20 मार्च 20XX तक

जमा हेतु राशि - रु० 3000 प्रति छात्र

इच्छुक छात्र 13 मार्च तक रूपये जमा कराकर अपना नाम कक्षा अध्यापक को दें ।

अनमोल छात्र सचिव

4. आप आशीर्वाद कॉलोनी की कल्याण परिषद के अध्यक्ष हैं । अपने क्षेत्र के पार्कों की साफ़-सफ़ाई के प्रति जागरूकता लाने हेतु कॉलोनीवासियों के लिए एक सूचना तैयार कीजिए ।

आशीर्वाद कॉलोनी

सूचना

दिनांक: 12 फरवरी,20xx

<u>पार्कों की साफ सफाई के प्रति जागरूकता सम्बन्धी सूचना</u>

आप सभी को सूचित किया जाता है कि आगामी सप्ताह में हमारे स्वछता दल अपने क्षेत्र की पार्कों की साफ सफाई हेतु अभियान आयोजित कर रहें हैं।पार्कों में कूड़ा तथा गंदगी न फैलाना हर नागरिक का कर्तव्य है । पार्कों में लगे कूड़ेदानों का प्रयोग करें तथा कोई भी गंदगी फैलाता दिखे तो उसे अवश्य जागरूक करें । आप भी स्वच्छता अभियान का हिस्सा बन सकते हैं । अतिरिक्त जानकारी हेतु सम्पर्क करें ।

अध्यक्ष

कल्याण परिषद

5. आप केंद्रीय विद्यालय दिल्ली छावनी के छात्र परिषद के सचिव महेश हैं। आपके विद्यालय में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है । विद्यार्थियों को पुस्तक प्रदर्शनी में आमंत्रित करते हुए एक सूचना तैयार कीजिए

केंद्रीय विद्यालय दिल्ली छावनी

सूचना

दिनांक 5 जून 20XX

<u>पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन</u>

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय प्रांगण में छात्रों को सस्ती दर पर पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिए एक पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।पुस्तकों पर 50% की विशेष छूट भी मिलेगी । अधिक से अधिक विद्यार्थी इस अवसर से लाभ उठाएँ ।

समय - 10 बजे से 3 बजे तक

स्थान -विद्यालय प्रांगण

दिनांक 10.06.20XX से 15.06.20XX

महेश

सचिव छात्र परिषद

संवाद लेखन

अर्थ एवं महत्व

संवाद दो या दो से अधिक लोगों के बीच हुए वार्तालाप विनिमय है |साहित्य की अन्य विधाओं की भाँति संवाद लेखन एक महत्वपूर्ण विधा है। साहित्य की लगभग सभी विधाओं में संवाद की उपयोगिता होती है। वह कहानी हो या उपन्यास, इनकी विषय-वस्तु का आधार प्रायः संवाद ही होते हैं। संवाद दो या दो से अधिक व्यक्तियों के मध्य की गई बातचीत या वार्तालाप है। संवाद लेखन एक कला है, जिसमें निरंतर अभ्यास के बल पर महारत हासिल की जा सकती है। नाटक और एकांकी संवादों से ही बनते हैं।

संवाद- लेखन के समय ध्यान देने योग्य तथ्यः

- संवादों की भाषा अत्यंत सरल, सुबोध, सुग्राह्य और स्वाभाविक होनी चाहिए।
- विषय से संबंधित सरस और रोचक संवाद आकर्षक होते हैं।
- संवादों में आत्मीयता लाने के लिए उचित संबोधनों का प्रयोग किया जाना चाहिए।
- पात्रों के विचार, हाव-भाव तथा विभिन्न मुद्राओं आदि को कोष्ठक में लिखना चाहिए।
- संवादों का अनावश्यक विस्तार तथा औपचारिकता अपेक्षित नहीं है।
- संवाद लेखन में उचित विराम चिह्नों का प्रयोग अनिवार्य है।
- कथावस्तु की आधार-भूमि तथा पात्रों की पृष्ठभूमि, उनकी शिक्षा और स्वभाव को मद्देनजर रखते हुए संवाद लेखन किया जाना चाहिए।

संवाद- लेखन के कुछ उदाहरण

उदाहरण 1: दो दोस्तों के बीच जीवन लक्ष्य को लेकर संवाद- लेखन।

अनिल : तुम दसवीं कक्षा के बाद कौन-सा विषय लेने की सोच रहे हो ?

आदित्य : मैं तो विज्ञान विषय लेने की सोच रहा हूँ।

अनिल : क्यों ?

आदित्य : क्योंकि मैं बड़ा होकर एक डॉक्टर बनना चाहता हूँ। तुम्हारे जीवन का क्या लक्ष्य है?

अनिल : मैं एक अध्यापक बनना चाहता हूँ।

आदित्य : एक डॉक्टर सबकी सेवा करता है, लोगों के दुख-दर्द दूर करता है। मैं भी बड़े होकर बीमार लोगों की सहायता करना चाहता हूँ।

अनिल : मैं विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करके उनके जीवन को उज्ज्वल बनाना चाहता हूँ। मेरे विचार में यह सबसे अच्छी मानव सेवा है।

आदित्य : मेरा मानना है कि कोई भी काम अच्छा या बुरा नहीं होता। बस करने वाले की रुचि और ईमानदारी चाहिए।

अनिल : तुम बिल्कुल ठीक कह रहे हो।

उदाहरण 2 : अंजली और मेघा के बीच वार्षिक परीक्षा को लेकर संवाद।

अंजली : मेघा ! कैसी हो ? पेपर कैसे हुए ?

मेघा : यह तो रिजल्ट ही बताएगा।

अंजली : मैं तुमसे रिजल्ट नहीं, मैं तो पूछ रही हूँ, कैसे हुए पेपर ?

मेघा : मैथ तो अच्छा हुआ पर साइंस में फिजिक्स का एक प्रश्न छूट गया। तुम्हारे कैसे हुए?

अंजली : मेरे पेपर अच्छे हुए हैं। गणित और विज्ञान में तो मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ। परंतु इसके रिजल्ट का मुझे भरोसा नहीं रहता।

मेघा : रिजल्ट अच्छा ही रहेगा | पार्टी तैयार रखना |

उदाहरण 3 : मोनिका और सोनिया के बीच चंद्रयान-3 की सफलता पर संवाद।

मोनिका : यार ! ये तो कमाल हो गया।

सोनिया : क्या हुआ बहुत चहक रही है।

मोनिका : अरे! तुम्हें नहीं मालूम, भारतीय चंद्रयान-3 के बारे में।

सोनिया : अरे, हाँ... दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचकर भारत ने इतिहास रच दिया।

मोनिका : तुम जानती हो यह कैसे संभव हुआ?

सोनिया : हाँ, हमारे, इसरो के वैज्ञानिकों के अथक प्रयास से।

मोनिका : सच! हमारे वैज्ञानिक बहुत महान हैं।

सोनिया : हाँ, वैज्ञानिकों के साथ-साथ सरकार का भी पूर्ण सहयोग रहा है।

मोनिका : हाँ, सबने मिलकर हमें यह गौरव का पल दिया।दिल से उन्हें धन्यवाद।

उदाहरण 4 : दो विद्यार्थियों के बीच ऑनलाइन पढ़ाई पर संवाद।

मोहित : राहुल तुम्हें ऑनलाइन पढ़ाई करना अच्छा लग रहा है क्या ?

राहुल : सच कहूँ मोहित! मुझे ज्यादा अच्छा नहीं लग नहीं आ रहा है।

मोहित : मुझे तो बहुत परेशानी आ रही है।

राहुल : क्यों क्या हुआ?

मोहित : मेरे घर में तो इंटरनेट का नेटवर्क नहीं आता।मैं अच्छे से ऑनलाइन कक्षा में उपस्थित नहीं हो पाता।

राहुल : हाँ मित्र। नेटवर्क की मुश्किल तो रहती है।

मोहित : मुझे तो कुछ भी समझ नहीं आता है , मुझे स्कूल की बहुत याद आती है।

राहुल : ऑनलाइन कक्षा में बच्चे बहुत शोर करते है, मैडम क्या बोलती है मुझे समझ नहीं आता।

मोहित : पता नहीं कब स्कूल खुलेंगे और हम सब फिर कक्षा में बैठकर पढ़ाई करेंगे।

राहुल : मुझे भी अपनी कक्षा में मस्ती और शरारत करने के दिन याद आ रहे हैं |

केन्द्रीय विद्यालय संगठन चंडीगढ़ 2024 -25

अध्ययन सामग्री प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र कक्षा नवमी (हिन्दी)

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-1

कक्षा-9

पूर्णांक: 80 **निर्धारित समय: 3 घंटे**

सामान्य निर्देशः

1) **इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं- खण्ड अ' और 'ब'। खण्ड-अ में वस्तुपरक/ बहुविकल्पीय और खण्ड-ब में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।**
2) **प्रश्न-पत्र के दोनों खण्डों में प्रश्नों की संख्या 15 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**
3) **यथासम्भव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।**
4) **खण्ड'अ'में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 48 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 42 उप प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
5) **खण्ड 'ब' में कुल 5 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

खण्ड -'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय/ वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (7)

घर फूँकने का अर्थ है - धन और मान का मोह त्याग करना, भूत और भविष्य की चिन्ता छोड़ देना और सत्य के सामने सीधे खड़े होने में जो कुछ भी बाधा हो, उसे विनम्रतापूर्वक ध्वंस कर देना।पर सत्यों का सत्य यह है कि कबीरदास के साथ चलने की प्रतिज्ञा करने के बाद भी लोग घर नहीं फूँक सके। मठ बने,मंदिर बने, प्रचार के साधन आविष्कार किए गए और उनकी महिमा बताने के लिए अनेक पोथियाँ रचीं गईं। इस बात का बराबर प्रयत्न होता रहा और अपने इर्द-गिर्द के समाज में कोई यह न कह सके कि इसका अमुक कार्य सामाजिक दृष्टि से अनुचित है अर्थात् विद्रोही बनने की प्रतिज्ञा भूल गए, सुलह और समझौते का रास्ता स्वीकार कर लिया और आगे चलकर 'गुरुपद' पाने के लिए हाईकोर्ट की भी शरण ली गई। यह कह देना कि सब गलत हुआ, कुछ विशेष काम की बात नहीं हुई। क्यों यह गलती हुई? माया से छूटने के लिए माया के प्रपंच रचे गए, यह सत्य है।

(1) लोगों ने क्या प्रतिज्ञा ली थी? **(1)**

(क) अपना घर फूँकने की
(ख) जीवन की समस्त सुख-सुविधाओं का उपभोग करने की
(ग) धन और मोह का त्याग कर कबीर के बताए मार्ग पर चलने की
(घ) माया के प्रपंच में फँसने की

(2) 'घर फूँकने' का क्या अभिप्राय है? **(1)**

(क) धन और मान के मोह का त्याग करना
(ख) निर्भीक होकर सत्य के मार्ग पर चलना
(ग) मार्ग में आने वाली बाधाओं को विनम्रतापूर्वक नष्ट करना
(घ) उपरोक्त सभी कथन सही हैं

(3) गद्यांश में आए हुए 'गुरुपद' शब्द का क्या अर्थ है? **(1)**

(क) गुरु का पद
(ख) गुरु और पद

(ग) महत्त्वपूर्ण पद

(घ) स्वामी का पद

(4) 'माया से छूटने के लिए माया के प्रपंच रचे गए|' उपर्युक्त कथन के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहते है? (2)

(5) लोग घर क्यों नहीं फूँक सके? (2)

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय/ वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (7)

मन-मोहिनी प्रकृति की जो गोद में बसा है,
सुख स्वर्ग-सा जहाँ है, वह देश कौन-सा है?
जिसका चरण निरंतर रत्नेश धो रहा है।
जिसका मुकुट हिमालय, वह देश कौन-सा है?
नदियाँ जहाँ सुधा की धारा बहा रहीं हैं,
सींचा हुआ सलोना,वह देश कौन-सा है?
जिसके बड़े रसीले फलकंद-नाज मेवे
सब अँगने सजे हैं,वह देश कौन-सा है?
जिसके सुगंध वाले सुंदर प्रसून प्यारे,
दिन-रात हँस रहे हैं,वह देश कौन-सा है?

(1) समुद्र जिस देश के चरणों को धो रहा है, वह है : **(1)**

(क) नेपाल

(ख) भारतवर्ष

(ग) बर्मा

(घ) नेपाल।

(2) भारत के माथे पर मुकुट के रूप में सजा हुआ है : **(1)**

(क) विंध्याचल

(ख) नीलगिरि

(ग) हिमालय

(घ) अरावली।

(3) भारत के अंगने में सजने वाली वस्तुएँ हैं : **(1)**

(क) कड़वी बेलें, फल आदि

(ख) प्लास्टिक के खिलौने, नकली फल, बर्तन

(ग) रसीले फल, कंद, मेवे आदि

(घ) चाँदी के आभूषण, रत्न आदि।

(4) निम्न शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए | **(2)**

(i) नदी

(ii) सुधा

(5) भारत के किस रूप का वर्णन यहाँ किया गया है? (2)

व्याकरण (16 अंक)

3. निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। (1×4=4)

(1) 'संवेदना' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है-

(क) स (ख) सम् (ग) सम (घ) सन्न

(2) 'प्रवचन' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है?

क) पर् ख) पर ग) प्र घ) प्रव

(3) 'वैज्ञानिक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है-

(क) निक (ख) क (ग) इक (घ) अक

(4) 'कार' प्रत्यय से निर्मित शब्द नहीं है -

(क) चित्रकार (ख) बेकार (ग) स्वर्णकार (घ) पत्रकार

(5) 'दु' उपसर्ग से निर्मित शब्द है-

(क) दुबला (ख) दुर्बल (ग) दुस्साहस (घ) दुष्कर

4. निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए| (1×4=4)

(1) 'रेलभाड़ा' शब्द में कौन-सा समास है?

(क) द्वन्द्व समास (ख) अव्ययीभाव समास(ग) तत्पुरुष समाज घ) कर्मधारय समास

(2) 'प्रतिमाह' का विग्रह कर समास का भेद बताइए-

(क) प्रति है जो माह- कर्मधारय समास

(ख) प्रति और माह - द्वंद्व समास

(ग) प्रत्येक या हर महीने - अव्ययीभाव समास

(घ) प्रति माह है जो - बहुव्रीहि समास

(3) 'रसोईघर' का विग्रह कर समास का नाम बताइए-

(क) रसोई के लिए घर - तत्पुरुष समास

(ख) रसोई और घर- - द्वंद्व समास

(ग) रसोई घर है जो - बहुव्रीहि समास

(घ) रसोई घर का समाहार - द्विगु समास

(4) 'महात्मा' का विग्रह कर समास का नाम बताइए-

(क) महा है जो आत्मा - कर्मधारय समास

(ख) महा की आत्मा - तत्पुरुष समास

(ग) महान है जो आत्मा - कर्मधारय समास

(घ) महान के लिए आत्मा - तत्पुरुष समास

(5) 'घुड़दौड़' का विग्रह कर समास का नाम बताइए-

(क) घुड़ में दौड़ - तत्पुरुष समास

(ख) घुड़ और दौड़ - द्वंद्व समास

(ग) घोड़ों के लिए दौड़ - तत्पुरुष समास

(घ) घोड़ों की दौड़ - तत्पुरुष समास

5. निर्देशानुसार 'अर्थ के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए - (1×4=4)

(1)'यहाँ शोर मत करो।' अर्थ के आधार पर वाक्य है-

(क) विधानवाचक वाक्य (ख) आज्ञावाचक वाक्य

(ग) संकेतवाचक वाक्य (घ) विस्मयवाचक वाक्य

(2) 'तुम क्या लाए हो ?' अर्थ के आधार पर वाक्य है-

(क) इच्छावाचक वाक्य (ख) संकेतवाचक वाक्य

(ग) विधानवाचक वाक्य (घ) प्रश्नवाचक वाक्य

(3) 'ईश्वर आपको सफलता प्रदान करे।' अर्थ के आधार पर भेद बताइए -

(क) इच्छावाचक (ख) आज्ञावाचक (ग) विधानवाचक (घ) संकेतवाचक

(4) 'कविता बैठकर पढ़ती है।' संदेहवाचक वाक्य में बदलिए-

(क) शायद, कविता बैठ कर पढ़े। (ख) कविता बैठकर पढ़ो।

(ग) काश! कविता बैठकर पढ़ती। (घ) कविता जाओ और बैठकर पढ़ो।

(5) 'छि:! कितना गंदा लिखते हो।' अर्थ के आधार पर वाक्य है–

(क) विधानवाचक (ख) संकेतवाचक (ग) इच्छावाचक (घ) विस्मयवाचक

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए- (1×4=4)

(1) 'रघुपति राघव राजा राम।' में प्रयुक्त अलंकार को पहचान कर नाम लिखिए-

(क) श्लेष (ख) उत्प्रेक्षा (ग) अनुप्रास (घ) उपमा

(2) यमक अलंकार का उदाहरण है-

(क) सु रुचि सुवास सरस अनुरागा

(ख) कोलाहल बैठा सुस्ताने

(ग) कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय

(घ) हरिपद कोमल कमल से

(3) 'वह दीपशिखा-सी शांत भव में लीन' में अलंकार है-

(क) अनुप्रास (ख) श्लेष (ग) उपमा (घ) उत्प्रेक्षा

(4) 'चारु चन्द्र की चंचल किरणें जल थल में' पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

(क) उपमा (ख) अनुप्रास (ग) यमक (घ) श्लेष

(5) 'एक सुंदर सीप का मुँह था खुला' में अलंकार है-

(क) अनुप्रास (ख) यमक (ग) रूपक (घ) उपमा

<u>पाठ्य-पुस्तक क्षितिज भाग-1 (10 अंक)</u>

गद्य खण्ड (5 अंक)

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए - (1×5=5)

चार-पाँच बजे के करीब मैं गाँव से मील भर पर था, तो सुमति इंतज़ार करते हुए मिला। मंगोलों का मुँह वैसे ही लाल होता है और अब तो वह पूरे गुस्से में था। उन्होंने कहा- "मैंने दो टोकरी कंडे फूँक डाले, तीन-तीन बार चाय को गरम किया" मैंने बहुत नरमी से जवाब दिया - लेकिन मेरा कसूर नहीं है मित्र ? देख नहीं रहे हो कैसा घोड़ा मुझे मिला है, मैं तो रात तक पहुँचने की उम्मीद रखता था।

(1) यह गद्यांश किस पाठ से लिया गया है और इसके लेखक कौन हैं?

(क) ल्हासा की ओर, लेखक - श्यामाचरण दुबे

(ख) मेरी तिब्बत यात्रा, लेखक - राहुल सांकृत्यायन

(ग) ल्हासा की ओर, लेखक - राहुल सांकृत्यायन

(घ) मेरे बचपन के दिन, लेखिका - महादेवी वर्मा

(2) सुमति कौन था ?

(क) लेखक का परिचित (ख) सामान ढोने वाला भरिया

(ग) एक बौद्ध भिक्षु और लेखक का मित्र (घ) इनमें से कोई नहीं

(3) सुमति गुस्से में क्यों था ?

(क) वह लेखक की बहुत देर से प्रतीक्षा कर रहा था।

(ख) उसे भूख लग रही थी।

(ग) लेखक की प्रतीक्षा करते-करते उसे नींद आ रही थी

(घ) वह तीन-चार बार दूध गरम कर-कर के ऊब चुका था।

(4) सुमति ने अपनी नाराज़गी प्रकट करते हुए लेखक से क्या कहा ?

(क) मैंने दो टोकरी कंडे फूँक डाले। (ख) मुझे तुम्हारे न आने से डर लग रहा था।

(ग) मैंने तीन-तीन बार चाय को गरम किया। (घ) (क) और (ग) दोनों

(5) लेखक ने अपनी देरी से आने का क्या कारण बताया ?

(क) उसका घोड़ा बहुत सुस्त था। (ख) उसका घोड़ा घायल हो गया था।

(ग) उसके साथी उसे छोड़कर चले गए थे। (घ) इनमें से कोई नहीं

<u>काव्य खण्ड (5 अंक)</u>

8. निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1×5=5)

मोकों कहाँ ढूँढ़े बंदे मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में।
ना तो कौने क्रिया कर्म में, न हीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलि हौं, पल भर की तलास में।
कहै कबीर सुनो भई साधो, सब स्वाँसों की स्वाँस में॥

(1) मनुष्य अपनी अज्ञानतावश क्या करता है?

(क) ईश्वर को खोजता है (ख) वैराग्य धारण कर लेता है

(ग) विकल्प (क) और (ख) (घ) इनमें से कोई नहीं

(2) ईश्वर कहाँ व्याप्त है?

(क) प्रत्येक जीव के भीतर (ख) मन्दिर में

(ग) मस्ज़िद में (घ) इनमें से कोई नहीं

(3) कबीर ने किसका विरोध किया है?

(क) आडम्बरों का (ख) विकल्प (क) और (ग)

(ग) ईश्वर का (घ) इनमें से कोई नहीं

(4) 'पास' का विलोम है-

(क) निकट (ख) विकल्प (क) और (ग)

(ग) दूर (घ) इनमें से कोई नहीं

(5) 'खोज' का समानार्थी शब्द है-

(क) जाँच (ख) छानबीन

(ग) विकल्प (क) और (ख) (घ) इनमें से कोई नहीं

<u>खण्ड - 'ब'</u>

<u>(वर्णनात्मक प्रश्न)</u>

पाठ्य-पुस्तक क्षितिज भाग-1 व पूरक पाठ्य-पुस्तक [कृतिका भाग-1] (20 अंक)

9. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (2×3=6)

(1) 'दो बैलों की कथा' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि स्वतंत्रता सहज ही नहीं मिलती, उसके लिए संघर्ष करना पड़ता है।

(2) 'पंखों पर सवार साँवले सपनों का हुजूम' किसे और क्यों कहा गया है? 'साँवले सपनों की याद' पाठ के आधार पर समझाकर बताइए।

(3) भारत की महिलाओं की तुलना में तिब्बत की महिलाओं की सामाजिक स्थिति कैसी थी ? 'ल्हासा की ओर' पाठ के आधार पर लिखिए।

(4) हरिशंकर परसाई के अनुसार, प्रेमचंद का जूता घिसा नहीं था, फटा था, क्यों?

10. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2*3=6)

(1) कवयित्री के मन में कहाँ जाने की ललक है? इस चाह में उसकी कैसी दशा हो रही है? स्पष्ट कीजिए।

(2) कवि रसखान की कविता में मुख्यत: किसके प्रति प्रेम की मनोरमता प्रकट हुई है और वह कवि की किस विशिष्टता का परिचय देती है?

(3) कवि पशु,पक्षी और पहाड़ के रूप में कृष्ण का सान्निध्य क्यों प्राप्त करना चाहता है?

(4) कवि का कोयल से ईर्ष्या का क्या कारण है?

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक कृतिका भाग- I के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए- (4×2=8)

(1) जिन लोगों का बाढ़ से पहली बार सामना होता है, उनकी बाढ़ के पानी को लेकर कैसी उत्सुकता होती है ?

(2) लेखिका मृदुला गर्ग के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

(3) एकांकी के आधार पर गोपाल प्रसाद की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए?

<u>रचनात्मक लेखन (20 अंक)</u>

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- (6×1=6)

(1) बरसात का एक दिन

[संकेत बिंदु - बरसात का आगमन, प्रकृति में परिवर्तन, मेरे विशेष अनुभव।]

(2) यात्रा जिसे मैं भूल नहीं पाता

[संकेतबिंदु - कहाँ की यात्रा, विशेष घटना का वर्णन, अविस्मरणीय कैसे ?]

(3) हमारे बुज़ुर्ग : हमारी धरोहर

[संकेतबिंदु- बुजुर्गों का परिवार में महत्त्व, बुजुर्गों के दायित्व, बुजुर्गों की वर्तमान भयावह स्थिति, बुजुर्गों के प्रति सोच में बदलाव।]

13. किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए- (5×1=5)

वन विभाग द्वारा लगाए गए वृक्ष सूखते जा रहे हैं। इस समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए किसी प्रसिद्ध दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल की प्रेरणा देते हुए पत्र लिखिए।

14. 'नेकी का फल' पर अपने विचार व्यक्त करते हुए लगभग 100 शब्दों में लघु कथा लिखिए। (5×1=5)

अथवा

किसी विषय के प्रशिक्षण के लिए ई-मेल लगभग 100 शब्दों में लिखिए।

15. वृक्षारोपण अभियान को लेकर दो युवाओं के मध्य लगभग 80 शब्दों में संवाद लिखिए। (4×1=4)

अथवा

विद्यालय में आयोजित होने वाली वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए हिन्दी विभाग के संयोजक की ओर से लगभग 80 शब्दों में सूचना लिखिए।

उत्तरमाला -I

प्रश्न-1

1] (ग) धन और मोह का त्याग कर कबीर के बताए मार्ग पर चलने की

2] (घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं

3] (ग) महत्त्वपूर्ण पद

4] लोग यद्यपि समाज के सामने घर फूंकने का दावा करते है अर्थात धन-मान का मोह त्याग देते है| परंतु समाज में अपना अच्छा पद प्राप्त करने के लिए मठ, मंदिर बनाते हैं प्रचार करते हैं लेखक ने इसे ही माया का प्रपंच कहा है|

5] लेखक के अनुसार लोग धन-मान का मोह नहीं त्याग पाते| भूत और भविष्य की चिंता नही छोड़ पाते क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि अपने इर्द-गिर्द के समाज में इनको अनुचित माना जाएगा|

प्रश्न-2

1] (ख) भारतवर्ष

2] (ग) हिमालय

3] (ग) रसीले फल, कंद, मेवे आदि

4] (i) सरिता,

(ii) अमृत, अमिय

5] भारत के सुंदर प्राक्रतिक स्वरूप का वर्णन यहाँ किया गया है| जैसे: नदियां, समुंदर आदि तथा सुंदर फल, फूल का वर्णन कवि ने किया है|

प्रश्न-3

1] (ख) सम्

2] (ग) प्र

3] (ग) इक

4] (ख) बेकार

5] (क) दुबला

प्रश्न-4

1] (ग) तत्पुरुष समास

2] (ग) प्रत्येक/हर महीने - अव्ययीभाव समास

3] (क) रसोई के लिए घर - तत्पुरुष समास

4] (ग) महान् है जो आत्मा - कर्मधारय समास

5] (घ) घोड़ों की दौड़ - तत्पुरुष समास

प्रश्न-5

1] (ख) आज्ञावाचक वाक्य

2] (घ) प्रश्नवाचक वाक्य

3] (क) इच्छावाचक

4] (क) शायद, कविता बैठकर पढ़े ।

5] (घ) विस्मयवाचक

प्रश्न-6

1] (ग) अनुप्रास

2] (ग) कनक- कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय

3] (ग) उपमा

4] (ख) अनुप्रास

5] (क) अनुप्रास

प्रश्न-7

1] (ग) ल्हासा की ओर, लेखक - राहुल सांकृत्यायन

2] (ग) एक बौद्ध भिक्षु और लेखक का मित्र

3] (क) वह लेखक की बहुत देर से प्रतीक्षा कर रहा था।

4] (घ) (क) और (ग) दोनों

5] (क) उसका घोड़ा बहुत सुस्त था।

प्रश्न-8

1] (क) ईश्वर को खोजता है

2] (क) प्रत्येक जीव के भीतर

3] (क) आडम्बरों का

4] (ग) दूर

5] (ग) विकल्प (क) और (ख)

खंड-ब

प्रश्न-9

1] बैलों का गया के घर से भागना, साँड से लड़ाई, काँजीहौस में हफ्तों भूखे रहकर संघर्ष करना, भागने का प्रयास असफ़ल होना, 'नीलाम होने के बाद मालिक के हाथ से निकल भागना तथा स्थान-स्थान पर मार खाना सिद्ध करता है कि स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

2] 'पंखों पर सवार साँवले सपनों का हुजूम' पक्षी विज्ञानी सालिम अली के जनाजे को कहा गया है। उनका मृत शरीर मौत की खामोश वादी की ओर अग्रसर है। वे प्रसिद्ध पक्षी विज्ञानी थे और अब इस दुनिया से विदा ले रहे थे । अतः पक्षियों से सम्बन्धित सपने अब वे नहीं देख सकेंगे ।

3] तिब्बत की औरतें पर्दा नहीं करती थीं। वे अतिथि का स्वागत-सत्कार भी करती थीं, चाहे घर में कोई पुरुष हो या न हो । तिब्बती औरतें जाति-पाँति, छुआछूत में विश्वास नहीं करती थीं। जबकि भारत की औरतें पर्दा करती थीं तथा किसी अपरिचित पर आसानी से विश्वास नहीं करती थीं। वे स्वयं को असुरक्षित महसूस करती थीं। यही अन्तर भारत और तिब्बत की औरतों में थे।

4] बनिये के तगादे से बचने के लिए प्रेमचंद ने मील- दो मील के चक्कर लगाकर घर पहुँचने का रास्ता बनाया होता तो जूता घिसता क्योंकि अधिक चलने से जूता घिसता है फटता नहीं । उनके फटे जूते से संकेत मिलता है कि उसकी यह दशा किसी कठोर चीज पर बार-बार ठोकर मारने से हुई|

प्रश्न10- [1कवयित्री के मन में घर, अर्थात् ईश्वर के पास स्वर्ग जहाँ से वापस न आना पड़े, वहाँ जाने की ललक है। आत्मा के परमात्मा में न होने की हृदय में हूक सी उठ रही है। आत्म निवेदन, सच्ची भगवद् भक्ति, आत्म समर्पण की भावना दृष्टिगोचर होती है।

[2रसखान की कविता में ब्रजभूमि के प्रति उनका प्रेम व्यक्त हुआ है। अगला जन्म, चाहे जिस योनि में मिले, पर मिले ब्रजभूमि में यही उनकी आकांक्षा है क्योंकि ब्रजभूमि कृष्ण की लीलास्थली रही है। रसखान का यह भाव उनके कृष्ण प्रेम का व्यंजक है। वे कृष्ण भक्त थे अतः किसी भी स्थिति में कृष्ण की भूमि (ब्रज) का सान्निध्य पाने को लालायित है।

3] कवि रसखान श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त हैं। उनके हृदय में श्रीकृष्ण के प्रति अगाध प्रेम है। उनकी हार्दिक इच्छा यह है कि वे किसी भी रूप में रहें पर श्रीकृष्ण की निकटता प्राप्त करें । ब्रज के कण-कण से, पशु-पक्षी, पर्वतों, तड़ागों से श्रीकृष्ण का अनन्य प्रेम रहा है। इसलिए कवि भी उनका सान्निध्य पाना चाहता है|

4] कवि को कोयल से ईर्ष्या इसलिए हो रही है, क्योंकि कवि कारागार में बन्दी का जीवन व्यतीत कर रहा है जबकि कोयल स्वतन्त्र है। वह हरियाली का आनन्द ले रही है और खुले आसमान में विचरण कर रही है । कवि का संसार दस फुट की काल कोठरी में सिमटा हुआ है। कोयल के गाने की सभी सराहना करते हैं और कवि का रोना भी उसका गुनाह मान लिया जाता है।

प्रश्न-11

1] लेखक ने वैसे तो बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बहुत काम किया था, परंतु सन् 1967 में पटना में लेखक को बाढ़ के अनुभव से गुज़रना पड़ा। लोगों में बाढ़ के पानी को लेकर उत्सुकता थी। वह उसका जायजा लेने के लिए मौके पर पहुँचना चाहते थे। इसलिए लोग मोटर, स्कूटर, ट्रैक्टर, मोटर साइकिल, ट्रक, टमटम, साइकिल, रिक्शा आदि पर बैठकर पानी देखने जा रहे थे। जो लोग पानी देखकर लौट रहे थे, उनसे पानी देखने जाने वाले पूछते कि पानी कहाँ तक आ गया है ? जितने लोग होते उतने ही सवालों के जवाबों में पानी आगे बढ़ता जाता था। सबकी जुबान पर एक ही बात होती थी कि पानी आ गया है; घुस गया; डूब गया; बह गया।

2] लेखिका मृदुला गर्ग ने 'मेरे संग की औरतें' पाठ में जो विचार व्यक्त किए हैं उनसे उनके चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश पड़ता है । कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

(i) लेखिका अध्ययनशील तथा सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाली महिला थी ।

(ii) उन्होंने स्कूल खोलने में भी सफ़लता पाई थी ।

(iii) शिक्षा के प्रति विशेष लगाव रखती थी तथा नाटक में अभिनय करना भी उनकी रुचि थी ।

(iv) वे जो ठान लेतीं थीं उसे अवश्य पूरा करके दिखाती थीं ।

लेखिका के व्यक्तित्व से हमें यह पता चलता है कि व्यक्ति अपने जीवन में यदि कुछ ठान ले तो कठोर परिश्रम एवं अनुशासन से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

3] गोपाल प्रसाद पेशे से वकील हैं और बहुत कठोर व्यक्ति हैं । वे शिक्षा के प्रति दोहरे मापदंड रखते हैं । वे शादी को बिजनेस मानते हैं। वे पुरुष प्रधान समाज के पक्षधर दिखाई देते हैं । वे लड़कों की उच्च शिक्षा के पक्षधर हैं पर लड़कियों की उच्च शिक्षा के नहीं । उनके लिए समाज में स्त्रियों के लिए कोई स्थान नहीं । वे अत्यंत लालची हैं और रूढ़िवादी विचारों के पक्षधर हैं।

प्रश्न-12 1] बरसात का आगमन - जेठ की तपती धूप के बाद ऋतुओं की रानी वर्षा ऋतु आती है। भारत देश में यह प्रायः जून के अंत में आती है। वर्षा ऋतु में बरसात का आगमन बहुत ही सुखद होता है।

प्रकृति में परिवर्तन - आकाश में चारों तरफ़ घटाएँ छा जाती हैं। मस्त हवा चलने लगती है तथा मन में उल्लास उत्पन्न हो जाता है। वर्षा ऋतु का इंतज़ार हम बेसब्री से करते हैं। वर्षा आने पर चारों तरफ़ हरियाली नज़र आती है तथा प्रकृति में परिवर्तन होता है। कहा जाता है कि बसंत ऋतुओं का राजा है और वर्षा ऋतुओं की रानी, यदि वर्षा न हो तो संसार का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा।

मेरे विशेष अनुभव - जुलाई के दिन थे, विद्यालय खुल चुके थे। कई दिन से लगातार भयंकर गर्मी पड़ रही थी। सड़कें, घर, मकान चारों ओर मानो आग बरस रही थी, विद्यालयों में तो बहुत ही बुरा हाल था। टीन की चादरें भयंकर रूप से तप रहीं थीं। पंखे भी गर्म हवा फेंक रहे थे। अचानक आँधी-सी आई । खिड़कियाँ चरमराने लगीं। चारों ओर अँधेरा छा गया। कमरे में बिजली नहीं थी । ऐसा लगा जैसे रात हो गई है। बच्चों ने किताबें संभाल लीं। अचानक गड़गड़ाहट प्रारम्भ हो गई और बारिश होने लगी। टीन की छत पर पड़ती बूँदें शोर करने लगीं। थोड़ी ही देर में टूटी खिड़कियों से बौछारें आने लगीं। स्कूल के बरामदे गीले हो गए। मैदान में पानी एकत्र होने लगा। छोटे बच्चे कागज़ की नाव बनाकर चलाने लगे। तभी किसी शरारती बच्चे ने शोर मचा दिया कि पानी में करंट है। बस फिर क्या था अफ़रा तफ़री मच गई, सारे अध्यापक बाहर निकल आए, बच्चों को धीरे-धीरे विद्यालय के द्वार से बाहर निकाल दिया। प्रधानाचार्य ने छुट्टी की घंटी बजवा दी। बारिश बन्द नहीं हुई, किन्तु धीमी हो गई। विद्यालय आते समय मैं छतरी नहीं लाया था, इसलिए भीग गया। सड़कों पर ट्रैफिक रुक गया था। कुछ लोग छाता लगाए हुए थे। अधिकांश लोग भीगे हुए थे। विद्यालय के पास की झुग्गियों में पानी भर गया। माताजी ने गर्म चाय पिलाई। इस प्रकार आनन्दपूर्वक बरसात का दिन व्यतीत हुआ ।

2] कहाँ की यात्रा - मैंने अलग-अलग साधनों से अपने जीवन में कई यात्राएँ की हैं। मैं रमेश चौहान एक गाँव का रहने वाला हूँ जो आगरा जिले में आता है। मैं अपनी परीक्षा देने के लिए नागपुर जा रहा हूँ। मैं आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के इंतज़ार में खड़ा था तभी थोड़ी देर में ट्रेन आ गई और मैं अपना बैग लेकर उसमें चढ़ गया।विशेष घटना का वर्णन - मैं अभी तक अकेला ही था लेकिन तभी अचानक एक लड़का मेरी तरफ़ दौड़ा, जिसका नाम अमन था वह मुझसे कुछ कहने की कोशिश करने लगा लेकिन वह इतना अधिक घबराया हुआ था कि कुछ भी नहीं बोल पा रहा था । मैंने उसे तसल्ली दी और उससे उसके विषय में पूछा तो वह बोला कि वह भी महाराष्ट्र जा रहा है लेकिन उसकी सीट कन्फर्म नहीं है। मैंने उसे धैर्य बँधाते हुए अपनी सीट पर बैठा लिया।

अविस्मरणीय कैसे - अब वह शांत व प्रसन्न नज़र आ रहा था। धीरे-धीरे हम दोनों में बातचीत शुरू हो गई, कुछ ही देर में ऐसा महसूस होने लगा कि हम दोनों एक-दूसरे को काफ़ी अच्छी तरह से जानते हैं। रेल तेजी से गंतव्य की ओर चली जा रही थी । हम दोनों ने एक साथ भोजन किया। हवा तेज़ थी। जब हम नागपुर से कुछ दूर ही थे तभी हमें संतरों के दूर-दूर फैले बाग दिखने लगे। संतरों की खुशबू से वातावरण महक रहा था। तभी नागपुर रेलवे स्टेशन पर आकर रेल रुकी और मैं अमन को, जो अब तक मेरा दोस्त बन चुका था, अलविदा कह कर रेल से उतर गया। एक अज़नबी की मदद व अमन के व्यवहार से मेरा मन प्रसन्न था । अतः जब कभी दूसरों की सहायता करने का अवसर मिले तो हमें अपने कर्त्तव्य का निर्वाह अवश्य करना चाहिए ।

3] बुज़ुर्गों का परिवार में महत्त्व - परिवार के वृद्धों को बुजुर्ग कहा जाता है। वे परिवार के लिए पेड़ के समान होते हैं। हमारे बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं। बुजुर्गों की आयु और उनके अनुभव परिवार के अन्य सदस्यों से अधिक होते हैं।बुज़ुर्गों के दायित्व - यह बात सौ प्रतिशत सही है कि इनकी आवश्यकता परिवार को कदम-कदम पर पड़ती है। बुजुर्गों की उपस्थिति में परिवार के अन्य सदस्यों को चिन्ता या तनाव नहीं रहता। हमारा देश सदियों से संयुक्त परिवारों की परम्परा को महत्त्व देता आ रहा है। विभिन्न रिवाज़ों, विभिन्न परम्पराओं की जानकारी हमें अपने बुजुर्गों से ही मिलती है।बुज़ुर्गों की वर्तमान भयावह स्थिति - लेकिन आज की आधुनिक समस्या- - नगरों के बढ़ते आकार तथा सिकुड़ते घरों में बुजुर्गों को उनके हाल पर अकेले रहकर ही जीने के लिए विवश कर दिया है। युवा पीढ़ी भौतिक सुखों तथा अपने सपनों को साकार करने के लिए दौड़ रही है। इसलिए आज का युवा बुजुर्गों को घर की शान, मान तथा अनमोल धरोहर समझने की बजाय उन्हें भार समझने लगा है तथा उनसे कटने लगा है। यह गलत है।बुज़ुर्गों के प्रति सोच में बदलाव - बुजुर्गों का आत्मीयता से भरा साथ, गरमाहट भरा एहसास, अनुभवों का संचार, अनुभवी दृष्टिकोण का विस्तार आदि परिवार की जड़ों को मज़बूत बनाते हैं।

प्रश्न-13

1] 23, आनन्द कुंज, सरिता विहार,
चंडीगढ़।
दिनांक : 12.10.20....
सम्पादक,
दैनिक जागरण,
चंडीगढ़
विषय - वन विभाग द्वारा लगाए पौधों के सूखने के सम्बन्ध में|
महोदय

सविनय निवेदन है कि वृक्षारोपण समय की माँग है किन्तु सरकारी विभाग इसमें भी खानापूर्ति कर रहे हैं। इस वर्ष वन विभाग द्वारा जुलाई मास में स्कूल, कॉलेजों के परिसरों में लगभग 10,000 पौधों का रोपण किया गया। खेद का विषय है कि इन पौधों को रोपने के बाद उनकी देखभाल न तो वन-विभाग ने की और न स्कूल-कॉलेजों ने, फलतः ये पौधे सूखने लगे हैं। यह सरकारी धन की बरबादी है । मैं इस पत्र के माध्यम से

सम्बन्धित अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट करके यह अनुरोध करूँगा कि भविष्य में जहाँ भी पौधे लगाए जाएँ उनमें पानी आदि देने की ज़िम्मेदारी का निर्वहन भी विभागीय स्तर पर किया जाए अथवा जिस परिसर में पौधारोपण किया गया है, वहाँ के अधिकारियों को इनकी देखभाल का उत्तरदायित्व सौंपा जाए। तभी वृक्षारोपण और वन महोत्सव का कार्यक्रम सफल हो सकेगा। आशा है सम्बन्धित अधिकारी इस ओर ध्यान देने का कष्ट करेंगे ।

धन्यवाद

भवदीय

अनिमेष

अथवा

31, हरीश नगर

चंडीगढ़।

दिनांक : 25/06/2024

प्रिय मित्र राकेश

सप्रेम नमस्कार

मैं यहाँ कुशलपूर्वक हूँ और तुम्हारी कुशलता की कामना करता हूँ। कल ही तुम्हारे द्वारा मेरे जन्मदिन का उपहारस्वरूप भेजा गया चायनीज कैमरा प्राप्त हुआ। बहुत प्रसन्नता हुई। लेकिन यदि यह कैमरा स्वदेशी होता, तो और अधिक प्रसन्नता होती । स्वदेशी वस्तुओं की गुणवत्ता विदेशी वस्तुओं से कम नहीं होती, वरन् स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से हमारी अर्थव्यवस्था मज़बूत होती है, जो देश के विकास में सहायक है। मित्र ! हमारे प्रधानमंत्री द्वारा भी 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा दिया जा रहा है। कहा भी गया है - 'स्वदेशी बनो, स्वदेशी अपनाओ।' अतः हमें स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग को बढ़ावा देना चाहिए ।

आशा है तुम मेरे सुझाव पर ध्यान देते हुए स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग को दैनिक जीवन में बढ़ावा दोगे और दूसरों को भी प्रेरित करोगे । घर में सभी बड़ों को मेरा चरण स्पर्श और छोटों को शुभ-स्नेह ।

तुम्हारा मित्र

मोहित

प्रश्न-14

नेकी का फल

एक बार मोहन नाम का एक लड़का था । वह बहुत गरीब था । वह घर-घर जाकर सामान बेचता और उन पैसों से पढ़ाई करता । वह पढ़ाई में बहुत तेज़ था । एक दिन उसका कोई सामान नहीं बिका और उसे बहुत भूख भी लगने लगी । अतः उसने सोचा कि जिस अगले घर पर वह जाएगा, वहाँ से कुछ खाने को माँग लेगा । अगले घर का दरवाज़ा एक लड़की ने खोला । उस लड़की को देख मोहन कुछ घबरा गया और उसने खाना 'माँगने के बजाए उससे एक गिलास पानी माँग लिया।लड़की उसकी घबराहट से समझ गई कि उसे ज़ोर की भूख लगी है इसलिए वह एक गिलास दूध ले आई। मोहन ने दूध पीकर उसके पैसे देने चाहे, लेकिन लड़की ने मदद के बदले पैसे लेने से इंकार कर दिया। मोहन उस लड़की और भगवान का शुक्रिया अदा कर वहाँ से चला गया। धीरे-धीरे समय बीतता गया । एक बार वह लड़की बहुत बीमार हो गई। शहर के स्थानीय डॉक्टर ने उसे किसी विशेषज्ञ को दिखाने की सलाह दी। तब उसे दिल्ली के एक बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया । वहाँ डाक्टर ने जैसे ही लड़की को देखा उसे पहचान लिया।डाक्टर के अथक प्रयास से लड़की ठीक हो गई। जब लड़की अस्पताल का बिल चुकाने काउंटर पर पहुँची तो वह कुछ घबराई हुई थी कि अस्पताल का बिल अवश्य ही बहुत बड़ा होगा लेकिन जब उसने बिल देखा तो वह हैरान रह गई क्योंकि बिल पर लिखा था कि एक गिलास दूध द्वारा इस बिल का भुगतान किया जा चुका है। नीचे डॉक्टर मोहन के हस्ताक्षर थे । आश्चर्य और

प्रसन्नता से लड़की के आँसू निकल आए। इस तरह दूसरों के लिए बिना किसी स्वार्थ के किया गया कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता। नेकी का फल अवश्य मिलता है।

अथवा

दिनाक: 23-04-XX

From : madhu14@gmail.com

To : hr14@gmail.com

Cc: prt@gmail.com

Bcc: .....

विषय : कम्प्यूटर विषय के 10 दिवसीय प्रशिक्षण हेतु जानकारी

अभिवादन

आपका चयन कम्प्यूटर विषय के 10 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए हुआ है। आपको प्रशिक्षण अवधि के लिए भुगतान किया जाएगा। आपका प्रशिक्षण मंगलवार 15 अप्रैल, 20XX से शुरू होगा। जब आप प्रशिक्षण के लिए आएँ तो अपने साथ नीचे दिए गए दस्तावेजों की प्रतियाँ लेकर आएँ। दस्तावेजों का होना अति अनिवार्य है क्योंकि उसके पश्चात् ही आपको प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। इसलिए पूर्ण जानकारी देने के लिए अपने दस्तावेजों के प्रतियों के अपने साथ अवश्य लेकर आएँ । यह दस्तावेज आपको विभाग में जमा करने होंगे।

धन्यवाद

माधुरी वैश्य

मो. 8442010XXX

आवश्यक दस्तावेज

-पासबुक

-आधार कार्ड

-पेन कार्ड

केन्द्रीय विद्यालय संगठन चंडीगढ़ संभाग 2024-25

अध्ययन सामग्री प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र कक्षा नवमी (हिन्दी)

<u>प्रतिदर्श प्रश्नपत्र- 2</u>

<u>कक्षा-9</u>

पूर्णांक: 80 **निर्धारित समय: 3 घंटे**

सामान्य निर्देशः

1) **इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं- खण्ड अ'और'ब'।खण्ड-अ में वस्तुपरक/बहुविकल्पीय और खण्ड-ब में वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।**
2) **प्रश्न-पत्र के दोनों खण्डों में प्रश्नों की संख्या 15 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**
3) **यथासम्भवसभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।**
4) **खण्ड'अ'में कुल 10 प्रश्न हैं,जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 48 है।दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 42 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।**
5) **खण्ड'ब'में कुल 5 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

<u>खण्ड -'अ'</u>

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय/ वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (7)

कश्मीर केवल अपनी प्राकृतिक सुषमा के कारण ही भारत का मणि मुकुट नहीं कहलाता। उसके अतीत में देखे तो उसके अतुलनीय गौरवशाली इतिहास की झाँकी मिलेगी। कश्मीर ने एक समय अपनी धरती पर ऐसे महापुरुषों को जन्म दिया जिन्होंने अपनी साधना द्वारा भारत को विश्वगुरु के आसन पर आसीन होने में अविस्मरणीय भूमिका निभाई थी। ऐतिहासिक परिस्थिति तथा भारत के राजनीतिक वातावरण के बदलने के साथ ही कश्मीर के वैभव की अवनति होती चली गई। इससे उसकी विश्वप्रसिद्ध छवि भी धूमिल होती चली गई। विदेशी आक्रमणों द्वारा कश्मीर का धार्मिक ताना-बाना परिवर्तित होता गया।हिन्दू बहुल राज्य में हिन्दू अल्पमत में आते चले गए। स्वतंत्रता के समय पाकिस्तानी सेना और बलूच कबाइलियों ने कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। विवश होकर महाराजा हरिसिंह ने भारत की शरण लेने को विवश कर दिया। सन 2019 कश्मीर के लिये एक नयी आशा और उज्ज्वल भविष्य लेकर आया है। प्रधानमंत्री की दृढ़ इच्छाशक्ति और सफलता कूटनीति ने कश्मीर को एक नयी आजादी दिलाई है। धारा 370 और 35ए को समाप्त करके कश्मीर के भारत में विलय को वास्तविकता प्रदान की गई है। एक समृद्ध और विकासोन्मुख कश्मीर का सपना अब साकार होगा। भ्रष्ट और देशद्रोही तत्वों का सफाया होगा। आतंकी घटनाओं पर लगाम लगेगी।

क)किस धारा को समाप्त करके कश्मीर के भारत में विलय को वास्तविकता प्रदान की गई है?

I] धारा 360 और 32बी

II] धारा 355 और 33ए

III] धारा 350 और 32ए

IV] धारा 370 और 35ए

विश्वगुरु बनाने में प्राचीन कश्मीर की क्या भूमिका थी भारत को (ख)?

I] प्राकृतिक सुषमा

II] महापुरुषों को जन्म दिया

III] अतुलनीय गौरवशाली इतिहास

IV] ऐतिहासिक परिस्थिति

(ग) विदेशी आक्रमणों का कश्मीर पर क्या परिणाम हुआ ?

I] कश्मीर वैभव की अवनति

II] कश्मीर का धार्मिक ताना-बाना परिवर्तित होता गया।

III] आतंकी घटनाओं पर लगाम लगेगी

IV] भ्रष्ट और देशद्रोही तत्वों का सफाया

(घ) महाराजा कश्मीर हरीसिंह को भारत की शरण में क्यों आना पड़ा?

(ङ) अनुच्छेद 370 तथा 35-ए समाप्त होने से कश्मीर के भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा ?

(2) निम्नलिखित अपठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय/ वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (7)

चलते चलो, चलते चलो
सूरज के संग-संग चलते चलो, चलते चलो।
तम के जो बंदी थे
सूरज ने मुक्त किए
किरणों से गगन पोंछा
धरती को रंग दिए
रुकने का मरण नाम पीछे सब प्रसार है।
आज है रंग-महल, युग के ही संग-संग चलते चलो।
मानव जिस और गया
नगर बने, तीर्थ बने
तुम से कौन बड़ा?
गगन-सिंधु मित्र बने
भूमि का भोगो सुख, नदियों का सोम पिओ।
त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग चलते चलो।

प्रश्न 1. 'चलते चलो' के द्वारा कवि पाठक को क्या संदेश दे रहा है?

I] कभी-कभी चलो

II] निरंतर चलो

III] कभी मत चलो

IV] रुक-रुक के चलो

प्रश्न 2. 'सूरज के संगसंग चलते चलो-' में कौन सा अलंकार है?1

I] अनुप्रास

II] यमक

III] रूपक

IV] श्लेष

प्रश्न 3. निम्न में से सूरज के सही पर्यायवाची है?

I] दिनकर, दिन

II] दिनकर, भास्कर

III] रवि, दिवस

IV] भास्कर, दिन

प्रश्न 4. मनुष्य ने अपने पुरुषार्थ से क्या किया?

प्रश्न 5. 'रुकने का नाम मरण' का तात्पर्य क्या है?

<u>व्याकरण (16 अंक)</u>

(3)निर्देशानुसार 'उपसर्ग और प्रत्यय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए। (1×4=4)

I] 'पढ़ाई' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय तथा मूल शब्द बताइए।

(क) पढ़+आई

(ख) पढ़ा+आई

(ग) पढ़ना+आई

(घ) पढ़+ई

II] 'अनु' उपसर्ग से एक शब्द बनाइए ।

(क) अनुचर

(ख) अनुपम

(ग) अनुपस्थित

(घ) अन्य

III] 'विदेशी' शब्द से मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए।

(क) वि+देश+ई

(ख) विदेश+इ

(ग) वि+देशी

(घ) विद+एशि

IV] 'स्वागत' शब्द से मूल शब्द और उपसर्ग अलग कीजिए।

गत+स्वा (क)

(ख) स्व+आगत

(ग) स+वागत

(घ) स्+वागत

V] 'बे' उपसर्ग से शब्द नही है?

(क) बेहिसाब

(ख) बेवकूफ

(ग)बेशर्म

(घ) बेचारा

(4) निर्देशानुसार 'समास' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए| (1×4=4)

I] जिस समास में प्रथम पद संख्यावाचक होता है, वह क्या कहलाता है?

(क) अव्ययीभाव समास

(ख) द्विगु समास

(ग) द्वंद्व समास

(घ) बहुव्रीहि समास

II] 'यथासमय' में प्रयुक्त समास का नाम लिखिए?

(क) अव्ययीभाव समास

(ख) द्विगु समास

(ग) द्वंद्व समास

(घ) बहुव्रीहि समास

III] जनसेवक में समास लिखिए?

(क) अव्ययीभाव समास
(ख) तत्पुरुष समास
(ग) द्वंद्व समास
(घ) बहुव्रीहि समास
IV] 'पाप-पुण्य' पद का समास भेद बताइए -
(क) अव्ययीभाव समास
(ख) तत्पुरुष समास
(ग) द्वंद्व समास
(घ) बहुव्रीहि समास
V] 'चक्रधर' पद का समास भेद बताइए -
(क) अव्ययीभाव समास
(ख) तत्पुरुष समास
(ग) द्वंद्व समास
(घ) बहुव्रीहि समास
(5) निर्देशानुसार 'अर्थ के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए- (1×4=4)
I] अर्थ के आधार पर वाक्य कितनी प्रकार के होते हैं?
(क) 7
(ख) 8
(ग) 9
(घ) 5
II]'मैं दूध पीता हूं' में अर्थ के आधार पर कौन सा वाक्य है?
(क) विधानवाचक वाक्य
(ख) प्रश्नवाचक वाक्य
(ग) संकेतवाचक वाक्य
(घ) संदेहवाचक वाक्य
III]'क्या तुम मेरे साथ चलोगे?' में अर्थ के आधार पर कौनसा वाक्य है?
(क) विधानवाचक वाक्य
(ख) प्रश्नवाचक वाक्य
(ग) संकेतवाचक वाक्य
(घ) संदेहवाचक वाक्य
IV]'यदि वर्षा होगी तो फसल अच्छी होगी' कौन सा वाक्य है?
(क) विधानवाचक वाक्य
(ख) प्रश्नवाचक वाक्य
(ग) संकेतवाचक वाक्य
(घ) संदेहवाचक वाक्य

V] 'यात्री पेड़ के नीचे लैटकर आराम कर रहा था।' कौन सा वाक्य है?
(क) विधानवाचक वाक्य
(ख) प्रश्नवाचक वाक्य
(ग) संकेतवाचक वाक्य

(घ) संदेहवाचक वाक्य

(6) निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए- (1×4=4)

I] 'विमल वाणी ने बिना ली कमल कमल कर में सप्रीत' मैं कौन सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास

(ख) यमक

(ग) श्लेष

(घ) रूपक

II] 'तीन बेर खाती थी, वह तीन बेर खाती थी' में कौन सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास

(ख) यमक

(ग) श्लेष

(घ) रूपक

III]'सुबरन को खोजत फिरत कवि, व्यभिचारी, चोर' पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास

(ख) यमक

(ग) श्लेष

(घ) रूपक

IV] 'आए महंत बसंत' पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास

(ख) यमक

(ग) श्लेष

(घ) रूपक

V] 'या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी। मनहु रंक निधि लूटन लागी।' पंक्ति में कौन सा अलंकार है?

(क) अनुप्रास

(ख) यमक

(ग) श्लेष

(घ) रूपक

<u>पाठ्य-पुस्तक क्षितिज भाग-1 (10 अंक)</u>

गद्य खण्ड (5 अंक)

(7) निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1×5=5)

नीलाम हो जाने के बाद दोनों मित्र उस दढ़ियल के साथ चले। दोनों की बोटी-बोटी काँप रही थी। बेचारे पाँव तक न उठा सकते थे, पर भय के मारे गिरते-पड़ते भागे जाते थे; क्योंकि वह जरा भी चाल धीमी हो जाने पर ज़ोर से डंडा जमा देता था। राह में गाय-बैलों का एक रेवड़ हरे-हरे हार में चरता नजर आया। सभी जानवर प्रसन्न थे, चिकने, चपल कोई उछलता था, कोई आनंद से बैठा पागुर करता था । कितना सुखी जीवन था इनका, पर कितने स्वार्थी हैं सब। किसी को चिंता नहीं कि उनके दो भाई बधिक के हाथ पड़े कैसे दुःखी हैं। सहसा दोनों को ऐसा मालूम हुआ कि यह परिचित राह है। हाँ, इसी रास्ते से गया उन्हें ले गया था। वही खेत, वही बाग, वही गाँव मिलने लगे। प्रतिक्षण उनकी चाल तेज होने लगी। सारी थकान, सारी दुर्बलता गायब हो गई। आह? यह लो !

अपना ही घर आ गया। इसी कुएँ पर हम पुर चलाने आया करते थे, यही कुआँ है ।

I] दढ़ियल व्यक्ति कौन था?

क) एक बधिक अर्थात् कसाई

ख) झूरी

ग) झूरी की पत्नी का भाई

घ) एक व्यापारी

II] दोनों बैल दढ़ियल के साथ चलते हुए क्यों काँप रहे थे?

क) उन्हें डर था कि वह दढियल उन्हें गया को न सौंप दे

ख) उन्हें स्वर्य को पीटे जाने का डर था

ग) उन्हें डर था कि वह उन्हें अब मार डालेगा

घ) उन्हें झूरी से दूर हो जाने का डर

III] बैलों को किनका जीवन अधिक सुखमय लगा?

क) गाँव के जीवन का

ख) दढ़ियल व्यक्ति का

ग) राह में मिले गाय-बैलों के झुंड का

घ) इनमें से कोई नहीं

IV) दोनों बैलों की चाल अचानक तेज क्यों हो गई?

क) इनमें से कोई नहीं

ख) वे गाय-बेलों के रेवड़ में मिल जाना चाहते थे

ग) उन्हें लगा कि वे जिस रास्ते से जा रहे हैं, वह परिचित है

घ] उनके मन में बूढ़े व्यक्ति को मारने का विचार आया

V] दुर्बलता में क्रमशः उपसर्ग व प्रत्यय कौन-से हैं?

क) दु:, लता

ख) दुर्, ता

ग) दु:, ता

घ) ता, दुर्

<u>काव्य खण्ड (7 अंक)</u>

(8) निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- (1×5=5)

पखापखी के कारनै, सब जग रहा भुलान।
निरपख होइ के हरि भजे, सोई संत सुजान।।

I] कबीर जी के अनुसार, किसके कारण पूरा संसार भक्ति के वास्तविक मार्ग को भूल गया है?

क) इनमें से कोई नहीं

ग) नास्तिकता के कारण

ख) पक्ष-विपक्ष के कारण

घ) लड़ाई झगड़े के कारण

II] हरिभजन के लिए किस भावना का होना आवश्यक है?

क) भेदभाव की भावना का

ख) धर्म पर विश्वास करने की भावना का

ग) पक्षपात की भावना का

घ) मन में निष्पक्षता की भावना का

III] निरपख होई के हरि भजै, सोई संत सुजान पंक्ति है क्या आशय है?

क) मनुष्य को बिना किसी पक्ष-विपक्ष भक्ति का मार्ग अपनाना चाहिए

ख) मनुष्य को बिना किसी तर्क-वितर्क के भगवान का भजन करना चाहिए

ग) सभी

घ) निष्पक्ष भक्ति करने वाला ही सच्चे अर्थों में संत कहलाता है

IV] सच्चा ज्ञानी कौन कहलाता है?

क) जो बैर भाव के साथ ईश्वर भजन करता है

ख) जो भेदभाव को सर्वोपरि रखता है

ग) जिसमें जातिवाद की भावना होती है

घ) जो बैर-भाव से दूर रहकर ईश्वर भजन करता है

V] 'सोई संत सुजान' में कौन-सा अलंकार है?

क) उपमा

ख) यमक

ग) उत्प्रेक्षा

घ) अनुप्रास

<u>खण्ड - 'ब'</u>

<u>(वर्णनात्मक प्रश्न)</u>

पाठ्य-पुस्तक क्षितिज भाग-1 व पूरक पाठ्य-पुस्तक [कृतिका भाग-1] (20 अंक)

(9) गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए - (2×3=6)

(क) यह यात्रा राहुल जी ने 1930 में की थी। आज के समय यदि तिब्बत की यात्रा की जाए तो राहुल जी की यात्रा से कैसे भिन्न होगी?

(ख) आपकी दृष्टि में वेश-भूषा के प्रति लोगों की सोच में आज क्या परिवर्तन आया है?

(ग) लेखक श्यामाचरण दुबे के अनुसार, हम दिग्भ्रमित और अन्यों से निर्देशित क्यों हैं?

(घ) कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभर कर आए हैं?

(10) निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- (2*3=6)

I] कवयित्री ललद्यद ने ईश्वर का निवास कहाँ बताया है?

II] 'मेघ आए 'कविता की भाषा अलंकारमयी है- उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए?

III] कवि ने कोयल को बावली क्यों कहा है?

IV] एक लकुटी और कामरिया पर कवि रसखान सब कुछ न्योछावर करने को क्यों तैयार है?

(11) पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 - शब्दों में लिखिए- (4x2=8)

I] अच्छा है, कुछ भी नहीं। कलम थी वह भी चोरी चली गई। अच्छा है, कुछ भी नहीं मेरे पास। -मूवी कैमरा टेप रिकॉर्डर आदि की तीव्र उत्कंठा होते हुए भी लेखक ने अंत में उपर्युक्त कथन क्यों कहा? इस जल प्रलय में पाठ के अनुसार बताइए।

II] मेरे संग की औरतें पाठ के आधार पर अपनी परदादी के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं से लेखिका प्रभावित थी? अपने शब्दों में लिखिए ।

III] लड़कियों का उच्च शिक्षित होना आज के युग में भी अभिशाप क्यों समझा जाता है? रीढ़ की हड्डी पाठ के आधार पर तर्क सहित स्पष्ट कीजिए ।

रचनात्मक लेखन (20 अंक)

(12). निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- (6×1=6)

I] जीवन में सत्संग का महत्त्व

[संकेत बिंदु- {सत्संग क्या है} {सत्संग दुर्लभ} {सत्संग के लाभ}]

II] यात्रा जिसे मैं भूल नहीं पाता

[संकेत बिंदु - {कहाँ की यात्रा} {विशेष घटना का वर्णन} {अविस्मरणीय कैसे?}]

III] महानगरीय जीवन-एक वरदान या अभिशाप

[संकेत बिंदु- {शहरों की ओर बढ़ते कदम}{दिवास्वप्न}{वरदान रूप}{महानगरीय जीवन-एक अभिशाप}]

(13) किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए- (5×1=5)

आपके विद्यालय में खेल सुविधाएँ बहुत कम हैं। अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए, जिसमें खेल संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध कराने की प्रार्थना की गई हो

अथवा

रेल में यात्रा करते समय आपका सामान चोरी हो गया था। खोए हुए सामान की जानकारी देते हुए सुरक्षा आयुक्त, मंडल कार्यालय नई दिल्ली को पत्र लिखिए।

(14) परोपकार का परिणाम विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए| (4x1=4)

अथवा

अपने मित्र को अपनी जन्मदिन की पार्टी के लिए निमंत्रण देने हेतु लगभग 80-100 शब्दों में ई-मेल लिखिए।

(15) दो दोस्तों के बीच जीवन लक्ष्य को लेकर संवाद लेखन -(5x1=5)

अथवा

आपके विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन हेतु इच्छुक छात्रों को जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।

उत्तरमाला-2

प्रश्न-1

(क) IV] धारा 370 और 35ए

(ख) II] महापुरुषों को जन्म दिया

(ग) II] कश्मीर का धार्मिक ताना-बाना परिवर्तित होता गया।

(घ) पाकिस्तनी सेना और बलूच कबाइलियों के कश्मीर पर आक्रमण से भयभीत होकर महाराजा हरीसिंह ने भारत से सुरक्षा की गुहार की।

(ङ) अनुच्छेद 370 तथा 35 ए समाप्त किए जाने से कश्मीर तेजी से विकसित होगा। भ्रष्ट और देशद्रोही तत्वों का सफाया होगा। आतंकी घटनाएँ समाप्त हो जाएँगी

प्रश्न-2

(क) II] निरंतर चलो

(ख) I] अनुप्रास

(ग) II] दिनकर, भास्कर

(घ) मनुष्य ने अपने पुरुषार्थ से चारों तरफ नव-निर्माण किया|

(ड़) जीवन में हार कर निराश हो ठहर जाना।

प्रश्न-3

(I) (क) पढ़+आई

(II) (क) अनुचर

(III) (क) वि+देश+ई

(IV) (ख) सु+आगत

(V) (ख) बेवकूफ

प्रश्न-4

(I) (ख) द्विगु समास

(II) (क) अव्ययीभाव समास

(III) (ख) तत्पुरुष समास

(IV) (ग) द्वंद्व समास

(V) (घ) बहुव्रीहि समास

प्रश्न-5

(I) (ख) 8

(II) (क) विधानवाचक वाक्य

(III) (ख) प्रश्नवाचक वाक्य

(IV) (ग) संकेतवाचक वाक्य

(V) (घ) संदेहवाचक वाक्य

प्रश्न-6

(I) (क) अनुप्रास

(II) (ख) यमक

(III) (ग) श्लेष

(IV) (ख) यमक

(V) (क) अनुप्रास

प्रश्न-7

(I) क) एक बधिक अर्थात् कसाई

(II) ग) उन्हें डर था कि वह उन्हें अब मार डालेगा

(III) ग) राह में मिले गाय-बैलों के झुंड का

(IV) ग) उन्हें लगा कि वे जिस रास्ते से जा रहे हैं, वह परिचित है

(V) ख) दुर्, ता

प्रश्न-8

(I) ख) पक्ष-विपक्ष के कारण

(II) घ) मन में निष्पक्षता की भावना का

(III) क) मनुष्य को बिना किसी पक्ष-विपक्ष भक्ति का मार्ग अपनाना चाहिए

(IV) घ) जो बैर-भाव से दूर रहकर ईश्वर भजन करता है

(V) घ) अनुप्रास

प्रश्न-9 (I) 1930 में तिब्बत में आना-जाना आसान न था। ऐसा राजनैतिक कारणों से था। आज उचित पासपोर्ट के साथ आसानी से यह यात्रा की जा सकती है। अब भिखमंगों के वेश में यात्रा करने की आवश्यकता नहीं है। अब यात्रा के लिए विभिन्न साधनों का प्रयोग किया जा सकता है। अब वहाँ डाकुओं का भय नहीं था|

(II) आज की दुनिया दिखावे के प्रति ज़्यादा जागरूक है। लोग आपका सम्मान आपकी वेश - भूषा करते है अर्थात व्यक्ति का मान - सम्मान और चरित्र भी वेशभूषा पर निर्भर करती है। आजकल सादगी से जीवन जीने वालों को पिछड़ा समझा जाता है। यहाँ तक वेषभूषा और विचारों का लेना देना नहीं है|

(III) संस्कृति की नियंत्रक शक्तियों के क्षीण हो जाने के कारण हम दिग्भ्रमित हो रहे हैं। हमारा समाज ही अन्य- निर्देशित होता जा रहा है। विज्ञापन और प्रसार के सूक्ष्म तंत्र हमारी मानसिकता बदल रहे हैं। उनमें सम्मोहन की शक्ति है, वशीकरण की भी ।

(IV) 1. विपत्ति के समय हमेशा मित्र की सहायता करनी चाहिए।

2. आजादी के लिए हमेशा सजग एवं संघर्षशील रहना चाहिए।

3. अपने समुदाय के लिए अपने हितो का त्याग करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

प्रश्न-10

(I)कवयित्री ने ईश्वर को सर्वव्यापी बताते हुए उसे हर जगह पर व्याप्त रहने वाला कहा है। वास्तव में ईश्वर का वास हर प्राणी के अंदर है परंतु मत-मतांतरों के चक्कर में पड़कर अज्ञानता के कारण मनुष्य अपने अंदर बसे प्रभु को नहीं पहचान पाता है।

(II) इन पंक्तियों में शहर में रहने वाले दामाद का गाँव में सज-सँवरकर आने का सुंदर चित्रण है। पाहुन ज्यों आए हों गाँव में शहर के' में उत्प्रेक्षा अलंकार, 'बड़े बन-ठनके' में अनुप्रास तथा 'मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के' में मानवीकरण अलंकार है। भाषा साहित्यिक खड़ी बोली है।

(III)कवि ने कोयल को बावली इसीलिए कहा है क्योंकि यह रात का वक़्त है जब सब सोए हुए होते है लेकिन उस वक़्त कोयल सोने के जगह कूक रही है ।

(IV) कवि हर वह काम करने को तैयार है जिससे वह कृष्ण के सान्निध्य में रह सके। इसलिए वहएक लकुटी और कम्बल पर अपना सब कुछ न्योछावर करने को तैयार है।

प्रश्न-11

(I)लेखक बाढ़ के अनुभव को पूरी तरह जीना और भोगना चाहता है। उधर उसका कलाकार मन चाहता है कि वह बाढ़ के दृश्यों को सँजो ले। यदि उसके पास मूवी कैमरा, टेप रिकॉर्डर या कलम होती तो वह बाढ़ का निरीक्षण करने की बजाय उसका चित्रण करने में लग जाता। तब जीवन को साक्षात भोगने का अवसर उसके हाथ से निकल जाता।

(II)लेखिका ने अपनी नानी के बारे में घर के अन्य लोगों से बहुत कुछ सुना था। लेखिका की नानी अपने पति के जीवन में किसी भी प्रकार का दखल नहीं देती थीं। लेकिन वह घर की चारदीवारी में भी रहकर अपने ढ़ंग से जीवन जीती थीं

(III)लड़कियों का उच्च शिक्षित होना आज भी अभिशाप इसलिए समझा जाता है क्योंकि कुछ लोग सोचते है की अगर लड़की पढ़ी-लिखी होगी तो वो अपने परिवार वालो की सभी बातों के बीच में बोलेगी|

प्रश्न-12

(I) सत्संग का अर्थ है अच्छे लोगों अर्थात् सज्जनों का साथ। सज्जनों के साथ रहना, उनकी बातें सुनना, उन्हें जीवन में उतारना ही सत्संग कहलाता है। सत्संग के कारण हमारे जीवन में परिवर्तन होने लगते हैं। इस संसार में सत्संग दुर्लभ माना जाता है। जिस पर ईश्वर की कृपा होती है, उसी को सत्संग का अवसर मिल पाता है। इससे हमारे मन, बुद्धि और मस्तिष्क का विकास होता है। इससे हमारे सोच-विचार और आचरण में बदलाव आने लगता है। व्यक्ति सत्संग के बिना विवेकवान नहीं हो सकता है। तभी तो तुलसीदास ने कहा है- बिनु सत्संग विवेक ने होई। मनुष्य को जीने के लिए जिस प्रकार हवा और पानी की आवश्यकता होती है उसी प्रकार जीवन में उत्थान विकास और विवेकवान बनने के लिए सत्संग आवश्यक है। सत्संग के विषय में कवि रहीम पहले ही कह चुके हैं-'जैसी संगति कीजिए, तैसोई फल दीन।' अर्थात् संगति के अनुसार मनुष्य को फल मिलता है। स्वाति नक्षत्र की एक बूंद केले के पत्ते पर पड़कर कपूर, हाथी के मस्तक पर पड़कर गजमौक्तिक और सीप में पड़कर मोती बन जाती है। अतः हमें भी सत्संग अवश्य करना चाहिए।

(ii) मैंने अलग-अलग साधनों से अपने जीवन में कई यात्राएँ की हैं। मैं रमेश चौहान एक गाँव का रहने वाला हूँ जो आगरा जिले में आता है। मैं अपनी परीक्षा देने के लिए नागपुर जा रहा हूँ। मैं आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के इंतज़ार में खड़ा था तभी थोड़ी देर में ट्रेन आ गई और मैं अपना बैग लेकर उसमें चढ़ गया।

विशेष घटना का वर्णन - मैं अभी तक अकेला ही था लेकिन तभी अचानक एक लड़का मेरी तरफ़ दौड़ा, जिसका नाम अमन था वह मुझसे कुछ कहने की कोशिश करने लगा लेकिन वह इतना अधिक घबराया हुआ था कि कुछ भी नहीं बोल पा रहा था । मैंने उसे तसल्ली दी और उससे उसके विषय में पूछा तो वह बोला कि वह भी महाराष्ट्र जा रहा है लेकिन उसकी सीट कन्फर्म नहीं है। मैंने उसे धैर्य बँधाते हुए अपनी सीट पर बैठा लिया।

अविस्मरणीय कैसे - अब वह शांत व प्रसन्न नज़र आ रहा था। धीरे-धीरे हम दोनों में बातचीत शुरू हो गई, कुछ ही देर में ऐसा महसूस होने लगा कि हम दोनों एक-दूसरे को काफ़ी अच्छी तरह से जानते हैं। रेल तेजी से गंतव्य की ओर चली जा रही थी । हम दोनों ने एक साथ भोजन किया। हवा तेज़ थी। जब हम नागपुर से कुछ दूर ही थे तभी हमें संतरों के दूर-दूर फैले बाग दिखने लगे। संतरों की खुशबू से वातावरण महक रहा था। तभी नागपुर रेलवे स्टेशन पर आकर रेल रुकी और मैं अमन को, जो अब तक मेरा दोस्त बन चुका था, अलविदा कह कर रेल से उतर गया। एक अज़नबी की मदद व अमन के व्यवहार से मेरा मन प्रसन्न था । अतः जब कभी दूसरों की सहायता करने का अवसर मिले तो हमें अपने कर्तव्य का निर्वाह अवश्य करना चाहिए।

(III) आदिकाल में जंगलों में रहने वाले मनुष्य ने ज्यों-ज्यों सभ्यता की दिशा में कदम बढ़ाए, त्यों-त्यों उसकी आवश्यकताएँ बढ़ती गईं। उसने इन आवश्यकताओं की पूर्ति का केंद्र शहर प्रतीत हुए और उसने शहरों की ओर कदम बढ़ा दिए। महानगरों का अपना विशेष आकर्षण होता है। यही चमक-दमक गाँवों में या छोटे शहरों में रहने वालों को विशेष रूप से आकर्षित करती है। उसे यहाँ सब कुछ आसानी से मिलता प्रतीत होता है। इसी दिवास्वप्न को देखते हुए उसके कदम महानगरों की ओर बढ़े चले आते हैं। इसके अलावा वह रोज़गार और बेहतर जीवन जीने की लालसा में इधर चला आता है। धनी वर्ग के लिए महानगर किसी वरदान से कम नहीं। उनके कारोबार यहाँ फलते-फूलते हैं। कार, ए.सी., अच्छी सड़कें, विलासिता की वस्तुएँ, चौबीसों घंटे साथ निभाने वाली बिजली यहाँ जीवन को स्वर्गिक आनंद देती हैं। इसके विपरीत गरीब आदमी का जीवन यहाँ दयनीय है। रहने को मलिन स्थानों पर झुग्गियाँ, चारों ओर फैली गंदगी, मिलावटी वस्तुएँ, दूषित हवा, प्रदूषित पानी यहाँ के जीवन को नारकीय बना देते हैं। ऐसा जीवन किसी अभिशाप से कम नहीं।

प्रश्न- 13
सेवा में
प्रधानाचार्य महोदय
केन्द्रीय विदयालय
मंगोलपुरी दिल्ली
विषय-खेल संबंधी असुविधाओं के संबंध में।
महोदय
मैं आपके विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। मैं आपका ध्यान इस विद्यालय में खेल संबंधी कमियों की ओर आकर्षित कराना चाहता हूँ।श्रीमान, बरसात के बाद हमारे विद्यालय के खेल का मैदान जगह-जगह के कारण मच्छर एवं अन्य कीट-पतंगों की भरमार हो गई है जिससे वहाँ खेला नहीं जा सकता है। इसके अलावा यहाँ खेल के सामानों की घोर कमी है। इससे खेल-पीरियड में हमें माँगने पर सामान नहीं मिल पाता है। जो सामान मिलते हैं वे दयनीय स्थिति में होते हैं। इससे हम छात्र खेलने से वंचित रह जाते हैं और हम चाहकर भी खेल प्रतियोगिताओं में कोई पदक नहीं ला पाते हैं।
अतः आपसे प्रार्थना है कि खेलों का नया सामान मँगवाने के अलावा खेल के मैदान की दशा सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाने की कृपा करें।
धन्यवाद
भवदीय
XXXXXX
IX 'अ' अनु-10
13 अगस्त, 20XX

अथवा

सेवा में

सुरक्षा आयुक्त

मंडल कार्यालय
नई दिल्ली
विषय-खोए हुए सामान के संबंध में।
महोदय
निवेदन यह है कि कल इलाहाबाद से नई दिल्ली आते समय प्रयागराज एक्सप्रेस में मेरा सूटकेस चोरी हो गया है। गाज़ियाबाद स्टेशन के बाद चोरी की यह घटना घटी। उस समय मैं अगले कोच में मित्र से मिलने चला गया था। काले रंग के इस वी.आई. पी. सूटकेस में मेरा पहचान पत्र, डायरी, पाँच हज़ार रुपये नकद तथा कुछ अन्य आवश्यक कागजात थे।
आपसे प्रार्थना है कि इस खोए सूटकेस की सूचना दर्ज कर इसे वापस दिलाने में मेरी मदद करें और सूटकेस मिलते ही नीचे दिए गए पते पर सूचित करने का कष्ट करें।
धन्यवाद
भवदीय
मोहन शर्मा
ए. 7/312

सेक्टर 9. द्वारका

दिल्ली।

05 सितंबर, 20XX

प्रश्न-14 एक बार की बात है गांव में एक संत आए और उन्होंने देखा की बहुत सारे लोग मिलकर एक सर्प को मार रहे हैं। संत ने उन लोगों को कहा कि आप लोग इस बेचारे निरीह प्राणी को क्यों मार रहे हैं? इसने आपका क्या बिगाड़ा है? तब गांव वालों ने कहा कि अगर हम इसको नहीं मारेंगे तो यह हमको नुकसान पहुंचाएगा?

यह सुनते ही संत ने उन लोगों को समझाते हुए कहा कि यह तब तक आप लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा, जब तक कि आप लोग इसको नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। कुछ दिनों बाद संत जी पास के ही एक तालाब में नहाने जा रहे थे तो उन्होंने रास्ते में एक सर्प को देखा वह सर्प संत की ओर फन काढ़े है बैठा था। संत ने उस सर्प को देखकर अपना रास्ता बदल लिया और तालाब की दूसरी ओर जाकर नहाने लगे। कुछ देर बाद जब वह आए तो देखा कि तालाब के जिस तरफ वह नहाने जा रहे थे। उसी तरफ बारिश की वजह से बहुत बड़ा गड्ढा हो गया था। अगर सर्प ने उनका रास्ता नहीं रोका होता तो संत उस गड्ढे में समा जाते, इसीलिए कहा गया है कि परोपकार इस दुनिया का सबसे बड़ा धर्म है और यह कभी भी खाली नहीं जाता।अगर आपने किसी व्यक्ति या प्राणी पर परोपकार किया है तो भगवान आपकी भी मुख्य समय पर सहायता करेंगे।

अथवा

प्रेषक (From) : xyz@abc.com

प्रेषिती (To) : def@gmail.com

CC : आवश्यकता अनुसार

BCC : आवश्यकता अनुसार

विषय : पार्टी का निमंत्रण

अभिवादन : प्रिय राजू

मुख्य विषय वस्तु : मुझे लगता है कि तुम्हें मेरा जन्मदिन याद होगा। इसलिए मुझे तुम्हें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 09 अगस्त को होटल प्लाजा में जन्मदिन की पार्टी है। जिसका समय रात में 11 से 01 बजे तक है।

समापन : तुम्हें इस बर्थडे पार्टी में जरूर आना है।

अटैचमेंट ज्वाइन करें : आवश्यकतानुसार

हस्ताक्षर : रमेश

प्रश्न-15

अनिल: “तुम दसवीं कक्षा के बाद कौन सा विषय लेने की सोच रहे हो?”

आदित्य: “मैं तो विज्ञान के विषय पढ़ूंगा।”

अनिल: “क्यों?”

आदित्य: “क्योंकि मैं बड़े होकर एक डॉक्टर बनना चाहता हूँ। तुम्हारे जीवन का क्या लक्ष्य है?”

अनिल: “मैं एक अध्यापक बनना चाहता हूँ।”

आदित्य: “एक डॉक्टर सबकी सेवा करता है, लोगों के दुःख दर्द दूर करता है। मैं भी बड़े होकर बीमार लोगों की सहायता करना चाहता हूँ।”

अनिल: “मैं विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करके उनके जीवन को उज्जवल बनाना चाहता हूँ। मेरे विचार में यह सबसे अच्छी मानव सेवा है।”

अथवा

सूचना

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल

नाटक मंचन का आयोजन

दिनांक : 24/07/2019

इस विद्यालय के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय के वार्षिक उत्सव में नाटक मंचन किया जाएगा। जो भी छात्र नाटक में अभिनय करने के इच्छुक हों. वे 03 अगस्त 2019 को अंतिम दो कक्षा (Period) में स्क्रीन टेस्ट हेतु विद्यालय के सभागार में उपस्थित रहें।

राकेश कुमार

छात्र सचिव

केन्द्रीय विद्यालय संगठन चंडीगढ़ संभाग25-2024

अध्ययन सामग्री प्रतिदर्श प्रश्न पत्र कक्षा नवमी (हिन्दी)

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र -3

पूर्णांक : 80 अवधि :3 घंटे

सामान्य निर्देश -:

- प्रश्न क - पत्र में चार खंड हैं -, ख , ग , घ ।
- चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के क्रमशः उत्तर दीजिए।
- साफ ब सुंदर लिखे।

खंड- क (अपठित बोध)

प्रश्न:1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए) -1×3=3) (2× 2=4)

भारत में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंधइस्तेमाल न सिर्फ खेतों में, बल्कि खेतों से बाहर मंडियों तक में होने लगेगा। विशेषज्ञोंके मुताबिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिएसही नहीं है, लेकिन जिस रफ़्तार से देश की आबादी बढ़ रही है, उसके मद्देनज़र फ़सलोंकी अधिक पैदावार ज़रूरी थी। समस्या सिर्फ रासायनिक खादों के प्रयोग की ही नहीं है।देश के ज़्यादातर किसान परंपरागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं।दो दशक पहले तक हर किसान के यहाँ गाय, बैल और भैंसखूटों से बँधे मिलते थे। अब इन मवेशियों की जगह ट्रैक्टरट्राली ने ले ली है। परिणामस्वरूपगोबर और घूरे - में गेहूँ की फ़सल कटने के बाद बैसाख-की राख से बनी कंपोस्ट खाद खेतों में गिरनी बंद हो गई। पहले चैत किसान अपने खेतों में गोबर, राख और पत्तों से बनी जैविकखाद डालते थे। इससे न सिर्फ खेतों की उर्वराशक्ति - बरकरार रहती थी, बल्कि इससे किसानोंको आर्थिक लाभ के अलावा बेहतर गुणवत्ता वाली फसल मिलती थी।

1. गोबर व घूरे की राख से बनी खाद कौन सी होतीहै?

(क कृत्रिम खाद। (ख कंपोस्ट खाद

(ग रासायनिक खाद (घ कीटनाशक खाद

2. फसलों की अधिक पैदावार क्यों जरूरी है?

(क) देश की आबादी बढ़ने के कारण

(ख) निर्यात करने के लिए

(ग) लिए लोगों में बांटने के

(घ) खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए

3. देश के ज्यादातर किसान किससे दूर होते जारहे हैं?

(क जैविक खाद से। (ख) परंपरागत खेती से

(ग) रासायनिक खाद से। (घ) किसी से नहीं

4. खेतों की उर्वरा शक्ति धीरेधीरे खत्म कैसे- हो गई?

5. हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य क्या था?

प्रश्न:2 निम्नलिखितपद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (1×3=3) (2× 2=4)

धर्मराज ,सन्यास खोजता करता है मन की
है सच्चा मनुजत्व ग्रंथियां सुलझाता जीवन की।
दुर्लभ नहीं मनुज के हित निजी व्यक्तिक सुख पाना,
किंतु कठिन है कोटिकोटि मनुष्यों को सुखी बनाना।-

आशा के प्रदीप को जलाए चलो धर्मराज,
एक दिन होगी मुक्त भूमि रण भीति से,
भावना मनुष्य की न राग में रहेगी लिप्त,
सेवित रहेगा नहीं जीवन अनीति से,
हार से मनुष्य की न महिमा घटेगी और
तेज न बढ़ेगा किसी मानव का जीत से।
स्नेह बलिदान होंगे माप नरता के एक,
धरती मनुष्य की बनेगी स्वर्ग प्रीति से।

1. काव्यांश मैं सर्वाधिक कठिन कार्य क्या बताया गया है?
   (क) शासन चलाना (ख) युद्ध में विजय पाना
   (ग) मानव जाति को सुखी बनाना। (घ) सन्यास लेना
2. मानवता की माप किससे की जाएगी?
   (क) स्नेहा तथा बलिदान से। (ख) संपन्नता से
   (ग)शक्ति से। (घ) आधुनिकता से
3. ' वैयक्तिक ' शब्द में कौन सा प्रत्यय है -
   (क) क (ख) तक
   (ग) इक (घ) इत
4. कवि ने मन की कायरता किसे माना है?
5. किस बात के लिए कवि आशान्वित है?

खंड ख व्यवहारिक व्याकरण बोध

प्रश्न:3 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - (1×4=4)

1. निम्न में से अव्ययीभाव समास की विशेषता है -
   (क) प्रथम पद प्रधान होता है।
   (ख) दोनों पद प्रधान होते हैं।
   (ग) तीसरा पद प्रधान होता है
   (घ) कोई भी पद प्रधान नहीं होता।

2. निम्न में से तत्पुरुष समास का उदाहरण है -
   (क) भलामानस (ख हवन सामग्री
   (ख)दशानन। (घ) प्रतिदिन
3. निम्न में से बहुव्रीहि समास का उदाहरण नहीं है -
   (क) नीलकंठ (ख)त्रिनेत्र
   (ग) यथा शीघ्र (घ) गोपाल
4. निम्नलिखित में से कर्मधारय समास का उदाहरण है -
   (क) षडानन। (ख) नवरत्न
   (ग) महाराजा। (घ) भयप्राप्त
5. जिस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं वह कौनसा होता है .-
   (क) अव्ययी भाव (ख) तत्पुरुष समास (ग) कर्मधारय (घ) द्वंद्व समास

प्रश्न:4 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - (1×4=4)

1. वे शब्दांश जो शब्द के प्रारंभ में जुड़कर उसके अर्थ को बदल देते हैं वे कहलाते हैं-
   (क) उपसर्ग (ख) प्रत्यय (ग) वाक्य (घ)अलंकार

2. अनुशासित शब्द में प्रत्यय है-

(क)अनु (ख) शास (ग) सित (घ) इत

3. ' पौराणिक' शब्द में मूल शब्द है -

(क) पौराण (ख) पुराण (ग) पौरा (घ)पौ

4. ' अत्याचार ' शब्द में उपसर्ग है -

(क) अत्य (ख)अ (ग) अति (घ)आचार

5. ' घबराहट ' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय को अलग करके लिखिए-

(क) घबर +आहट (ख) घबरा +आहट (ग) घब+ आहट (घ)घट +घबराह

प्रश्न:5 निम्नलिखित में से किन्ही चार प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - (4×1=4)

नीचे दिए गए वाक्यों का प्रकार बताइए-

1. 'अरे इतनी ऊंची इमारत !'।

(क) इच्छा वाचक वाक्य (ख) विधानवाचक वाक्य

(ग) विस्मयादिबोधक वाक्य (घ) संकेतवाचक वाक्य

2. 'यदि तुम पढ़ोगे तो पास हो जाओगे '।

(क) संदेह वाचक वाक्य (ख) संकेतवाचक वाक्य

(ग) विधानवाचक वाक्य (घ) आज्ञा वाचक वाक्य

3. निम्न में से आज्ञावाचक वाक्य का उदाहरण है -

(क) आज बारिश आएगी।

(ख) मैं आज विद्यालय नहीं जाऊंगा

(ग) दरवाजा बंद कर दो।

(घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. अर्थ के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते हैं ?

(क) सात (ख) पांच (ग) आठ (घ) चार

5. ' राम ने रावण का वध किया ।' इस वाक्य में निम्न में से उद्देश्य है -

(क) राम (ख) रावण (ग) वध (घ) किया

प्रश्न:6. निम्नलिखित में से किन्ही चार प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - (4×1 =4)

1. ' मधुबन की छाती को देखो, सुखी इसकी कितनी कलियां ' निम्न पंक्ति में अलंकार है

(क) श्लेष अलंकार (ख) रूपक अलंकार

(ग) अनुप्रास अलंकार। (घ) यमक अलंकार

2. जहां एक ही वर्ण की बार-बार आवृत्ति होती है वहां अलंकार होता है-

(क) अनुप्रास अलंकार। (ख) यमक अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार (घ) अतिशयोक्ति अलंकार

3. ' <u>कनक कनक -</u> ते सौ गुनी मादकता अधिकाय ' रेखांकित शब्द में अलंकार है

(क) श्लेष अलंकार (ख) यमक अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार। (घ) उपमा अलंकार

4. निम्न में से अनुप्रास अलंकार का उदाहरण है -

(क) मेघ मई आसमान से उतर रही संध्या सुंदरी

(ख प्रीति नदी में पांव न बोरियों

(ग) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही थी जल थल में।

(घ) जग का बुझा सूरज है- बुझा

5. निम्न में से अर्थालंकार है -

(क) रूपक (ख) अनुप्रास

(ग) यमक (घ) इनमें से कोई नहीं

खंड (पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तक) ग -

प्रश्न-7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें| (1x5=5)

उन जैसा शायद ही कोई हुआ हो "चरबर्ड वा"| लेकिन एकान्त क्षण में सालिम अली बिना दूरबीन के भी देखे गए हैं | दूर क्षितिज तक फैली जमीन और आसमान को छूने वाली उनकी नजरों में कुछ वैसा ही जादू था, जो प्रकृति को अपने घेरे मे बांध लेता है| सालिम अली उन लोगों मे से थे जो प्रकृति के प्रभाव मे आने के बजाय प्रकृति को अपनेप्रभाव मे लाने के कायल होते हैं| उनके लिए प्रकृति मे हर तरफ हँसतीखेलती - एक रहस्यभरी दुनिया पसरी थी| यह दुनिया उन्होने बड़ी मेहनत से अपने लिए गढ़ी थी| इसके गढ़ने मे उनकी जीवन साथी तहमीना ने काफी मदद पहुँचाई थी| तहमीना स्कूल के दिनों मे उनकी सहपाठी रही थी |
अपने लंबे रोमांचकारी जीवन में ढेर सारे अनुभवों के मालिक सालिम अली एक दिन केरल की साइलेंट में लिखो रेगिस्तान हवा के झोंकों से बचने का अनुरोध लेकर चौधरी चरण सिंह से मिले थे वह प्रधानमंत्री थे चौधरी साहब गांव की मिट्टी पर पड़ने वाली पानी की पहली बूंद का असर जानने वाले नेता थे। पर्यावरण के संभावित खतरों का जो चित्र सलीम अली ने उसके सामने रखा उसने उनकी आंखें नम कर दी थी।

1. "बर्ड वाचर " शब्द किसके लिए प्रयोग हुआ है?

(क) लेखक (ख) लारेंस (ग) फ्रीडा (घ) सालिम अली

2. सालिम अली दूरबीन का प्रयोग क्यों करते थे?

(क) पक्षियों के सूक्ष्म निरीक्षण के लिए (ख)पेड़ - पौधों को देखने के लिए

(ग) पशुओं को देखने के लिए (घ इनमे से से कोई नहीं

3. गांव की मिट्टी पर पड़ने वाली पानी की पहली बूंद का असर जानने वाले कौन थे?

(क) सालिम अली (ख) तहमीना

(ग) चौधरी चरण सिंह (घ) कोई नही

4. ' बर्ड वाचर ' शब्द का अर्थ है -

(क) पक्षियों के बारे में जानने वाला

(ख) पेड़ पौधों के बारे में जानने वाला

(ग) प्रकृति के बारे में जानने वाला

(घ) मनुष्य के बारे में जानने वाला

5. सालिम अली के लिए प्रकृति कैसी थी?

(क) प्रकृति के प्रभाव में आना

(ख) प्रकृति को अपने प्रभाव में लाना

(ग) हस्ती -खेलती रहस्य भरी दुनिया

(घ) उपर्युक्त सभी

प्रश्न8 : निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए (5×1=5)

मोको कहां ढूंढे बंदे, मैं तो तेरे पास में।
ना मैं देवल, ना मैं मस्जिद ,ना काबे कैलास में।।
ना तो कौने क्रियाकर्ममें ,नहीं योग बैराग में।
खोजी होय तो तुरतै मिलि हो,पल भर की तालास में।
कहै कबीर सुनो भई साधो, सब स्वांसो की स्वांस में।।

1. पद के अनुसार मनुष्य ईश्वर को कहां नहीं खोजता है-

(क) मंदिर में (ख) मस्जिद में (ग) अमरनाथ में (घ) काबा कैलास में

2. ' क्रिया कर्म' किसे कहा गया है?

(क) संस्कार को मृत्यु (ख) पूजा- उपासना को

(ग) जन्म- संस्कार को (घ) विवाह संस्कार को

3. ईश्वर का निवास कहाँ बताया गया है -

(क) सांसों में (ख) घर में

(ग) मंदिर में (घ) मस्जिद में

4. यहां ' मोको ' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(क) स्वयं के लिए (ख) दूसरे के लिए

(ग) ईश्वर के लिए (घ) भक्त के लिए

5. ' तुरतै ' शब्द का अर्थ है -

(क) देर (ख) शीघ्र (ग) ईश्वर (घ) तुम

<u>वर्णनात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न .9 निम्नलिखित प्रश्नों से किन्हीं तीन के उत्तर 25- 30 शब्दों में दीजिए - (2× 3=6)

1. ' दो बैलों की कथा ' कहानी से बैलों के माध्यम से कौन कौन से नीति विषयक मूल्य उभर-कर आएहैं?
2. ' ल्हासा की ओर ' पाठ में लेखक को अपनी यात्रा के दौरान बहुत सारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा,उन्हें लिखिए।
3. आपके अनुसार वस्तुओं को खरीदने का आधार वस्तु की गुणवत्ता होनी चाहिए या उसका विज्ञापन।तर्क देकर स्पष्ट करें।
4. ' मेरे बचपन के दिन ' पाठ में लेखिका की लेखन प्रतिभा को किसने पहचान दी और उसे कैसे प्रोत्साहन दिया ?

प्रश्न:10 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 25- 30 शब्दों में दीजिए- (2× 3=6)

1. ' वाख' कविता में कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं ?
2. गोपियां अपने होठों पर मुरली क्यों नहीं रखना चाहती?
3. ' कैदी और कोकिला' कविता में किस शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई और क्यों?
4. ' बच्चे काम पर जा रहे' कविता में बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है?

प्रश्न:11 पूरक पुस्तक के निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए) -2×4=8)

1. शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़कीसमाज को कैसे व्यक्तित्व की ज़रूरत है-? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
2. डरानेधमकाने-, उपदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी सही राह पर लाया जा सकता हैपाठ के आधार पर तर्क सहित उत्तर दीजिए।-
3. मृत्यु का तरल दूत किसे कहा गया है और क्यों?

खंड (रचनात्मक बोध) घ -

प्रश्न -12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए -

(क) करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान (1×6=6)

1. जीवन में उन्नति के लिए अभ्यास आवश्यक
2. परिश्रम, लगन एवं कर्मशीलता को जीवन में अपनाना
3. विद्यार्थियों के लिए अत्यंत आवश्यक
4. उपसंहार

(ख) बालश्रम1.भूमिका 2. बाल श्रम के कारण

प्रश्न- 13. अनियमित विद्युत आपूर्ति से उत्पन्न कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए विद्युत विभाग के प्रबंधक को पत्र लिखिए। (5×1=5)

अथवा

छात्रावास में रह रहे आपके छोटे भाई को परीक्षा में बहुत कम अंक मिले हैं । समय के सदुपयोग और परिश्रम पर बल देते हुए छोटे भाई को एक पत्र लिखिए।

प्रश्न -14 आपको तीन दिन का अवकाश चाहिए इसके लिए प्राचार्य को ईमेल लिखिए।- (1×5=5)

अथवा

निम्न में से किसी एक विषय पर लघुकथा लिखिए

(क एकता में बल। (ख परोपकार का फल

प्रश्न-15. आप टैगोर पब्लिक स्कूल शांति विहार ,दिल्ली की छात्रा कोमल हैं। आपका प्रवेश पत्र विद्यालय परिसर में गुम हो गया है इस विषय में |20 से 30 शब्दों में सूचना लिखिए। (1×4=4)

अथवा

परीक्षा की तैयारी पर बातचीत करते हुए दो मित्रों के बीच संवाद लिखिए।

उत्तरमाला 3-

अंक योजना

खंड क अपठित बोध -

प्रश्न :1 उत्तर

1. (ख)कंपोस्ट खाद।
2. (क) देश की आबादी बढ़ने के कारण।
3. (ख) परंपरागत खेती से
4. किसान खेतों में गोबर ,राख और पत्तों से बनी जैविक खाद नहीं डालते हैं। रासायनिकउर्वरकों और कीटनशको का अंधाधुंध इस्तेमाल करते हैं।
5. देश को खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भरबनाना था।

प्रश्न :2 1. (ग) मन में जाति को सुखी बनाना

2. (क) ।स्नेह तथा बलिदान से
3. (ग) इक।
4. सब कुछ छोड़ करके सन्यास खोजना।
5. धरती युद्ध के भय से मुक्त होगी औरयहां सभी लोग सुखी पूर्वक रहेंगे।

(खंड) ख- व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न 3. 1. (क) प्रथम पद प्रधानहोता है।

2. (ख) हवन सामग्री।
3. (ग) यथाशीघ्र।
4. (ग) महाराजा।
5. (घ) द्वंद्व समास

प्रश्न:4 1. (ख) प्रत्यय

2. (क) अनु
3. (ख) पुराण
4. (ग) अति।
5. (ख) घबरा -आहट।

प्रश्न :5. 1. (ग) विस्मयादि बोधक

2. (ख) संकेत वाचक।

3. (ग) दरवाजा बंद कर दो।

4. (ग) आठ।

5. (घ) राम।

प्रश्न 6. 1. (ख) श्लेष अलंकार।

2 (ख) नुप्रास।अ

3. (ख) यमक अलंकार।

4. (ख) चारु चंद्र की चंचल किरणें खेल रही जल थल में।

5. (क) रूपक।

खंड (ठ्यपुस्तकपूरक पुस्तक व पा) ग -

प्रश्न :7 1. (घ) सालिम अली।

2. (क) पक्षियों के सूक्ष्म निरीक्षण केलिए

3. (ग) चौधरी चरण सिंह।

4. (क) पक्षियों के बारे में जानने वाला

5. (ग स्तीह खेलती रहस्यभरी दुनिया

प्रश्न: 8. 1. (ग) अमरनाथ में

2. (ख) पूजा उपासना को।

3. (क)सांसों में।

4. (ग) ईश्वर के लिए।

5. शीघ्र

प्रश्न: 9.

(1) * हमें पशुओं के प्रति स्नेह पूर्ण व्यवहार करना चाहिए क्रूरता किसी भी प्रकार से उचित नहीं है

*व्यक्ति के लिए उसकी स्वतंत्रता सर्वोपरि है उसकी हर कीमत पर रक्षा की जानी चाहिए।

* हमें एक दूसरे के साथ सहयोग करना चाहिए इससे सभी समस्याएं सुलझ जाती हैं।

(2). *लौटते समय में उसे ठहरने के लिए अच्छा स्थान नहीं मिला ।

*लेखक का घोड़ा उत्तराई के समय बहुत धीरेअतः वह पिछड़ गया। |धीरे चल रहा था-

" उन्हें भार ढोने के लिए कोई भरिया नहीं मिला।

(3.) आधार गुणवत्ता होना चाहिए,न कि उसका विज्ञापन।

प्राय विज्ञापन में लुभावनी प्रतीत होनेवाली चीज बेकार की निकलती है। गुणवत्ता वाली वस्तु तो बिना विज्ञापन के भी खूब बिकती है। विज्ञापन के वशीभूत होकर खरीदी चीज से हमें प्रायः पछताना पड़ता है।

(4). लेखिका की प्रतिभा को सुभद्रा कुमारी चौहान ने पहचान। खाली समय में दोनों कविता लिखती और पत्रिका में छपने के लिए भेज देती थी। वे दोनों कवि सम्मेलनों में भी भागलेने लगी। लेखिका को प्रायः प्रथम पुरस्कार मिलता था।

प्रश्न :10.

1. क्योंकि उनमें अभी कच्चा पन है। जिस प्रकार कच्चे स्कोरे से पानी टपकता रहता है, उसी प्रकार उसके प्रयासों में दृढ़ता ना होने के कारण वह भी व्यर्थ हो रहे हैं।
2. क्योंकि वह मुरली को अपनी सौत मानती है ।मुरली सदा श्री कृष्ण के होठों पर लगी रहती थी। इसी सौतिया डाह के कारण वह मुरली को अपना शत्रु मानती है और उसे अपने होठों पर नहीं लगाना चाहती हैं।

3. ब्रिटिश शासन की तुलना तम के प्रभाव से की गई है । क्योंकि दोनों का स्वरूप काला है ।ब्रिटिश शासन के कारनामे काले हैं। वह अन्याय के प्रतीक है। अंग्रेजी शासन ने भारतवासियों के हृदय में निराशा का अंधकार भर दिया था।
4. क्योंकि यदि वे अभी से काम पर जाने लगेंगे तो वे स्कूल नहीं जा सकेंगे, खेलकूद नहीं सकेंगे, उनका बचपन अधूरा रह जाएगा। वे अनपढ़रह जाएंगे और जीवन में उचित मार्ग प्राप्त नहीं कर सकेंगे ।उनकी बुद्धि का विकास ठीक प्रकार से नहीं हो सकेगा।
5. प्रश्न :11

(1.) समाज में उमा जैसी व्यक्तित्व की जरूरत है।उमा के व्यक्तित्व में साहस है ,वह स्पष्ट वक्ता है। शंकर जैसे लड़के समाज को किसी भी रूप में ऊंचा उठाने में योगदान नहीं दे सकते। दूसरी और उमा वर्तमान नारी की साक्षात प्रतिमूर्ति है। वह अन्याय काडटकर विरोध करने वाली है उसमें रूढ़ियों और कुरीतियों से लड़ने का साहस है। वह अन्यायको चुपचाप सहन करके उसे बढ़ावा देने वाली नहीं है।। वह लड़का और लड़की के भेदभाव कोसमाप्त कर देना चाहती है। वह स्पष्ट करती है कि रिश्ता तय करते समय लड़की से तरहतरहके सवाल - पूछ कर उसे अपमानित करना उचित नहीं है ।उमा समाज को एक नई दिशा देने में सक्षमहै, अतः समाज को उमा जैसे व्यक्तित्व की जरूरत है।

(2) जब एक बार लेखिका के घर में एक चोर घुस आया, तब परदादी ने उसे डराया धमकाया या उपदेश नहीं दिया, न उसके ऊपर दबाव डाला गया। परदादीने उसके साथ सहज व्यवहार किया ।उससे अपने लिए पानी मंगवाया तथा उससे भी आधा लोटा पानी पिलाया ।उसे अपना बेटाबताया। इस सहज व्यवहारसे वह चोरी छोड़कर खेती के काम में लग गया ।वह सही राह पर आ गया।

(3.) बाढ़ के पानी को मृत्यु का तरल दूत कहा है।यह पानी तरल था और मौत का बुलावा लेकर आ रहा था अर्थात वह पानी जानलेवा था। जिधर से भी जाता अपने साथ सब कुछ बहा करके ले जाता इसलिए इसे मृत्यु का तरल दूत कहा गया है।

प्रश्न 12. दिए गए किन्हीं दो विषयों में से किसीएक विषय पर 100 से 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन -

*भूमिका -1 अंक

*विषय वस्तु -4अंक

*भाषा -1 अंक

प्रश्न 13.दिए गए किसी एक विषय पर पत्र लेखन

*आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक

* विषयवस्तु -3 अंक

" भाषा - 1 अंक

प्रश्न 16. किसी एक विषय पर ई मेल अथवा लघुकथा लेखन-

5अंक

*विषय वस्तु -3 अंक

*प्रस्तुति -1 अंक

*भाषा -1 अंक

प्रश्न 17. किसी एक विषय पर सूचना लेखन अथवा लघु कथा लेखन -

4अंक

*प्रस्तुति -1 अंक

*कथावस्तु - संवाद की विषय वस्तु/2अंक

*भाषा -1 अंक

केन्द्रीय विद्यालय संगठन चंडीगढ़ संभाग 25-2024

अध्ययन सामग्री प्रतिदर्श प्रश्न पत्र कक्षा नवमी (हिन्दी)

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र -4

कक्षा: नवमी **पूर्णांक : 80**

विषय: हिंदी **अवधि :3 घंटे**

सामान्य निर्देश -:

(i) प्रश्न पत्र में चार खंड हैं -क , ख , ग , घ ।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के क्रमशः उत्तर दीजिए।

(iv) साफ व सुंदर लिखे।

खंड क (अपठित बोध)

प्रश्न:1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - (1×3=3) (2× 2=4)

आर्थिक तंगी के कारण एक दिन प्रेमचंद अपनी गणितकी पुस्तक बेचने दुकान पर गए। संयोग से वहां उनकी भेंट एक छोटे से स्कूल के हेड मास्टरसे हो गई। उन्हें प्रेमचंद की दीन दशा पर दया आ गई। और उन्होंने उन्हें ₹18 मासिक पर अपने स्कूल में अध्यापक बना दिया। उनके पढ़ने के स्वभाव के कारण उनके साथी उन्हें 'किताबी कीड़ाकहने लगे थे। बाद में क्वींस कॉलेज वाराणसी के अंग्रेज प्रधानाचार्य ' बेकन साहब ने कृपा करके उन्हें सरकारी स्कूल का अध्यापक बना दिया। बाद में वे डिप्टीइंस्पेक्टर ऑफ स्कूल हो गए।जब वे दौरे पर जाते तो भोजन आदि की व्यवस्था खुद करते तथा अध्यापकों की सेवा स्वीकार नहीं करते थे। अब तक नवाब राय के नाम से उर्दू में लिखने लगे थे। उनकी देशभक्ति की कहानियों का संग्रह अंग्रेजी सरकार ने 'सोजे वतन' जब्त करलिया। इस घटना के बाद वे प्रेमचंद के नाम से लिखने लगे। उन्होंने अपने उपन्यासों द्वारा समाज सुधार का कार्य प्रारंभ किया। इनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं था। इन्होंने बाल विवाह का विरोध किया और विधवा विवाह का समर्थन किया। अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद एक विधवा शिवरानी देवी से विवाह किया। 'प्रेमा', 'सेवा सदन', 'रंगभूमि ','कर्मभूमि ताजैसे उपन्यासों का रचयि 'गोदान' तथा'8 अक्टूबर 1936 को चिरनिद्रा में सो गया।

निम्नलिखितमें से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए-:

1 .प्रेमचंद की मदद किसने और कैसे की? 1

(क) मास्टर ने स्कूल में₹15 मासिक पर अध्यापक बनादिया।

(ख) ल के हेड मास्टर नेस्कू₹18 मासिक पर स्कूल का अध्यापक बना दिया।

(ग) मास्टर ने₹15 मासिक पर सह अध्यापक बना दिया।

(घ) स्कूल के हेडमास्टर ने₹18 मासिक पर गणित का अध्यापक बना दिया।

2 .उर्दू में लिखते समय उनका नाम क्या था? 1

(क) गुलाब राय। (ख) नवाब राय (ग) दलपत राय। (घ) त्रिलोचन राय

3. प्रेमचंद ने किस से विवाह किया? 1

(क) सधवा शिवरानी देवी से (ख) विधवाशिवरानी देवी से

(ग) विधवा शिवानी देवी से (घ) वानी देवी सेसधवा शि

4. प्रेमचंद के व्यक्तित्व की विशेषताएं लिखिए। 2

5. प्रेमचंद ने कौनकौन से समाज सुधार के कार्य किए-? 2

प्रश्न :2 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए) - -1×3=3) (2× 2=4)

आज सारे दिन बाहर घूमता रहा

और कोई दुर्घटना नहीं हुई।
आज सारे दिन लोगों से मिलता रहा
और कहीं अपमानित नहीं हुआ।
आज सारे दिन सच बोलता रहा
और किसी ने बुरा नहीं माना।
आज सब का यकीन किया
और कहीं धोखा नहीं खाया।
और सबसे बड़ा चमत्कार तो यह
कि घर लौटकर मैंने किसी और को नहीं
अपने को ही लौटा हुआ पाया।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिए-:

1.कवि को आज का दिन विशिष्ट क्यों लगा? 1

(क) आज ऐसा कुछ नहीं हुआ जिससे मन दुखी हो।
(ख) आज कुछऐसा नहीं हुआ जिसे याद रखा जा सके।
(ग) जिसे भुलाया जा सके। आज कुछ ऐसा नहीं हुआ
(घ) आज सब कुछ रोज की तरह हुआ।

2.आज से बड़ा चमत्कार कौन सा हुआ? 1

(क) आज कवि ने शत्रु को लौटा हुआ पाया।
(क) आज कवि ने पड़ोसी को लौटा हुआ पाया।
(ग) आज कवि ने मित्र को लौटा हुआ पाया।
(घ) आज कवि ने अपने को ही लौटा हुआ पाया।

3.'अपमानित:शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय है ' 1

(क 'नित 'उपसर्ग 'अ प्रत्यय
(ख) ' अप' उपसर्ग ' इत ' प्रत्यय
(ग) ' अ पप्रत्यय 'नित ' उपसर्ग
(घ) ' अ प्रत्यय ' इत ' र्गउपस

4 कवि के साथ रोज क्या क्या होता है ? 2

5 लोग सच बोलने पर बुरा क्यों मान जाते हैं? 2

खंड(व्यवहारिक व्याकरण बोध) ख :

प्रश्न :3 निम्नलिखितपांच प्रश्नों में से किन्हीं चार के निर्देशानुसार उत्तर दीजिए - (1×4=4)

1.'बेकसूर-शब्द का उचित समास विग्रह है '

(क) बिना कसूर के
(ख) कसूर और बिना
(ग) बे और कसूर
(घ) कसूर के खिलाफ

2. 'सुखशब्द में कौन सा 'दुख- समास है उचित विकल्प चुनिए- 1

(क स।बहुव्रीहि समा (ख द्विगु समास
(ग द्वंद्व समास। (घ अव्ययीभाव समास

3 यथामति सामासिक पद का सही विकल्प है-:

(क यथा की मतितत्पुरुष समास -

(ख -यथा है जिसमें मति बहुव्रीहि समास

(ग -अनुसार मति के अव्ययीभाव समास

(घ -यथा और मति द्वंद्व समास

4. निम्नलिखित में सामासिक पद के विग्रह और नाम का सही विकल्प चुनकर लिखिए-:

(क-तीन है जो भुवन बहुव्रीहि समास

(ख -तीसरा भुवन कर्मधारय समास

(ग - तीन भवन द्विगु समास

(घ) तीन भुवनों का समूह- द्विगु समास

5.सत्याग्रह शब्द में कौन सा समास है-:

(क द्वंद्व समास। (ख तत्पुरुष समास

(ग अव्ययीभाव समास। (घ बहुव्रीहि समास

प्रश्न 3. निम्नलिखित पांच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-: (1x4=4)

1. किस शब्द में : उपसर्ग नहीं है' दु'

(क) दुबला। (ख) दुगुना

(ग) दुखड़ा। (घ) दुमंजिला

2 .' पुरातत्वशब्द में कौन सा उपसर्ग है '

(क) पुर (ख) पुरा

(ग) पु (घ) पुरत

3. 'इयलप्रत्यय वाला कौन सा शब्द नहीं है '?

(क) अड़ियल। (ख) सडियल

(ग) चमियाल। (घ) मरियल

4. पारंपरिक- में उचित प्रत्यय हैशब्द -

क) रि (ख इ (ग परिक (घ क

5.' दार्शनिक-शब्द में प्रत्यय है '

(क दर्श +निक (ख इक +दर्शन

(ग दर्शन+ निक (घ निक +दर्श

प्रश्न 5. निम्नलिखित पांच में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-: 1x4=4

1अर्थ की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद हैं?

(क) दो (ख) चार (ग) आठ (घ) छह

2.निम्नलिखित में से कौनसंदेह वाचक वाक्य नहीं सा है-:

(क) काव्या चित्र में रंग भर चुकी होगी।

(ख) सुमन ने स्वेटर पूरा बुन लिया होगा।

(ग) ईश्वर करे आपकी यात्रा मंगलमय हो

(घ) शायद इस महीने पुल का उद्घाटन कर दिया जाएगा|

3.निम्नलिखित में से कौन सा वाक्य संकेतवाचक वाक्य है-:

(क)अगर पुजारी आ गया होता तो पूजा का कार्यक्रम शुरु हो जाता।

(ख अरे !यह सुंदर स्वेटर तुमने बुना है।

(ग)यह खबर मैंने नवभारत टाइम्स समाचार पत्र में पढ़ी।

(घ)मेज पर रखी सुंदर घड़ी किसकी है?

4.'मैं चाहता हूं कि किसानों को उनकी फसल के सही दाम मिले- 'अर्थ के आधार पर यह वाक्य का कौन सा भेद है?

(क) नकारात्मक वाक्य

(ख) संदेहवाचक वाक्य

(ग) विधानवाचक वाक्य

(ङ) इच्छा वाचक वाक्य

5 विज्ञापन की बातों पर विश्वास करके सामान मत खरीदो। - इस वाक्य का विधानवाचक में रूपांतरण होगा-

(क) यदि विज्ञापन की बातों पर विश्वास नहीं है तो सामान मत खरीदो

(ख) विज्ञापन की बातों पर विश्वास करके सामान खरीदो।

(ग) विज्ञापन की बातों पर विश्वास करके सामान क्यों खरीदते हो?

(घ) तुमने विज्ञापन की बात पर विश्वासकर शायद के सामान खरीदा।

प्रश्न 6. निम्नलिखित पांच में से किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-: 1x4=4

1नभ में चमचम चपला चमकी पंक्ति में कौन से अलंकार का प्रयोग किया गयाहै ?

(क) रूपक। (ख) उपमा (ग)अनुप्रास। (घ) अतिशयोक्ति

2.निम्नलिखित में से किस पंक्ति में श्लेष अलंकार है-:

(क) चरण कमल बंदों हरि राइ।

(ख) शशि मुख पर घूंघट डाले।

(ग) पानी गए न ऊबरे मोती मानस, चरण।

(घ) अंबर पनघट में डुबो रही ताराघट उषा नागरी।

3.' कनक कनक - ते सौ गुनी मादकता अधिकाय ' रेखांकित शब्द में अलंकार है

(क) श्लेष अलंकार (ख) यमक अलंकार (ग) उत्प्रेक्षा अलंकार। (घ) मा अलंकारउप

4. निम्न में से शब्दालंकार है -

(क) रूपक। (ख) उपमा (ग) अनुप्रास। (घ) मानवीकरण

5.जहां एक ही वर्ण की बार-अलंकार होता है_____ बार आवृत्ति होती है वहां-

(क) अनुप्रास अलंकार। (ख) यमक अलंकार

(ग) उत्प्रेक्षा अलंकार (घ) अतिशयोक्ति

खंड (पठित बोध)ग -

7. निम्नलित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प -: 1x5=5

लेकिन गधे का एक छोटा भाई और भी है, जो उससे कम ही गधा है,और वह है बैल। जिस अर्थ में हम गधे का प्रयोग करते हैं, कुछ उसी से मिलते जुलते अर्थ में बछिया के ताऊ का प्रयोग भी करते हैं। कुछ लोग बैल को शायद बेवकूफों में सर्वश्रेष्ठ कहेंगे; मगर हमारा विचार ऐसा नहीं है। बैल कभीकभी मारता भी है-, औरकभी- कभी अड़ियल बैल भी देखने में आता है । और भी कई रीतियों से अपना असंतोष प्रकटकरदेता है ;अतः उसका स्थान गधे से नीचा है।

1.गधे का छोटा भाई किसे कहा गया है?

(क) कुत्ते को (ख) घोड़े को (ग) बैल को (घ) सांड को

2.उसे कम गधा क्यों कहा गया है?

(क) वह अधिक ताकतवर है। (ख) उसे खली,चुनीचोकर-,दान आदि चाहिए।

(ग) उसमें संतोष की भावना कम है। (घ) उसकी कीमत अधिक है।

3. बैल के बारे में लेखक की क्या राय है?

(क) में सर्वश्रेष्ठ है। वह बेवकूफों (ख) वह बहुत बुद्धिमान है

(ग) वह पूजने के काबिल है। (घ) वह गधे से कम बेवकूफ है।

4.बैल कभी मारता है, कभी काम के लिए अड़ जाता है ऐसा करके वह क्या प्रदर्शित करता है?

(क) अपनी शक्ति (ख) अपनी ज़िद

(ग) अपना असंतोष (घ) अपना महत्व

5.जो उससे कम ही गधा हैवाक्य में गधा शब्द - का विपरीत अर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

(क) गधी (ख) मूर्ख (ग) अज्ञ (घ) होशियार

प्रश्न :8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उचित विकल्प लिखिए-:1×5=5

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूं पुर को तजि डारौं।

आठहुं सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारों।।

रसखान कबौ इन आंखिन सौ, ब्रज के वन बाग तड़ाग निहारौं।

कोटिक ए कलाधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौ।

1. काव्यांश किस कवि के द्वारा रचित है-:

(क) कबीर (ख) रसखान (ग) ललद्यद (घ) तुलसीदास

2.कवि तीन लोकों का राज्य किस पर न्योछावर कर देना चाहता है?

(क) नंद की गाय चराने पर (ख) ब्रज के वन और उपवन पर

(ग) कृष्ण की लकुटी और कामरिया पर (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

3.इसका काव्यांश में कितनी सिद्धियों की चर्चा की गई है?

(क) चार। (ख) आठ (ग) नौ। (घ) इनमें से कोई नहीं

4.'करील के कुंजन में कौन सा अलंकार न ‘िहित है?

(क) रूपक (ख) उत्प्रेक्षा (ग) अनुप्रास। (घ) मानवीकरण

5.‘तड़ाग का क्या अर्थ है’? 1

(क) तलवार। (ख) तालाब (ग) तलाश (घ) इनमें से कोई

<u>वर्णनात्मक प्रश्न</u>

प्रश्न 9) निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए। (2x3=6)

1. सालिम अली ने पूर्व प्रधानमंत्री के सामने पर्यावरणसे संबंधित किन संभावित खतरों का चित्र खींचा होगा जिससे उनकी आंखें नम हो गई थी?
2. लेखक का भिखमंगों जैसा वेश तथा सुमति का साथ उसकी यात्रा में किस तरह सहायक हुआ?
3. ‘दो बैलों की कथापाठ के आधार पर कैसे कह सकते हो कि हीरा मोती की अपेक्षा अधिक सहनशील ’ था?
4. लेखक हरिशंकर परसाई ने अपने और प्रेमचंद के जूतों में क्या अंतर बताया है ?

प्रश्न :10 निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर लगभग 25 से 30 शब्दों में लिखिए-: (2x3=6)

1. बच्चों का काम पर जाना एक बड़े हादसे के समान है, क्यों?
2. आपके विचार से ब्रिटिश जैलों में स्वतंत्रता सेनानियों और अपराधियों के साथ एकसा व्यवहार क्यों - किया जाता होगा?
3. कबीर ने ईश्वर प्राप्ति के लिए किन प्रचलित विश्वासों का खंडन किया है?
4. ' वाख ' कविता में कवयित्री द्वारा मुक्ति के लिए किए जाने वाले प्रयास व्यर्थ क्यों हो रहे हैं ?

प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 से 50 शब्दों में लिखिए:(4x2=8)

1.‘शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है -’इस दिशा में लेखिका मृदुला गर्ग के द्वारा किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

2. उमा ने शंकर को बिना का क्यों कहा ’रीढ़ की हड्डी‘? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

3. बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए अपनी ओर से कुछ सुझाव दीजिए।

खंड (रचनात्मक लेखन) घ। -

प्रश्न: 12निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदु के आधार पर लगभग 100 से 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए-: (1x6=6)

(क साइबर अपराध का आतंक

साइबर अपराध और हैकिंग , इंटरनेट की असुरक्षा ने दिया बढ़ावा, साइबर अपराध सेबचने के उपाय

(ख) बेरोजगारी की समस्या

(बेरोजगारी के कारण, कोविड-19 से बेरोजगारी की भयावह स्थिति, निवारण के उपाय

प्रश्न 13. आपका छोटा भाई मोटरसाइकिल दिलाने की जिदकर रहा है |उसे समझाते हुए पत्र लिखिए कि 18 साल की उम्र से पहले ऐसा करना ठीक नहीं है।)1x5=5)

अथवा

आपके मोहल्ले में सफाई कर्मचारी नियमित रूप से नहीं आते हैं |इससे जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं| सफाई की अव्यवस्था की ओर ध्यान दिलाते हुए सफाई अधिकारी को पत्र लिखिए।

प्रश्न :14 विद्यालय में छात्रों के लिए खेल सामग्री मंगवाने के लिए प्राचार्य को ईमेल लिखिए। (1× 5=5)

अथवा

संकेत बिंदुओं के आधार पर लघु कथा लेखन कीजिए:

संकेत -(आलसी लड़का, पैसों से भरा एक थैला, बिना प्रयास के ही इतने सारे पैसे, व्यर्थ खर्च, कार्य करने की कोई आवश्यकता ही नहीं, कद्र और उपयोगिता(

प्रश्न :15 विद्यालय परिसर में आपकी पानी की बोतलछूट गई इसके बारे में बताते हुए श्यामपट्ट पर सूचना लिखिए ।

अथवा। (1× 4=4)

इंटरनेट की उपयोगिता और दुरुपयोग पर वार्तालाप करते दो विद्यार्थियों का संवाद लिखिए।

उत्तरमाला 4-

खंड अ अपठित बोध

प्रश्न 1 उत्तर -

1.(ख) स्कूल के हेडमास्टर ने ₹18 मासिक पर स्कूल का अध्यापक बना दिया।

2. (ख) नवाब राय

3. (ख) विधवा शिवरानी देवी।

4. विनम्र स्वभाव के थे ,कथनी करनीमें कोई अंतर नहीं करते, देशभक्ति थे और समाज सुधारक थे।

5. बाल विवाह का विरोध किया और विधवा विवाह का समर्थन ।

प्रश्न 2.

1(.क) आज कुछ ऐसा नहीं हुआ जिससे मन दुखी हो।

2. (घ) आज कवि ने अपने को ही लौटा हुआ पाया।

3. (ख) त्ययअप उपसर्ग इत प्र

4 दुर्घटना घटती है, अपमानित होना पड़ता है, झूठ बोलना पड़ता है, धोखा मिलता है।

5. सच्ची बात उनके अहम को ठेस पहुंचाती है और उनकी नकली जिंदगी सबके सामने आ जाती है।

खंड व् ब -यावहारिक व्याकरण

प्रश्न:3 1. क) बिना कसूर के।

2. (ग) द्वंद्व समास।

3. (ग) मति के अनुसार - अव्ययीभाव समास

4 (घ) तीन लोकों का समूह - द्विगु समास

5. (ख तत्पुरुष समास

प्रश्न :4 1. (ग) दुखड़ा

2) (ख) पुरा

3) (ग) चमियाल

4. (ख) इक

5. (ख दर्शन + इक

प्रश्न:5 1. (ग) आठ

2. (ग) ईश्वर करे आपकी यात्रा मंगलमय हो।

3. (क अगर पुजारी आ गया होता तो पूजा का कार्यक्रम शुरू हो जाता।

4. (घ) इच्छा वाचक वाक्य|

5. (ख) विज्ञापन की बातों पर विश्वास करके सामान खरीदो।

प्रश्न:6 1. (ग अनुप्रास

2. (ग रहिमन पानी राखिए बिन पानी सब सून ,पानी गए न ऊबरे मोती, मानस ,चून ।।

3. (ख) यमक अलंकार

4 (ग) अनुप्रास

5. (क) अनुप्रास।

(खंड ग पठित बोध)

प्रश्न :7 1. (ग) बैल को

2.(ग) उसमें संतोष की भावना कम है।

3.(घ) कम बेवकूफ है। वह गधे से

4.(ग)अपना असंतोष।

5. (घ) होशियार

प्रश्न :8 1.(ख) रसखान।

2. (ग) कृष्ण की लकुटी और कामरिया पर।

3.(ख) आठ।

4. (ग) अनुप्रास।

5. (ख) तालाब।

प्रश्न : 9 (1) सालिम अली ने तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से केरल की साइलेंट वैली को रेगिस्तानी हवाओं से बचाने का अनुरोध कियाथा। इन हवाओं के प्रभाव जैसेक्षेत्र का पक्षी विहीन हो जाना -, पेड़ पौधों का नष्ट हो, जाना गंदगी का जमावड़ा लग जाना, क्षेत्र का प्राणी विहीन हो जाना आदि का लेखाजोखा उनके - सामने पेश किया होगा, जिसे सुनकर उनकी आंखें नम हो गई।

2 लेखक भिखमंगे के वेश में यात्रा कर रहा था। ऐसे में उसके पास धन होने की कल्पना कोई नहीं कर सकता था। लेखक जहां संदिग्ध व्यक्ति देखता वह टोपी उतार कर अपनी जीभ निकाल कर भीख मांगने लगता । इसके अलावा सुमति के साथ होने से उन्हें कहीं भी रुकने में परेशानी नहीं हुई और उन्हें रुकने के लिए अच्छी जगह मिलती गई।

3 मोती का स्वभाव उग्र था जबकि हीरा का शांत। वह दूर की सोच कर व्यवहार करता था ।उसने अनेक अवसरों पर अपनी सहनशीलता का परिचय दिया था जैसे जब गया उनको गाड़ी में जोत कर ले जा - सड़क की खाई में गिराना चाहा पर हीरा ने संभाल लिया। रहा था तब मोती ने दो चार बार गाड़ीको (अन्य उदाहरणों पर भी अंक दिए जाएं)

4 प्रेमचंद के बाएं पैर के जूते में छेदहै, जिससे उनके पैर की उंगली बाहर निकल आई है। वहीं लेखक का जूता ऊपर से तो बिल्कुल ठीक है पर जूते के नीचे का तला घिसगया है, जिससे उसका अंगूठा घिस कर लहूलुहान हो जाता है पूरा तला गिर जाएगा ,पूरा पंजा छिल जाएगा मगर अंगुली बाहर नहीं दिखेगी, परंतु प्रेमचंद की अंगुली दिखती है पर पांव सुरक्षित है।

प्रश्न :10

(1.) बच्चों का काम पर जाना एक बड़े हादसे के समान है क्योंकि यदि बच्चे काम पर जाते हैं ,तो इससे बच्चों का बचपन छिन जाताहै और वह बहुत सारी सुविधाओं से वंचित हो जाते हैं।

(2.) पराधीन भारत में अंग्रेज निरंकुश शासक थे और भारतीय जनता उनकी प्रजा अर्थात शासित।अंग्रेजों का एकमात्र उद्देश्य था अपनी हित पूर्ति।जिस भारत में वे आर्थिक हितों को साध रहे थे उससे स्वतंत्रता देने के बाद में कैसे सोच सकते थे। अतः भारतीयों द्वारा स्वतंत्रता की मांग उन्हें गंभीर अपराध प्रतीत होताथा। अतः इस अपराध में गिरफ्तार किए गए सेनानियों को कठोर से कठोर दंड देना चाहती थी ताकि उनका मनोबल कम हो जाए और अन्य लोग भी उनके खिलाफ अपना सर न उठा सके।

(3.) कबीर ने ईश्वर प्राप्ति के लिए मंदिरमस्जिद में पूजा अर्चना व धार्मिक स्थलों पर जाना योग वैराग - और आडंबर जैसी अनर्थक क्रियाएं करनापूर्ण तरीकों से ईश्वर को पाने की लालसाओं का जोरदार खंडन किया

(4.) क्योंकि उनमें अभी कच्चापन है। जिस प्रकार कच्चे स्कोरे से पानी टपकता रहता है, उसी प्रकार उसके प्रयासों में दृढ़ता ना होनेके कारण वह भी व्यर्थ हो रहे हैं।

प्रश्न :11

1. शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है यह बात लेखिका मृदुला गर्ग को अपने पारिवारिक वातावरण में पता चल चुकी थी उनकी पांचों बहनों ने अपनीइच्छा अनुसार पढ़ाई की | लेखिका मृदुला गर्ग ने बच्चों की शिक्षा के लिए कर्नाटक के बागलकोट जिले में एक प्राइमरी स्कूल की स्थापना की जिसमें अंग्रेजी हिंदी और कन्नड़ तीनों भाषाएं पढ़ाई जाती थी इसे सरकार से मान्यता दिलवाई जिससे स्थानीय बच्चों को शिक्षा के लिए लाभ हो।
2. क्योंकि उमा इस कथन के माध्यम से शंकर की कमियों की ओर संकेत करना चाहती थी उसके | पिता गोपाल प्रसाद अपने बेटे के बारे में तनिक भी ध्यान नहीं देना चाहते थे और वह क्योंकि उमा इस कथन के माध्यम से शंकर की कमियों की ओर संकेत करना चाहती थी उसके पिता गोपाल प्रसाद अपने बेटे के बारे में तनिक भी ध्यान नहीं देना चाहते थे और वह अपनेबेटे को बहुत होशियार समझते थे जबकि ऐसा नहीं था बेटे को बहुत होशियार समझते थे जबकि ऐसा नहीं था। उसका चरित्र अच्छा नहीं था उसमें आत्मविश्वास की कमी थी वह झुक कर चलताथा उसकी शारीरिक बनावट भी कुछ अच्छी नहीं थी।
3. बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए दीर्घकालिक और तत्कालीन उपाय बढ़ते जाने की आवश्यकता है ।पानी की निकासी की उचित व्यवस्था की जानी चाहिए ।बाढ़ आने पर बचाव कार्यों का प्रबंध किया जाना भी जरूरी है। पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री को भंडार बनाना भी जरूरी है। दवाइयां का भंडारण भी होना चाहिए। अपनी जरूरत की चीजों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचादेना चाहिए।

खंड (रचनात्मक लेखन)घ -

प्रश्न 12.दिए गए किन्हीं तीन विषयों में से किसीएक विषय पर 100 से 120 शब्दों में अनुच्छेद लेखन 6

*भूमिका -1 अंक

*विषय वस्तु -4 अंक

*भाषा -1 अंक

प्रश्न 13.दिए गए हुए किसी एक विषय पर पत्र लेखन 5

*आरंभ और अंत की औपचारिकताएं - 1 अंक

*विषय वस्तु -3अंक

*भाषा -1 अंक

प्रश्न 14. ईमेल। अथवा लघु कथा लेखन

*विषय वस्तु -3 अंक

*प्रस्तुति -1 अंक

*भाषा -1 अंक

प्रश्न 15. सूचना लेखन अथवा संवाद

प्रस्तुति - 1 अंक

विषयवस्तु -3 अंक

भाषा - 1 अंक

****